# A CATALOGUE

OF

# THE SAMSKRIT MANUSCRIPTS

IN THE

## ADYAR LIBRARY

PART II

BY

THE PANDITS OF THE LIBRARY

PUBLISHED FOR THE ADYAR LIBRARY
(THEOSOPHICAL SOCIETY)
1928

CENTRAL ARCHAEOLOGICAL
LIBRARY NEW DELHI
Acc. No. 7910
Date. 30.10.56
Call No. 091.4912/A.L.

# PREFACE

The second volume of the catalogue of Sanskrit Manuscripts in the Adyar Library is now placed before the public. I carried through the press only the first few pages of this volume, the major portion being printed under the supervision of Mr. T. R. Chintamani, who was last year appointed Librarian of the Eastern Section. The whole work was done under my direction and I was always consulted. Owing to my new responsibilities in the University of Madras, I was not able to spare more time for the publication of this catalogue. This volume finishes the Sanskrit manuscripts in the Library. Another volume will be published which will contain the manuscripts in other languages.

C. KUNHAN RAJA,

*Hon. Director.*

# FOREWORD

THE second part of the catalogue of Sanskrit manuscripts in the Adyar Library is being issued now after an interval of two years, the first part having been published in 1926. This part has been prepared on the same plan as the first. Sanskrit manuscripts, dealing with Kāvya, Nāṭaka, Alaṅkāra, Grammar, the six systems of Philosophy, Mantraśāstra, and Jaina Philosophy have been catalogued here. The appendix at the end of the part includes manuscripts under different headings, many of which occur in part I. The acquisition of fresh manuscripts is going on and we propose to issue from time to time lists of the new acquisitions.

Besides Sanskrit manuscripts, the library possesses a good collection of Pāli, Tibetan, Tamil, Telugu, Kanarese, Malayāḷam, Singhalese and Burmese manuscripts. A detailed catalogue of all these manuscripts, under the heading "Catalogue of Vernacular Manuscripts in the Adyar Library" is in the course of preparation and it will be issued in due course. That would complete the list of manuscripts which the library possesses.

A few remarks may be necessary with regard to the classification adopted in this part of the catalogue. Works dealing with the Nyāya and the Vaiśeṣika systems are given under two separate headings Nyāya and Vaiśeṣika; but many of the works included in the respective headings do not treat exclusively of Nyāya or Vaiśeṣika. It is very difficult to avoid this overlapping. Even in cases where the overlapping could have been avoided, certain wrong entries have crept in. For instance, the Nyāyamañjarī of Jayanta Bhaṭṭa, a Nyāya-work finds a place in the Vaiśeṣika group. (P. 98.) In certain other cases the names of works have misled those that prepared the catalogue and a few wrong entries have resulted out of it. Nyāyacandrikā of Anandapūrṇa is a work on Advaita but it has been entered under Nyāya. (P. 117.) But when the error was detected later on, it was entered under Advaita also. (P. 146.) Tantraratna of Pārthasārathimiśra is entered as a commentary on the Tantra-

vārtika instead of Ṭupṭikā. (P. 126.) Different works of the same name ha been grouped under a single heading in certain places. There are a few mi errors but they may be passed over.

Indexes, one containing an alphabetical list of authors and anothe containing an alphabetical list of works, promised in the foreword to part I o the catalogue has not been issued with this part in view of the fact that we have yet another part to issue. It will be issued along with that part.

T. R. CHINTAMANI

## A COMPARATIVE TABLE OF THE CONTENTS OF THE CATALOGUES OF 1910 AND 1928

| 1910 | | | 1928 | | |
|---|---|---|---|---|---|
| HEADINGS | TOTAL | TITLES | HEADINGS | TOTAL | TITLES |
| Gadyakāvya | 25 | 11 | Gadyakāvya | 37 | 15 |
| Padyakāvya | 446 | 147 | Padyakāvya | 598 | 181 |
| | | | Aṣṭapadī | 26 | 4 |
| | | | Samayocitaśloka | 45 | 18 |
| | | | Subhāṣita | 32 | 10 |
| Campu | 154 | 39 | Campu | 200 | 57 |
| Nīti | 36 | 15 | Nīti | 26 | 10 |
| | | | Carita | 33 | 18 |
| | 661 | 212 | | 997 | 313 |
| Nāṭaka | 161 | 59 | Nāṭaka | 236 | 84 |
| | | | Prakaraṇa | 10 | 4 |
| | | | Bhāṇa | 25 | 9 |
| | | | Prahasana | 6 | 2 |
| | | | Vyāyoga | 3 | 1 |
| | 161 | 59 | | 280 | 100 |
| Alaṅkāra | 89 | 42 | Alaṅkāra | 179 | 81 |
| Chandas | 23 | 15 | Chandas | 43 | 20 |
| Kośa | 143 | 46 | Kośa | 193 | 52 |
| Kāmaśāstra | 7 | 5 | Kāmaśāstra | 16 | 9 |
| | | | Saṃgīta | 18 | 18 |
| Nāṭyaśāstra | 10 | 9 | Nāṭyaśāstra | 15 | 7 |
| Śilpaśāstra | 7 | 6 | Śilpaśāstra | 15 | 14 |
| Śakuna Sāmudrika | 12 | 6 | Śakuna Sāmudrika | 11 | 5 |

| 1910 | | | 1928 | | |
|---|---|---|---|---|---|
| HEADINGS | TOTAL | TITLES | HEADINGS | TOTAL | TITLES |
| Gaṇita and Pañcāṅga | 170 | 112 | Gaṇita | 108 | 85 |
| | | | Pañcāṅga | 89 | 51 |
| | 170 | 112 | | 197 | 36 |
| Jyautiṣa | 298 | 191 | Jyautiṣa | 450 | 274 |
| | | | Goḷa | 28 | 11 |
| | 298 | 191 | | 478 | 285 |
| Vaidyaśāstra | 20 | 16 | Vaidyaśāstra | 82 | 58 |
| Vyākaraṇa: Sanskrit | 393 | 132 | Vyākaraṇa: Sanskrit (Sūtras, Commentaries, etc.) | 497 | 165 |
| | | | Miscellaneous | 85 | 31 |
| | 393 | 132 | | 582 | 196 |
| | | | Sārasvata | 26 | 10 |
| Prākṛta | 15 | 13 | Prākṛta | 27 | 17 |
| | | | Unidentified | 7 | 7 |
| | 408 | 145 | | 642 | 230 |
| Sāmkhya | 6 | 4 | Sāmkhya | 12 | 7 |
| Yoga | 54 | 38 | Yoga Sūtra, etc. | 14 | 5 |
| | | | Other works | 72 | 51 |
| | 54 | 38 | | 86 | 56 |
| Nyāya and Vaiśeṣika | 744 | 36 | Vaiśeṣika | 260 | 65 |
| | | | Nyāya | 888 | 230 |
| | 744 | 36 | | 1,148 | 295 |

| 1910 Headings | Total | Titles | 1928 Headings | Total | Titles |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- |
| Mīmāṁsā | 126 | 54 | Mīmāṁsā | 240 | 96 |
| Advaita | 398 | 225 | Advaita | 612 | 276 |
| Viśiṣṭādvaita | 372 | 222 | Viśiṣṭādvaita | 577 | 346 |
| | | | Vallabhamata | 1 | 1 |
| Dvaita | 39 | 34 | Dvaita | 159 | 104 |
| Śaiva Vedānta | 54 | 42 | Kāśmir Śaivism | 15 | 9 |
| | | | Other Works | 90 | 56 |
| | | | Liṅgāyata | 5 | 5 |
| | 54 | 42 | | 110 | 70 |
| Anubhavādvaita | 42 | 32 | Anubhavādvaita | 41 | 29 |
| Vaikhānasāgama | 2 | 2 | Vaikhānasa | 13 | 9 |
| Pāñcarātrāgama | 91 | 33 | Pāñcarātra Saṁhitā | 49 | 34 |
| | | | Pāñcarātra Prayoga | 60 | 47 |
| | 91 | 33 | | 109 | 81 |
| Śāktāgama | 43 | 34 | Śākta | 104 | 63 |
| Sāmānyāgama | 102 | 80 | | | |
| | | | Śaivāgama | 156 | 113 |
| Tantra | 92 | 60 | Tantra | 59 | 43 |
| | | | Indrajāla | 19 | 16 |
| | | | Bhakti | 17 | 13 |
| Mantra | 958 | 644 | Mantra General | 24 | 15 |
| | | | Of various deities | 1,290 | 889 |
| | 958 | 644 | | 1,314 | 904 |
| Jain works | 121 | 73 | Jain works | 144 | 95 |
| Unidentified | 6 | 6 | | | |
| | 5,259 | 2,443 | | 8,087 | 3,825 |

## LIST OF ABBREVIATIONS OF SCRIPTS USED

| | | |
|---|---|---|
| 1. | आंग्ल— | (Roman Characters) |
| 2. | आ —आन्ध्र | (Telugu) |
| 3. | ओ —ओरिया | (Oriyā) |
| 4. | क —कर्णाटक | (Kanarese) |
| 5. | के —केरल | (Malayālam) |
| 6. | ग्र —ग्रन्थ | (Grantha) |
| 7. | दे —देवनागरी | (Devanāgarī) |
| 8. | द्रा —द्राविड | (Tamil) |
| 9. | ना —नागरी | (Nandināgarī) |
| 10. | ब —बङ्गाली | (Bengālī) |
| 11. | शा —शारदा | (S'āradā) |

# CONTENTS

॥ श्रीः ॥

# अडयार्-पुस्तकालयस्थ-संस्कृतलिखितग्रन्थसूची

## काव्यग्रन्थाः

### (i) गद्यकाव्यग्रन्थाः

आचार्यगद्यम्—वेङ्कटाचार्यकृतम्
22 D 32 ग्र 5.

कादम्बरी—बाणभट्टकृता
10 D 12 दे 818.
22 H 64 आ 208 अस.
22 I 1 ग्र 70 अस (सव्याख्या).
22 I 2 ग्र 226 (पूर्वभागे कादम्बरीसकाशाच्चन्द्रापीडनिर्गमान्तम्).
24 B 22 ग्र 216 अस.
25 C 35 ग्र 140 अस.
26 H 25 आ 138 अस.
30 J 7 आ 300.
30 K 19 आ 200 अस.
35 B 113 दे 192 अस.
35 B 142 दे 210 (महाश्वेतायै पुण्डरीकवृत्तांतकथनान्तम्).

कादम्बरीखण्डः—पुलिन्दकविकृतः
34 J 43 दे 116 अस.

दमयन्तीकथा—विक्रमभट्टकृता
35 C 32 दे 56.

दशकुमारचरितम्—दण्डिकृतम्
8 H 34 दे 155 (पूर्वपीठिकां विना).

द्वात्रिंशत्पुत्तलिकाकथा—वररुचिकृता
33 B 2 ओ 126 अस.

बृहत्कथामञ्जरी (कादम्बरी)—बाणभट्टकृता
28 K 19 आ 310.

रामायणसारसङ्ग्रहः—वेङ्कटाचार्यकृतः
23 I 14 ग्र—आ 54 (युद्धकाण्डान्तः).

लेखमाला—गणपतिशास्त्रिकृता (पत्रिका)
8 F 24 ग्र 38 अस.

वासवदत्ता—सुबन्धुकृता
8 F 49 आ 96.
20 E 47 आ 44.
23 A 30 ग्र 200 अस (सटीका).
24 A 9 ग्र 104 अस.
24 F 21 ग्र 71.

29 G 24 ग्र 67.
29 M 9 आ 38.

वासवदत्ताव्याख्या
20 E 45 आ 48.
24 A 9 ग्र 70 (भावदीपिका).
25 F 27 ग्र 120 अस.
29 G 5 ग्र 105 (त्रिविक्रमकृतः).
29 M 9 आ 43.
33 I 2 आ 188 (तत्त्वदीपिका जगद्धरकृता).

विक्रमार्कचरित्रम्—नन्दिकेश्वरकृतम्
22 L 42 ग्र 30 अस.

वेतालपञ्चविंशतिः—क्षेमेन्द्रकृता
11 C 34 दे 112 (२३ अध्यायान्तम्).
28 F 16 ग्र 66.

शुकसप्ततिकथा
19 M 23 आ 124 (३३ कथान्ता).

हर्षचरित्रम्—बाणभट्टकृतम् (रङ्गनाथकृतव्याख्या-युतम्)
8 I 19 दे 1105 सं ३.

---

## (ii) पद्यकाव्यग्रन्थाः

अच्युतरायाभ्युदयः—राजनाथकृतः
22 A 35 ग्र 164.

अन्यापदेशपञ्चाशत्—गणपतिशास्त्रिकृता
8 F 24 ग्र 8.

अन्यापदेशप्रस्तावः—जगन्नाथपण्डितकृतः
29 B 32 आ 13 (१ उल्लासः).
30 J 2 आ 28 (२ उल्लासौ).

अन्यापदेशशतकम्—जगन्नाथपण्डितकृतम्
8 C 36 दे 16 (८८ श्लोकाः).

अन्यापदेशशतकम्—नीलकण्ठदीक्षितकृतम्
22 C 6 ग्र 26 (अवतारिकायुतम्).
29 C 23 ग्र 36.
33 M 12 ग्र 9.

अमरुकशतकम्—(शंकराचार्य) अमरुककृतम्
8 F 55 दे 72 (वेमभूपालकृतटीकायुतम).
19 B 61 ग्र 122 (९९ श्लोकाः सटीकम्).
19 B 62 आ 208 (सटीकम).
19 B 63 ग्र 202 (सटीकम्).
22 C 42 ग्र 81 (७४ श्लोकाः, सटीकम्).
22 C 43 आ 112 (८९ श्लोकाः, सटीकम्).
22 C 46 आ 6 (२२ श्लोकाः).
23 J 27 ग्र 124 (८० श्लोकाः, सटीकम्).
24 D 19 ग्र 134 (सटीकं अतिशिथिलम).
24 E 39 आ 78 (सटीकम्).
26 F 6 आ 72 (सटीकम्).
27 H 12 ग्र-आ 76 (७६ श्लोकाः, सटीकं).
27 H 46 आ 24.
30 J 2 आ 28.
31 J 2 ग्र 11.

अमरुकशतकव्याख्या
30 J 2 आ 102.
33 L 31 ग्र 104 (गोष्ठीपुरेन्द्रसूरिकृता).
34 J 65 दे 87 (कोकसंभवकृता).

अर्थकौमुदी (वेङ्कटाद्रिचरित्रव्याख्या)—श्रीनिवासपण्डिताचार्यकृता
20 G 68 आ 14 (३ सर्गाः).

अष्टादशनान्दीलेखः
11 D 4 दे 14.

आन्ध्रशब्दचिन्तामणिः
30 I 26 आ 27 (३ परिच्छेदाः).

आशीर्वादशतकम्—कुट्टिकविकृतम् (वाञ्छानाथ-कृतम्)
1 A 6 दे 56.

ऋतुसंहारकाव्यम्—कालिदासकृतम्
11 F 23 ब 3 अस.

कलिविडम्बनम्— नीलकण्ठदीक्षितकृतम्
20 E 10 ग्र 8.
24 E 2 ग्र 14.
28 C 52 ग्र 9.
33 H 10 ग्र 16.
33 K 8 ग्र 13.
33 M 12 ग्र 4.
34 G 1 ग्र 10.

कविकण्टकोद्धारः
22 A 57 आ 33 (शिरश्शब्दाकारान्तत्व-निर्वचनपर्यन्तम्).

कविकण्ठपाशः—पिङ्गलाचार्यकृतः
39 B 3 आंगलं 9.

कविकर्पटीकरचना—शंखधरकृता
35 C 99 दे 24.

कविकल्पलता—देवेश्वरकृता
29 G 11 आ 210.

कविराक्षसीयम्—कविराक्षसकृतम् (सुभाषितरत्नम्)
30 J 2 आ 19 (७४ श्लोकाः)
33 F 28 ग्र 22.

कान्तिमतीकल्याणम्
33 L 4 ग्र 40 (३०० श्लोकाः)

कावड्यष्टकम्
21 K 70 ग्र 1.

काव्यम् (अज्ञातनामकम्)
31 J 16 के 77.

किरातार्जुनीयम्—भारविकृतम्
11 G 98 ब 130 अस.
22 J 48 आ 46 (सटीकम्).
22 K 15 आ 16 (१ सर्गः).
27 C 31 आ 24 (७ सर्गे ३३ श्लोकमारभ्य ९ सर्गे १६ श्लोकपर्यंतं, सटीकम्).
29 B 34 आ 46 (१ सर्गः, सटीकम्).
29 L 31 आ 32 (६ सर्गान्तं, सटीकम्).
30 J 25 आ 37 (५ सर्गादि, सटीकम्).
30 L 1 आ 90 (९–१० सर्गौ, सटीकम्).
30 L 2 आ 100 (३–५ सर्गाः सटीकम्).
30 L 22 आ 28 (९ सर्गः सटीकम्).
30 L 25 आ 20 (१५ सर्गः, सटीकम्).
30 L 26 आ 32 (८ सर्गः, सव्याख्यः).
31 J 15 के 24 (१ सर्गः)
35 C 33 दे 100.

किरातार्जुनीयव्याख्या—मल्लिनाथकृता (घण्टापथः)
21 C 30 आ 96 (१०–१५ सर्गाः).
22 K 15 आ 77 (१, २ सर्गौ).
30 J 27 आ 116 (६–८ सर्गाः).

किरातार्जुनीयव्याख्या—भट्टिकनाथकृता (प्रसन्न-साहित्यचन्द्रिका)
36 F 6 दे 38 (११ सर्गादि १४ सर्गे ७ श्लोकान्तं, १२ सर्गे ३०–३९ श्लोकवर्जम्).

38 F 38 दे 33 (१० सर्गप्रभृति १८ सर्ग पर्यन्तम्).

किरातार्जुनीयव्याख्या—देवराजकृता
40 B 20 के 300.

किरातार्जुनीयव्याख्या—विद्यामाधवकृता
40 C 11 के 176.

कुमारसम्भवः—कालिदासकृतः
8 F 33 ग्र 207 (१–३ सर्गाः).
22 K 23 ग्र 24 (८ सर्गः).
22 K 24 आ 23 (६ सर्गे, २२ श्लोकपर्यन्तम्)
24 C 15 ग्र 136 (१–८ सर्गाः).
27 J 4 ग्र 4 (१ सर्गे, २० श्लोकाः).
29 B 31 आ 24 (२–९ सर्गाः).
30 J 33 आ 74 (५–६ सर्गौ).
30 K 39 आ 42 (८ सर्गः, सटीकः).
30 L 35 आ 50 (७ सर्गः, सटीकः).

कुमारसंभवव्याख्या—मल्लिनाथकृता (सञ्जीविनी)
21 A 59 आ 84 (१–६ सर्गाः)

कुमारसंभवव्याख्या—अनन्तदेवकृता
36 F 5 दे 34 (२ सर्गे ३९ श्लोकादि ४३ श्लोकान्तं, ३ सर्गे १२ श्लोकादि ६४ श्लोकान्तं, ४ सर्गः, ६ सर्गे ४ श्लोकादि ४३ श्लोकान्तम्).

कुमारसंभवव्याख्या—नारायणकृता
40 C 20 के 108 (२ सर्गौ).

कृष्णदूतम्—नारायणभट्टकृतम्
40 C 23 के 62.

कृष्णनृपजयोत्कर्षः—श्रीनिवासकविकृतः
9 G 29 क 8.

कृष्णप्रभावोदयः—श्रीनिवासकविकृतः
9 G 29 क 32.
21 A 66 ग्र 23.
29 G 11 आ 48.

कृष्णराजगुणरत्नमाला—रामकृष्णकृता (भुवनप्रदीपिका)
9 G 29 क 417 (कर्णाटकटीकायुता).

कृष्णराजशृङ्गारशतकम्—नञ्जुण्डकविकृतम्
9 G 29 क 20.

कृष्णलीलाभूषणम्—दत्तात्रेयकविकृतम्
22 L 19 आ 22 (८४ श्लोकाः).
22 L 20 आ 25 (१ सर्गः).
36 B 5 दे 66.

कृष्णविजयः—शङ्करकविकृतः
40 D 2 के 102.

कृष्णविलासः—सुकुमारकविकृतः
22 L 7 ग्र 83 (१–२ सर्गौ, सव्याख्यः).
22 L 16 ग्र 41 (१ सर्गः, २ सर्गे ४४ श्लोकाः).

कृष्णविलासकाव्यम्—पुण्यकोटिकृतम्
24 H 2 आ 188 (१–११ सर्गाः).

कृष्णाभ्युदयम्—तिम्मयज्व (भूपाल) कृतम्
22 L 8 आ 278 (सटीकम्).

कृष्णाभ्युदयम्—वरदराजयज्वकृतम्
22 L 15 ग्र 74 (५ सर्गे ३७ श्लोकादि ६, ७, ८, १२, १३, १४, सर्गे ८० श्लोकाः).

कृष्णाभ्युदयम्
38 G 9 दे 355.

कृष्णोदन्तः——भास्करकृतः
34 C 20 के 56.

कोकिलसन्देशः——नृसिंह्मकृतः
21 A 4 ग्र 30 (८० श्लोकाः).
30 E 20 ग्र 29 (३८ श्लोकाः).

गङ्गाधरविजयः——वेङ्कटसुब्बकृतः
23 H 17 ग्र 24 (१ सर्गः).

गङ्गावतरणम्——नीलकण्ठदीक्षितकृतम्
33 G 4 ग्र 64.

गुणदोषदर्पणम्——कंसारिकृतम्
10 F 25 दे 28 (७ दशकान्तम्).

गोविन्दचरितम्
40 B 31 के 110.

घटकर्परयमककाव्यम्——घटकर्परकृतम्
9 C 74 ग्र 4.
39 B 8 आंगलं 5.

चण्डीरहस्यम्——नीलकण्ठदीक्षितकृतम्
33 M 12 ग्र 4.

चमत्कारचन्द्रिका——कविकर्णपूरगोस्वामिकृता
33 B 5 ओ 243.

चमत्कारचिन्तामणिः
29 G 11 आ 20.

चाटुश्लोकाः
30 M 30 ग्र 4 (८ श्लोकाः).

चौरपञ्चाशत्——सुन्दरराजकृता
11 G 10 ब 10.

जयतीर्थविजयः——संकर्षणाचार्यकृतः
8 D 22 दे 30.

तुरगशतकम्——कुट्टिकविकृतम् (वाञ्छानाथकृतम्)
1 A 6 दे 25 (९० श्लोकान्तम्).

तुरगशतकम्——गणपतिशास्त्रिकृतम्
8 F 24 ग्र 10.

दारुकावनविलासः——रत्नाराध्यगुरुकृतः
33 J 14 ग्र 42 (१० अध्यायान्तम्).

दिव्यसूरिचरितम्——गरुडवाहनाचार्यकृतम्
21 L 41 ग्र 30 (७, ८ सर्गौ).

धर्मविजयः——शुक्लभूदेवकृतः
36 F 41 दे 106 (सटीकः)

धातुकाव्यम्——वासुदेवकृतम्
40 B 29 के 304 (कृष्णार्पणव्याख्यायुतम्).

धातुकाव्यव्याख्या——नारायणशिष्यकृता
40 C 19 के 220.
40 C 24 ग्र 116.

नलोदयः——कालिदासकृतः
25 F 25 ग्र 65 (१ उच्छ्वासः २ उच्छ्वासे ३४ श्लोकाः) (अतिशिथिलम्).
26 I 14 ग्र 54 (१, २ आश्वासौ).
28 A 47 ग्र 49 (सव्याख्यः).
28 A 49 आ 20 (४९ श्लोकाः, पदच्छेदसहितः).
28 A 58 ग्र 11 (१ आश्वासः).
39 B 2 आंग्लम् 26.

नलोदयव्याख्या (नलोदयविरहः)
28 A 42 ग्र 63.

नागकुमारकाव्यम्
36 A 8 ग्र 92.

नारायणशतकम्—विद्याकरपुरोहितकृतम् (सव्याख्यम्)
33 A 17 ओ 107.

नारायणीयम्—नारायणभट्टकृतम्
24 C 4 के 288.
28 C 47 ग्र 422.

नैषधकाव्यम्—श्रीहर्षकृतम्
8 F 27 ग्र 23 (७, ८, ९, सर्गाः).
8 F 30 ग्र 140 (१ सर्गः, द्राविडीयुतः).
8 F 31 ग्र 314 (२ ,, ,,
19 H 7 ग्र 110 (२, ३ सर्गौ, सव्याख्यम्).
19 K 10 ग्र 13 (७ सर्गः).
19 M 58 आ 50 (८ सर्गः, सव्याख्यम्).
19 M 64 आ 16 (३, ४ सर्गौ).
20 D 30 ग्र 9 (१ सर्गे ४० श्लोकाः).
22 I 54 ग्र 21 (१ सर्गः).
23 A 4 आ 58 (९ सर्गः, सव्याख्यम्).
23 A 38 आ 56 (४ सर्गः, सव्याख्यम्).
23 B 1 आ 46 (३ सर्गः, सव्याख्यम).
23 B 9 आ 86 (१० सर्गः, सव्याख्यम्).
23 B 44 आ 52 (१४ सर्गः, सव्याख्यम्).
23 B 45 आ 66 (१ सर्गः, सव्याख्यम्).
23 B 54 आ 50 (६ सर्गः, सव्याख्यम्).
23 C 19 आ 62 (१४ सर्गः, सव्याख्यम्).
25 B 24 ग्र 31 (१ सर्गः, सव्याख्यम्).
26 I 22 ग्र 140 (२, ३, ६ सर्गाः, सव्याख्यम्).
26 I 36 ग्र 108 (१, ६, ७ सर्गाः, सव्याख्यम्).
27 F 33 ग्र 19 (१२ सर्गः).
27 I 63 ग्र 14 (७ सर्गे ४२ श्लोकाः).
28 C 78 ग्र 26 (११ सर्गः).
28 C 79 आ 37 (१–४ सर्गाः).
28 D 1 ग्र 123 (१–६ सर्गाः).
28 D 6 आ 157 (१–३ सर्गपर्यन्तम्).
28 D 8 ग्र 78 (२–६ सर्गाः).
28 D 9 ग्र 76 (७ सर्गः, सव्याख्यम्).
28 D 10 ग्र 185 (१–६, १३ सर्गाः).
28 D 11 ग्र 27 (१३ सर्गः, सव्याख्यम).
28 D 16 ग्र 7 (१३ सर्गः).
28 D 16 ग्र 20 (१३ सर्गे २६ श्लोकाः सव्याख्यम्).
28 D 18 ग्र 156 (११–२१ सर्गाः).
28 D 19 ग्र 28 (१–३ सर्गाः).
28 D 20 ग्र 110 (१–७ सर्गाः)
28 D 21 ग्र 15 (९ सर्गः).
28 D 22 आ 24 (१ सर्गः).
28 D 23 आ 39 (१–३ सर्गाः).
28 D 24 ग्र 75 (१–३ सर्गाः).
28 D 25 आ 20 (३ सर्गः)
28 D 26 ग्र 16 (१ सर्गः).
28 D 27 ग्र 48 (१, २ सर्गौ).
28 D 28 आ 54 (१, २ सर्गौ).
28 D 30 ग्र 68 (१, ३ सर्गौ).
28 D 31 ग्र 44 (१, २ सर्गौ).
28 D 36 ग्र 100 (१, २ सर्गौ, सव्याख्यम).
28 D 38 ग्र 68 (९ सर्गः, सव्याख्यम्).
28 D 41 ग्र 86 (१, २, ९ सर्गाः).
28 D 42 ग्र 35 (१, ३ सर्गौ).
28 D 49 ग्र 72 (३–८ सर्गाः).
28 D 50 ग्र 31 (२ सर्गः, सटीकम्).
28 D 56 ग्र 94 (१० सर्गः, सटीकम्).
28 D 61 ग्र 154 (२, ३ सर्गौ, सटीकम).

28 D 63 ग्र 15 (४ सर्गः, सटीकम्).
29 B 27 आ 66 (५ सर्गः, सटीकम्).
29 H 10 आ 130 (१, २ सर्गौ सटीकम्).
29 H 10 आ 80 (१–७ सर्गाः ३ सर्गे ९५ श्लोकान्तं ७ सर्गे ९१ श्लोकान्तं च.
29 K 5 आ 169 (१, २ सर्गौ सटीकम्).
29 L 20 आ 12 (२ सर्गः).
29 L 34 आ 120 (१७–२२ सर्गाः).
29 M 20 आ 120 (११ सर्गमारभ्यान्तम्).
30 E 20 ग्र 16 (१ सर्गः).
30 J 40 आ 188 (१–१२ सर्गाः).
30 K 3 आ 94 (१–१० सर्गाः).
30 L 4 आ 106 (२–५ सर्गाः).
34 I 25 ग्र 1268 (मल्लिनाथव्याख्यायुतम्).
35 C 109 दे 60 (१–४ सर्गाः).
35 C 112 दे 108 (९ सर्गान्तम्).

नैषधव्याख्या (जीवातुः)—मल्लिनाथकृता

23 B 14 ग्र 160 (१, ५ सर्गौ).
25 D 29 ग्र 54 (५ सर्गः).
25 H 36 ग्र 28 (७ सर्गः).
26 F 44 ग्र 39 (१ सर्गः).
28 B 39 ग्र 22 (१३ सर्गः).
28 D 4 ग्र 24 (१३ सर्गः).
28 D 11 ग्र 27 (१३ सर्गः).
28 D 13 आ 40 (२ सर्गः).
28 D 15 ग्र 26 (१३ सर्गः).
28 D 33 ग्र 234 (१–३ सर्गाः).
28 D 34 ग्र 84 (११ सर्गः).
28 D 35 ग्र 60 (९ सर्गः).
28 D 39 आ 72 (४ सर्गः).
28 D 43 आ 105 (३, ४, १३, १४ सर्गाः).
28 D 44 ग्र 24 (७ सर्गः).
28 D 45 ग्र 90 (६–८ सर्गाः).
28 D 46 आ 36 (२ सर्गः).
28 D 47 आ 68 (१ सर्गः).
28 D 48 ग्र 68 (२ सर्गः).
28 D 52 ग्र 33 (८ सर्गः).
28 D 57 ग्र 70 (११ सर्गः).
29 A 4 आ 82 (२०–२२ सर्गाः).
29 B 4 आ 46 (९, १० सर्गौ).
29 F 7 आ 236 (१–९ सर्गाः २, ४ सर्गवर्जम्).
29 L 20 आ 48 (२ सर्गः).
29 L 34 आ 330 (१, १२–१९ सर्गाः).
29 M 10 आ 68 (१, ५ सर्गौ).
29 M 27 आ 75 (७, ८, १० सर्गाः).
30 J 5 आ 206 (४, ६–१० सर्गाः).
30 J 14 आ 66 (७, ८ सर्गौ).
30 J 28 आ 33 (१० सर्गः).
30 K 17 आ 233 (१–५ सर्गाः).
36 F 8 दे 68 (१ सर्गे ३० श्लोकप्रभृति १४१ श्लोकपर्यन्तम्).

नैषधव्याख्या (सिद्धाञ्जनम्)—श्रीकण्ठनारायणभट्टकृता

30 L 17 आ 672 (१–३ सर्गाः).
35 C 64 दे 38 (३ सर्गः).
35 C 65 दे 15 (२२ सर्गः).

नैषधव्याख्या (पदवाक्यार्थपञ्जिका)

40 B 1 के 318.
40 B 23 के 260 (आदितः पञ्चमसर्गपर्यन्तम्).

पञ्चरत्नम् (प्राकृतम्)

9 C 74 ग्र 8.

पद्मिनीपरिणयः—अष्टावधानिवेदान्ताचार्यकृतः
28 F 38 ग्र 83 (११ सर्गपर्यन्तम्).

पद्यचूडामणिः—बुद्धघोषाचार्यकृतः
9 J 27 दे 175.

पादुकासहस्रम्—वेदान्ताचार्यकृतम्
30 F 15 ग्र 186 (२६ पद्धत्यन्तम्).
33 I 29 ग्र 180.

पुष्पबाणविलासः—कालिदासकृतः (द्राविडीयुतः)
28 H 43 ग्र 20 (१० श्लोकाः).
33 K 33 आ 26.

प्रशस्तितरङ्गः
11 D 2 दे 6 (सटीकः).

प्रश्नोत्तरपद्धतिः (मालिका)
19 A 18 ग्र 4 (१८ श्लोकाः).

प्रश्नोत्तरमालिका—श्रीनिवासकविकृता
9 G 29 क 15 (सटीका).

बालभागवतम्
30 K 26 आ 48 (१, २ सर्गौ).
30 K 31 आ 60 (९ सर्गान्तम्).

बालभारतम्—अगस्त्यपण्डितकृतम्
23 A 33 ग्र 10 (१ सर्गः).
33 K 2 ग्र 206 (१, २, ७–१९ सर्गाः).

बालरामरसायनम्—कृष्णशास्त्रिकृतम्
8 J 24 के 19 (१, २ सर्गौ).

बृहत्कथामञ्जरी—क्षेमेन्द्रकृता
24 B 1 के 403.
40 B 17 के 340.

भक्तिसंवर्धनशतकम्—ब्रह्मदत्तकृतम्
40 B 28 के 12.

भट्टिकाव्यम्—भट्टिकृतम्
11 G 26 ब 44.

भट्टिकाव्यव्याख्या (सर्वपथीना)—मल्लिनाथकृता
28 M 41 आ 320 (८–२१ सर्गाः).
33 H 17 आ 550.

भल्लटशतकम्—भल्लटकृतम्
23 H 29 ग्र 3 (३३ श्लोकाः).
40 C 8 के 28.

भागवतभारतरामायणसारः—चिदम्बरकविकृतः
(अनंतनारायणकृतव्याख्यायुतः)
34 I 35 ग्र 144.

भागवतामृतम्
11 F 110 ब 31 अस (सटीकम्).

भामिनीविलासः—जगन्नाथपण्डितकृतः
9 C 89 दे 3.

भारतरामायणभागवतसारः
27 C 20 ग्र 108 (१ सर्गः सव्याख्यः).

भ्रमराष्टकम्—कालिदासकृतम्
11 G 23 ब 2.

मध्वविजयः—नारायणपण्डिताचार्यकृतः
11 D 123 दे 96 (१२ सर्गपर्यन्तम्).
11 E 29 दे 308 (९–१३, सव्याख्यः).
11 E 32 दे 118 (६, १६ सर्गौ, सव्याख्यः).

मध्वविजयटीका (मन्दोपकारिणी)—शेषाचार्यकृता
8 D 3 दे 96.

मयूरसन्देशः—रङ्गाचार्यकृतः
27 E 40 ग्र 20 (८२ श्लोकाः).

मलयजापरिणयः
24 E 28 के 12 अस.

महानाटकसुधानिधिः इम्मडिदेवरायकृतः
40 F 13 प्र 90 (बालकाण्डप्रभृति युद्धकाण्डे ६८ श्लोकाः).

महिषशतकम्—कुट्टिकविकृतम्
20 I 1 प्र 43 (वाञ्छेश्वरसुधीकृतश्लेषार्थचन्द्रिकायुतम्).
27 F 4 प्र 35 (सानुक्रमणिकम्).

माघकाव्यम् (शिशुपालवधः) माघकविकृतम्
8 F 4 प्र 62 (१ सर्गः, द्राविडीयुतम्).
8 F 7 प्र 86 (४, ५ सर्गौ, द्राविडीयुतम्).
20 K 40 आ 4 (४ सर्गे, १७ श्लोकाः).
22 C 52 प्र 76 (२ सर्गः, सटीकम्).
22 M 25 आ 58 (४ सर्गः, सटीकम्).
23 A 13 प्र 90 (१२, १३ सर्गौ, सटीकम्).
23 A 17 आ 40 (७, ८, ९ सर्गाः).
23 A 39 आ 84 (२–६ सर्गाः).
23 B 2 आ 64 (१३ सर्गः, सटीकम्).
23 B 17 आ 66 (६ सर्गः, सटीकम्).
23 B 23 आ 68 (८ सर्गः, सटीकम्).
23 B 27 आ 38 (१३ सर्गः, सटीकम्).
23 B 33 प्र 208 (१२–१६ सर्गाः, सटीकम्).
23 C 6 आ 50 (४ सर्गः, सटीकम्).
23 I 12 प्र 20 (३ सर्गः).
25 A 59 प्र 16 (२ सर्गः).
25 A 68 प्र 101 (४–६ सर्गाः, सटीकम्).
25 B 25 प्र 48 (९ सर्गः, सटीकम्).
25 C 42 प्र 15 (४, ६ सर्गौ).
25 D 3 प्र 70 (५ सर्गः, सटीकम्).
25 E 34 प्र 69 (४ सर्गः, सटीकम्).
26 C 3 प्र 20 (३ सर्गः).
26 F 19 प्र 50 (१, ८ सर्गौ).
26 F 47 प्र 18 (४ सर्गः).
26 G 2 प्र 48 (३ सर्गः, सटीकम्).
26 G 5 प्र 154 (३, ६ सर्गौ, सटीकम्).
26 G 25 प्र 15 (४, ५ सर्गौ, सटीकम्).
27 F 9 प्र 15 (६ सर्गः, सटीकम्).
27 F 10 प्र 47 (१, ४, ५ सर्गाः).
27 F 11 प्र 12 (२ सर्गः, सटीकम्).
27 F 12 प्र 20 (२ सर्गः).
27 F 13 प्र 29 (१८, २० सर्गौ).
27 F 14 प्र 50 (२ सर्गः, सटीकम्).
27 F 15 प्र 23 (५ सर्गः).
27 F 16 प्र 28 (४, ७ सर्गौ).
27 F 17 आ 81 (१–९ सर्गाः).
27 F 18 आ 36 (१, ३, ४, ६, १३ सर्गाः).
27 F 19 आ 46 (१, ३, ४ सर्गाः).
27 F 20 प्र-आ 86 (१, ३, ४–७, ९–१४ सर्गाः).
27 F 21 प्र 24 (१८, २० सर्गौ).
27 F 22 प्र 85 (७ सर्गः).
27 F 23 प्र 6 (१ सर्गः).
27 F 24 प्र 11 (६ सर्गः).
27 F 25 प्र 92 (१–७ सर्गाः).
27 F 26 प्र 10 (८ सर्गः).
27 F 28 प्र 25 (८, ९ सर्गौ).
27 F 29 प्र 5 (४ सर्गः).
27 F 31 आ 21 (३ सर्गः).
27 F 34 आ 12 (७ सर्गः).
27 F 37 प्र 116 (३–१२ सर्गाः).
27 F 39 प्र 18 (६ सर्गः, सटीकम्).
27 F 40 प्र 37 (२–४ सर्गाः).
27 F 41 प्र 12 (५, १२ सर्गौ).

27 F 42 ग्र 9 (१ सर्गः).
27 F 43 ग्र 24 (३, ७–९ सर्गाः).
27 F 44 ग्र 28 (२ सर्गः).
27 F 45 ग्र 22 (३ सर्गः, सटीकम्).
27 F 46 ग्र 36 (३ सर्गः).
27 F 47 आ 42 (४, ८, ९ सर्गाः).
27 F 48 ग्र 81 (१० सर्गः, सटीकम्).
27 F 51 आ 46 (२ सर्गः, सटीकम्).
27 F 52 ग्र 15 (१, २ सर्गौ).
27 F 53 ग्र 43 (५ सर्गः, सटीकम्).
27 F 54 ग्र 57 (४ सर्गः, सटीकम्).
27 F 55 ग्र 18 (१, २ सर्गौ).
27 F 56 ग्र 28 (१, २ सर्गौ, सटीकम्).
27 F 60 आ 20 (१ सर्गः, सटीकम).
27 F 61 ग्र 55 (२, ४, ९ सर्गाः).
27 G 1 ग्र 88 (१, ५ सर्गौ, सटीकम्).
27 G 4 ग्र 21 (५ सर्गः, सटीकम).
27 G 5 आ 123 (४, ५ सर्गौ, सटीकम्).
27 G 9 ग्र 11 (४ सर्गः).
27 G 10 ग्र 22 (१० सर्गः).
27 I 68 ग्र 16 (३ सर्गः).
29 E 5 ग्र 100 (१–३, ७, ८, ११ सर्गाः सटीकम्).
29 H 12 ग्र 13 (१० सर्गः).
29 K 15 आ 103 (१, २, ४, ६–१२ सर्गाः).
30 L 13 आ 6 (१ सर्गः).

माघकाव्यव्याख्या (सर्वङ्कषा) मल्लिनाथकृता
23 C 50 ग्र 116 (३–६ सर्गाः).
26 E 20 आ 34 (८ सर्गे २२ श्लोक प्रभृति सर्गपूर्तिपर्यन्तम्).
27 F 27 आ 36 (६ सर्गः).
27 F 36 ग्र-आ 186 (२, ३, ५, ६ सर्गाः).
27 F 49 ग्र 20 (५ सर्गः).
27 F 50 आ 170 (१–५ सर्गाः).
27 F 57 ग्र 63 (३ सर्गः).
27 F 58 ग्र 60 (३ सर्गः).
27 F 59 ग्र 240 (४–६ सर्गाः).
27 G 2 आ 38 (६ सर्गः).
27 G 3 ग्र 150 (३, ६, ७ सर्गाः).
27 G 6 ग्र 190 (१, २ सर्गौ).
27 G 7 ग्र 141 (३, ४, ७, ८ सर्गाः).
27 G 8 ग्र 69 (४ सर्गः).
27 G 10 ग्र 86 (१० सर्गः).
29 C 11 आ 10 (६ सर्गः).
29 C 34 ग्र 142 (५, ६, १०, ११ सर्गाः).
29 H 1 ग्र 88 (७, ८ सर्गौ).
30 L 13 आ 34 (१२ सर्गः).
30 L 28 आ 24 (१६ सर्गः).

माघकाव्यव्याख्या—देवराजकृता
40 B 2 के 74.

मुकुन्दविलासः—नीलकण्ठदीक्षितकृतः
33 G 4 ग्र 24 (आदितः ४ सर्गे १५ श्लोकपर्यन्तम्).
39 D 1 दे 75 (आदितः ४ सर्गे १५ श्लोकपर्यन्तम्).

मुद्राराक्षसकथासंग्रहः
27 H 27 आ 37.
27 H 29 ग्र 38 (११५ श्लोकाः).

मुद्राराक्षसकथासारः
24 A 4 ग्र 30.

मेघसन्देशः (मेघदूतम्) कालिदासकृतः
8 F 3 ग्र 160 (५१ श्लोकाः) द्राविडीयुतः.

19 A 38 ग्र 20 (१९ श्लोकाः).
19 J 59 ग्र 54 (१ सर्गः, सटीकः).
19 K 22 आ 2 (पूर्वमेघे २२ श्लोकप्रभृति ३३ श्लोकपर्यन्तम्).
19 M 64 आ 32 (१ सर्गः).
22 F 50 आ 17.
23 A 2 ग्र 180 (सटीकः).
27 F 37 ग्र 13 (१ सर्गः).
27 H 11 आ 86 (१ सर्गः, सटीकः).
27 H 38 आ 101 (सटीकः).
27 H 47 ग्र 118 (सटीकः).
27 H 52 ग्र 97 (सटीकः).
27 H 53 ग्र 16 (आदितः ९४ श्लोकाः).
27 H 54 ग्र 16 (आदितः ६४ श्लोकाः).
27 H 55 आ 24 (३४ श्लोकप्रभृति पूर्तिपर्यन्तम्).
29 L 31 आ 56 (२ सर्गः, सटीकः).
30 K 8 आ 104 (१ सर्गः, सटीकः).
34 M 31 दे 52.
38 E 39 दे 60.
39 B 7 आंग्लम् 15.

मेघसन्देशव्याख्या (सञ्जीविनी) मल्लिनाथकृता
23 B 10 ग्र 108.
25 H 15 ग्र 151.
26 D 20 ग्र 200.
27 H 39 आ 65 (पूर्वमेघे २० श्लोकप्रभृति ग्रन्थपूर्तिपर्यन्तम्).
27 H 54 ग्र 84 (पूर्वमेघे ९० श्लोकपर्यन्तम्).
30 J 25 आ 50 (उत्तरमेघः).
30 J 31 आ 72 (१ सर्गः).

मेघसन्देशव्याख्या
34 L 39 दे 106 (पूर्वमेघे ६४ श्लोकप्रभृति उत्तरमेघे ९० श्लोकपर्यन्तम्).
38 F 36 दे 20 (आदितः ९, २९–३४ श्लोकपर्यन्तम्).

यमकरत्नाकरः—श्रीवत्साङ्कमिश्रकृतः
22 K 23 आ 129 (९ उच्छ्वासान्तम्).

यशोधरकाव्यम्—वादिराजसूरिकृतम्
10 H 15 ग्र 75.

यादवराघवीयम्—वेङ्कटाध्वरिकृतम्
27 I 36 ग्र 6.
34 C 10 ग्र 48.

यादवाभ्युदयः—वेदान्तदेशिककृतः
9 I 29 दे 851 (२, ३, ७, ९, १४ सर्गाः, सटीकः).
27 I 31 ग्र 34 (१, २ सर्गौ).
27 I 32 ग्र 21 (१ सर्गः).
27 I 33 ग्र 14 (१ सर्गः).
27 I 34 ग्र 8 (२ सर्गः).
27 I 44 ग्र 62 (१ सर्गः, सटीकः).
27 I 45 ग्र 19 (४ सर्गः).
27 I 46 ग्र 41 (३, ४ सर्गौ).

युधिष्ठिरविजयः—वासुदेवकृतः
27 I 52 ग्र 8 (९७ श्लोकाः).
27 I 57 ग्र 30 (५, ६ आश्वासौ).
40 B 27 के 458 (सव्याख्यः, ७ आश्वासपर्यन्तम्).

युधिष्ठिरविजयव्याख्या—शोकनाथकृता
10 F 21 दे 237.
27 I 57 ग्र 424 (बालव्युत्पत्तिकारी).

40 C 5 के 400.

रघुनन्दनविलासः—वेङ्कटाचार्यकृतः

33 J 1 ग्र 200 (१९ सर्गान्तः).

रघुवंशः—कालिदासकृतः

8 C 5 दे 42 (१ सर्गः, सटीकः).
8 C 6 दे 36 (३ सर्गः, सटीकः).
8 F 28 ग्र 185 (१–३ सर्गाः, द्राविडीयुतः).
8 F 29 ग्र 338 (१, २ सर्गौ, महादेवसूरिकृतद्राविडीयुतः).
8 F 32 ग्र 162 (४, ५ सर्गौ, द्राविडीयुतः).
9 F 82 ग्र 12 (१४ सर्गः, सटीकः).
10 B 25 दे 823 (सटीकः).
10 D 25 दे 42 (९ सर्गः, सटीकः).
20 C 12 ग्र 18 (१ सर्गः, सटीकः).
20 K 40 आ 2 (४ सर्गः).
21 E 20 ग्र 13 (६ सर्गः).
23 A 5 आ 56 (११ सर्गः, सटीकः).
23 A 18 आ 48 (३ सर्गः, सटीकः).
23 B 19 आ 32 (१२ सर्गः, सटीकः).
23 B 20 आ 38 (५ सर्गः, सटीकः).
23 B 34 आ 46 (३ सर्गः, सटीकः).
23 B 42 ग्र 128 (१–११ सर्गाः).
23 C 18 आ 18 (११ सर्गः).
23 D 8 ग्र 20 (१० सर्गः).
24 A 23 के 246 (१–५, ८–१३ सर्गाः).
24 C 6 ग्र 36 (१, २ सर्गौ).
24 D 29 ग्र 12 (२ सर्गः).
25 B 2 ग्र 15 (९ सर्गः).
25 B 37 ग्र 32 (४–६ सर्गाः).
26 B 1 ग्र 40 (१, ६ सर्गौ).
26 B 23 ग्र 15 (५ सर्गः).
26 C 3 ग्र 91 (५, ६, ७, ९ सर्गाः).
26 C 29 ग्र 44 (२, ४, ५ सर्गाः).
26 E 41 ग्र 6 (१ सर्गः).
26 F 7 ग्र 22 (४ सर्गः).
26 F 25 ग्र 15 (२ सर्गः).
26 F 47 ग्र 6 (९ सर्गः).
27 C 20 ग्र 26 (३, ५ सर्गौ).
27 F 63 ग्र 40 (२, ३ सर्गौ).
27 F 68 ग्र 76 (२, ३ सर्गौ, आंध्रटीकायुतः).
27 I 61 ग्र 58 (१–३, ९–११ सर्गाः).
27 I 62 ग्र 10 (१० सर्गः).
27 I 65 ग्र 104 (१–३, ९–१२ सर्गाः).
27 I 66 ग्र 177 (१–४, ६, ७, १०, १२–१९ सर्गाः).
27 I 67 ग्र 12 (१० सर्गः).
27 I 70 ग्र 17 (८ सर्गः).
27 I 71 ग्र 10 (५ सर्गः).
27 I 74 ग्र 75 (१–३, ५, ६ सर्गाः).
27 I 77 ग्र 90 (२, ४–११ सर्गाः).
27 J 2 ग्र 38 (८ सर्गः, सटीकः).
27 J 3 ग्र 36 (१, २, ३ सर्गाः).
27 J 6 आ 48 (९ सर्गः, सटीकः).
27 J 7 ग्र 123 (१, ४ सर्गौ, सटीकः).
27 J 8 ग्र 12 (५ सर्गः).
27 J 9 आ 46 (६ सर्गः, सटीकः).
27 J 10 ग्र 22 (२, ३ सर्गौ).
29 A 1 आ 44 (९ सर्गः, सटीकः).
29 A 3 आ 56 (६ सर्गः, सटीकः).
29 B 23 आ 132 (१–३, ६–८, १०, १२–१९ सर्गाः).
29 B 29 आ 150 (२, १०, ११ सर्गाः, सटीकः).

29 M 29 आ 10 (७ सर्गाः, सटीकः).
31 J 6 के 38 (१–५ सर्गाः).

रघुवंशटीका—आनन्ददेवयतिवल्लभकृता
34 L 35 दे 69 (२–५ सर्गाः).

रघुवंशद्राविडटीका
27 J 18 ग्र-द्रा 47 (१ सर्गः).

रघुवंशव्याख्या—गुणविनयगणिकृता (विशेषार्थबोधिका)
34 J 4 दे 316 (३ सर्गे ७० श्लोकान्तं, ५ सर्गप्रभृति आन्तम्).

रघुवंशव्याख्या—जनार्दनकृता
36 F 42 दे 248 (१२ सर्गे ५३ श्लोकादि ५७, ६२–७३, ८६–९६, १०५–१०६, १३ सर्गे ५–५४, ६५–६९, ७३–७६, १४ सर्गे १–९, १४–२५, ३१–४७, ५७–८७, १५ सर्गे १–११, १९–६६, ८७–१०३, १६ सर्गः, १७ सर्गे १–२१, २८–३८, ४५–८१, १८ सर्गे १–१९, २५–५३ श्लोकान्तम्).

रघुवंशव्याख्या—नारायणकृता (पदार्थदीपिका)
19 L 53 ग्र 14 (१, २, ५, ६ सर्गाः).
40 B 28 के 96 (आदितः ४ सर्गपर्यन्तम्).

रघुवंशव्याख्या—भट्टहेमाद्रिकृता
36 F 1 दे 286 (१ सर्गे २४ श्लोकादि सर्गपूर्तिः, २ सर्गे २२ श्लोकादि २८ श्लोकान्तं, ३८ श्लोकादि ३ सर्गे ६८ श्लोकान्तं, ४ सर्गे ११–१६, ४३–५१, ७७ प्रभृति सर्गपूर्तिः, ५ सर्गः, ६ सर्गे १–३१, ३९ प्रभृति सर्गपूर्तिः, ७ सर्गः, ८ सर्गे १–४, १३ प्रभृति सर्गपूर्तिः, ९ सर्गे १–७६, १० सर्गे ३३–४३, ५४ प्रभृति सर्गपूर्तिः, ११ सर्गे १–२, २०–८४, १३ सर्गः, १४ सर्गे १–६७, १५–१७ सर्गाः, १८ सर्गे १–१८, ३४–४९ श्लोकान्तम्).
36 F 2 दे 146 (३ सर्गे ७-१२, २१-२८, ५ सर्गे ४–३८, ४५–५१, ६ सर्गे ३२–३७, ६५–८७, ७ सर्गे १२–२७, ४६ प्रभृति सर्गपूर्तिः, ८, ९ सर्गौ, १० सर्गे १–४३, ११ सर्गे ३४–९०, १५ सर्गे ४ प्रभृति सर्गपूर्तिः, १८ सर्गे ३३ प्रभृति सर्गपूर्तिः, १९ सर्गः).

रघुवंशव्याख्या (सञ्जीविनी) मल्लिनाथकृता
20 C 14 ग्र 20 (१२ सर्गः).
23 I 12 ग्र 30 (५ सर्गः).
25 H 15 ग्र 160 (६–९, ११ सर्गाः).
27 I 72 ग्र 36 (५ सर्गः).
27 I 73 ग्र 27 (४ सर्गः).
27 J 5 ग्र 92 (१, ३ सर्गौ).
27 J 11 आ 194 (४–१९ सर्गाः).
30 K 21 आ 370 (१–३, ६–८, १०–१९ सर्गाः).
36 F 3 दे 18 (१६ सर्गे ७९ श्लोकाः).
36 F 4 दे 44 (८ सर्गे ६७ श्लोकादि ८३ श्लोकान्तं, ९ सर्गे ६९ श्लोकादि १० सर्गे ७९ श्लोकान्तं, १२ सर्गे ३१ श्लोकादि ६८ श्लोकान्तं, १३ सर्गे १६ श्लोकादि ३२ श्लोकान्तं, १४ सर्गे ४७ श्लोकादि ५१ श्लोकान्तं, ६४ श्लोकादि ८३ श्लोकान्तम्).

रघुवंशव्याख्या—समयसुन्दरोपाध्यायकृता
35 B 13 दे 64 (१, २ सर्गौ).

राघवपाण्डवीयव्याख्या (अर्थदीपिका) अनन्तनारायणकृता
33 K 19 आ 186.

राघवपाण्डवीयव्याख्या (कल्पवल्ली) रामसूरिकृता
33 K 19 आ 250.

राघवपाण्डवीयव्याख्या (राघवपाण्डवीयप्रकाशः) शशिधरकृता
36 F 9 दे 162 (४ सर्गे ६ श्लोकादि सर्गपूर्तिः, ५ सर्गे १–१९, २५ प्रभृति सर्गपूर्तिः, ६, ७ सर्गौ, ८ सर्गे १–५१, ९ सर्गे ४–७, १२ प्रभृति सर्गपूर्तिः, १०, ११, १२ सर्गाः, १३ सर्गे १–११, १९–२४, ३०–३५ श्लोकाः).

राधाविनोदकाव्यम् (सटिप्पणम्) रामचन्द्रकृतम्
34 K 27 दे 4.

राधाविनोदकाव्यप्रकाशः—रामचन्द्रकृतः
39 E 14 दे 18.

राधाविनोदकाव्यव्याख्या
34 K 27 दे 3 (श्लोकद्वयम्).

रामकृष्णविलोमकाव्यम्—सूर्यकविकृतम्
19 L 38 आ 6.
22 G 12 ग्र 4.

रामचन्द्रोदययमककाव्यम्—गोपालराजेन्द्रकृतम्
30 K 19 आ 18.

रामचन्द्रोदययमककाव्यव्याख्या
30 K 19 आ 4 (३ श्लोकाः).

रामायणसङ्ग्रहः—रामानुजकृतः
20 C 12 ग्र 27 (आदितः युद्धकाण्डप्रारम्भपर्यन्तम्).
20 C 13 ग्र 28 (आदितः युद्धकाण्डप्रारम्भपर्यन्तम्).
25 A 67 ग्र 40.

रामायणसारसङ्ग्रहः—ईश्वरदीक्षितकृतः
24 D 21 ग्र 314 (युद्धकाण्डपर्यन्तं, सटीकः).
29 E 14 ग्र 28 (अयोद्ध्याकाण्डान्तम्).

रामाष्टप्रामः—रामभद्रदीक्षितकृतः
27 K 5 आ 20.
27 K 22 ग्र 24.
30 F 15 ग्र 21.
34 D 15 ग्र 20.

रामोदन्तः
20 C 7 ग्र 12 (आदितः आरण्यकाण्डपूर्तिपर्यन्तम्).

रुक्मिणीकल्याणम्—राजचूडामणिदीक्षितकृतम्.
20 C 16 ग्र 28 (१ सर्गे ३९ श्लोकादि ३ सर्गे ८० श्लोकान्तम्).
38 A 13 दे 1858 (सं १–४).

लक्ष्मीकाव्यम्—तिरुमलाचार्यकृतम्
10 F 1 दे 440.

लक्ष्मीसहस्रम्—वेङ्कटाध्वरि (वेङ्कटाचार्य) कृतम्
20 C 65 ग्र 80 (१–८ स्तवकाः).
20 C 72 ग्र 7 (१–२ स्तवकौ).
22 M 53 ग्र 36 (१–५ स्तवकाः).
26 J 7 ग्र 6 (१ स्तबकः).
30 E 2 ग्र 140 (२४ स्तवकपर्यन्तम्).

30 E 28 ग्र 122 (१०–१४० श्लोकाः, सव्याख्यम्).
30 J 17 आ 48.
30 J 29 आ 138.

लक्ष्मीसहस्रव्याख्या—विजयराघवाचार्यकृता
30 F 8 ग्र 322 (८ स्तबकांतम्).
30 F 12 ग्र 248 (१४–२२ स्तबकांतम्).
30 I 22 आ 132 (८ स्तबकांतम्).
30 K 38 आ 204 (८, ९ स्तबकौ).

वर्णसारसङ्ग्रहः
20 E 32 ग्र 296.

विक्रमराघवः
20 F 35 आ 4 (२ सर्गः).

विदग्धमुखमण्डनम्—धर्मदासकृतम्
10 B 17 दे 7 (१ परिच्छेदः).
34 J 19 दे 62 (सटीकम्).
34 M 19 दे 38.
35 C 24 दे 80 (३ परिच्छेदान्तम्).
35 C 93 दे 72.

विदग्धमुखमण्डनव्याख्या (नूतना) नायककृता
36 F 10 दे 30 (२–३ परिच्छेदौ).

विबुधभूषणम्
20 F 28 ग्र 12.

विषामृतम् (पाण्डित्यरसायनम्) त्र्यम्बकमिश्रकृतं
20 G 4 आ 7.

विष्णुभक्तिकल्पलता—पुरुषोत्तमपण्डितकृता
34 J 41 दे 94.

वैराग्यशतकम्—नीलकण्ठदीक्षितकृतम्
8 F 21 ग्र 8.
11 C 3 दे 14.
33 K 8 ग्र 20.
33 M 12 ग्र 6.

शङ्करमन्दारसौरभम्—नीलकण्ठकृतम्
8 G 8 आ 172 (९ तरङ्गान्तम्).

शङ्करविजयः—माधवकृतः
9 E 78 आ 110.
10 D 8 दे 954 (१–१९ सर्गाः, विज्ञानभिक्षुकृतटीकायुतः).
19 M 13 ग्र 82 (४, ६ सर्गौ).
23 B 22 आ 26 (४ सर्गः).

शङ्करविजयविलासः
9 B 12 आ 4 (१ अध्यायः).
20 I 50 आ 170 (आदितः २१ अध्यायाः).

शङ्करविजयसारः
20 I 51 ग्र 8 (२ सर्गौ).

शङ्करविलासः—विद्यारण्यकृतः (शिवकथामृतसारः)
19 M 6 ग्र 14 (२ परिच्छेदे, ७३ अध्यायाः).

शङ्कराभ्युदयः—राजचूडामणिदीक्षितकृतः (रामकृष्णसूरिकृतव्याख्यायुतः)
39 A 14 ग्र 488.

शान्तिविलासः—नीलकण्ठदीक्षितकृतः
20 L 4 आ 17.
30 H 18 ग्र 8.
33 M 12 ग्र 4.

शान्तिशतकम्—सिल्हणकृतम्
11 F 52 ब 19 अस.

शिवलीलार्णवः—नीलकण्ठदीक्षितकृतः
33 G 6 ग्र 220.

33 K 1 ग्र 190.

शिवोत्कर्षमञ्जरी—नीलकण्ठदीक्षितकृता
33 M 12 ग्र 6.

शुकसन्देशः
40 C 21 के 90 अस.

शृङ्गारतिलकम्—कालिदासकृतम्
9 C 74 ग्र 6 (१९ श्लोकाः).
26 B 18 ग्र 6.
39 B 8 आंग्लं 4.

शृङ्गाररसाष्टकम्
9 C 74 ग्र 4.

शृङ्गारश्लोकाः
40 D 4 के 8.

श्रीनामविलासः—श्रीमत्साहिबकौलकृतः
9 B 47 दे 344.

सङ्क्षेपभागवतामृतम्
11 F 51 ब 63.

सङ्ग्रहरामायणम्
19 D 56 आ 208 (सुन्दरकाण्डे ६ सर्गाः).

सत्यबोधविजयः—कृष्णकृतः
40 D 16 दे 106 अस.

सद्दर्शनसुदर्शनम्
9 I 11 दे 100.

सभारञ्जनशतकम्—नीलकण्ठदीक्षितकृतम्
29 C 23 ग्र 12.
33 M 12 ग्र 3.
34 G 1 ग्र 10.

सरसप्रबन्धः (केशवध्यानामृततरङ्गिणी) केशवकृतः
40 A 16 ग्र 40.

साहित्यसूक्ष्मसरणिः—श्रीनिवासाचार्यकृता
19 F 6 आ 90 (सटीका).

सीतापतिविजयः (कोशद्वयम्)
19 M 25 ग्र 44 (१०१ श्लोकाः).

सीतापरिणयः—सूर्यनारायणाध्वरिकृतः
22 L 21 ग्र 242 (६ सर्गान्ताः, सटीकः)

सीताविजयः
40 F 6 ग्र 30.

सीतास्वयंवरः
35 B 155 दे 8.

सुन्दरदामोदरः—रोलम्बिराजकृतः
38 F 66 दे 82 (४ श्लोकप्रभृति समग्रम्).

सुभद्राहरणम् (सविवरणम्)
40 C 28 के 128 (४ सर्गाः असमग्राः).

सुमनोरञ्जनकाव्यम्—श्रीनिवासकविसार्वभौमकृतम्
40 F 12 ग्र 24 (१–८ सर्गाः).

सेतुरायविजयः
19 H 11 आ 60.

हनुमत्काव्यम्
8 C 68 दे 25 अस.

हंससन्देशः—वेदान्तदेशिककृतः
26 B 24 ग्र 27 (१ आश्वासः).
29 C 33 ग्र 93 (सटीकः).
30 E 20 ग्र 16 (१, २ आश्वासौ).

हंससन्देशव्याख्या
25 C 1 ग्र 90 (१ आश्वासः, २ आश्वासे ४० श्लोकाः).

### (iii) अष्टपदीग्रन्थाः

गीतगोविन्दम् (कृष्णाष्टपदी)—जयदेवकृतम्
11 G 86 ब 63.
19 M 55 ग्र 34 (१–६ सर्गाः ७ सर्गे २४ श्लोकाः).
21 B 68 ग्र 440 (सटीकम्).
21 B 72 आ 28.
21 B 73 आ 74 (१–३, ४ सर्गे २१ श्लोकाः, सटीकम्).
21 B 76 क 81 (१–१० सर्गाः).
21 C 2 क, ग्र 58.
21 F 12 ग्र 4 (२ सर्गे २८–३८ श्लोकाः).
21 F 14 के 114 (२९–३० श्लोकवर्जं समग्रम्).
21 H 35 के 29 (१ सर्गे ४० श्लोकाः, केरळव्याख्यायुतम्).
22 D 12 ग्र 11 (अष्टपदी १२).
22 D 13 ग्र 24 (अष्टपदी १०).
22 D 14 ग्र 24 (६–१३ अष्टपदी).
31 J 18 ओ 194.
34 I 11 ग्र 138 (१–९ सर्गाः, सव्याख्यम्).
35 C 148 दे 192 (१–७ सर्गाः ८ सर्गे ८ श्लोकाः, सटीकम्).
38 E 35 दे 82.
40 B 22 के 16.

गीतगोविन्दव्याख्या (श्रुतिरञ्जिनी) लक्ष्मीधरसूरिकृता
24 C 2 के 232.

गीतगोविन्दव्याख्या (श्रुतिरञ्जिनी) लक्ष्मणसूरिकृता
19 C 63 ग्र 188.
29 B 11 आ 292.
30 C 19 आ 260.

शिवगीतिमालिका (शिवाष्टपदी) चन्द्रशेखरेन्द्रसरस्वतीकृता
19 A 38 ग्र 12.
26 H 21 ग्र 19 (१–३ अष्टपदी).
30 A 21 आ 40.
33 J 14 ग्र 26.

---

### (iv) समयोचितश्लोकाः

अन्यापदेशश्लोकाः
8 G 43 आ 12.

अन्यायपञ्चकम्
26 I 10 ग्र 2.

गोमूलिकादिबन्धश्लोकाः
27 H 46 आ 3.

चतुर्दशश्लोकव्याख्या
11 D 140 दे 8.

चाटुश्लोकमञ्जरी
29 H 11 ग्र 5.

चाटुश्लोकाः
8 F 35 ग्र 85.
19 D 8 ग्र 1.
19 D 90 आ 12.
19 G 57 आ 27.
19 K 30 आ 20.
20 F 28 ग्र 2.
20 I 6 ग्र 15.
20 I 49 ग्र 9.

20 I 49 ग्र 4.
21 E 19 ग्र 196.
21 E 20 ग्र 106.
21 E 21 ग्र 2.
21 E 22 ग्र 18.
21 E 23 आ 13.
21 E 24 आ 48.
21 E 26 आ 8.
21 E 28 ग्र 82.
21 E 31 ग्र 8.
26 B 16 ग्र 6.
27 D 47 ग्र 2.
27 H 36 ग्र 2 (९ श्लोकाः).
34 A 21 ग्र 120.
34 I 5 ग्र 22.
40 F 24 आ 9.

चित्ररत्नाकरः
21 E 53 ग्र 90.
34 G 17 ग्र 36.

जलौदनपञ्चकम्
20 I 49 ग्र 1.

ताम्बूलसप्तकम्
25 B 19 ग्र 2.

दुर्घटश्लोकाः (सव्याख्याः)
35 C 87 दे 30.

पाणिग्रहेतिश्लोकः (सद्राविडटीकः)
21 E 22 ग्र 2.

प्रसङ्गरत्नावली
28 J 30 आ 170.

प्रसङ्गरत्नावलीपद्धत्यनुक्रमणिका
28 J 30 आ 2.

प्रास्ताविकश्लोकाः
9 B 38 आ 8.
21 A 23 आ 4.
27 H 10 आ 8.

रामायणभारतभागवतसारसङ्ग्रहश्लोकत्रयम्
27 F 66 ग्र 1.

शृङ्गारश्लोककदम्बः
19 B 66 ग्र 40.
19 B 67 आ 34.

शृङ्गारश्लोकव्याख्या
19 K 22 आ 16.

सूक्तिमाला—नागोजिपण्डितकृता
40 F 6 ग्र 32.

---

## (v) सुभाषितग्रन्थाः

भर्तृहरिसुभाषितम्—भर्तृहरिकृतम्
8 H 9 ग्र 10 (नीतिशतकमात्रम्).
23 B 21 आ 108 (वैराग्यनीतिशतके).
23 C 10 आ 82.
23 C 38 ग्र 6 (सज्जनपद्धतिः).
23 E 28 ग्र 8 (सज्जनपद्धतिपर्यन्तम्).
24 D 27 ग्र 46 (वैराग्यनीतिशतके).
24 D 29 ग्र 29 (नीतिशतकम्).
27 F 37 ग्र 6 (वैराग्यशतकम्).
28 M 2 आ 22 (नीतिशतकम्).
28 M 6 ग्र 24 (शृङ्गारशतकम्).

28 M 8 आ 145 (नीतिशतकान्तं, सान्ध्रटीकम्).
28 M 20 ग्र 6 (पद्धतित्रयम्).
28 M 25 ग्र 49 (नीतिशतकं, सटीकम्).
28 M 28 ग्र 48 (अङ्गपद्धतिमारभ्य नीतिपर्यन्तम्).
28 M 29 आ 68.
28 M 56 ग्र 48 (नीतिशतकमात्रम्).
29 E 2 ग्र 60.
29 J 14 आ, ग्र 67.
30 G 26 ग्र 21.
30 K 2 आ 84 (विद्वत्, शौर्य, अर्थ, दैव, दान पद्धतयः सान्ध्रटीकम्).
33 M 5 ग्र 70.

**भर्तृहरिसुभाषितव्याख्या**
28 M 26 ग्र 140 (अङ्गपद्धतिमारभ्य नीतिपद्धतिपर्यन्तम्).

**वैराग्यशतकम्—सटीकम्**
35 C 119 दे 25 (९२ श्लोकाः).

**व्याससुभाषितम्**
33 F 28 ग्र 10.

**सायणीयसुभाषितम्**
8 I 17 दे 357.

**सुभाषितम्**
9 G 63 ग्र, आ 88.
23 H 21 ग्र 50.

**सुभाषितनीवीव्याख्या—वेदान्तदेशिककृता**
26 J 7 ग्र 58.

**सुभाषितपद्धतिः**
34 A 11 ग्र 276.

**सुभाषितश्लोकाः**
24 D 26 ग्र 84.

**सुभाषितसङ्ग्रहः**
19 G 55 ग्र 22 (१८० श्लोकाः).
23 F 16 ग्र 88.

---

## (vi) चम्पूग्रन्थाः

**आचार्यचम्पूः—वरदाचार्यकृता**
30 G 27 ग्र 46 (३ स्तबकान्तम्).

**आचार्यचम्पूः—वेदान्ताचार्यकृता**
20 H 37 ग्र 138.
20 H 39 ग्र 102.
22 D 33 ग्र 20 (५ स्तबकान्तम्).
23 C 24 ग्र 144.
23 E 26 ग्र 48 (१, २ स्तबकौ).
24 F 23 आ 140.
25 A 63 ग्र 66 (१, २ स्तबकौ).
25 D 7 ग्र 144.
25 H 5 ग्र 58 (१, २ स्तबकौ).
26 D 27 ग्र 26 (४ स्तबकः).
30 E 23 ग्र 131.

**इन्दिराभ्युदयः—रघुनाथसूरिकृतः**
22 F 22 आ 64.

**कविमनोरञ्जनम्—सीतारामसूरिकृतम्**
22 H 49 ग्र 28 (आदितः ८८ श्लोकाः).
33 J 11 ग्र 114.

**कुमारविजयः—सुब्रह्मण्यकृतः**
22 K 26 आ 48 (१ आश्वासः समग्रः, २ आश्वासः असमग्रः).

गङ्गवंशानुचरितम्—वासुदेवरथसोमयाजिकृतम्
33 B 14 ओ 312.

गङ्गावतरणचम्पूः—लक्ष्मीनारायणदीक्षितकृता
23 B 48 आ 68 (४ तरङ्गः).

गोदापरिणयचम्पूः
21 C 16 ग्र 15 अस.

चिन्तामणिविजयः—शेषाचलयतिकृतः
31 J 47 ग्र 76.

तटातकापरिणयः—गणपतिशास्त्रिकृतः
8 F 25 ग्र 53.

त्रिपुरविजयचम्पूः—अतिरात्रयाजिकृता
21 K 27 ग्र 106 (१–३ आश्वासाः).

दत्तात्रेयचम्पुकाव्यम्—दत्तात्रेयकविकृतम्
36 B 7 दे 79.

दमयन्तीचम्पूकथा—त्रिविक्रमभट्टकृता
34 J 9 दे 66 (१–३ उच्छ्वासाः).

द्रौपदीपरिणयचम्पूः—चक्रकविकृता
28 A 4 ग्र 62 (६ आश्वासान्तम्).

धर्मचौर्यरसायनम्—गोपालयोगीन्द्रकृतम्
28 A 10 ग्र 42.

नीलकण्ठविजयचम्पूः—नीलकण्ठदीक्षितकृता
20 F 62 ग्र 27 (अतिशिथिलम्).
23 A 12 आ 126.
28 C 49 ग्र 112.
28 C 51 ग्र 138.
28 C 56 ग्र 136.
28 C 57 ग्र 30 (१ आश्वासः).
28 C 58 आ 41 (१ आश्वासः).
28 C 65 ग्र 38 (१ आश्वासः).
28 C 67 ग्र 130 (१–४, ५ आश्वासे २१ श्लोकाः).
28 C 71 आ 43 (३ आश्वासान्तम्).
28 C 75 ग्र 152 (४ आश्वासान्तम्).
33 M 12 ग्र 48.

नृसिंहचम्पूः—भट्टश्रीकेशवकृता
34 K 26 दे 45.

भद्राचलचम्पूः—राघवार्यकृता
30 E 9 ग्र 33.

भागवतचम्पूः—अभिनवकालिदासकृता
23 B 26 आ 26 (६ स्तबकमात्रं सटीकम्).
27 A 17 ग्र 12 (१, २ स्तबकौ).

भागवतचम्पूः—चिदम्बरकृता
34 H 1 ग्र 128 (१, २ स्तबकौ).

भागवतचम्पूव्याख्या (रत्नावली) अक्कयसूरिकृता
21 D 8 आ 217.

भारतचम्पूः (चम्पुभारतम्) अनन्तभट्टकृता
8 H 14 ग्र 370.
19 M 56 ग्र 182.
21 D 5 ग्र 219.
21 D 6 ग्र 216.
21 D 7 ग्र 183.
21 D 9 ग्र 68 (६ स्तबकान्तम्).
21 D 19 ग्र 214 (११ स्तबकान्तम्).
21 D 20 ग्र 68 (१० स्तबकान्तम्).
21 D 21 ग्र 40 (२ स्तबकान्तम्).
21 D 22 ग्र 112 (९ स्तबकान्तम्).
21 D 23 ग्र 150 (७ स्तबकान्तम्).
21 D 24 ग्र 140 (३ स्तबकान्तम्).
21 D 25 ग्र 160 (९ स्तबकान्तम्).

21 D 26 आ 226 (११ स्तबकान्तम्).
21 D 27 आ 34 (९, १० स्तबकौ).
21 D 28 ग्र 38 (३ स्तबकान्तम्).
21 D 29 आ 24 (३, ४ स्तबकौ).
21 D 31 ग्र 50 (६ स्तबकान्तम्).
21 D 32 ग्र 34 (१, २ स्तबकौ).
21 D 40 ग्र 54 (८ स्तबके ४९ श्लोकप्रभृति स्तबकपूर्तिः).
21 D 41 ग्र 38 (८–१० स्तबकाः, ११ स्तबके ९६ श्लोकाः).
22 I 58 ग्र 440.
23 A 19 ग्र 120 (४ स्तबकान्तम्).
23 A 29 ग्र 218.
23 B 28 ग्र 106 (९ स्तबकान्तम्).
23 B 37 ग्र 174.
23 B 39 आ 134.
25 A 64 ग्र 56 (३ स्तबकान्तम्).
25 A 71 ग्र 28 (३ स्तबकः).
25 D 12 ग्र 214 (प्रथमस्तबकं विना पूर्णः).
25 F 21 ग्र 114 (८ स्तबकान्तम्).
25 I 15 ग्र 98 (१, ३, ४ स्तबकाः).
25 J 34 ग्र 150 (प्रथमस्तबको नास्ति).
26 F 10 ग्र 212.
26 I 21 ग्र 208.
29 L 21 आ 200.
29 M 11 आ 134 (११ स्तबकान्तम्).
30 L 34 आ 148.
34 D 24 आ 150.

भारतचम्पूप्रतिपदार्थः

21 D 30 आ 10 (१ स्तबके ६ श्लोकप्रभृति ४९ श्लोकान्तम्).

भारतचम्पूव्याख्या (सरस्वतीविलासः) नृसिंह्माचार्य (अपर्याप्तामृतदास) कृता

21 D 33 ग्र 106 (१, २ स्तबकौ).
21 D 34 आ 49 (७, ८ स्तबकौ).
21 D 35 ग्र 64 (१० स्तबकः असमग्रः).
21 D 36 ग्र 474.
21 D 37 ग्र 64 (१–९ स्तबकाः).
21 D 38 ग्र 233 (१–६ स्तबकाः).
21 D 39 ग्र 176 (१–४ स्तबकाः).
21 D 42 ग्र 154 (१, २ स्तबकौ).
21 M 61 ग्र 344 (४ स्तबके २१ श्लोकप्रभृति ग्रन्थपूर्तिपर्यन्तम्).
22 I 59 ग्र 194 (६, ७, ८ स्तबकाः).
25 A 52 आ 72 (१, २ स्तबकौ).
30 L 3 आ 220 (१–४ स्तबकाः).

भारतचम्पूव्याख्या—मानवेदकृता

21 C 70 के 440.

भारतचम्पूव्याख्या—रामचन्द्रकृता

30 K 37 आ 138 (१–९ स्तबकाः).

भारतचम्पूव्याख्या—लोकनाथसूरिकृता

33 F 26 ग्र 68.

मद्रकन्यापरिणयः—गङ्गाधरकविकृतः

8 I 23 दे 300.

मद्रकन्यापरिणयव्याख्या

27 E 24 आ 56 (१–३४ श्लोकाः).
36 D 3 दे 232.

मधुरावर्णनचम्पूः

27 E 25 आ 14.

मानवेदीयचम्पुभारतम्—मानवेदकृतम्

27 G 17 ग्र 24 (१, २ स्तबकौ).

**मार्गसहायचम्पूः—विरिञ्चिपुरनाथकृता**

33 F 2 प्र 180 (१–६ आश्वासाः).

**यात्राप्रबन्धः—समरपुंगवदीक्षितकृतः**

9 J 6 दे 468.

23 A 34 प्र 104 (१–९ आश्वासाः).

27 I 37 प्र 106 (१, ६–८ आश्वासाः).

**रामायणचम्पूः (चम्पूरामायणम्, भोजचम्पूः) भोजराजकृता**

21 D 43 प्र 88 (आदितः सुन्दरकाण्डान्तं).

21 D 44 आ 183.

21 D 45 प्र 152.

21 E 1 आ 84 (आदितः सुन्दरकाण्डपर्यन्तम्).

21 E 2 प्र 142.

21 E 3 प्र 27 (बालकाण्डः).

21 E 5 प्र 60 (सुन्दरकाण्डपर्यन्तम्).

21 E 6 प्र 80 (आरण्यकिष्किन्धासुन्दरकाण्डाः).

21 E 7 प्र 204.

21 E 8 आ 62.

21 E 9 प्र 40 (बालकाण्डः).

21 E 10 आ 30 (बालायोध्याकाण्डौ).

21 E 11 प्र 143.

21 E 12 प्र 100 (सुन्दरकाण्डपर्यन्तम्).

21 E 14 प्र 51.

21 E 15 प्र 270.

21 E 16 प्र 150 (किष्किन्धाकाण्डपर्यन्तम्).

23 B 26 आ 98 (अयोध्यादिसुन्दरकाण्डान्तम्).

23 I 14 प्र 18 (सटीका, बालकाण्डे किंचित्).

23 J 6 आ 80 (आदौ पत्रचतुष्टयं नास्ति).

24 B 24 प्र 259 (सुन्दरकाण्डान्तम्).

25 H 2 प्र 110 (आरण्यादिसुन्दरकाण्डान्तम्).

26 F 18 प्र 114.

29 C 36 प्र 112.

29 K 16 आ 132.

30 I 28 आ 132.

31 J 1 आ 162.

**रामायणचम्पूः—शिवरामशास्त्रिकृता**

23 C 13 प्र 174 (अवसाने पत्रद्वयं नास्ति).

**रामायणचम्पूव्याख्या (सञ्जीवनम्) घनश्यामपण्डितकृता**

21 E 30 आ 21 (किष्किन्धाकाण्डान्तम्).

**रामायणचम्पूव्याख्या (पदयोजना) वेङ्कटनारायणकृता**

21 E 13 प्र 220 (आदितः सुन्दरकाण्डपर्यन्तम्).

21 E 18 प्र 294.

25 F 6 प्र 59 (आरण्यकाण्डान्तम्).

26 D 19 प्र 178 (आरण्यकाण्डान्तम्).

28 I 37 प्र 102 (किष्किन्धाकाण्डान्तम्).

29 C 5 आ 340.

**रामायणयुद्धकाण्डचम्पूः—राजचूडामणिदीक्षितकृता**

20 C 40 प्र 17.

34 I 28 प्र 18.

**रामायणलक्ष्मणचम्पूः—लक्ष्मणकविकृता**

20 C 22 प्र 24 (१–९२ श्लोकाः).

20 C 43 आ 24.

20 C 47 ग्र 52.
23 A 12 आ 36.
23 E 39 ग्र 26.
26 A 23 ग्र 32.
26 F 18 ग्र 37.

रामायणलक्ष्मणचम्पूव्याख्या (मञ्जूषिका) रामचन्द्रार्यकृता
20 C 42 आ 140 (२० श्लोकप्रभृति पूर्तिपर्यन्तम्).

रामायणोत्तरचम्पूः—राघवकविकृता (स्मार्तीया)
19 M 64 आ 32 (१–६२ श्लोकाः).

रामायणोत्तरचम्पूः—वेङ्कटाध्वरिकृता (वैष्णवी)
21 D 45 ग्र 57.
21 K 37 ग्र 14 अस.
22 G 3 ग्र 20 अस.
22 G 7 ग्र 106.
22 G 50 ग्र 92.
23 E 39 ग्र 88 अस.
25 D 27 ग्र 75.
26 I 19 ग्र 102.
26 J 14 ग्र 84.

रामायणोत्तरचम्पूः—श्रीवेङ्कटकृष्णसूरिकृता
20 C 22 ग्र 66 (१–१४४ श्लोकाः).
21 E 2 ग्र 53 (सटीका).
22 G 1 ग्र 60.
24 A 9 ग्र 45.

रामायणोत्तरचम्पूव्याख्या—राघवार्यकृता
30 F 19 ग्र 198.

वज्रमकुटीविलासः—अळशिङ्गभट्टकृतः
36 D 11 ग्र 220.

वरदाभ्युदयचम्पूः (हस्तिगिरिचम्पूः) वेङ्कटाचार्यकृता
20 D 66 ग्र 20 अस.
26 D 10 ग्र 126.
26 F 13 ग्र 46 (पञ्चमविलासपूर्तिपर्यन्तं वर्तते अदिस्तु न ज्ञायते).
26 F 21 ग्र 14 अस.
26 I 28 ग्र 78.
34 F 19 ग्र 50 (१–३ उल्लासाः).

वल्लीपरिणयः—सुब्रह्मण्ययाजिकृतः
20 E 12 ग्र 32 (१ तरङ्गः समग्रः, २ तरङ्गे ७० श्लोकाः).

विक्रमसेनचम्पूः—नारायणरायकृता
10 G 12 दे 45.

विश्वगुणादर्शः—वेङ्कटाध्वरिकृतः
20 F 56 ग्र 62 (आदितः काञ्चीवर्णनपर्यन्तम्).
20 F 57 ग्र 133.
20 F 58 ग्र 72 (आदितः ४७२ श्लोकाः).
20 F 59 ग्र 166 (आदितः ४८८ श्लोकाः).
20 F 62 ग्र 48 (आदितः पाषण्डिवर्णनपर्यन्तम्).
20 F 64 ग्र 20 (आदितः महाराष्ट्रदेशवर्णनान्तम्).
20 F 65 ग्र 26 (१३० श्लोकप्रभृति काञ्चीवर्णनान्तम्).
20 F 66 ग्र 71.
20 F 69 ग्र 196.
22 C 55 ग्र 88.
23 E 27 ग्र 140 (आदितः चोळदेशवर्णनान्तम्).

23 J 11 आ 142.
26 F 13 प्र 32 (आदितः २३३ श्लोकाः).
29 D 18 प्र 58.

विश्वगुणादर्शव्याख्या (भावार्थटिप्पणी) श्रीशैल-लक्ष्मणकृता
1 A 11 दे 60.

वेदान्ताचार्यविजयः—कवितार्किकसिंहकृतः
29 G 33 प्र 100.

शङ्करानन्दलहरी (निरोष्ठ्यचम्पुकाव्यम्) स्वामि-दीक्षितकृता
33 M 4 प्र 76.

शिवरामचम्पूः—शिवरामसूरिकृता
22 M 21 प्र 196.

सप्तस्थानचम्पूः—वेङ्कटसुब्बकविकृता (प्रदर्शनाख्या)
22 D 81 प्र 134.

सर्वदेवविलासः
22 M 17 प्र 172 अस.

सीतापरिणयचम्पूः—रामभद्रकृता
10 G 12 दे 112.

हरिश्चन्द्राभ्युदयचम्पूः—स्वामिशास्त्रिकृता
33 F 17 प्र 86.

---

## (vii) नीतिग्रन्थाः

कामन्दकीयनीतिशास्त्रम्—कामन्दककृतम्
29 I 14 प्र 30.

कौटिलीयटीका (नयचन्द्रिका) माधवयज्वकृता
39 A 19 दे 432 (आदितः ३ अध्यायान्तम्).

कौटिलीयार्थशास्त्रटीका (प्रतिपदपञ्चिका) भट्टस्वामिकृता
39 C 18 दे 431 (आदितः २ अधिकरणपूर्तिपर्यन्तम्).

नीतिमञ्जरी
29 C 28 प्र 32.

नीतिशतकम्—सुन्दरपाण्ड्यकृतम्
33 F 28 प्र 22.

नीतिश्लोकमञ्जरी
40 A 2 प्र 18.

नीतिश्लोकाः
25 B 19 प्र 13.
28 C 74 प्र 6 (४३ श्लोकाः).

नीतिसारः
19 G 48 प्र 20 (७८ श्लोकाः).
19 G 49 प्र 72.
19 G 61 प्र 92 (१३९ श्लोकाः, द्राविडटीकायुतः).
19 J 54 आ 42 (३६ श्लोकाः, आंध्रद्राविडटीकायुतः).
19 K 41 आ 22 (५२ श्लोकाः).
19 K 68 आ 72 (७५ श्लोकाः, आंध्रटीकायुतः).
20 M 23 प्र 63 अस.
24 F 17 क 16 (४६ श्लोकाः, आंध्रटीकायुतः).
25 F 33 प्र 96 (द्राविडीयुतः).

26 C 30 ग्र 52.
28 C 53 ग्र, द्रा 60 (१०० श्लोकाः, द्राविडीयुतः).
28 C 66 ग्र, द्रा 122 (द्राविडीयुतः).
28 C 68 ग्र, द्रा 70.
28 C 69 ग्र, द्रा 66 (द्राविडीयुतः).
31 J 21 ग्र 16.

शार्ङ्गधरपद्धतिः—शार्ङ्गधरकृता
35 B 136 दे 160 अस.

सूक्तिमुक्तावलिः—जल्हणदेवकृता
19 G 60 ग्र 102 (६९ श्लोकाः, द्राविडीयुता).
33 G 8 ग्र 232 अस.

---

## (viii) चरितग्रन्थाः

अप्पयदीक्षितचरितम्—शिवानन्दयतिकृतम्
30 I 14 ग्र 61.
33 E 9 ग्र 45.

कुञ्जरग्रामदानपत्रम् (राजवंशावलिः) माधवाचार्यकृतम्
8 H 37 दे 4.

पद्मपादचरित्रम्
36 D 12 ग्र 95.

बिल्हणचरितम्—बिल्हणकविकृतम्
23 I 11 आ 24.
28 K 2 ग्र 20 (आदितः ४२ श्लोकाः).
28 K 7 आ 15 (उत्तरभागः).
28 K 10 आ 11 (पूर्वभागः).
29 C 23 ग्र 13 (१३७ श्लोकाः).

भद्रबाहुचरितम्—रत्ननन्दिकृतम्
36 A 8 ग्र 93.

भोजचरितम्—वल्लालकविकृतम्
23 G 25 ग्र 144.
27 D 47 ग्र 72.
27 D 48 ग्र 72 (अतिशिथिलम्) अस.
27 E 9 ग्र 62 अस.
29 B 8 आ 43 अस.
33 I 28 ग्र 100.

माणिक्यवाक्यचरितम्
30 I 14 ग्र 14 (आदितः ६ अध्यायाः).

मिथ्यापवादविध्वंसः—चन्द्रशेखरसूरिकृतः
9 F 68 ग्र 11.
9 F 7 ग्र 14.

रामचरित्रव्याख्या
40 C 22 के 44.

रामानुजचरित्रम्
25 B 44 ग्र 140.

वादिराजवृत्तरत्नसङ्ग्रहः—रघुनाथाचार्यकृतः
8 D 20 दे 16 (२ प्रबन्धौ).

वासुदेवचरितम्
34 C 19 के 162.

विक्रमार्कचरितम्
8 F 27 ग्र 14 (आदितः १२३ श्लोकाः).
20 F 6 आ 102 (आदौ पत्रपञ्चकं नास्ति).
22 G 36 ग्र 2 (ऋक्षशापमोचनम्).
28 F 17 ग्र 30 (सालभञ्जिकाकथा) अस.

विद्यारण्यचरितम्
9 E 73 आ 16.

वीरचरितम्—अनन्तवीरकृतम्
8 I 10 आ 100 (२८ अध्यायाः).

वीरनारायणचरितम्—अभिनवभट्टबाणकृतम्
9 I 18 दे 52 (१ उच्छ्वासः समग्रः, २ उच्छ्वासः असमग्रः).
20 G 65 आ 192 (आदितः ९ उच्छ्वासाः).

शिलाशासनपत्रिका
8 H 36 दे 80.

सुदामचरित्रम्—श्रीनिवासकविकृतम्
40 F 12 ग्र 8.

---

# नाटकग्रन्थाः

## (i) नाटकग्रन्थाः

अनर्घराघवम् (मुरारिः) मुरारिकृतम्
22 B 32 ग्र 127.
22 B 33 ग्र 158.
23 H 15 ग्र 26 (१, २ अङ्कौ).
25 F 18 ग्र 148.
25 H 11 ग्र 95.
27 H 36 ग्र 69 (१–४ अङ्काः).
27 H 37 ग्र 52 (१–३ अङ्काः, सटीकम्).
27 H 40 ग्र 10 (२, ३ अङ्कौ).
27 H 44 आ 127.
30 E 3 ग्र 132 (१–९ अङ्काः).
30 E 44 ग्र 59 (१–३ अङ्काः).
30 K 23 आ 146.
33 B 12 ओ 186.
33 L 31 ग्र 50 (१–४ अङ्काः).
34 D 24 आ 134.
34 G 17 ग्र 32 (आदितः ४ अङ्काः).
34 J 34 दे 64.
34 L 36 दे 123.

अनर्घराघवव्याख्या (इष्टार्थकल्पवल्ली) रामानन्दाश्रममुनिकृता
29 L 22 आ 214 (९–७ अङ्काः).
33 C 23 ग्र 488 (१–९ अङ्काः).
33 G 2 ग्र 184 (४, ९ अङ्कौ).
33 J 16 ग्र 170 (१–३ अङ्काः).

अनर्घराघवव्याख्या (पञ्चिका) विष्णुशर्मकृता
24 C 21 के 350.

अनर्घराघवव्याख्या
28 L 42 ग्र 10 (१ अङ्कः).

अनर्घराघवव्याख्या—हरिहरशास्त्रिकृता
23 B 43 ग्र 140 (१–९ अङ्काः).
23 G 42 ग्र 126 (१–४ अङ्काः).
27 H 45 आ 51 (६, ७ अङ्कौ).
27 H 41 ग्र 319.
30 J 21 आ 178 (१–६ अङ्काः).
30 K 14 आ 17 (१ अङ्कः).
30 K 25 आ 40 (१–३ अङ्काः).
33 G 10 ग्र 364.
34 E 22 ग्र 40 (६ अङ्कः).

अभिषेकनाटकम्—भासकृतम्
40 C 18 के 70.

अविमारकम्—भासकृतम्
40 C 18 के 74 अस.

आनन्दराघवः—राजचूडामणिदीक्षितकृतः
22 D 78 आ 221.

आश्चर्यचूडामणिः—शक्तिभद्रकृतः
40 B 8 के 280.

आश्चर्यचूडामणिव्याख्या
40 C 4 के 261 अस.

उत्तररामचरित्रम्—भवभूतिकृतम्
19 K 36 ग्र 170 (१–६ अङ्काः).
22 G 2 ग्र 98.
22 G 6 आ 122 (१–६ अङ्काः).
22 G 15 ग्र 56 (१, २ अङ्कौ).
22 G 16 ग्र 131.
22 G 17 ग्र 85.
22 G 18 आ 90.
22 G 19 आ 90.
22 G 20 ग्र 110.
22 M 3 ग्र 82.
23 G 9 ग्र 100.
25 G 11 ग्र 64 (१–६ अङ्काः).
26 A 23 ग्र 27 (१, २ अङ्कौ).
26 I 20 ग्र 110.
29 A 28 आ 55.
29 M 9 आ 62.
29 M 23 आ 46 (१, २, ५–७ अङ्काः).

उत्तररामचरित्रव्याख्या—घनश्यामपण्डित (काटयवेम) कृता
8 E 22 दे 270.
25 B 7 ग्र 18 (१ अङ्कः).

उत्तररामचरित्रव्याख्या (भवभूतिभावतलस्पर्शिनी) वीरराघवकृता
28 M 7 ग्र 320.

उन्मत्तराघवम्—भास्करसूरिकृतम्
19 K 27 आ 20.
29 B 8 आ 11.

उन्मत्तराघवम्—विरूपाक्षकृतम्
33 K 29 आ 18.

कनकलेखाकल्याणम्—भट्टबाणकृतम्
30 A 8 ग्र 52.

कमलिनीकलहंसम्—राजचूडामणिदीक्षितकृतम्
23 A 33 ग्र 38 (१–३ अङ्काः).
26 B 10 ग्र 60.
29 A 28 आ 30.
29 M 9 आ 40.

कामबाणः—नारायणकविकृतः
22 I 11 ग्र 118.

चण्डकौशिकम्—आर्यक्षेमेन्द्रकृतम्
21 C 53 ग्र 58 (१–५ अङ्काः).

चन्द्रलेखापरिणयः—तिरुमलाचार्यकृतः
30 A 10 ग्र 84.

जानकीपरिणयः—रामभद्रदीक्षितकृतः
23 B 47 ग्र 118 (१–६ अङ्काः).
23 I 31 ग्र 158.
27 K 27 ग्र 207.

जीवन्मुक्तिकल्याणम्—नल्लाध्वरिकृतम्
23 B 7 आ 54.

ज्ञानमुद्रानाटकम्
25 A 5 प्र 34.
26 E 17 प्र 34.

तपतीसंवरणम्—कुलशेखरवर्मकृतम्
40 D 1 के 98.

दूताङ्गदम्—सुभटकविकृतम्
35 C 147 दे 12.

धनञ्जयनाटकम् (सुभद्राधनञ्जयम्) कुलशेखरवर्मकृतम्
40 D 1 के 114.

धनञ्जयविजयः—जयदेवकृतः
23 H 44 आ 28.

नलचरित्रम्—नीलकण्ठदीक्षितकृतम्
33 M 3 प्र 72.

नागानन्दः—श्रीहर्षकृतः
28 A 78 आ 88.
40 C 18 के 104.

नागानन्दव्याख्या (नागानन्दविमर्शिनी) जयरामकृता
24 C 22 के 288 (आदितः ९ अङ्क २४ श्लोकाः).

प्रद्युम्नानन्दम्—वेङ्कटाध्वरिकृतम्
28 I 35 प्र 132 (अतिशिथिलम्).

प्रबोधचन्द्रोदयः—कृष्णमिश्रकृतः
10 C 32 दे 64.
11 F 10 ब 58 अस.
11 F 11 ब 71.
11 G 98 ब 240.
23 B 14 प्र 26 (१, २ अङ्कौ).
28 I 20 आ 74.
28 I 21 आ 72.
28 I 24 आ 48.
28 I 25 प्र 99.
28 I 26 आ 50.
28 I 45 प्र 94.
28 I 50 आ 84.
29 B 14 आ 58.
30 H 21 प्र 68.
30 K 1 आ 261 (सटीकः).
30 K 12 आ 81.
30 K 28 आ 82.
38 E 42 दे 66.

प्रबोधचन्द्रोदयव्याख्या—मल्लिशेखर (गोपमल्लिनादिल्लगोपमल्लि) कृता
29 M 13 आ 112.
30 K 28 आ 170.

प्रबोधचन्द्रोदयव्याख्या (प्रौढप्रकाशः) सुब्रह्मण्यसुधीकृता
10 H 10 दे 245.
28 I 20 आ 122.
28 I 21 आ 113.
30 H 21 प्र 18.
33 F 5 प्र 110.

प्रसन्नराघवम्—जयदेवकृतम्
19 L 7 आ 186.
23 I 5 प्र 154 (आदौ पत्रद्वयं नास्ति).
24 F 26 प्र 64 (आदितः ४ अङ्काः).
25 H 22 आ 100.
26 B 42 प्र 130 (आदितः ७ अङ्क ४६ श्लोकाः).

26 F 17 प्र 174.
29 M 11 आ 96.
33 F 16 प्र 110.

प्रियदर्शिका—श्रीहर्षकृता
29 G 3 प्र 50.

बालरामायणम्
28 K 4 प्र 56.

भैमीपरिणयः—शठकोपकृतः
33 F 18 प्र 92.

भैरवविलासः—वैद्यनाथकृतः
24 A 4 प्र 26.

मदनगोपालविलासः—गुरुरामकविकृतः
10 G 12 दे 45.

मलयजापरिणयः
26 B 10 प्र 51.

मल्लिकामारुतम्—उद्दण्डकविकृतम्
25 B 33 प्र 58.
40 B 13 के 450.

महानाटकम्—(हनुमन्नाटकम्) हनुमत्कविकृतम्
11 D 26 दे 32.
25 C 24 प्र 95 (आदितः १७० श्लोकाः).
25 C 41 प्र 106.

महावीरचरितम्—भवभूतिकृतम्
19 L 19 प्र 26 (१, २ अङ्कौ).
25 E 30 प्र 78.
29 A 28 आ 40.
29 M 9 आ 44.

महावीरचरितव्याख्या (भावप्रद्योतिनी) वीरराघवाचार्यकृता
27 E 75 प्र 162 (१–४ अङ्काः).

माधवानलनाटकम्—आनन्दधरकृतम्
35 B 133 दे 26.

मालविकाग्निमित्रम्—कालिदासकृतम्
27 G 44 आ 93.
27 G 50 प्र 76.
29 L 19 आ 46.
29 L 36 आ 60.
34 A 18 प्र 34.

मालविकाग्निमित्रव्याख्या (कुमारगिरिराजीया) काटयवेमभूपकृता
29 L 19 आ 44.
29 L 36 आ 84.
30 L 41 आ 86.

मालविकाग्निमित्रव्याख्या—नीलकण्ठकृता
33 I 6 प्र 86.

मालविकाग्निमित्रव्याख्या
34 A 18 प्र 24 (१–३ अङ्काः).

मिथ्याज्ञानखण्डनम्—रविदासकृतम्
34 K 31 दे 34.

मुद्राराक्षसम्—विशाखदत्तकृतम्
23 A 32 प्र 74.
24 A 4 प्र 284 (सव्याख्यम्).
27 H 22 प्र 104.
30 E 19 प्र 78.
30 H 4 प्र 118.

मुद्राराक्षसव्याख्या—धुण्डिराजव्यासयज्वकृता
30 F 5 प्र 104.
30 H 4 प्र 100.

यतिराजविजयः (वेदान्तविलासः) घटिकाशतं वरदाचार्यकृतः
30 E 7 ग्र 258.

रत्नावली—श्रीहर्षकृता
29 I 44 ग्र 42.
27 J 30 आ 68.

रत्नेश्वरप्रसादनम्—गुरुरामकृतम्
33 F 32 ग्र 104.

वसुमङ्गलनाटकम्
33 K 29 आ 48.

वासन्तिकापरिणयः—शठारियतीश्वरकृतः
22 L 35 ग्र 79.

विक्रमोर्वशीयम्—कालिदासकृतम्
20 F 2 ग्र 30 (१–३ अङ्काः).
20 F 3 ग्र 58.
20 F 4 ग्र 20 (१, २ अङ्कौ).
20 F 5 ग्र 66.
20 F 7 ग्र 81.
20 F 13 ग्र 80.
23 A 31 ग्र 56.
23 B 50 आ 46.
25 D 28 ग्र 12 (२ अङ्कः).
25 G 1 ग्र 89.
25 H 16 ग्र 37.
26 C 23 ग्र 97.
30 K 19 आ 45.
39 B 9 आंग्लम् 76.

विक्रमोर्वशीयनान्दीश्लोकव्याख्या
20 F 47 ग्र 10.

विक्रमोर्वशीयव्याख्या—काटयवेमभूपकृता
30 K 19 आ 40 (१, २ अङ्कौ).

विदग्धमाधवम्—रूपगोस्वामिकृतम्
33 B 5 ओ 212.

विवेकविजयः—रामानुजकविकृतः
26 D 23 ग्र 106.

वेणीसंहारम्—भट्टनारायणकृतम्
9 E 31 दे 108.
20 H 15 ग्र 105.
20 H 16 आ 118.
23 C 20 आ 54.
25 E 13 ग्र 106.
30 K 23 आ 21 (१–३ अङ्काः).

वेणीसंहारप्राकृतव्याख्यानम्—हरिहरकृतम्
9 E 33 दे 22.

वेदवल्लीपरिणयः—वेङ्कटार्य (श्रीरंगार्यसुत) कृतः
22 M 36 ग्र 34.
26 D 7 ग्र 31 (१–५ अङ्काः).

शाकुन्तलम् (अभिज्ञानशाकुन्तलम्) कालिदासकृतम्
19 M 59 ग्र 138.
20 K 27 ग्र 26 (१ अङ्कः).
20 K 28 ग्र 64.
20 K 29 आ 28 (१–४ अङ्काः प्रथमपत्रं विना).
20 K 30 ग्र 46 (१–५ अङ्काः).
20 K 31 ग्र 96 (१–६ अङ्काः).
20 K 32 ग्र 160.
20 K 33 ग्र 194.
20 K 34 ग्र 44 (१–४ अङ्काः).

20 K 35 ग्र 86.
20 K 36 ग्र 129.
20 K 45 ग्र 129.
22 M 8 ग्र 110.
23 H 23 ग्र 62 (१–३अङ्काः).
24 A 11 ग्र 206.
25 D 9 ग्र 123 (१–६ अङ्काः).
25 H 16 ग्र 56.
26 B 49 ग्र 42 (पत्रसप्तकवर्जं १–५ अङ्काः).
26 C 28 ग्र 96.
29 I 44 ग्र 102.
30 J 9 आ 80.
39 B 10 आंग्लं 224.

शाकुन्तलप्राकृतटीका
34 K 25 दे 36.

शाकुन्तलव्याख्या
34 H 13 ग्र 140 (१–६ अङ्काः).

शाकुन्तलव्याख्या — काटयवेमभूपकृता
9 I 23 दे 144 (१–३ अङ्काः).
30 L 32 आ 44 (१–५ अङ्काः).

शाकुन्तलसञ्जीवनम् — घनश्यामपण्डितकृतम्
20 K 50 ग्र 30 (१ अङ्कः).

सङ्कल्पसूर्योदयः — वेदान्तदेशिककृतः
9 F 10 आ 47 (१–४ अङ्काः).
19 D 22 आ 216.
23 E 36 ग्र 68 (४–६ अङ्काः).
26 A 31 ग्र 108 (१–५ अङ्काः).
26 E 1 ग्र 256.
26 I 12 ग्र 180.
29 M 11 आ 170.
30 F 16 ग्र 262.

संकल्पसूर्योदयविवरणम्
23 G 37 ग्र 48 (१, २ अङ्कौ).

संकल्पसूर्योदयव्याख्या (प्रभाविलासः) अहोबलार्यकृता
29 A 6 आ 154.
30 E 33 ग्र 44 (१–३ अङ्काः).
30 F 21 ग्र 224 (१–५ अङ्काः).

संकल्पसूर्योदयव्याख्या — नृसिंहराजाचार्यकृता
39 A 16 ग्र 947 सं २.

संकल्पसूर्योदयव्याख्या — श्रीनिवासार्यकृता
30 F 22 ग्र 218 (१–९ अङ्काः).

सत्यभामापरिणयः — कृष्णकविकृतः
19 D 54 आ 164.
19 F 28 ग्र 148.

सीताविजयेन्दिरापरिणयः — सुब्रह्मण्यकृतः
33 G 1 ग्र 147.

सुभद्राधनंजयम् — गुरुरामकविकृतम्
40 A 5 ग्र 50.

सुभद्रापरिणयः — नल्लाकविकृतः
30 F 3 ग्र 74.
33 G 5 ग्र 86.

सेवन्तिकापरिणयः — चोक्कनाथकविकृतः
10 H 17 दे 215.

सौगन्धिकाहरणम् — विश्वनाथकविकृतम्
29 B 24 आ 21.

स्वप्नवासवदत्तम् — भासकृतम्
40 D 5 के 126.

हास्यार्णवः
33 B 2 आ 178.

### (ii) प्रकरणग्रन्थाः

मालतीमाधवम्—भवभूतिकृतम्

27 G 33 ग्र 100.
27 G 34 ग्र 61 (१–७ अङ्काः).
27 G 48 ग्र 102.
27 G 51 आ 135.
38 E 47 दे 294 (जगद्धरकृतटीकायुतम्).

मालतीमाधवव्याख्या—त्रिपुरारिकृता

23 A 14 आ 178 (१–६ अङ्काः).
27 G 47 ग्र 241 (१–७ अङ्काः).
27 G 49 ग्र 175 (१–७ अङ्काः).

मालतीमाधवव्याख्या—पूर्णसरस्वतीकृता

24 C 7 के 482.

मालतीमाधवश्लोकानुक्रमणिका

23 H 36 ग्र 8.

---

### (iii) भाणग्रन्थाः

अनंगतिलकभाणः—रंगनाथकृतः

30 K 4 आ 43.

अनंगसंजीवनभाणः—वरदकविकृतः

30 A 9 ग्र 44.

मुकुन्दानन्दभाणः—काशीपतिकविराट्कृतः

27 H 10 आ 93.
29 M 19 आ 80.

मुकुन्दानन्दसंग्रहश्लोकमालिका

27 H 10 आ 2.

रसोल्लासभाणः—श्रीनिवासदासकृतः

30 K 4 आ 36.

वसन्ततिलकभाणः—वरदाचार्यकृतः

20 E 4 आ 68.
20 E 5 आ 68.
20 E 7 ग्र 50.
20 E 8 आ 32.
20 E 10 ग्र 4 (आदितः पत्रचतुष्टयं विद्यते).
20 E 11 ग्र 90.
20 F 62 ग्र 58.
23 I 3 अ 48.
24 F 14 आ 48.
25 A 48 आ 58.
26 B 39 ग्र 28 (आदितः २७ श्लोकाः).
30 J 9 आ 43.
30 L 6 आ 50.
30 L 16 आ 41.

शृङ्गारभूषणम्—भट्टबाणकृतम्

19 B 68 आ 10.
29 M 19 आ 20.

शृङ्गारभूषणम्—वामनभट्टकृतम्

20 F 62 ग्र 29.

शृङ्गारभूषणम्—अनन्तकविकृतम्

25 A 74 ग्र 11 (प्रस्तावनान्तम्).
29 C 32 आ 37.

---

### (iv) प्रहसनग्रन्थाः

भगवदज्जुदीयम्

40 D 5 के 34.

लम्बोदरप्रहसनम्—वेङ्कटेश्वरकविकृतम्

23 F 43 ग्र 42.

28 J 10 आ 56.
28 J 24 प्र 38.
28 J 25 प्र 34.
34 A 12 प्र 60.

---

### (v) व्यायोगग्रन्थाः

धनञ्जयविजयः—काञ्चनकविकृतः
30 J 7 आ 17.
30 K 4 आ 12.
38 F 23 दे 32.

---

# अलङ्कारग्रन्थाः

### (i) सूत्रग्रन्थाः

काव्यालङ्कारसूत्रम्—वामनकृतम्
33 E 26 प्र 88.

काव्यालङ्कारसूत्रवृत्तिः—वामनकृता
25 H 19 प्र-आ 55.

काव्यालङ्कारसूत्रवृत्तिव्याख्या (कामधेनुः) गोपेन्द्र-त्रिपुरहरभूपालकृता
10 H 16 दे 314.
33 E 25 प्र 233.

---

### (ii) सूत्रेतरग्रन्थाः

अलङ्कारकौस्तुभः—वेंकटाचार्यकृतः
8 J 16 प्र 114 (कोशद्वयम्).

अलङ्कारग्रन्थः (अज्ञातनामाद्यन्तकः)
34 L 51 दे 82 अस.
34 M 24 दे 68 अस.

अलङ्कारचन्द्रिका
30 K 33 आ 193.

अलङ्कारमुक्तावलिः (नृसिंहभूपालीयम्) कृष्णयज्व-कृतम्
29 K 18 आ 208.

अलङ्कारशिरोभूषणम्—कन्दालयार्यकृतम्
10 I 33 दे 256 (चतुर्थोल्लासो नास्ति).
23 C 42 प्र 158 (दोषप्रकरणान्तम्).

अलङ्कारशेखरः
33 B 3 ओ 75 अस.

अलङ्कारसङ्ग्रहः
30 K 33 आ 92.

अलङ्कारसर्वस्वम
22 C 44 आ 28 (रसनिरूपणान्तम्).
40 C 26 के 19.
40 D 3 के 94 अस (अतिशिथिलम्).

उज्ज्वलनीलमणिः—रूपगोस्वामिकृतः
33 B 9 ओ 263.

एकावली—विद्याधरकविकृता
34 C 12 प्र 110.

कविकण्ठपाशः (ग्रन्थतो नाम न ज्ञायते)
19 L 25 आ 26 अस.

कवितावतारः—पुरुषोत्तमसुधीकृतः

30 L 24 आ 284 (विषमालंकारान्तम्).

काव्यदर्पणम्—राजचूडामणिदीक्षितकृतम्

22 J 27 आ 192 (सव्याख्यम्, आदितः ४ उल्लासे मिश्रभेदविवेचनपर्यन्तम्).

22 J 28 ग्र 30 (आदितः दशमोल्लासपर्यन्तम्).

24 A 25 के 333 (नवमदशमोल्लासमात्रम्).

24 C 8 के 524 (१–८ उल्लासाः).

26 F 24 ग्र 118 (आदितः १० उल्लासाः, सव्याख्यम्).

30 G 4 ग्र 54 (लक्षणान्तम्, सटीकम्).

33 I 5 ग्र 99 (तुल्ययोगितान्तम्).

काव्यप्रकाशः—मम्मटभट्टकृतः

24 A 26 के 136.

29 A 30 आ 153 (काव्यप्रकाशविवृतिः भट्टनारायणकृता इति ग्रन्थेऽस्ति).

35 C 51 दे 373 (सव्याख्यः).

40 D 3 के 102 अस (अतिशिथिलम्)

काव्यप्रकाशव्याख्या

11 D 25 दे 35 (८ उल्लासान्तम्).

काव्यप्रकाशव्याख्या—भास्करमिश्रकृता

11 D 6 दे 36.

काव्यप्रकाशव्याख्या—यज्ञेश्वरकृता

24 B 2 के 231.

काव्यप्रकाशिका

8 I 5 आ 13.

27 J 22 आ 4 (पदादियमकविकल्पान्तम्).

काव्यप्रकाशिकाटीका (काव्यप्रकाशटीका, साहित्यचूडामणिः) भट्टगोपालकृता

25 G 6 ग्र-आ 250 (१–१० उल्लासपर्यन्तम्).

काव्यप्रकाशिकाटीका (काव्यप्रकाशटीका, साहित्यदीपिका) भास्करमिश्रकृता

25 H 34 आ 138.

काव्यप्रकाशिकाटीका (काव्यप्रकाशटीका, आनन्दवर्धनी) रुचिनाथकृता

34 C 14 ग्र 300.

काव्यप्रकाशिकाव्याख्या (काव्यप्रकाशव्याख्या, काव्यकौमुदी) देवनाथकृता

29 A 27 आ 322.

काव्यप्रकाशिकाव्याख्या (काव्यप्रकाशव्याख्या, ऋजुवृत्तिः) नरसिंहसूरिकृता

8 I 5 आ 105 (आदितः संसृष्टिसंकरपर्यन्तम्).

29 A 27 आ 40 (प्रथमोल्लासः).

30 K 32 आ 49 (१–३ उल्लासान्तम्).

काव्यरत्नव्याख्या (अर्थप्रदीपिका)

40 C 12 के 134.

काव्यलक्षणसंग्रहः—श्रीनिवासकृतः

22 J 26 ग्र 202.

26 C 2 ग्र 120 (संग्रहत्रयपर्यन्तम्).

34 C 15 ग्र 276.

काव्यादर्शः—आचार्यदण्डिकृतः

11 F 127 ब 21 अस.

23 I 25 आ 54 (प्रथमपत्रं विना ३ परिच्छेदान्तम्).

24 F 12 आ 274.
29 A 28 आ 30.
29 J 34 प्र 46 (आदितः ३ परिच्छेदान्तम्).
29 M 9 आ 37 (आदितः ३ परिच्छेदान्तम्).

काव्यादर्शव्याख्या
8 E 33 दे 168 (१, २ परिच्छेदौ).

चन्द्रालोकः—जयदेवकृतः
21 D 1 आ 18.
21 D 18 प्र 108.
22 K 30 प्र 13.
23 I 25 आ 56 (कुवलयानन्दसहितः).
25 H 26 प्र 251 (प्रतिषेधालंकारान्तम).
26 B 26 प्र 6 (समासोक्तिप्रभृति सन्देहालङ्कारपर्यन्तम्).
39 B 24 आ 14.
29 C 23 प्र 20 (निरुक्त्यलंकारान्तः).
33 B 3 ओ 14.

चन्द्रालोकटीका (बुधरञ्जिनी) वेङ्कलसूरिकृता
28 K 20 प्र 198 (अर्थालङ्कारप्रकरणम्).
29 A 16 आ 136 (अर्थालङ्कारप्रकरणम्).

चन्द्रालोकप्रकाशः—प्रद्योतनभट्टाचार्यकृतः
29 B 24 आ 38.

चन्द्रालोकव्याख्या (कुवलयानन्दः) अप्पयदीक्षितकृतः
19 M 57 प्र 102 (आदितः सङ्करप्रकरणान्तम्).
19 M 61 प्र 104 (आदितः प्रतिवस्तूपमान्तम्).
22 K 30 प्र 143.
22 K 31 प्र 136 (आदितः अप्रस्तुतप्रशंसान्तम्).
22 K 32 प्र 164.
22 K 33 प्र 154.
22 K 34 प्र 112 (कोशद्वयम).
22 K 35 आ 62.
22 K 36 आ 65.
22 K 37 आ 180.
22 K 38 आ 132.
22 K 40 प्र 122 (आदितः प्रकाशालङ्कारपर्यन्तम्).
22 K 41 आ 14 (आदितः उपमेयोपमान्ता).
23 E 43 प्र 64 (आदितः समासोक्तिपर्यन्ता).
23 I 33 आ 92.
25 C 26 प्र 96 (आदितः अर्थान्तरन्यासान्ता).
29 C 23 प्र 52 (आक्षेपादि गूढोक्त्यन्ता).
29 C 24 प्र 120 (आदितः व्याजस्तुतिपर्यन्ता).
29 G 20 प्र 164.
30 L 30 आ 56 (आदितः पर्यायोक्त्यन्ता).
33 I 9 प्र 82 (आदितः काव्यलिङ्गान्ता).
38 E 21 दे 310.

चन्द्रालोकव्याख्या (कुवलयानन्दसङ्ग्रहः) श्रीरामकृता
23 I 25 आ 56.

चन्द्रिका (कुवलयानन्दचन्द्रिका) वैद्यनाथकृता
29 C 11 प्र 64 (आदितः आवृत्तिदीपकान्ता).

दीपिका (कुवलयानन्दकारिकादीपिका) आशाधरकृता
8 G 47 दे 60 (आदितः अप्रस्तुतप्रशंसान्ता).

रसिकरञ्जनी (कुवलयानन्दव्याख्या) गङ्गाधरमनीषिकृता
24 A 20 के 300.
27 J 36 प्र 56 (बिम्बप्रतिबिम्बभावप्रभृति उपमालक्षणान्ता).
27 J 37 आ 358 (आदितः उपमान्ता).
27 J 38 प्र 255 (आदितः सन्देहान्ता).

सहृदयोल्लासिनी (कुवलयानन्दव्याख्या)
10 H 3 दे 534.

चमत्कारचन्द्रिका—विश्वेश्वरकविकृता
22 A 56 आ 100 (रसविवेकान्ता).
30 L 11 आ 200.

चित्रमीमांसा—अप्पयदीक्षितकृता
30 E 47 प्र 112 (आदितः उत्प्रेक्षान्ता).
30 J 6 आ 62 (आदितः परिणामान्ता).
30 K 30 आ 61 (आदितः उत्प्रेक्षान्ता).

दशरूपकम् (सावलोकम्) धनञ्जयकृतम्
21 L 2 आ 124.

दशरूपकावलोकः—धनिककविकृतः
29 B 14 आ 86 (आदितः हास्यरसान्तः).

दशरूपकावलोकलघुटीका—भट्टनरसिंहकृता
24 E 5 के 126 (आदितः ४ परिच्छेदान्ता).
33 I 6 आ 107 (आदितः ४ परिच्छेदान्ता).

नवरसलक्षणम्—वासुदेवकृतम्
35 C 76 दे 7.

नाटकपरिभाषा—शिङ्गधरणीशकृता
29 M 9 आ 18.

नाटकलक्षणम्
27 H 37 प्र 3 (आदितः विष्कम्भान्तम्).
33 G 7 प्र 56 (काव्यप्रकरणम्).

प्रतापरुद्रीयम्—विद्यानाथकृतम्
22 L 22 प्र 132.
23 B 3 प्र 52 (आदितः नाटकप्रकरणान्तम्).
23 C 22 आ 152.
28 I 1 प्र 34 (अभिसारिकादि, नाटकान्तम्).
28 I 2 प्र 128 (आदितः दोषप्रकरणान्तम्).
28 I 3 प्र 122 (नाटकप्रकरणादि रसप्रकरणान्तम्).
28 I 7 प्र 144 (रसप्रकरणादि आन्तम्).
28 I 15 आ 99 (आदितः संसृष्टिपर्यन्तम्).
28 I 16 आ 178.
28 I 43 प्र 56 (नाटकप्रकरणम्).
29 G 13 प्र 216 (आदितः विशेषोक्त्यन्तम्).
29 G 18 क 90.
30 E 11 प्र 120 (आदितः सारालंकारान्तम्).
30 J 4 आ 160.
30 K 27 आ 172 (आदितः काव्यलिंगान्तम्).

प्रतापरुद्रीयव्याख्या (रत्नापणम्) कुमारस्वामिसोमपीथिकृता
25 G 23 प्र 327.
27 J 23 प्र 247 (आदितः काकतालीयान्ता).

27 K 26 प्र 264.
28 I 10 प्र 262 (आदितः समुच्चयान्ता).
28 J 20 आ 32 (आदितः ३ अंकाः).
29 J 36 प्र 174.
29 M 9 आ 200.
30 E 13 प्र 100 (रसादि दोषान्ता).

भामहालंकारः—भामहकृतः
1 A 7 दे 64.

मनोरमा
27 E 42 प्र 52 (आदितः तुल्ययोगितान्ता).

रघुपतिरहस्यप्रदीपिका—श्रीमुनिकृता
8 B 18 दे 38 (आदितः संभोगप्रकरणान्ता).

रतिमञ्जरी—जयदेवकृता
26 B 18 प्र 7 (२१ श्लोकाः).

रसकल्पद्रुमः—जगन्नाथमिश्रकृतः
38 D 14 दे 1352 (सं ३).

रसगङ्गाधरः—जगन्नाथपण्डितकृतः
8 J 5 आ 130 (आदितः विषमालंकारान्तः).
23 H 1 आ 136 (आदितः सन्देहालंकारान्तः).
30 J 18 आ 641.

रसतरंगिणी—भानुदत्तकृता
8 J 5 आ 63.
36 F 40 दे 52.

रसतरंगिणीटीका—भानुदत्तकृता
10 E 39 दे 80 (आदौ पत्रचतुष्टयं विना समग्रा).

रसमञ्जरी—भानुदत्तमिश्रकृता
25 I 9 प्र 44.
27 J 17 प्र 24.
27 J 24 आ 61.
29 A 10 आ 52.
30 D 34 आ 30 (आदितः १३३ श्लोकाः).
30 J 9 आ 35.
35 B 116 दे 46 (आदितः १२८ श्लोकाः).

रसमञ्जरीपद्यालङ्कारध्वनिनिर्णयः
27 J 21 आ 11.

रसमञ्जरीव्याख्या (व्यङ्ग्यार्थकौमुदी) अनन्तपण्डितकृता
29 B 13 आ 225.
29 M 13 आ 106 (आदितः १०४ श्लोकाः).

रसमञ्जरीव्याख्या (व्यङ्ग्यार्थकौमुदी) चन्द्रभानुकृता
34 J 35 दे 172 (परकीयाप्रकरणे २२ श्लोकप्रभृति समग्रा).

रसमञ्जरीव्याख्या (सुधा) दत्तात्रेयकृता
19 G 30 आ 128.

रसमञ्जरीव्याख्या (चिन्तामणिः, परिमलः) शेषकृता
8 H 49 दे 38 (आदितः मुग्धाधीरालक्षणपर्यन्ता).
34 J 18 दे 143.

रसमञ्जरीव्याख्या (आमोदः)
10 J 13 दे 66 (आदितः २ प्रकरणान्ता).

रसमञ्जरीसारसङ्ग्रहः (मधुरमञ्जरी) दत्तात्रेयकृतः
27 E 18 प्र·आ 8.

रसार्णवालङ्कारः—प्रकाशवर्मकृतः
40 D 3 के 57 अस (अतिशिथिलम्).

रसिकरसायनम्
39 D 3 दे 148 (आदितः ४ प्रकरणान्तम्).

रुद्रटालङ्कारः—भट्टरुद्रकृतः
34 J 16 दे 86.

रुद्रटालङ्कारटिप्पणी—श्वेताम्बरनिमिसाधुकृता
34 J 17 दे 112 (३–९ अध्यायाः).

वाग्भटालङ्कारः—वाग्भटकृतः
34 J 66 दे 30.

वाग्भटालङ्कारटीका
34 J 67 दे 24 (आदितः २८ श्लोकाः).

वाग्भटालङ्कारवृत्तिः (काव्यकुमुदचन्द्रिका)
34 J 20 दे 10.

वृत्तिवार्तिकम्
20 I 24 आ 26 (आदितः शुद्धसारोपलक्षणापर्यन्तम्).
20 I 40 आ 28.

शतालङ्कारानुक्रमणिका
33 B 3 ओ 3.

शिङ्गभूपालीयम्—शिङ्गभूपालकृतम्
9 E 41 आ 53 (रसनाटकप्रकरणे).

शृङ्गारतिलकम्—रुद्रभट्टकृतम्
9 F 42 प्र 51.

शृङ्गारदीपिका—वेमभूपालकृता
30 J 9 आ 905.

शृङ्गारमञ्जरी
23 G 18 आ 34.

साहित्यकौमुदी—अर्कसूरिकृता
19 F 7 आ 48 (आदितः ३ उल्लासान्ता).

साहित्यचिन्तामणिः—वीरनारायणकृतः
9 J 28 दे 312.

साहित्यदर्पणम्—विश्वनाथकविराजकृतम्
11 B 37 दे 204 (६ परिच्छेदः).

साहित्यरत्नाकरः—धर्मसुधीकृतः
29 M 12 आ 262.
30 C 17 आ 256.

साहित्यरत्नाकरव्याख्या (नौका) वेङ्कटसूरिकृता
30 L 19 आ 448.

---

# छन्दोग्रन्थाः

पिङ्गलछन्दस्सूत्रम् (प्राकृतम्) पिङ्गलनागकृतम्
9 J 13 दे 276 (आदितः २१० सूत्रान्तं, सव्याख्यम्).
28 G 40 आ 6.

पिङ्गलछन्दस्सूत्रम्—पिङ्गलाचार्यकृतम्
29 F 10 प्र 7.

पिङ्गलछन्दस्सूत्रवृत्तिः—भट्टहलायुधकृता
8 D 71 दे 13 (आदितः ९७ सूत्रपर्यन्ता).
29 F 10 प्र 96.
34 L 40 दे 77 (आदितः सप्तमाध्यायपर्यन्ता).

पिङ्गलछन्दोलक्षणव्याख्या—दामोदरकृता
11 D 23 दे 35 (आदितः किरीटवृत्तपर्यन्ता).

पिङ्गलछन्दोविचितिभाष्यम्—यादवप्रकाशकृतम्
9 I 22 दे 275 (आदितः ८ अध्यायपर्यन्तम्)

वृत्तद्युमणिः—गङ्गाधरकृतः
20 I 28 प्र 4 (आदितः पत्रद्वयं विद्यते).

वृत्तमाला (नृसिंहवृत्तमाला) विरूपाक्षयज्वकृता
23 G 45 आ 82.

वृत्तमौक्तिकम् (पिङ्गलवार्तिकम्) चन्द्रशेखरभट्टकृतम्
38 F 39 दे 60 अस.

वृत्तरत्नाकरः—केदारान्तर्वाणिकृतः
19 A 6 आ 6.
20 I 25 आ 14.
20 I 26 आ 10.
20 I 27 आ 10.
20 I 30 प्र 14.
23 B 11 आ 20.
24 A 15 प्र 24.
29 A 8 आ 46 (कोशद्वयम्, अधिकपाठसहितः).
30 L 9 आ 9.

वृत्तरत्नाकरव्याख्या (ललिता) कनकसभापतिकृता
20 I 29 आ 27.
29 A 8 आ 36.

वृत्तरत्नाकरव्याख्या (मणिनिधिः) नारायणपुरोहितकृता
8 D 70 दे 117.
31 J 45 प्र 26.

वृत्तरत्नाकरव्याख्या (चन्द्रिका) प्रभावल्लभकृता
20 I 30 प्र 61.

वृत्तरत्नाकरव्याख्या (मृतसञ्जीविनी) भास्कररायकृता
10 B 7 दे 142.

वृत्तरत्नाकरव्याख्या
20 I 28 प्र 26 (आदितः द्रुतविलम्बितवृत्तपर्यन्ता).

वृत्तरत्नाकरव्याख्या (धीशोधिनी) श्रीनाथकृता
8 F 58 आ 54 (आदितः ४ अध्यायाः).
9 F 82 प्र 11 (आदितः आर्यान्ता).
11 F 126 ब 5 (आदितः शार्दूलविक्रीडितान्ता).
24 A 15 प्र 202.
28 A 1 आ 69.
29 A 8 आ 108.
30 L 9 आ 36.
33 I 27 आ 172.

वृत्तरत्नाकरस्थवृत्तनामानि
29 A 8 आ 10.

वृत्तरत्नार्णवः—नृसिंहभागवतकृतः
33 I 27 आ 56 (आदितः ६ अध्यायाः).

वृत्तरत्नावली (सरस्वतीस्तोत्रम्) कालिदासकृता
9 D 51 दे 9.
22 K 17 आ 5 (आदितः १७ श्लोकाः).
39 B 4 आङ्गलं 31.

श्रुतबोधः—कालिदासकृतः
19 C 61 आ 5.
30 E 40 प्र 7.

श्रुतबोधटीका (ज्ञानतरङ्गिणी)
35 B 152 दे 18.

# कोशग्रन्थाः

अभिधानचिन्तामणिः (नाममाला) हेमचन्द्रकृतः
8 D 34 दे 11 (प्रथमकाण्डः).

अमरकोशः (नामलिंगानुशासनम्) अमरसिंहकृतः
10 K 27 दे 162 (भानुदीक्षितीयव्याख्यायुतः).
10 K 28 दे 106
11 D 12 दे 32 (१ काण्डः, भाषाटीकायुतः).
11 G 31 ब 80 (मनुष्यवर्गान्तः).
20 D 30 ग्र 16 (१ वर्गः).
20 D 31 आ 26 अस (आन्ध्रटीकायुतः).
20 D 41 ग्र 15 (३ काण्डे आदितः संकीर्णवर्गे २० श्लोकान्तः).
22 L 26 ग्र-द्रा 72 (१ काण्डः, द्राविडटीकायुतः).
22 L 47 ग्र 40 (१ काण्डः).
22 M 12 ग्र 31 (१ काण्डः).
23 A 7 आ 46 (आदितः अव्ययवर्गान्तः, सान्ध्रटीकः).
24 E 19 आ 252 (३ काण्डः, सान्ध्रटीकः).
24 E 22 आ 124 (१ काण्डः सान्ध्रटीकः).
24 E 31 आ 304 (२ काण्डः, सान्ध्रटीकः).
24 E 32 आ 108 (आदितः नाट्यवर्गान्तः).
24 E 40 आ 42 (१ काण्डः).
25 B 23 ग्र 25 (अव्यय, लिङ्गादिसंग्रहौ).
25 C 27 ग्र 40 (२ काण्डे आदितः ९ वर्गाः).
25 C 43 ग्र-द्रा 43 (१ काण्डः, प्रतिपदद्राविडीयुतः).
25 D 5 ग्र 60 (आदितः वनौषधिवर्गान्तः).
25 D 25 ग्र 106 (२ काण्डप्रभृति लिङ्गादिसंग्रहवर्गान्तः).
25 E 10 ग्र 24 (आदितः वाग्वर्गान्तः).
25 I 11 ग्र-द्रा 44 (आदितः दिग्वर्गान्तः, सद्राविडटीकः).
26 C 10 ग्र 102 (२, ३ काण्डौ).
26 G 1 ग्र 60 (१ काण्डः).
26 I 18 ग्र 24 (१ काण्डः).
27 C 32 ग्र 380 (पञ्चिकासहितः, द्राविडार्थयुतः च).
27 C 33 ग्र 266.
27 F 46 ग्र 54 (१ काण्डे आदितः दिग्वर्गान्तः, ३ काण्डे आदितः नानार्थान्तः).
28 B 7 ग्र-द्रा 198 (आदितः शूद्रवर्गान्तः).
28 B 9 ग्र 176 (आदितः लिङ्गादिसंग्रहवर्गान्तः).
28 B 10 ग्र 222 (आदितः नानार्थवर्गे ६० श्लोकान्तः).
28 B 11 आ 160 (आदितः नानार्थान्तः).
28 B 12 आ 170 (आदितः लिङ्गादिसंग्रहवर्गान्तः).
28 B 13 ग्र 200.
28 B 18 आ 101 (आदितः ब्रह्मवर्गान्तः).
28 B 19 आ 94 (आदितः मनुष्यवर्गान्तः).
28 B 20 ग्र 144 (आदितः शूद्रवर्गान्तः).
28 B 21 आ 110 (आदितः अव्ययवर्गान्तः).
28 B 22 ग्र 135 (१, २ काण्डौ).
28 B 23 ग्र 26 (१ वर्गः, द्राविडार्थयुतः).
28 B 26 ग्र 110 (सिंहादिमनुष्यवर्गौ).
28 B 27 आ 84 (आदितः वैश्यवर्गान्तः).
28 B 28 के 284.

28 B 30 प्र 33 (आदितः वनौषधिवर्गान्तः).
28 B 31 आ 40 (नानार्थवर्गप्रभृति लिङ्गादिसंग्रहान्तः).
28 B 32 प्र 66 (नानार्थवर्गः).
28 B 33 आ 46 (३ काण्डप्रभृति वाच्यलिङ्गशेषान्तः).
28 B 34 प्र 42 (सङ्कीर्ण लिङ्गादिसंग्रहवर्गौ).
28 B 35 प्र 24 (दिग्वर्गादि पुरवर्गान्तः).
28 B 36 आ 96 (आदितः वारिवर्गान्तः, सान्ध्रटीकः).
28 B 37 प्र 300.
28 B 38 प्र 36 (नानार्थवर्गः).
28 B 40 आ 40 (२ काण्डप्रभृति अव्ययवर्गान्तः).
28 B 41 प्र-द्रा 150 (१, २ काण्डौ, सद्राविडटीकः).
28 B 42 आ 47 (२ काण्डः).
28 B 43 आ 48 (आदितः भोगिवर्गान्तः).
28 B 44 आ 56 (आदितः वारिवर्गान्तः).
28 B 45 आ 38 (आदितः वारिवर्गान्तः).
28 B 46 आ 464 (आदितः वनौषधिवर्गान्तः, लिङ्गभट्टीयान्ध्रटीकाभ्यां युतः).
28 B 47 प्र 48 (१ काण्डः).
28 B 48 आ 65 (२ काण्डः).
28 B 49 आ 285 (१ काण्डः, लिङ्गभट्टीयान्ध्रटीकाभ्यां युतः).
28 B 50 प्र 65 (आदितः ब्रह्मवर्गान्तः).
28 C 1 आ 28 (आदितः भूवर्गान्तः).
28 C 2 आ 91 (१ काण्डः).
28 C 3 प्र-द्रा 84 (आदितः भोगिवर्गान्तः, सद्राविडटीकः).
28 C 4 प्र-द्रा 102 (आदितः वारिवर्गान्तः, सद्राविडटीकः).
28 C 5 प्र-द्रा 164 (३ काण्डः, सद्राविडटीकः).
28 C 6 प्र-द्रा 146 (२ काण्डः, सद्राविडटीकः).
28 C 7 आ 255 (आदितः शूद्रवर्गान्तः).
28 C 8 प्र 14 अस (सान्ध्रटीकः).
28 C 9 आ 28 (आदितः कालवर्गान्तः, सान्ध्रटीकः).
28 C 10 प्र-द्रा 92 (सद्राविडटीकः).
28 C 11 प्र-द्रा 114 (सद्राविडटीकः).
28 C 12 प्र-द्रा 48 (आदितः संकीर्णवर्गान्तः, सान्ध्रटीकः).
28 C 13 प्र-द्रा 99 (भोगि, पातालवर्गौ).
29 A 12 आ 34.
29 A 30 आ 84.
29 B 10 आ 72 (आदितः वनौषधिवर्गान्तः).
29 B 28 आ 100 (आदितः ब्रह्मवर्गान्तः).
29 B 30 आ 42 (आदितः मनुष्यवर्गान्तः).
29 D 14 प्र 190.
29 F 13 प्र 118.
29 I 27 प्र 76 (२ काण्डः).
29 K 2 आ 214.
30 L 7 आ 112 (२, ३ काण्डौ).
30 M 8 प्र 48 (१ काण्डे आदितः शब्दादिवर्गपर्यन्तः).
31 J 22 प्र 15.
33 A 5 ओ 185.
38 E 33 दे 182.
40 D 9 प्र 250 (कर्णाटकटीकायुतः, ब्रह्मवर्गप्रभृति समग्रः).

40 D 10 ग्र 160 (१, २ काण्डौ).

अमरकोशव्याख्या (बृहद्वृत्तिः, सुबोधिनी) जातवेददीक्षितकृता
40 C 6 के 276 (सिंहादिमनुष्यवर्गौ).

अमरकोशव्याख्या (नामलिङ्गानुशासनव्याख्या) बोम्मगण्यप्पयार्यकृता
30 H 1 ग्र 324 (विशेष्यनिघ्नादि नानार्थान्ता).
34 F 34 आ 316.

अमरकोशव्याख्या (सुधा) भानुजिदीक्षितकृता
29 M 2 आ 296 (२, ३ काण्डौ).

अमरकोशव्याख्या (पदपारिजातः) मल्लिकार्जुनकृता
22 C 40 आ 345.

अमरकोशव्याख्या (शिशुबोधिनी) महेश्वरकृता
38 E 34 दे 114.

अमरकोशव्याख्या (गुरुबालप्रबोधिनी, लिङ्गाभट्टीयम्) लिङ्गाभट्ट (लिङ्गय्यसूरि) कृता
22 C 31 आ 338 (आदितः वैश्यवर्गान्ता).
22 C 32 आ 242 (३ काण्डः).
22 C 33 ग्र 178 (आदितः वनौषधिवर्गान्ता).
22 C 34 ग्र 35 (आदितः दिग्वर्गान्ता).
22 C 35 ग्र 26 (आदितः वनौषधिवर्गान्ता).
22 C 36 ग्र 14 (आदितः वनौषधिवर्गान्ता).
22 C 39 आ 62 (सिंहादिमनुष्यवर्गौ).
23 A 3 आ 182 (वाग्वर्गः, सान्ध्रटीका).
26 B 7 आ 120 (३ काण्डः).
29 C 22 ग्र 66 (१ काण्डः).
29 D 7 ग्र 83 (१ काण्डः).
29 M 16 आ 232 (आदितः वैश्यवर्गान्ता).
30 D 32 आ 390 (२, ३ काण्डौ).
30 J 14 आ 200 (२, ३ काण्डौ).
30 L 33 आ 88 (१ काण्डः).
33 K 4 ग्र 124 (१ काण्डः).
34 F 31 आ 268 (२ काण्डः).

अमरकोशव्याख्या—वासुदेवकृता
40 C 7 के 216.

अमरकोशव्याख्या (पञ्चिका) वेङ्कटेश्वरकृता
24 D 10 ग्र-द्रा 314.
26 G 3 के 400 (आदितः सिंहादिवर्गान्ता).
34 A 15 ग्र 272.

अमरकोशव्याख्या (टीकासर्वस्वम्) सर्वानन्दकृता
8 H 18 आ 168 (आदितः मनुष्यवर्गान्ता).
21 G 1 आ 40 (वैश्यशूद्रवर्गौ).
21 G 2 ग्र 164 (आदितः वारिवर्गान्ता).
21 G 3 आ 342 (आदितः मनुष्यवर्गान्ता).
40 A 14 आ 526.

अमरकोशव्याख्या (पदटीका, भाषाटीका)
27 F 32 ग्र—द्रा 6.

अमरकोशव्याख्या (प्रतिपदटीका)
27 I 12 ग्र 30 (आदितः कालवर्गपर्यन्ता).

अमरकोशव्याख्या
11 D 122 दे 48 (विशेष्यनिघ्नवर्गः).

अमरखण्डनम्—श्रीहर्षकृतम्
22 C 37 आ 9.

अमरशेषः
24 E 42 आ 3 (आदितः पत्रद्वयं विद्यते).

एकाक्षररत्नमाला
23 I 14 ग्र 16 (आदितः व्यञ्जनकाण्डपर्यन्ता).

केशवनिघण्टुः (केशवकल्पद्रुमः) केशवकृतः
36 A 2 ग्र 865.

क्रियानिघण्टुः—वीरपाण्ड्यकृतः
21 A 1 आ 8.
21 A 3 आ 4.

त्रिकाण्डशेषः—पुरुषोत्तमकृतः
21 K 16 ग्र 22 (आदितः शैलवर्गान्तः).
21 K 22 ग्र 146.

त्रिलिङ्गशब्दानुशासनम्
26 G 28 ग्र 8 (अतिशिथिलम्).

दृष्टान्तसिद्धाञ्जनम् (शब्दलिङ्गार्थचन्द्रिकाव्याख्या) कल्लोलभट्टाचार्यकृतम्
20 K 41 आ 45.

दृष्टान्तसिद्धाञ्जनव्याख्या (शारदा) चकोरभट्टाचार्यकृता
20 K 41 आ 109.

द्विरूपकोशः—श्रीहर्षकृतः
21 M 25 ग्र 38.
21 M 26 आ 30.
21 M 31 ग्र 14.
29 J 34 ग्र 4 (आदितः ४० श्लोकान्तः).
29 M 9 आ 12.

धातुनिघण्टुः
28 A 25 आ 10.

नानार्थकोशः
9 F 93 दे 120 (आदितः अव्ययवर्गान्तः).
28 B 25 ग्र 7.

नानार्थनिघण्टुः
28 B 8 ग्र 34 अस.

नानार्थमञ्जरी—राघवकृता
28 A 77 ग्र 107.
33 I 24 ग्र 76.

नानार्थरत्नमाला (एकाक्षरकाण्डः) इरुगपदण्डाधिनाथकृता
22 H 14 ग्र 9.
22 H 15 आ 12.
26 C 4 ग्र 14.
26 E 27 ग्र 122.
28 A 76 ग्र 14.
28 B 14 आ 88 अस (शिथिला).

नानार्थरत्नमाला (एकाक्षरनिघण्टुः) भास्करकृता
24 D 28 ग्र 26 (अतिशिथिला).
28 B 15 आ 41.
28 B 16 ग्र 61.

नानार्थशब्दरत्नम्—कालिदासकृतम्
39 B 5 आंग्लम् 62.

नानार्थशब्दरत्नदीपिका—योगिचन्द्रकृता
39 B 6 आंग्लम् 37.

नानार्थार्णवसंक्षेपः (राजराजीयः) केशवस्वामिकृतः
21 C 69 के 282 अस.

नामसङ्ग्रहमाला—अप्पयदीक्षितकृता
9 E 68 दे 67.

निघण्टुसमयः—धनञ्जयकृतः
25 E 4 ग्र-द्रा 56 (१ परिच्छेदः, द्राविडीयुतः).

पञ्चाशन्निघण्टुसारः—विदग्धचूडामणिकृतः
24 E 42 आ 34 (आदितः दाक्षिण्यान्तः).
28 C 43 आ 18 (आदितः वैश्यवर्गान्तः, आन्ध्रटीकायुतः).

28 F 25 आ 10 (भूमिकाण्डान्तः).

पर्यायशब्दरत्नम्—राजशिरोमणिकृतम्
28 G 6 आ 59.

मणिप्रवालकोशः
27 E 6 ग्र-द्रा 15 (६१ श्लोकाः).

लिंगनिर्णयः
35 B 11 आ 16.

लिंगनिर्णयभूषणम्—रामसूरिकृतम्
40 A 2 ग्र 21.

विश्वप्रकाशः (विश्वनिघण्टुः) महादेवकृतः (महेश्वरकृतः)
11 D 31 दे 27 (३३ श्लोकाः).
20 F 67 आ 150.
20 G 16 ग्र 165.
20 G 69 ग्र 164.
30 K 10 आ 82 (४ पत्रहीनः).
34 J 23 दे 173 (आदितः अव्ययवर्गपर्यन्तः).
35 B 149 दे 178 (१४ पत्रहीनः).
35 C 6 दे 196.

वैजयन्ती—यादवप्रकाशकृता
24 C 17 के 220.
33 I 9 ग्र 118.
33 J 15 ग्र 98.

शतश्लोकनिघण्टुः (वैद्यनिघण्टुः)
34 M 17 दे 14 (दुग्धादिवर्गमारभ्य पूर्तिपर्यन्तः).

शतश्लोकीटीका
34 M 18 दे 70.

शब्दप्रभेदः
35 B 4 दे 8.

शब्दभेदप्रकाशः (शब्दभेदनिर्देशः)
9 E 75 दे 11.
9 F 49 आ 9.

शब्दलिंगार्थचन्द्रिका—सुजनकृता
20 K 41 आ 44.

संस्कृतपदार्थविवरणम्
31 J 13 के 236.

संस्कृतपदावलिः (प्राकृतप्रतिपदसहितः)
9 F 63 दे 232 अस.

सरस्वतीविलासः
19 E 4 आ 12.

हरिहररायमहारायचक्रेश्वरकृतनिघण्टुः
33 I 9 ग्र 12.

हारावली—पुरुषोत्तमकृता
19 J 37 ग्र 44.

---

## कामशास्त्रग्रन्थाः

### (i) सूत्रग्रन्थाः

वात्स्यायनकामसूत्रम्—वात्स्यायनकृतम्
34 J 21 दे 190.

वात्स्यायनकामसूत्रव्याख्या (जयमङ्गळा)
24 C 16 के 130 अस.

वात्स्यायनतन्त्रव्याख्या—काञ्चीनाथकृता
34 I 21 ग्र 120.

### (ii) सूत्रेतरग्रन्थाः

अनङ्गरङ्गः—कल्याणमल्लकृतः

8 F 34 प्र 88.

9 D 33 आ 25 (आदितः वन्ध्यात्वापादनपर्यन्तः).

अनङ्गरङ्गः—लाडखानकृतः

30 J 34 आ 33.

मदनानन्दः

27 F 23 प्र 56 (आदितः द्रावणप्रकरणान्तः).

रतिरहस्यम्—कोकोककृतम्

9 D 33 आ 25 (आदितः १६९ श्लोकाः).

27 J 20 आ 80 (आदितः सुखप्रसवाधिकारान्तम्).

27 J 25 आ 31 (आदितः ७ परिच्छेदान्तम्).

29 L 33 आ 54.

35 C 158 दे 48.

40 C 29 के 166 अस.

रतिरहस्यदीपिका—काञ्चीनाथकृता

23 C 8 प्र 140 (आदितः औषधाध्यायान्ता).

29 L 33 आ 64 (आदितः भोगाधिकारे ९८ श्लोकान्ता).

स्मरतत्वप्रकाशिका (पञ्चरत्नव्याख्या) रेवणाराध्यकृता

9 F 23 दे 30.

---

## सङ्गीतग्रन्थाः

ऊञ्जल्—शङ्करनारायणशास्त्रिकृतम्

8 J 32 के 7.

कीर्तनपदस्तोमः

22 K 55 प्र-आ 90.

डोलागीतिः

20 D 86 प्र 4.

तालकालविलासः (स्वरमेळकलानिधिः)

23 H 59 दे 100 (आदितः देवगुप्तिमेलपर्यन्तः).

त्रिशतिमङ्गळम् (भाषारूपम्)

8 J 32 के 6.

रागबोधविवेकः—सोमनाथकृत.

1 A 23 दे 410.

लालिगीतम्

20 D 86 प्र 9.

वेदान्तगुरुदर्शनकीर्तनम्

8 J 32 के 4 (कोशद्वयम्).

शिवभजनकीर्तनानि

19 A 26 आ 60.

श्रीरामचन्द्रडोला

8 J 32 के 4.

सङ्गीतम्

8 D 94 दे 20.

सङ्गीतकामदः
33 C 7 ओ 42 अस.

सङ्गीतरघुनन्दनम्—विश्वनाथसिंहकृतम्
34 M 86 दे 160 (सटीकम्).

सङ्गीतरत्नाकरः—शार्ङ्गदेवकृतः
34 J 22 दे 80 (आदितः स्वरप्रस्तारपर्यन्तः).

सङ्गीतशास्त्रसंक्षेपः—गोविन्दकृतः
30 A 22 आ 236.

सङ्गीतसङ्ग्रहचिन्तामणिः—अप्पलाचार्यकृतः
40 A 13 ग्र 280.

सङ्गीतसुधा—रघुनाथभूपकृता
38 D 8 दे 1070 (सं १, २).

सङ्गीतसुधाकरः
26 H 2 दे 268.

---

# भरत (नाट्य) शास्त्रग्रन्थाः

अभिनयदर्पणम्—नन्दिकेश्वरकृतम्
8 J 9 आ 14 (हस्तलक्षणमारभ्य पूर्तिपर्यन्तम्).
22 C 25 ग्र-आ 100 (आदितः धुतशिरोलक्षणान्तम्).
22 C 38 आ 54.

नाट्यशास्त्रम्—भरतमुनिकृतम्
34 D 17 के 280.
39 D 1 दे 522.

बालरामभरतम्
10 K 11 दे 313 (आकृष्टसूचीलक्षणपर्यन्तं, सटिप्पणम्).

भरतशास्त्रम्—नन्दिकेश्वरकृतम्
28 M 3 आ 18 (आदितः नेत्रभावपर्यन्तम्).

भरतशास्त्रव्याख्या (अभिनवभारती) अभिनवगुप्ताचार्यकृता)
38 G 14 दे 2079 (सं १–४).

भरतशास्त्रसङ्ग्रहः—भरतमुनिकृतः
24 E 41 आ 232 (सान्ध्रटीकः).

भावप्रकाशः (भावप्रकाशनम्) शारदातनयकृतः
8 G 53 आ 192 (आदितः १० अधिकारान्तः).
21 A 81 आ 306.
29 B 24 आ 46 (आदितः ६ अधिकारान्तः).
29 K 3 ना 276.
30 L 18 आ 39 (उपोद्घातमात्रं, कोशद्वयम्).
39 A 18 दे 472.

---

# शिल्पशास्त्रग्रन्थाः

आयादिलक्षणम्—विश्वकर्मकृतम्
25 A 43 ग्र 6 (द्राविडटीकायुतम्).

चित्तसारः
8 E 9 दे 80.

तन्त्रसमुच्चयः
40 C 27 के 226 अस.

नरदोषलिखितम् (वास्तुशास्त्रम्)
8 D 103 दे 2.

मनुष्यालयविधिः
27 E 28 के 12.

मानसारः
8 K 4 दे 616 (सं १, २).

वनप्रतिष्ठाकल्पः
19 K 20 आ 2.

वास्तुपद्धतिः
35 C 49 दे 170.

वास्तुपुरुषः
20 E 41 ग्र 2.

वास्तुविधानम्—नारदकृतम्
20 E 51 ग्र 8.
22 M 7 आ 220.

वास्तुशास्त्रम्—राजवल्लभकृतम्
35 B 150 दे 140.

वास्तुशास्त्रम् (समराङ्गणसूत्रधारः) विश्वकर्मकृतम् (भोजदेव इत्यन्ते दृश्यते)
35 B 139 दे 60 (१९ अध्यायप्रभृति कुण्डलक्षणपर्यन्तं, मध्ये मयकृतमिति च वर्तते).

शिल्पसङ्ग्रहः—अगस्त्यकृतः
38 D 17 दे 993.

सारस्वतीयम्
8 E 9 दे 20 (पुरुषमानप्रभृति रसग्रहणवचनपर्यन्तम्).

---

# शकुन—सामुद्रिकग्रन्थाः

अद्भुतसागरः—सद्वल्लालदेवसेनकृतः
36 F 39 दे 642 (आदितः करिणीमदफलपर्यन्तः).

काकपिङ्गललक्षणम्
19 E 57 ग्र 1.

सामुद्रिकम्
11 D 106 दे 22.
24 C 6 के 17.

सामुद्रिकलक्षणम्—नारदकृतम्
19 E 56 के 50 अस.
19 E 57 ग्र 26.
19 E 59 ग्र 11 (१ अध्यायः).
19 E 60 ग्र 10.
19 E 61 ग्र 3 (३२ श्लोकाः).
33 B 4 ओ 316.

स्वप्रकाशसूचीपत्रम्
33 B 4 ओ 12.

---

# ज्योतिश्शास्त्रग्रन्थाः

## (i) गणितग्रन्थाः

अब्दसंस्कारः
21 B 4 ग्र 1 अस.

अष्टकवर्गः (सान्ध्रटीकः)
28 B 52 आ 76 (ग्रहाणां विभज्यत्वोपायान्तः).

अष्टकवर्गवाक्यम्
22 D 1 ग्र 30.
22 D 5 ग्र 11 (आदितः बिन्दुफलपर्यन्तम्).

अष्टैकशून्यम (सान्ध्रटीकम्)
19 K 11 आ 2.

अहःप्रमाणादिवाक्यानि
21 B 4 ग्र 39.
21 B 4 ग्र 7.

आर्यभटीयम्—आर्यभटकृतम्
8 H 5 आ 371 (सव्याख्यम्).
21 F 37 ग्र 37 (आदितः पत्रद्वयं वर्तते).

आर्यभटीयविषयानुक्रमणिका
8 H 5 आ 4.

आर्यभटीयव्याख्या (नीतिप्रकाशः)
33 E 15 के 70.

एकादिस्थानानि
21 B 4 ग्र 3.

करणपद्धतिः
33 G 11 ग्र 32.

कुजादिग्रहवाक्यशोधनम्
22 K 11 ग्र 38.

कुलीरादिवाक्यानि
22 K 25 ग्र 31.

कौतुकलीलावती
35 C 56 दे 8.

गणितत्रिबोधः
21 B 7 ग्र 17.

गणितसङ्ख्या
40 D 4 के 26 अस.

गणिताध्यायविषयसूची
21 B 4 ग्र 2.

गतिमार्गशिरोमणिः (वाक्यपंचांगगणितम्)
21 B 8 ग्र-द्रा 206 (आदितः . . . क्षत्याज्य पदकान्तः).

गीर्णश्रेय इत्यादिवाक्यानि
21 B 4 ग्र 12.
21 B 11 आ 8.
24 G 25 ग्र 10.
27 D 1 ग्र 17 अस.

गौरीजातकम्
10 B 23 दे 1.

गौरीतिलकम्
30 A 24 ग्र 6.

गौरीपञ्चाङ्गम्
21 C 37 ग्र 2.
23 B 49 आ 2.

ग्रहगणितम् (सिद्धान्तः)
29 J 34 ग्र 10

ग्रहणादिनिर्णयः
21 C 34 ग्र 60.
21 C 38 ग्र-द्रा 5.

ग्रहलाघवः—गणेशदैवज्ञकृतः
35 B 14 दे 40.
35 B 15 दे 46.

ग्रहलाघवव्याख्या—विश्वनाथदैवज्ञकृता
21 C 36 आ 119 (देशान्तरसंस्कारप्रभृति पाताधिकारोदाहरणपर्यन्ता).
34 K 15 दे 54.

ग्रहसारणी—महादेवकृता
8 D 41 दे 8.

ग्रहस्फुटः
21 C 33 ग्र-द्रा 11.

ग्रहस्फुटवाक्यानि
21 C 35 ग्र 10.

ग्रहागमकुतूहलम्—भास्करकृतम्
8 D 76 दे 19 (आदितः १० अधिकाराः).

घटिकानिर्णय (नाडीनिर्णय) श्लोकाः
9 F 68 ग्र 1.
21 B 4 ग्र 4.
26 G 39 ग्र 7.

चन्द्रसूर्यग्रहणादिनिर्णयः
21 D 14 ग्र-द्रा 17 (द्राविडार्थयुतः).

जातकपीठिका
21 B 4 ग्र 51.

त्रिश्लोकी (सटीका)
21 K 57 ग्र 6.

दशाहोरादिगणितम्
21 C 40 ग्र 139.

दृक्तुल्यवाक्योद्धारणम्
21 M 1 ग्र-द्रा 48 (आदितः शनिग्रहान्तम्).

दृक्साम्यम्
21 M 11 ग्र 15 अस.

दृग्गणितम्
21 M 2 ग्र 100 (आदितः नष्टजातकान्तम्).
21 M 44 ग्र 60.
28 F 28 ग्र 15 (आदितः उन्मीलननिमीलनज्ञानपर्यन्तम्).

नवग्रहस्फुटादिप्रकारः
20 E 18 आ 25.

नवग्रहस्फुटायनम्
28 A 50 ग्र 75.

नवग्रहाणां देशगोत्रादिनिर्णयः
21 B 4 ग्र 3.

पञ्चाङ्गगणितवाक्यम् (गुरुः प्राज्ञः प्रिय इत्यादि)
28 F 15 ग्र 20.
28 F 36 के 120 (कालविधानपद्धतिरिति वर्तते).
33 L 14 ना 136.

पञ्चाङ्गपद्धतिः—अहोबलभट्टकृता
28 F 28 ग्र 51 (आदितः ४ अध्यायान्ता).

पञ्चाङ्गप्रक्रिया
28 F 27 आ 12 (आदितः १६ श्लोकाः).

परहितम् (परहितवाक्यगणितम्)
26 G 21 ग्र 36.
28 F 44 ग्र 62.

28 F 45 ग्र 48.

पातादिगणितम्
21 B 9 ग्र-द्रा 38 (आदितः ग्रहणान्तम्).

पादचारगणनम्
34 A 20 ग्र 66 (आदितः नवग्रहगणनान्तं, अतिशिथिलम्).

पादच्छायाघटिकानिर्णयः
21 L 72 आ 6.

प्रश्नदीपिका—जम्बुनाथकृता
28 M 11 ग्र 46 (आदितः मूलयोनिपर्यन्ता, सटीका, अतिशिथिला).

बृहत्संहिता—वराहमिहिरकृता
38 F 40 दे 22 (आदितः संवत्सरशरीरपर्यन्ता).

भगणादिश्लोकाः
21 B 4 ग्र 86.

मन्वादियुगादिनिर्णयः
21 B 4 ग्र 5.

मूलत्रिकोणादिनिरूपणम्
21 B 4 ग्र 7.

युगलक्षणम्
27 I 47 ग्र 28 (आदितः द्वापरयुगपर्यन्तम्).

रविगतिश्लोकाः
21 B 4 ग्र 1.

रविमध्यादिगतयः
21 B 4 ग्र 29.
27 J 43 ग्र 59.

रविस्फुटायनम्
27 J 44 ग्र 6.

रव्यादिदशाभुक्तिः
21 B 4 द्रा 2.

राजमृगाङ्कः
8 D 42 दे 16.

राशिनिर्णयः
22 I 18 ग्र 2.

लग्नस्फुटः
26 G 39 ग्र 4.

लग्नस्फुटप्रकारः
21 C 40 ग्र-द्रा 4.

लग्नादिद्वादशभावस्फुटः
21 M 11 ग्र 56 अस.

लघुगणितम्
21 B 4 ग्र 3.

लघुमार्गसूर्यग्रहणादि
20 C 11 ग्र 36.

लीलावती—भास्कराचार्यकृता
11 F 93 ब 8 अस.
20 D 50 आ 104.
20 M 36 के 186 (केरलव्याख्यायुता).
31 J 11 ओ 184.

लीलावतीव्याख्या (कर्मप्रदीपिका)
22 I 38 ग्र 192.

लीलावतीव्याख्या—परमेश्वरकृता
40 C 20 के 94.

वर्षादिध्रुववाक्यानि
21 B 4 ग्र 3.

वाक्यकरणम्
22 K 52 ग्र 85.

वाक्यकरणलघुदीपिका—सुन्दरराजसोमदेवकृता
20 E 24 ग्र 90.

वाक्यगणितम्
20 E 18 आ 40.

वाक्यपञ्चाङ्गगणितशास्त्रमार्गः
20 E 21 ग्र 84.

वाक्यपञ्चाङ्गसाम्यम्
20 E 20 ग्र 22.

वाक्यपाताधिकारः
20 E 19 ग्र 14.

वार्षिकपञ्चाङ्गनिर्माणक्रमः—वेङ्कटाचार्यकृतः
28 I 5 ग्र 20 (आदितः वाद्यफलपर्यन्तः, द्राविडार्थयुतः).

शालिदेवस्तौत्यादिवाक्यानि
22 H 70 ग्र 144.

शिवकेशवपादपद्मदीपिका—वेङ्कटाद्रिकृता
29 B 26 आ 176.

सङ्क्रमणवाक्यानि
21 B 4 आ 2.

सद्रत्नमाला—शङ्करवर्मकृता
21 B 6 ग्र 22 (आदितः ६ प्रकरणे ९४ श्लोकान्ता).

साङ्केतिकसंख्याप्रकारः
19 D 72 आ 1 (आदितः १२ संख्यापर्यन्तः).

सिद्धान्तशेखरः
33 G 12 ग्र 7.

सिद्धान्तसङ्ग्रहः
19 G 1 ग्र 14 (१–६ अध्यायाः).

सूर्यसिद्धान्तः
25 C 7 ग्र 28.
33 C 16 ओ 1 अस.

सूर्यसिद्धान्तविवरणम्—भूधरसूरिकृतम्
8 K 5 दे 763

सूर्यादिदशापरिमाणः
27 I 64 ग्र-द्रा 3.

---

## (ii) गोळभागाः

उपदेशभार्गवसूत्राणि—जैमिनिकृतानि
21 D 33 ग्र 26 (१ अध्यायः).
21 F 49 ग्र 48 (ज्योतिषानन्दयुतानि).
21 F 56 ग्र 70 (आयुर्दायसूत्राणि).
22 G 55 ग्र 42 (सटीकानि).
22 G 56 ग्र 42 (सटीकानि).
22 G 57 ग्र 9 (१ अध्याये १, २ पादौ).
22 G 58 आ 47 (आदितः ३ अध्यायाः, सान्ध्रटीकानि).
22 G 59 आ 62 (ज्योतिःप्रदीपिकायुतानि).
25 C 27 आ 5 (आदितः पत्रद्वयं वर्तते).
34 I 23 ग्र 27 (भावाध्यायः).

उपदेशसूत्राध्यायचतुष्कविवरणम्—सोमनाथाचार्यकृतम्
22 H 54 ग्र 131 (आदितः कलालक्षणपर्यन्तं, अतिशिथिलम्).

कारकनिघण्टुः
21 A 73 आ 6.
22 I 18 ग्र 1.

जैमिनीयसूत्रवृत्तिः (ज्योतिःप्रदीपिका)
10 G 6 दे 149.

नैमिनीयसूत्रव्याख्यानम्
21 F 51 ग्र 50 (आदितः संयुक्तग्रहदशाफलपर्यन्तम्).

दैवज्ञाभरणम्
8 H 5 आ 30 (सव्याख्यम्) अस.

द्वादशस्थाननिघण्टुः
21 M 27 ग्र 4.
22 I 18 ग्र 1.

भार्गवसूत्रम्—भार्गवकृतम्
22 G 60 ग्र 50 (रविफलविचारप्रभृति समग्रम्).

भावनिघण्टुः
22 I 18 ग्र 3.

भूगोलनिर्णयः—वेदान्तदेशिककृतः
21 M 22 आ 2.
27 D 30 ग्र 4.
27 D 31 ग्र 4 (आदितः पत्रद्वयं विद्यते).
27 D 39 ग्र 5.
27 D 40 ग्र 8.
27 D 42 ग्र 66.
27 K 9 ग्र 2.

राशिनिघण्टुः
20 C 17 आ 16 अस.

---

## (iii) ज्योतिषग्रन्थाः

अक्षरप्रश्नः (कर्णाटकटीकायुतः)
24 F 37 आ 56.

अक्षरफलनिर्णयः
19 D 72 आ 2 (आदौ पत्रमेकं विद्यते).

अपसव्यचक्रदशाफलम्
22 C 26 ग्र 36.
22 C 27 ग्र 28 (उच्चग्रहफलान्तम्).

अभयदप्रश्नः (शकुनमुष्टिः)
9 C 145 दे 64.
26 E 10 ग्र 66.

अमृतयोगादि
20 G 1 ग्र 2.
28 A 29 ग्र 2.

अरिष्टजातकफलम्
30 H 6 ग्र 8.

अष्टकवर्गः
21 F 32 ग्र 3.
26 G 20 ग्र 4 (द्राविडार्थयुतः).
28 B 52 आ 76 (सान्ध्रटीकः, आदितः ग्रहविभागोपायपर्यन्तः, अतिशिथिलः).
30 H 6 ग्र 7.

अष्टकवर्गफलम्
22 D 15 ग्र 10.
22 H 59 ग्र 18.
30 H 6 ग्र 23.

उडुदशाप्रदीपिका
33 C 5 ओ 10.

उडुदशामार्गः
30 B 14 आ 10 (आदितः ६ परिच्छेदाः).

उत्पाततरङ्गिणी
33 B 21 ओ 117.
33 B 24 ओ 254.

उपेन्द्रचक्रम्
25 C 40 ग्र 48.

ऊर्ध्वमुखनक्षत्राणि
28 A 29 ग्र 6.

ऋतुकालफलनिर्णय:
22 G 5 ग्र 11.
28 A 28 ग्र 4.

कटपया (सव्याख्या)
33 A 16 ओ 257.

कन्यापरिग्रहविधि:
22 H 40 आ 61.

करणकुतूहलम्—भास्कराचार्यकृतम्
34 K 17 दे 26.
35 C 106 दे 35.

कल्पलता—पुरुषोत्तमकृता
35 C 19 दे 6 (२ स्तवक:, ३ स्तवके ३४ श्लोका:).

काकशकुनम्
23 H 11 ग्र 1.

कालगुणदीपिका—श्रीनिवासाचार्यकृता
23 F 19 आ 10.

कालचक्रजातकम्
27 G 40 आ 86.

कालचक्रदशाप्रकरणम्
20 G 54 आ-ग्र 22.

कालचक्रफलम्
22 I 45 ग्र 2.

कालज्ञानदीपकम्
22 J 12 के 50.

कालदीपिका—नारायणकृता
34 G 23 के 56.

कालदीपिकामञ्जरी
34 A 17 ग्र 48 (आदित: ४ अध्यायान्ता).

कालनिर्णय:—रघुनाथदासकृत:
33 A 24 ओ 191.

कालनिर्णयदीपिकाविवरणम्—नृसिह्माचार्यकृतम्
38 E 27 दे 212.

कालप्रकाशिका—नृसिह्मसूरिकृता
22 I 39 ग्र 160 (आदित: अमावास्यानिर्णयपर्यन्ता).
22 I 40 ग्र 218 (आदित: ३० अध्याया:).
22 I 41 ग्र-आ 68 (१–६, १४–२० अध्याया:, अतिशिथिला).
22 I 42 ग्र 8 (आदित: ३४ अध्याया:).
22 I 43 ग्र 66 (२६–३१ अध्याया:).
22 I 44 ग्र 28 (९ अध्याय:).
25 E 31 ग्र 118 (आदित: ३९ अध्याया:).
26 B 22 ग्र 238 (आदित: ऋणमोक्षपर्यन्ता).
26 C 22 ग्र 140 (आदित: ४९ अध्यायान्ता).
29 I 43 ग्र 118 (२–७ अध्याया:).
33 E 10 ग्र 20 (आदित: ४ अध्यायपर्यन्ता).
34 A 13 ग्र 188 (आदित: ऋणमोक्षपर्यन्ता).
34 I 23 ग्र 10.
40 F 8 ग्र 116.

कालविधानम्
8 J 26 ग्र-द्रा 222 (आदित: एकोदरविवाहविचारान्तम्).

22 I 52 ग्र 20 (आदितः रव्यादिनिश्चय-पर्यन्तम).

24 D 11 ग्र 42 (आदितः अक्षरारंभविधि-पर्यन्तं, अतिशिथिलम्).

30 A 2 दे 78.

30 H 6 ग्र 90 (आदितः अङ्कुरार्पण-पर्यन्तं, द्राविडव्याख्यायुतम).

33 I 25 ग्र 180 (आदितः यात्राशकुन-पर्यन्तं, अतिशिथिलम्).

40 F 25 ग्र-द्रा 54 (आदितः योगिनी-पर्यन्तम्).

**कालविधानपद्धतिः—त्रिविक्रमकृता**

22 I 47 ग्र 36.

22 I 48 आ 8 (आदितः विवाहपर्यन्ता, अतिशिथिला).

22 I 49 ग्र 16 (निष्क्रमणप्रभृति पूर्ति-पर्यन्ता).

26 B 43 ग्र 27 (आदितः उपनयनकाल-पर्यन्ता).

27 M 27 ग्र 356 (आदितः गुळिकफल-कथनपर्यन्ता सद्राविडटीका).

28 G 15 ग्र 32 (आदितः १०७ श्लोकाः).

33 I 8 ग्र 80.

**कालविधानपद्धतिव्याख्या**

22 I 50 ग्र 248 (आदितः गृहारम्भविधि-पर्यन्ता, अतिशिथिला).

22 I 51 ग्र 284 (आदितः विष्णुप्रतिष्ठा-पर्यन्ता).

**कालविधानसङ्ग्रहः**

33 L 7 आ 54 (कूपारम्भप्रभृति स्वप्नकाण्ड-पर्यन्तः).

**कालादर्शः**

22 J 16 ग्र 212 अस (अतिशिथिलः).

**कालामृतम्—वेङ्कटयज्वकृतम्**

22 J 9 ग्र 22 (१९०–२९६ श्लोकाः).

22 J 11 आ 44 (१–२२६ श्लोकाः).

22 J 17 आ 144 (आदितः १३९ श्लोकाः, सव्याख्यम्).

22 J 20 आ 44.

22 J 21 आ 44 (आदितः ३९ श्लोकाः, सव्याख्यम्).

25 G 25 ग्र 298 (आदितः बीजावापतिथि-नक्षत्रपर्यन्तं, सव्याख्यम्).

25 H 28 ग्र 225 गर्भाधानादि विवाहचक्र-पर्यन्तं, सव्याख्यम्).

26 F 49 ग्र 100 (कूपखननप्रभृति महिषदान-विधिपर्यन्तम्).

27 F 67 ग्र 5 (आदितः १९ श्लोकपर्यन्तम्).

29 H 21 आ 64.

29 J 18 ना 291 (सव्याख्यम्) अस.

30 L 36 आ 260 (सव्याख्यम्).

33 L 9 ना 20 अस.

34 F 30 आ 120 (सव्याख्यम्).

**कालामृतव्याख्या (उज्ज्वला) वेङ्कटयज्वकृता**

22 G 35 ग्र 211 (आदितः यात्राप्रकरण-पर्यन्ता).

26 G 13 आ 8 (आदितः पत्रचतुष्टयपर्यन्ता).

29 M 3 आ 92 (आदितः १०४ श्लोक-पर्यन्ता).

**कालामृतसूची**

8 H 5 आ 4.

काशीजातकम्
26 G 20 ग्र 30.

कुजादिस्फुटाधिकारः
21 A 63 ग्र-द्रा 34 (द्राविडटीकोपेतः).

कूपखननलक्षणम् (कालामृते)
23 H 11 ग्र 4.

केरलचन्द्रिका (द्वादशभावः)
22 K 51 आ 25.

केरलनाडी
8 J 21 आ 291 (आदितः कान्तांशवृश्चिकलग्नफलपर्यन्ता).

केरलभाग्यम् (सव्याख्यम्)
33 C 5 ओ 11.

केरलीयनक्षत्रदशाफलम्
33 C 5 ओ 89.

केशवपद्धतिः (जातकपद्धतिः) केशवदैवज्ञकृता
11 C 21 दे 18.
35 B 18 दे 30.

खचरदर्पणम्—विद्याशंकरभारतीन्द्रकृतम्
27 D 1 ग्र 75 (भावप्रकाशिकायुतम्).
27 D 7 ग्र 134 (आदितः चन्द्रग्रहणाधिकारपर्यन्तं, सव्याख्यम्).

गर्गशापावली (प्रश्नज्योतिषम्) श्रीमत्पण्डितकृता
9 D 43 दे 9.
11 C 19 दे 360.

गर्भाधानादिकालः
33 C 16 ओ 22 अस.

गृहनिर्माणभूनिर्णयः
28 A 29 ग्र 8.

गृहप्रवेशः (गृहारम्भः)
38 F 34 दे 260 अस.

गृहप्रवेशकालनिर्णयः
19 E 61 ग्र 5.

गोचारश्लोकाः
11 B 46 दे 3.

गोचारादिफलम् (ज्योतिषश्लोकसंग्रहः)
9 F 57 आ 17 अस.

गोविक्रयाद्युपयुक्तज्योतिषश्लोकाः
21 C 37 ग्र 1.

गौलीपतनादिफलश्लोकाः
21 B 21 ग्र 6.

गौलीपतनारोहणफलम्
29 H 2 ग्र 4.

गौलीवचनफलम्
21 C 21 आ 5.

गौलीशकुनम्
23 H 11 ग्र 1.

ग्रहगोचारफलम्
8 H 47 दे 12 (प्रथमपत्रं विना समग्रम्).

ग्रहचक्रव्याख्या
33 C 3 ओ 15 अस.

ग्रहचेष्टाविधानम्
21 C 18 ग्र 62 (आदितः ९ पटलान्तम्).
21 C 27 आ 109 (आदितः २१ अध्यायान्तम्).

21 C 32 ग्र 84 (आदितः १६ अध्यायान्तम्).
21 C 40 ग्र 41.
25 C 40 ग्र 150 (आदितः ग्रहाणां स्वोच्चस्थानपर्यन्तम्).

ग्रहजन्मदशाफलम्—नरसिंहदैवज्ञकृतम्
11 B 46 दे 9.

ग्रहबलाबलनिर्णयः
21 C 31 आ 6 (अदितः २२ श्लोकाः).

ग्रहराशिफलम्
38 F 37 दे 5 (मिथुनफलस्वभावप्रभृति सहभावविशेषफलपर्यन्तम्).

ग्रहादिद्रव्यनिरूपणम्
33 C 4 ओ 16.

ग्रहावस्थादि
21 B 4 ग्र 2.

चन्द्राभरणहोरा—यवनाचार्यकृता
21 E 17 ग्र 20 (आदितः ४ अध्यायाः).

चन्द्रार्की—दिनकरकृता
35 C 104 दे 6.

छायापुरुषलक्षणम् (कालज्ञानम्)
21 F 2 आ 6.

जनिपद्धतिप्रकाशः—दिवाकरकृतः
21 F 10 आ 12.

जन्मपत्रिका
10 B 20 दे 1.
10 B 22 दे 1.

जातककर्मपद्धतिः (श्रीपतिपद्धतिः) श्रीपतिकृता
10 C 29 दे 11 (दृष्टयध्यायप्रभृति समग्रा).
21 F 36 ग्र 10 (आदितः ६ अध्यायाः).
21 F 37 ग्र 28 (आदितः स्फुटाधिकारान्ता).
35 C 35 दे 106 (सव्याख्या).

जातककर्मपद्धतिव्याख्या—परमेश्वरकृता
21 F 34 ग्र 80 (आदितः ८ अध्यायान्ता).

जातककलानिधिः—नृसिंह्मवर्यदीक्षितकृतः
21 F 23 ग्र 14.
21 F 25 ग्र 24.
21 F 27 आ 133 अस.

जातकचन्द्रिका—कालिदासकृता
19 K 29 ग्र 14 (६–६६ श्लोकाः, सव्याख्या).
22 F 47 ग्र 8 (आदितः ९९ श्लोकाः).
22 G 52 ग्र 20 (सव्याख्या).
27 C 30 ग्र 3.
29 A 14 आ 12.

जातकचन्द्रिका (पाराशर्यम्)
24 D 28 ग्र 46 (आदितः व्ययभावफलान्ता).
24 D 28 ग्र 26 (आदितः २९ श्लोकाः, अतिशिथिला).

जातकचन्द्रिका
11 C 37 दे 12.

जातकचन्द्रिका—याज्ञिकनाथकृता
8 D 85 दे 50.

जातकचन्द्रिका—वेङ्कटेश्वरकृता
21 F 23 ग्र 16.
21 F 26 ग्र 16.
21 F 28 आ 18.
21 F 29 ग्र 21.
21 F 30 ग्र 8.

21 F 35 ग्र 8 (कोशद्वयम्—(१) ७१, (२) ६१ श्लोकाः).

30 B 14 आ 18 (अवसाने पत्रनवकं विद्यते).

जातकचन्द्रिकाव्याख्या—अष्टनरसिंहकृता

26 A 29 ग्र 67.

जातकचन्द्रिकाव्याख्या (शरदागमः) तिम्मय्यसूरिकृता

29 A 14 आ 27.

जातकचन्द्रिकाश्लोकादयः

19 K 31 ग्र 14 (१–१९ श्लोकाः).

जातकजालम्

34 D 26 आ 12.

जातकजीवनव्याख्यानम्

21 F 32 ग्र 52.

जातकपद्धतिः—श्रीधरकृता

21 C 40 ग्र 26 (भावस्फुटायनम्).

जातकपारिजातः—वैद्यनाथकृतः

21 F 40 ग्र 220 (१–१७ अध्यायाः).

जातकभावसंग्रहः

21 F 45 ग्र 72 (अरिष्टभङ्गप्रभृति महापातकदोषपर्यन्तः).

जातकभूषणम्

34 I 10 ग्र 90 (आदितः तिथिफलपर्यन्तम्).

जातकरत्नाकरः (पञ्चपक्षिनिरूपणम्)

11 D 141 दे 8 (आदितः ४ अध्यायपर्यन्तः).

जातकाभरणम्—दुण्डिराजकृतम्

8 D 69 दे 256.

8 F 75 दे 120 (आदितः चन्द्रराशिफलपर्यन्तम्).

जातकालङ्कारः—गणेशकृतः

11 D 105 दे 58.

जातकालङ्कारः—भट्टोजिदीक्षितकृतः

21 F 46 ग्र 28.

21 F 47 ग्र 20.

जातकालङ्कारटीका—हरिभानुकृता

34 K 14 दे 48.

जातकालङ्कारटीका

33 C 12 ओ 17 अस.

जैमिनिलग्ननिर्णयः

21 F 44 ग्र 80 (आदितः अर्गळलक्षणपर्यन्तः).

21 F 50 ग्र 232 (आदितः मारकलक्षणपर्यन्तः).

ज्ञानप्रदीपिका

19 J 61 ग्र 32.

29 C 3 आ 34.

ज्योतिःकल्पद्रुमः (स्वप्रकाशः) भगवदानन्दकृतः

33 B 4 ओ 292.

ज्योतिःप्रदीपिका—लक्ष्मणकृता

10 G 6 दे 149.

ज्योतिर्निबन्धः

11 F 43 ब 104 अस.

ज्योतिश्शास्त्रसङ्ग्रहः

30 A 2 दे 30.

ज्योतिषकदम्बकम्—शङ्कराचार्यकृतम्

9 I 9 दे 170.

ज्योतिषकल्पलता—सोमनाथाचार्यकृता
22 H 54 ग्र 83 (गोचारग्रहनिर्णयान्ता, प्रथमपत्रहीना, अतिशिथिला).

ज्योतिषखिलश्लोकाः
21 C 37 ग्र 10.

ज्योतिषग्रन्थः
10 B 24 दे 1.
11 F 58 ब 63 अस.
11 G 49 ब 28 अस.
11 G 55 ब 31 अस.
11 G 62 ब 16 अस.
30 B 14 आ 10 अस.

ज्योतिषग्रन्थनामानि
21 B 4 ग्र 2.

ज्योतिषपत्राणि
10 D 37 दे 148 अस.
33 C 5 ओ 47.

ज्योतिषरत्नमाला
21 F 54 आ 14 (आदितः रोहिणीनक्षत्रजननफलपर्यन्ता).

ज्योतिषश्लोकसंग्रहः
21 F 47 ग्र 6.
21 F 53 आ 22 (आदितः नक्षत्राणां राशिनिर्णयान्तः).
21 F 57 ग्र 60.
29 F 5 आ 1.

ज्योतिषसारसंग्रहः
19 B 52 आ 36.
29 K 14 आ 364 (आदितः आशौचपरिमाणान्तः).

ज्योतिषसूत्रश्लोकाः
40 B 26 के 38 अस.

ज्योतिषसौभाग्यदीपिका—पदवागीश्वरकृता
21 F 55 आ 30 (आयुर्योगलक्षणप्रभृति, अरिष्टलक्षणान्ता).

ज्योतिषार्णवः
21 F 16 ग्र 194 (पौराणिकमुहूर्तप्रभृति, अकालदूषितमुहूर्तपर्यन्तः).

ज्योतिस्सारः—कृष्णदेवकृतः
11 F 8 ब 8 अस.

तत्त्वमुक्तावली—नन्दपण्डितकृता
34 K 22 दे 45.

तन्त्रसङ्ग्रहः—गार्ग्यकेरळनीलकण्ठकृतः
34 I 3 ग्र 84.

ताजिकभूषणम्—गणेशदैवज्ञकृतम्
8 D 46 दे 12 (आदितः दृष्ट्यानयनान्तं, अन्तर्दशाध्याये ३९ श्लोकप्रभृति समग्रम्).
8 D 87 दे 56 (वर्षेशानयनाध्यायप्रभृति दशाध्यायान्तम्).

तारादोषपरिहारः
21 C 37 ग्र 1.

तिथिकल्पद्रुमः
8 D 89 दे 16.

त्रिपादनक्षत्रवचनम्
20 E 41 ग्र 2.

त्रिविक्रमशतकम्—त्रिविक्रमपण्डितकृतम्
35 C 22 दे 70.

38 C 18 दे 70.

नरपतिजयचर्या—कालवर्मविद्यादेवकृता
33 L 17 क 214 (आदितः ९ अध्यायाः).

नरपतिविजयः—नरपतिकृतः
28 A 43 आ 10 (आदितः २ अध्यायौ).
28 A 44 आ 201 अस (आन्ध्रटीकायुतः).
28 A 46 ग्र 35 अस.

नवग्रहचक्रश्लोकः
29 H 7 ग्र 8.

नवग्रहचारफलम्
27 C 30 ग्र 3.

नवग्रहचिन्तामणिः
10 F 25 दे 5.
30 M 19 द्रा 260 आदितः राशिचक्रान्तः).

नवग्रहदशाभुक्तिफलम्
28 A 69 ग्र 42 (कालचक्रप्रभृति गुरुवक्रदशापर्यन्तम्).
28 B 17 आ 45 (आदितः राजयोगपर्यन्तम्).

नवग्रहमङ्गलश्लोकाः
29 H 7 ग्र 3.

नवग्रहवृत्तिफलम् (द्वादशभावफलम्)
19 K 31 ग्र 4.

नष्टजातकम्—शंकरप्रोक्तम्
19 D 34 ग्र 6 अस.
21 M 2 ग्र 5.
28 A 68 ग्र 55.
28 B 51 आ 11.
28 E 44 ग्र 112.

नष्टप्रश्नः
29 F 14 ग्र 53.

नामनक्षत्रम
26 G 39 आ 2.

नारदप्रश्नः
28 C 37 ग्र 10.

नारदीयज्योतिषम्
33 L 21 ना 95 अस.

नित्यग्रहफलादि (सान्ध्रटीकम्)
21 C 37 ग्र 3.
21 E 33 आ 46.
21 F 2 आ 15.

पञ्चतत्वादिनिर्णयः फलञ्च
21 B 4 ग्र 36.

पञ्चपक्षिशास्त्रम्
27 C 30 ग्र 9.
28 E 47 ग्र 18.
28 E 48 ग्र 13.
28 E 49 ग्र 9 अस.

पञ्चस्वराभिधानम्
33 C 5 ओ 6.

पाताधिकारः
19 K 81 ग्र 52.

पाराशरीयम्
28 G 26 ग्र 89 (आदितः गुरुदशाफलपर्यन्तम्).
34 I 23 ग्र 164.

पुत्रभावविचारः
28 H 22 ग्र 9.

भावचिन्तामणिः
27 C 30 ग्र 15.

भावफलम्
28 H 3 ग्र 12.

भावफलाध्यायः
8 D 40 दे 12.

भावाध्यायः
40 A 18 आ 310.

मन्त्रमैत्रम्
27 E 39 ग्र 9 अस.

मयूरचित्रम्
33 C 5 ओ 304.

मान्दिफलनिरूपणम्
27 C 30 ग्र 2.

मुहूर्तकण्ठाभरणम्—कृष्णमिश्रकृतम्
27 H 28 ग्र 19 (आदितः ७ अध्यायान्तम्).
27 H 35 ग्र 14.

मुहूर्तदर्पणम्
30 B 14 आ 48 (आदितः स्तम्भलग्नफलान्तम्).

मुहूर्तदर्शनम्—माधवकृतम्
22 F 47 ग्र 2 संज्ञाध्याये १९ श्लोकाः
33 E 10 ग्र 116.
33 L 20 दे 240.
34 I 16 ग्र 22 (आदितः २ अध्यायौ).

मुहूर्तदीपकम्
8 D 72 दे 28 (आदितः गल्लान्तसूतिकास्नाननामकरणान्तं, सव्याख्यम्).
11 C 32 दे 20.

मुहूर्तदीपिका (सटीका)
35 B 23 दे 30 (यज्ञोपवीतप्रभृति समग्रा, सवृत्तिका).

मुहूर्तदोषः
22 H 63 ग्र-ना 2 अस.

मुहूर्तनिर्णयः
22 F 61 ग्र 82.
23 H 45 ग्र-द्रा 68 (सद्राविडटीका) अस (अतिशिथिलः).
25 C 40 ग्र 34.

मुहूर्तपदवीटीका (वरदीपिका) परमेश्वरकृता
9 J 15 दे 464.
34 I 3 ग्र 60.
34 I 20 ग्र 42.

मुहूर्तमणिः
34 K 16 दे 23.

मुहूर्तमार्ताण्डः
8 D 74 दे 64.
11 C 38 दे 36 (८ पत्रप्रभृति विवाहप्रकरणपर्यन्तः).

मुहूर्तमार्ताण्डदीपिका—नारायणकृता
11 D 111 दे 232.
34 J 72 दे 210 (मार्ताण्डवल्लभी १ पत्रं विना समग्रा).

मुहूर्तमुक्तावलिः—हरिकृता
8 D 33 दे 13.

मुहूर्तसरणिः (सटीका)
27 H 43 ग्र 36.

27 I 50 ग्र 7.

वर्षफणिफलम्
20 I 49 ग्र 56.

वर्षादिफलम् (जातकभावः)
20 E 9 ग्र 10.

वसन्तराजीयम्
20 F 38 ग्र 56 (द्वादशवर्गमात्रम् ).

वागीशमतम्—वागीशयोगिकृतम्
20 E 16 ग्र 8.

वारफलम्
20 E 39 ग्र 2.

वारराशितामसादिनिर्णयः
22 I 18 ग्र 2.

वृद्धपाराशरीयम्
20 I 23 ग्र 128 (आदितः ९ अध्यायान्तम् ).

वेङ्कटाद्रिनाथीयम् (ग्रहतन्त्रम् ) वेङ्कटाद्रिनाथकृतम्
20 G 55 ग्र 10 (आदितः स्फुटाधिकारपर्यन्तम् ).
20 G 62 ग्र 44.

शककालनिर्णयः
20 I 43 आ 3.

शाकुनम्
20 E 41 ग्र 2.

शाकुनफलम् (कालामृते)
23 H 11 ग्र 4 (आदितः ९ श्लोकाः).

शाकुनशास्त्रम्
20 I 42 ग्र 50.

शीघ्रबोधसङ्ग्रहः—काशीनाथकृतः
38 E 11 दे 88.

शुद्धिदीपिका—श्रीनिवासकृता
11 F 42 ब 93 अस.
33 A 11 ओ 29 (सव्याख्या).
33 A 16 ओ 229 (सव्याख्या).

शुद्धिदीपिकाव्याख्या (अर्थकौमुदी) कविकोङ्कणपण्डितकृता
33 A 11 ओ 292.

षट्पञ्चाशिका
19 D 10 के 60. (केरलीटीकायुता).

षट्श्लोकी
19 D 12 ग्र 3 (सटीका).

षोडशमुहूर्तनिरूपणम्
19 D 20 ग्र 48 अस.

षोडशयोगाः
8 D 38 दे 44.

सङ्क्रान्तिफलम्—शिवज्योतिःकृतम्
11 C 19 दे 20.

सङ्ग्रहचूडामणिः
19 D 26 ग्र 3 (आदितः ३ अध्यायाः).

सज्जनवल्लभः—भानुपण्डितकृतः
35 B 26 दे 51.

सत्कीर्तिमुक्तावली—रघुनाथकृता
11 F 84 ब 11 अस.

सनत्कुमारवास्तु—सनत्कुमारकृतम्
19 D 52 आ 22 (सटीकं, आदितः वराहवेदिनिर्णयपर्यन्तम् ).

सन्तानदीपिका
19 D 38 ग्र 20.
19 D 41 ग्र 13 (आदितः भ्रातृशापान्ता).

समयप्रदीपः—हरिहराचार्यकृतः
11 F 66 ब 64 अस.

सर्वतोभद्रचक्रम्
19 E 24 ग्र 14.
19 E 25 ग्र 14.
19 E 31 ग्र 10.
27 I 50 ग्र 13

सर्वार्थचिन्तामणिः—वेङ्कटनायककृतः
19 E 21 ग्र 194.
19 E 33 ग्र 28 (आदितः योगप्रशंसापर्यन्तः).

सर्वार्थचिन्तामणिश्लोकाः
19 E 34 ग्र 10 (आदितः ५० श्लोकाः).

सारसमुच्चयः
22 M 13 ग्र 134.

सारावली—कल्याणवर्मकृता
10 C 35 दे 258.
19 E 54 ग्र 192 (मेषरविफलप्रभृति नष्टजातकाध्याये नववर्गगुणचिन्तापर्यन्ता).
19 E 55 ग्र 36 (१–८ अध्यायाः)

सीतारामचक्रम्
20 E 10 ग्र 2.

सुनभादियोगनिरूपणम्
27 I 64 ग्र 26.

सुबोधः —जयरामभट्टकृतः
35 C 104 दे 3.

सूर्यादिचक्रलक्षणम्
19 H 8 ग्र 248 (घोरकालानलप्रभृति विजयफणिचक्रपर्यन्तं, अतिशिथिलम्).

सूर्यादिदशापरिमाणम्
27 I 64 ग्र 2.

सौरचारः
19 I 24 ग्र 26 (२९ अध्यायः).

स्कान्दशारीरकम्
34 D 1 के 170 (१–८ अध्यायाः).

स्वप्नफलम्
19 I 36 ग्र 8.

स्वप्नाध्यायः
19 I 37 ग्र 10.
19 I 38 ग्र 6.
19 I 39 ग्र 6.
22 B 45 आ 4.

स्वप्रकाशसूचीपत्रम्
33 B 4 ओ 12.

स्वरशास्त्रम्
19 I 43 आ 40.

होरातात्पर्यनिर्णयः—परमेश्वरकृतः
40 B 25 के 106 अस.

होरानिर्णयः
19 D 26 ग्र 2.

होराविवरणम्
33 L 1 ग्र 146 (१, २ अध्यायौ).
34 G 25 के 194 (जातकधिकरणं च).

होराशास्त्रम् (बृहज्जातकम्) वराहमिहिरकृतम्
19 G 38 ग्र 188 (आदितः व्यासहोरोक्तप्रकारपर्यन्तम्).

19 G 43 प्र 66 (१ अध्यायः).
19 J 57 प्र 442.

होराशास्त्रभाषाव्याख्या
34 H 15 के 350.

होराषट्पञ्चाशिका—पृथुयशःकृता
34 A 13 प्र 32 (वृत्तियुता).

होराषट्पञ्चाशिकावृत्तिः—भट्टोत्पलकृता
8 D 92 दे 210 (आदितः पुरप्रवेशपर्यन्ता).
19 D 11 प्र 54 (आदितः ८ पटलान्ता).
33 C 3 ब 38 (१–७ अध्यायाः).
33 C 5 ओ 9 (आदितः २ अध्यायौ).
33 C 16 ओ 45 (१–७ अध्यायाः).

होरासारः
19 J 58 प्र 10 (आदितः २ अध्यायौ).

---

## (iv) पञ्चाङ्गग्रन्थाः

अक्षयवर्षपञ्चाङ्गम्
20 F 9 प्र 39.
22 A 3 प्र 84 (अण्णावय्यंगार् कृतम्).

आङ्गीरसवर्षपञ्चाङ्गम्
20 C 34 प्र 49.
28 I 53 प्र 80 (अण्णावय्यंगार् कृतम्).

आनन्दवर्षपञ्चाङ्गम्
19 E 20 प्र 64.

ईश्वरवर्षपञ्चाङ्गम्
19 K 74 प्र 30.
20 C 34 प्र-द्रा 47.
21 A 48 आ 30.

कीलकवर्षपञ्चाङ्गम्
26 B 15 प्र-द्रा 12.
28 F 59 प्र 67.

क्रोधनवर्षपञ्चाङ्गम्
21 A 20 प्र 74.
21 A 21 द्रा 74.

क्रोधिवर्षपञ्चाङ्गम्
24 G 28 प्र 110.

खरवर्षपञ्चाङ्गम्
20 I 45 प्र-द्रा 41.
23 H 6 प्र 48.

चित्रभानुवर्षपञ्चाङ्गम्
20 G 1 प्र-द्रा 8.

जयवर्षपञ्चाङ्गम्
21 F 7 आ 52.

दुर्मुखिवर्षपञ्चाङ्गम्
20 J 45 प्र-द्रा 47.

धातुवर्षपञ्चाङ्गम्
19 K 73 प्र 52.
20 C 34 प्र-द्रा 42.
26 F 8 प्र-द्रा 64.

नन्दनवर्षपञ्चाङ्गम्
20 I 45 प्र-द्रा 35.

नलवर्षपञ्चाङ्गम्
20 C 35 प्र 31.

पराभववर्षपञ्चाङ्गम्
26 D 21 प्र-द्रा 56.
28 F 59 प्र 52.

पार्थिववर्षपञ्चाङ्गम्

20 C 34 प्र-द्रा 47.

23 B 25 आ 64.

24 F 3 आ 60.

पिङ्गलवर्षपञ्चाङ्गम्

9 F 75 दे 34.

26 B 37 प्र-द्रा 52.

प्रजोत्पत्तिवर्षपञ्चाङ्गम्

20 C 34 द्रा 39.

प्रभववर्षपञ्चाङ्गम्

20 F 9 द्रा 46.

प्रमादिवर्षपञ्चाङ्गम्

19 K 76 प्र 32.

20 C 34 प्र 47.

20 F 9 द्रा 61.

प्रमादीचवर्षपञ्चाङ्गम्

28 I 55 प्र 54.

प्रमोदूतवर्षपञ्चाङ्गम्

20 F 9 द्रा 39.

28 I 53 प्र 70 (अण्णावय्यंगार्कृतम्).

प्लवङ्गवर्षपञ्चाङ्गम्

20 G 1 प्र-द्रा 19.

26 B 36 प्र-द्रा 28.

28 F 59 प्र 56.

28 J 42 प्र 64.

प्लववर्षपञ्चाङ्गम्

20 G 1 प्र-द्रा 19.

24 F 38 आ 72.

बहुधान्यवर्षपञ्चाङ्गम्

19 K 75 प्र 36.

20 C 34 प्र-द्रा 47.

भववर्षपञ्चाङ्गम्

20 C 34 द्रा 46.

मन्मथवर्षपञ्चाङ्गम्

20 I 45 प्र-द्रा 47.

युववर्षपञ्चाङ्गम्

20 C 34 द्रा 45.

रक्ताक्षिवर्षपञ्चाङ्गम्

9 B 10 दे 28.

20 C 35 प्र 72.

रुधिरोद्गारिवर्षपञ्चाङ्गम्—वेङ्कटसुब्रह्मण्यदैवज्ञकृतम्

20 C 24 प्र-द्रा 72.

20 C 34 प्र-द्रा 32.

रौद्रिवर्षपञ्चाङ्गम्

20 C 35 प्र 73.

विकारिवर्षपञ्चाङ्गम्

20 G 1 प्र-द्रा 39.

विकृतिवर्षपञ्चाङ्गम्

20 I 45 प्र-द्रा 43.

विक्रमवर्षपञ्चाङ्गम्

19 K 78 प्र 12.

20 C 34 प्र-द्रा 51.

20 F 9 द्रा 82.

विजयवर्षपञ्चाङ्गम्

20 I 45 प्र-द्रा 43.

विरोधिवर्षपञ्चाङ्गम्

19 L 34 आ 62.

20 I 45 प्र-द्रा 47.

26 B 28 प्र-द्रा 56.

विलम्बिवर्षपञ्चाङ्गम्
20 G 1 ग्र-द्रा 6.
20 I 45 ग्र-द्रा 33.

विश्वावसुवर्षपञ्चाङ्गम्
24 F 45 आ 34.

विषुवर्षपञ्चाङ्गम्
19 K 77 ग्र 12.
20 C 34 ग्र-द्रा 39.

व्ययवर्षपञ्चाङ्गम्
20 I 38 द्रा 38.
20 I 45 ग्र-द्रा 38.

शार्वरिवर्षपञ्चाङ्गम्
24 G 9 आ 42.

शुक्लवर्षपञ्चाङ्गम्
19 B 53 ग्र 22.
30 I 15 ग्र 88.

शुभकृद्वर्षपञ्चाङ्गम्
20 I 45 ग्र-द्रा 49.
24 E 24 आ 60.

शोभकृद्वर्षपञ्चाङ्गम्
10 M 31 आ 62.
20 I 45 ग्र-द्रा 47.
24 E 35 आ 54.

श्रीमुखवर्षपञ्चाङ्गम्
19 C 43 ग्र 70.
23 C 16 आ 56.
28 I 53 ग्र 64 (अण्णावय्यंगार् कृतम).

सर्वजिद्वर्षपञ्चाङ्गम्
19 E 70 ग्र 56.
20 I 45 ग्र-द्रा 45.

सर्वधारिवर्षपञ्चाङ्गम्
20 I 45 ग्र-द्रा 47.

साधारणवर्षपञ्चाङ्गम्
26 B 38 ग्र-द्रा 48.
28 F 59 ग्र 77.

सुभानुवर्षपञ्चाङ्गम्
20 C 34 ग्र-द्रा 45.

सौम्यवर्षपञ्चाङ्गम्
20 F 9 द्रा 16 अस.
26 B 29 ग्र-द्रा 56.

हेविलम्बिवर्षपञ्चाङ्गम्
19 J 55 ग्र 60.

---

# वैद्यकग्रन्थाः

## (i) आयुर्वेदनिघण्टुग्रन्थाः

अभिधानरत्नमाला (सान्ध्रटीका)
22 C 22 आ 30 (आदितः ६ स्कन्धान्ता, शिथिला).
22 C 24 आ 64 (३ पत्रप्रभृति ७ स्कन्धान्ता).

धन्वन्तरिनिघण्टुः—धन्वन्तरिकृतः
35 C 4 दे 133.

## (ii) आयुर्वेदवैद्यकग्रन्थाः

अमृतमञ्जरी (अजीर्णमञ्जरी) काशीराजकृता
35 C 14 दे 9.

अष्टकर्माधिकारस्थानम्—वररुचिकृतम्
19 E 62 आ 16 (आदितः ९ अध्यायाः).

अष्टाङ्गहृदयसंहिता—वाग्भटकृता
19 E 62 आ 34 (आदितः ६ अध्यायान्ता).
20 I 3 आ 100 (सूत्रस्थाने ६ अध्यायप्रभृति निदाने १६ अध्यायान्ता).
28 C 46 आ 54 (राजयक्ष्मनिदानप्रभृति १६ अध्यायान्ता).

अष्टाङ्गहृदयव्याख्या (शशिलेखा) इन्दुकृता
39 B 19 दे 657.

अष्टाङ्गहृदयव्याख्या (हृदयबोधिका)
39 C 4 दे 1026 (सं १, २).

अष्टाङ्गहृदयव्याख्या (हृदयबोधिनी) दासपण्डितकृता
39 B 18 दे 1714 (सं १–४).

अष्टाङ्गहृदयव्याख्या (हृद्या)
39 C 3 दे 451.

अष्टाङ्गहृदयव्याख्या
39 B 20 दे 1388 (सं १–३).

आयुर्वेदमहोदधिः—श्रीसुरबकृतः
35 C 1 दे 112.

औषधप्रयोगकारिका—धन्वन्तरिकृता
22 A 42 आ 12.

कर्मविपाकः—भृगुकृतः
33 B 17 ओ 136.

कर्मविपाकसूची
33 B 17 ओ 244.

कालज्ञानम्
35 C 97 दे 18.

गदविनिश्चयः—बृन्दकृतः
9 E 2 दे 68 (आदितः स्त्रीरोगाधिकारान्तः).

गर्भिणीव्याकरणम्
11 D 113 दे 72 (१ पत्रं विना समग्रम्).

गुटिकाधिकारः
11 D 20 दे 32 (आदितः ९९ पर्यन्तः).
11 D 107 दे 26.

गुरुशिष्यविधिः
33 B 17 ओ 2.

ज्वरचिकित्सा
38 F 43 दे 22 अस.

ज्वरपराजयः
11 D 108 दे 66.

नाडीचक्रनिर्णयः
28 A 74 आ 19 (सान्ध्रटीकः, आदितः अतिसारलक्षणान्तः).

पथ्यापथ्यविबोधकः—केयदेवकृतः
35 C 68 दे 316.

पथ्यापथ्यविवेकः
28 F 29 ग्र 3 अस.

पथ्यापथ्याधिकारः
35 C 95 दे 43.

प्रयोगसारः
34 D 4 के 300.

भावप्रकाशः—भावमिश्रकृतः ?
35 D 6 दे 730 (मध्यमाधिकारे ज्वराधिकारप्रभृति षड्बिन्दुतैलान्तः).

भेषजकल्पः
22 C 22 आ 4 (पूर्वपीठिकामात्रम्).
27 D 2 आ 96 (आदितः प्रयोगयोग्यप्रतिनिधिपर्यन्तः).

माधवनिदानम्—माधवकृतम्
11 C 33 दे 40 (परिभाषासूत्रप्रभृति वमनादिपञ्चकर्मपर्यन्तम्).
35 C 44 दे 102.
35 C 141 दे 196.

योगचिन्तामणिः
35 B 6 दे 180.
35 C 94 दे 78.
35 C 98 दे 40 (धन्वन्तरिकृतः).
35 C 145 दे 50.

योगशतकम्
11 D 19 दे 32.
35 C 58 दे 52.
35 C 142 दे 88.

योगसुधानिधिः (बालपोषणविधिः) वंदिमिश्रकृतः
8 D 102 दे 127.

रसरत्नाकरः—पार्वतीपुत्रनित्यनाथसिद्धकृतः
19 L 26 ग्र 32 (आदितः २ अध्यायौ).
27 J 41 आ 596 (तालकशुद्धिप्रभृति मूलरोगचिकित्सापर्यन्तः, सान्ध्रटीकः).
38 C 19 आ 293 (व्रणवैद्यप्रभृति पीनसवैद्यपर्यन्तः, सान्ध्रटीकः).

रसायननिरूपणम्
28 A 75 आ 26 (बिल्वफलरसायनप्रभृति जम्ब्वादिलेह्यपर्यन्तं, सान्ध्रटीकम्).

रसायनशास्त्रम्
25 H 38 ग्र 14 (आदितः बिडालवणपर्यन्तं, आन्ध्रटीकायुतम्).

रोगविनिश्चयः—माधवकृतः
33 A 29 ओ 236.

विबुधप्रियः (ज्वरचिकित्सा) शार्ङ्गधरकृतः
11 D 18 दे 77.
35 C 43 दे 100 (आदितः ७९ श्लोकपर्यन्तः).

वीरभट्टीयम्—रेवणसिद्धकृतम्
8 J 57 आ 68 (१–६ अध्यायाः).

वीरसिंहावलोकः—वीरसिंहकृतः
33 B 16 ओ 139 अस.

वैद्यचन्द्रोदयः
35 C 13 दे 28.

वैद्यचिन्तामणिः—वल्लभेन्द्रकृतः
24 F 32 आ 110 (अष्टस्थानप्रभृति नाडीग्रन्थपूर्तिपर्यन्तः, आन्ध्रटीकायुतः).

वैद्यजीवनम्—लोलंबराजकृतम्
11 D 110 दे 52 (केषुचिद्रोगेषु सामान्यतोऽनुपानपर्यन्तम्).
34 M 32 दे 41.
35 C 9 दे 34 (तिम्मराजकविकृतम्).
35 C 46 दे 50.

वैद्यनिबन्धः (पूर्णचन्द्रोदयाद्यौषधकरणप्रकारः)
35 C 17 दे 38.

वैद्यविनोदः
10 E 64 दे 190.

वैद्यसारः

20 I 4 आ 196 (आन्ध्रटीकायुतः).

वैद्यसारसंग्रहः

29 J 1 ग्र 64 (आदितः महाज्वराङ्कुशरसपर्यन्तः).

वैद्यामृतम्—मोरेश्वरकृतम्

35 C 12 दे 34.

शतश्लोकी—बोपदेवकृता

11 D 109 दे 22.

35 C 45 दे 36.

35 C 77 दे 36.

शार्ङ्गधरसंहिता—शार्ङ्गधरकृता

10 D 26 दे 272.

35 D 7 दे 332.

सारसंग्रहः

19 E 62 आ 112 (आन्ध्रटीकायुतः, १-१८ अध्यायाः).

33 I 21 ग्र 94.

हृदयप्रबोधः—बोपदेवकृतः

11 D 28 दे 52 (आदितः अवलेहाधिकारपर्यन्तः, मध्ये १९–२२ पत्राणि न सन्ति).

### (iii) आयुर्वेदौषधग्रन्थाः

अश्वगन्धिघृतम्

29 H 2 ग्र 1.

औषधपत्रिका

22 I 56 ग्र-द्रा 34 (नेत्रानन्दभैरवप्रभृति कर्पूरादितैलान्ता, द्राविडार्थयुता).

25 J 39 ग्र 14 (उदरशूलचिकित्साप्रभृति अश्वगन्धाचूर्णान्ता, सकर्णाटकटीका).

29 H 2 ग्र 8.

चिञ्चादिलेह्यकरणक्रमः

19 L 41 आ 8 (सान्ध्रटीकः).

ज्योतिष्मतीपञ्चाङ्गकल्पः

38 F 31 आ 7.

द्रव्यगुणशतश्लोकी

33 A 29 ओ 24.

द्रव्यगुणाकरः

33 C 13 ओ 68 अस.

हरीतकीकल्पः

35 C 96 दे 6.

---

## व्याकरणग्रन्थाः

### (i) सूत्रग्रन्थाः

अष्टाध्यायीसूत्राणि—पाणिनिकृतानि

9 D 10 दे 129.

9 D 60 दे 131.

19 E 32 आ 31 (वार्तिकयुतानि, ३ अध्यायमारभ्य ६ अध्याये २ पादे ६६ सूत्राणि).

22 D 23 आ 174.

23 E 21 ग्र 60.

23 I 2 आ 78.

24 A 14 प्र 190.
24 B 25 प्र 144 (आदितः ८ अध्याये ३ पादे ३० सूत्राणि).
25 B 17 आ 86.
29 K 6 आ 68.
34 L 2 दे 92.

उणादिसूत्राणि
22 G 23 आ 11.
22 G 53 आ 11.
28 J 47 आ 16.

परिभाषासूत्राणि—पाणिनिकृतानि
29 K 6 आ 6.

फिट्सूत्राणि—शान्तनवाचार्यकृतानि
20 K 13 प्र 217.
27 A 26 प्र 2.
28 J 47 आ 16 (सवृत्तीनि).

---

## (ii) सूत्रानुसारिव्याख्याग्रन्थाः

काशिकावृत्तिः—जयादित्यकृता (जयादित्यवामनकृता)
19 F 39 प्र 192 (८ अध्यायः).
20 C 76 प्र 21 (७ अध्याये ३ पादे ६ सूत्रप्रभृति १०३ सूत्रपर्यन्ता).
22 J 23 आ 323 (आदितः ३ अध्यायपर्यन्ता).
22 J 24 प्र 206.
22 J 25 प्र 210 (१ अध्याये २ पादे ६४ सूत्रप्रभृति ३ पादपूर्तिपर्यन्ता).
22 J 30 प्र 382 (आदितः ४ अध्यायपूर्तिपर्यन्ता).
22 J 31 प्र 274 (१, २, ६ अध्यायाः).
22 J 32 आ 438 (आदितः ४ अध्यायपर्यन्ता).
23 C 34 प्र 92 (८ अध्यायः).
24 A 19 के 520.
24 A 27 के 334.
24 G 1 आ 180 (आदितः ५ अध्यायान्ता).

काशिकावृत्तिव्याख्या (पदमञ्जरी) हरदत्तमिश्रकृता
22 J 24 प्र 32 (७ अध्यायः).
23 C 41 प्र 224 (४ अध्यायः).
24 B 6 के-प्र 427 (१ अध्यायः).
24 B 14 के 224 (७ अध्यायप्रभृति किंचित्).
24 B 15 के 252 (६ अध्यायः).
24 C 9 के 454 (२, ३ अध्यायौ).
24 D 1 के 168 (८ अध्याये ३, ४ पादौ).
28 F 32 प्र 262 (६ अध्याये ४ पादमारभ्य ७ अध्याये ३ पादपर्यन्ता).
34 J 38 दे 188 (२ अध्यायः).

पदमञ्जरीव्याख्या (परिमलः) रङ्गनाथयज्वकृता
24 B 13 के 242 (१ अध्याये १ पादे किञ्चित्, मकरन्द इति वा नाम).

महाभाष्यम्—पतञ्जलिकृतम्
8 H 28 दे 852 (प्रदीपव्याख्यासहितम्).
8 H 29 आ 189 (१ अध्याये ३ पादप्रभृति ३ अध्यायपर्यन्तं, प्रदीपसहितम्).
8 H 30 आ-दे 268 (५ अध्यायप्रभृति ६ अध्याये ३ पादपर्यन्तम्).
8 I 2 आ 1286 (सं १–४).

8 I 4 ग्र 274 (आदितः १ अध्याये ४ पादे १ आह्निकान्तम्).
9 D 30 दे 128.
10 D 9 दे 1642 (प्रदीपोद्योतसहितम्).
10 D 22 दे 777 (२, ३ अध्यायौ, सप्रदीपम्).
10 K 24 दे 322 (१ अध्याये १ पादः, प्रदीपोद्योतसहितम्).
23 D 35 ग्र 70 (आदितः लण्सूत्रपर्यन्तम्).
23 E 33 ग्र 132 (आदितः १ पादे ४ आह्निकपर्यन्तम्).
24 A 3 ग्र 286 (१ अध्याये २ पादे २८ सूत्रप्रभृति ४ पादे २ सूत्रपर्यन्तं, प्रदीपसहितम्).
24 A 17 ग्र 160 (आदितः १ अध्याये ४ पादे ४ आह्निकपर्यन्तम्).
24 A 27 के 30 (७ अध्याये १ पादे १ आह्निकमात्रम्).
26 A 16 ग्र 180 (आदितः अव्ययानां प्रतिषेधो वक्तव्य इतिसूत्रान्तम्).
27 D 17 आ 141 (प्रथमाह्निकमात्रम्, सप्रदीपोद्योतम्, प्रत्याहारसूत्रभाष्यम्).
27 F 1 ग्र 843.
27 F 2 आ 396 (५ अध्यायप्रभृति ८ अध्यायपर्यन्तम्).
27 F 3 ग्र 130 (१ अध्याये १ पादे १, २ आह्निके, ४, ५ अध्यायौ, ६ अध्याये ३ पादे २ आह्निकान्तम्).
27 F 6 ग्र 138.
27 F 7 ग्र 176.
27 F 8 ग्र 104 (१ अध्याये १ पादः).
27 F 35 आ 429 (१ अध्याये ३ पाद प्रभृति ३ अध्याये १ पादपर्यन्तम्).
38 F 28 आ 40 (८ अध्याये १ पादे आदितः संयोगान्तलोपो रोरुत्वे सिद्धो-वक्तव्य इत्यन्तं, सप्रदीपम्).

**महाभाष्यप्रदीपः—कैय्यटकृतः**

8 I 3 आ 1352 (सं १–४).
9 D 7 दे 890 (१, ३, ४ पादाः, सं १–४).
24 A 3 ग्र 268 (नवाह्निकम्).
24 A 27 ग्र 38 (युवोरनाकाविति सूत्रप्रभृति गोतो णिदिति सूत्रपर्यन्तः).
24 B 23 ग्र 194 (ऊकालसूत्रपर्यन्तः).
24 C 23 ग्र 202 (३ अध्याये १ पादप्रभृति ३ पादे २ आह्निकपर्यन्तः).
27 D 8 ग्र 124 (प्रथमद्वितीयाह्निके).
27 D 12 आ 90 (प्रथमद्वितीयाह्निके).
27 D 13 आ 68 (प्रथमद्वितीयाह्निके).
27 D 14 ग्र 360 (५–८ अध्यायाः).
27 D 15 आ 276 (१ पादे ४ आह्निकप्रभृति ४ पादे १ आह्निकपर्यन्तः).

**महाभाष्यप्रदीपप्रकाशिका—प्रवर्तकोपाध्यायकृता**

24 A 13 ग्र 314 (नवाह्निकपर्यन्ता).

**महाभाष्यप्रदीपव्याख्यानम्—रामसेवककृतम्**

9 E 87 दे 53 अस.

**महाभाष्यप्रदीपस्फूर्तिः—सर्वेश्वरसोमयाजिकृता**

27 D 9 आ 70 (६ अध्याये ४ पादे २, ३ आह्निके).
27 D 10 आ 161 (७ अध्याये १ पादे ३ आह्निकपर्यन्ता).
27 D 11 आ 319 (७ अध्याये २ पादे १–३ आह्निकानि).

**महाभाष्यप्रदीपोद्योतः—नागेशभट्टकृतः**

9 H 80 आ 42 (१ अध्याये १ पादे ६, ७ आह्निके).

24 A 18 ग्र-के 564 (आदितः २ अध्यायान्तः).

27 D 16 आ 224 (१ अध्याये १ पादः).

27 D 18 आ 114 (१–३ आह्निकानि).

27 D 22 ग्र-के 259 (१ अध्याये १ पादे ३ आह्निकप्रभृति २ पादपर्यन्तः).

27 D 26 ग्र 364 (प्रथमाध्यायः).

महाभाष्यप्रदीपोद्योतनम्—अन्नम्भट्टकृतम्

27 D 23 आ 559 (आदितः ८ अध्याये १ पादे १ आह्निकपर्यन्तम्).

27 D 24 आ 242 (३ अध्याये १ पादे ३ आह्निकप्रभृति २ पादे ३ आह्निकपर्यन्तम्).

27 D 25 आ 35 (२ अध्यायः).

महाभाष्यव्याख्या (शाब्दिकचिन्तामणिः) गोपालकृष्णशास्त्रिकृता

8 K 3 दे 2342 (सं १–९ नवाह्निकम्).

36 A 1 ग्र 1329 (सं ६, ७) १ अध्याये २ आह्निकप्रभृति ४ अध्याये २ आह्निकान्ता.

महाभाष्यव्याख्या (विद्वन्मुखमण्डनम्) वेङ्कटाद्रिभट्टकृता

29 A 15 आ 228 (आदितः नवाह्निकपर्यन्ता).

वाक्यपदीयव्याख्या (हेलाराजीया) हेलाराजकृता

39 C 7 दे 874 (३ काण्डे १४ समुद्देशः).

शब्दकौस्तुभः—भट्टोजिदीक्षितकृतः

9 E 61 आ 92 (प्रत्याहारसूत्रमात्रम्).

10 D 16 दे 500 (१ अध्याये १ पादे ८ आह्निकपर्यन्तः).

10 E 18 दे 70 (१ अध्याये १ पादे २ आह्निकपर्यन्तः).

20 J 16 ग्र 414.

20 J 30 आ 271 (१ अध्याये १ पादे ७ आह्निकपर्यन्तः).

20 J 31 आ 262 (१ अध्याये १ पादे २२ आह्निकप्रभृति ६२ आह्निकान्तः).

20 K 1 आ 256 (१ अध्याये १ पादे १ आह्निकप्रभृति २२ आह्निकपर्यन्तः).

20 K 2 ग्र 212 (४ अध्यायः).

20 K 3 आ 210 (१ अध्याये १ पादे येनविधिरित्यन्तः).

20 K 4 आ 78 (१ अध्याये २ पादे १, २ आह्निके).

20 K 5 ग्र 204 (१ अध्याये १ पादे अलोन्त्यसूत्रपर्यन्तः).

20 K 24 आ 172 (१ अध्याये १ पादे ९ आह्निकपर्यन्तः).

20 K 52 आ 324 (१ अध्याये २ पादप्रभृति ४ पादपर्यन्तः).

20 L 2 आ 108 (न पदान्तद्विर्वचन इति सूत्रमारभ्य वृद्धिर्यस्याचामिति सूत्रपर्यन्तः).

24 B 16 ग्र 172 (४ अध्यायः).

24 B 26 ग्र 396 (आदितः १ अध्याये २ पादे ३ आह्निकपर्यन्तः).

28 G 19 आ 90 (२ अध्याये ३ पादे ३ आह्निकप्रभृति ४ पादे २ आह्निकपर्यन्तः).

शब्दकौस्तुभपस्पशटीका (दुर्बली)

9 D 18 आ 22 (आदितः गुणक्रियानिरूपणान्ता).

शब्दकौस्तुभव्याख्या (भावप्रदीपः) आचार्यकृष्णमिश्रकृता
9 D 17 आ 13 (प्रत्याहाराह्निकमात्रम्).
9 D 17 दे 141 (१ अध्याये ७ आह्निकपर्यन्ता).
9 D 17 दे 114 (९ आह्निकमात्रम्).

शब्दकौस्तुभव्याख्या (भूषणं, शब्दकौस्तुभसंक्षेपार्थः)
11 D 142 दे 6.

भूषणदर्पणः
9 D 23 आ 109 (आदितः धात्वर्थलडाद्यर्थनिर्णयपर्यन्तः).

शब्दकौस्तुभव्याख्या (विषमव्याख्याटीका)
11 B 36 दे 36 (आदितः ३ आह्निकान्ता).

शब्दकौस्तुभव्याख्या (वैय्याकरणभूषणम्) कौण्डभट्टकृता
20 I 5 आ 210.
20 I 7 आ 118 (लकारार्थनिरूपणप्रभृति पूर्तिपर्यन्ता).
20 I 10 ग्र 274 (समासशक्तिनिर्णयप्रभृति स्फोटनिर्णयान्ता).
20 I 11 ग्र 232 (आदितः नामार्थपरिच्छेदान्ता).
20 I 15 आ 96 (आदितः लडर्थपर्यन्ता).
24 B 3 के 302.
28 G 15 ग्र 20 (आदितः फलव्यापारयोः इत्यन्ता).

वैय्याकरणभूषणसारः—कौण्डभट्टकृतः
11 C 3 दे 76.
11 C 3 आ 196 (१७ पत्रप्रभृति समग्रः).
20 I 13 ग्र 98 (स्फोटवादः).
28 I 36 आ 44 (६ पत्रप्रभृति क्त्वाप्रत्ययार्थनिरूपणान्तः).
35 C 16 दे 58 (आदितः समासशक्तिनिरूपणान्तः).
40 G 12 ग्र 83 (धात्वाख्यातार्थनिर्णयौ).

शब्दभूषणम् (सवार्तिकाष्टाध्यायीप्रदीपः) नारायणकृतम् )
25 B 52 ग्र 100 (२ अध्याये १ पादप्रभृति ३ पादपर्यन्तं, ७ अध्यायप्रभृति पूर्तिपर्यन्तम्).

सिद्धान्तसुधानिधिः—विश्वेश्वरभट्टकृतः (पाणिनीयसूत्राणां विस्तृतस्वतन्त्रव्याख्यारूपः)
9 H 34 दे 560 (१ अध्याये २ पादमारभ्य ३ अध्यायपूर्तिपर्यन्तः).

सूत्रप्रकाशः—अप्पयदीक्षितकृतः
19 H 5 ग्र 318.

---

### (iii) सिद्धान्तकौमुद्यनुसारिग्रन्थाः

कौमुदीसारसङ्ग्रहः—वेदान्ताचार्यकृतः
36 D 8 ग्र 196 (१–४ परिच्छेदाः).

परिभाषा
28 G 15 ग्र 4.

परिभाषापद्धतिः
34 J 44 दे 57 (प्रथमपत्रं विना समग्रा).

परिभाषाप्रदीपार्चिः—उदयङ्करकृतम्
28 F 52 प्र 114 (प्रथमाध्यायः).

परिभाषाभास्करः—शेषाद्रिसुधीविरचितः
8 J 29 दे 284.
33 F 14 प्र 156 (पूर्वत्रासिद्धे नस्थानिवदित्यन्तः).

परिभाषारत्नम्—अप्पालियकृतम्
28 G 17 प्र 21.

परिभाषार्थप्रकाशिका—धर्मसूरिकृता
28 F 51 आ 304.

परिभाषार्थवृत्तिः (पद्यरूपः)
28 G 5 प्र 14 (आदितः १३८ श्लोकाः).

परिभाषार्थसङ्ग्रहः—वैद्यनाथशास्त्रिकृतः
28 G 4 प्र 41 (३ अध्याये २ पादपर्यन्तः).
28 G 12 प्र 24 (प्रथमाध्यायः).
28 G 15 प्र 176.
28 G 30 प्र 92.
28 G 37 प्र 101.
40 G 13 प्र 23.
40 G 23 प्र 110 (कोशद्वयम्).

परिभाषार्थसङ्ग्रहटीका (चन्द्रिका) स्वयंप्रकाशानन्दकृता
28 G 30 प्र 306.
28 G 37 प्र 297 (आदितः प्रत्येकं वाक्यपरिसमाप्तिरित्यन्ता).
40 G 13 प्र 126.
40 G 23 प्र 146 (१ अध्यायः).

परिभाषावृत्तिः—सीरदेवकृता
28 G 10 आ 24.
29 F 21 प्र 240.
35 C 140 दे 160.
40 C 9 के 320 (आदितः द्वन्द्वसमासान्ता).

परिभाषावृत्तिव्याख्या—रामभद्रदीक्षितकृता
10 I 2 दे 164 (१ अध्याये १ पादः).

परिभाषेन्दुचन्द्रिका (विश्वनाथभट्टीयम्) विश्वनाथभट्टकृता
8 F 1 प्र 17 (अनेकान्ता अनुबन्धा इत्यन्ता).
8 F 5 प्र 64 (निर्दिश्यमानपरिभाषान्ता).

परिभाषेन्दुशेखरः—नागेशभट्टकृतः
10 C 33 दे 118.
22 L 31 प्र 35 (आदितः अणुदित्सूत्रपर्यन्तः).
23 F 3 प्र 120.
28 G 3 प्र 98.
28 G 11 प्र 100.
29 B 2 आ 66 (आदितः ७९ परिभाषापर्यन्तः).
38 F 26 आ 148 (आदितः समासान्तः, चित्प्रभाख्यव्याख्यायुतः).
38 F 27 आ 74.

परिभाषेन्दुशेखरटीका (ज्योत्स्ना, चन्द्रकला, भैरवी) भैरवमिश्रकृता
10 D 19 दे 110 (स्वादिसन्धिप्रभृति कारकान्ता).
10 D 20 दे 76 (सर्वशब्दादि स्त्रीप्रत्ययान्ता).
11 B 28 दे 94 (कारकमात्रम्).
11 B 29 दे 158 (हल्सन्धिप्रभृति शब्दाधिकारान्ता).
21 B 13 प्र 30 (स्त्रीप्रत्ययप्रभृति समाप्तिपर्यन्ता, अतिशिथिला).

परिभाषेन्दुशेखरव्याख्या (गदा) वैद्यनाथकृता

21 B 1 प्र 234.

21 B 12 प्र 224.

30 E 14 प्र 56 (आदित: ९० परिभाषान्ता).

परिभाषेन्दुशेखरव्याख्या (त्रिपथगा) सुब्रह्मण्यकृता

10 E 26 दे 192.

33 L 27 प्र 134.

परिभाषेन्दुशेखरव्याख्या

9 D 92 आ 7 (आदित: २१ सूत्रान्ता).

9 H 38 दे 22 (आदित: यदागमपरिभाषान्ता).

परिभाषेन्दुशेखरव्याख्या (सारबोधिनी)

28 G 16 प्र 22.

प्रक्रियाकौमुदी—रामचन्द्रविबुधकृता

20 C 57 आ 114 (संज्ञाप्रकरणप्रभृति भूधातुपर्यन्ता, अतिशिथिला).

28 H 49 आ 130 (आदित: तत्पुरुषपर्यन्ता).

30 J 30 आ 124 (आदित: समासपर्यन्ता).

34 J 74 दे 170.

34 J 75 दे 324 (आदित: कृदन्तप्रक्रियान्ता).

34 K 28 दे 189 (सुबन्तमात्रम्).

प्रक्रियाकौमुदीव्याख्या—कृष्णकृता

34 K 30 दे 209 (आदित: पद्न्न इति सूत्रान्ता).

प्रक्रियाकौमुदीव्याख्या (प्रसादः) विट्ठलाचार्यकृता

10 H 1 दे 1617 (सं १–४).

28 H 50 आ 182 (आदित: स्त्रीप्रत्ययान्ता).

28 H 51 आ 280 (आदित: बहुव्रीह्यन्ता).

28 H 52 आ 536 (पूर्वार्धम्).

28 I 14 आ 288 (तिङन्तस्समग्रः).

30 K 5 आ 500 (शब्दप्रकरणप्रभृति लुक्समासान्ता).

प्रक्रियादीपः—प्रद्युम्नाचार्यकृतः

33 C 15 ओ 26 (सन्धिप्रकरणम्).

33 C 15 ओ 151 (तिङन्तपादमात्रम्).

प्रक्रियादीपः—वर्धमानसारकृतः (काशीनाथकृतः)

33 B 6 ओ 258 (आदित: तद्धितान्तः).

प्रक्रियासर्वस्वम्—वेदनारायणकृतम्

24 C 1 के 274 (अन्तिमखण्डं विना समग्रम्).

24 C 3 के 78 अस.

40 C 3 के 400.

प्रक्रियासारः—वर्धमानसारकृतः (काशीनाथकृतः)

33 B 20 ओ 184 (पूर्वार्धम्).

मञ्जूषा—नागेशभट्टकृता

27 E 3 आ 68 (आदित: एवकारार्थविचारान्ता).

मञ्जूषा (परमलघुमञ्जूषा) नागेशभट्टकृता

25 E 15 प्र 78.

33 J 10 प्र 129.

मध्यसिद्धान्तकौमुदी—वरदराजकृता

10 E 19 दे 202 (आदित: कृत्यप्रत्ययान्ता).

10 E 23 दे 48 (स्त्रीप्रत्यय, कारक, स्वरप्रक्रियाः).

11 B 44 दे 133 (तिङन्तप्रकरणम्).

11 C 24 दे 382 (आदित: बहुव्रीह्यन्ता).

11 D 143 दे 38 (आदित: कारकान्ता, पूर्वकृति शिल्पिनिष्वुन्नित्यारभ्य (उणादि) उत्तरकृत्पर्यन्ता).

35 B 2 दे 80.
35 C 5 दे 208.

लघुसिद्धान्तकौमुदी—वरदराजकृता

8 H 21 आ 84 (आदितः स्त्रीप्रत्ययान्ता).
11 B 43 दे 80.
20 C 71 ग्र 88 (आदितः उत्तरार्धे भ्वादिपर्यन्ता).
20 C 74 आ 61.
26 C 25 ग्र 282 (आदितः समासाश्रयविध्यन्ता).
26 E 24 ग्र 48 (अदादिप्रभृति षष्ठीसमासान्ता).
29 D 11 आ 94 (अच्सन्धिप्रभृति अव्ययान्ता, तिङन्तमारभ्य द्विरुक्तिप्रक्रियान्ता).

वैय्याकरणसिद्धान्तकौमुदी (सिद्धान्तकौमुदी) भट्टोजिदीक्षितकृता

8 H 15 ग्र 300 (आदितः तद्धितपर्यन्ता).
9 D 24 दे 108.
9 E 65 आ 18 (अपत्याधिकारप्रभृति चातुर्थिकान्ता).
9 E 72 आ 116 (स्वादिसन्धिप्रभृति भ्वादिपर्यन्ता).
11 C 24 दे 32 (आदितः बहुव्रीहिप्रकरणपर्यन्ता).
11 E 39 दे 480.
19 F 8 आ 396.
19 F 10 आ 258 (पूर्वार्धम्).
19 F 11 ग्र 366 (उत्तरार्धम्).
19 F 12 ग्र 218 (उत्तरार्धे आदितः चुरादिपर्यन्ता, लःकर्मणि सूत्रवाक्यार्थश्च).
19 F 14 ग्र 264 (आदितः कृदन्तपर्यन्ता).
19 F 15 आ 172 (कारकप्रभृति द्विरुक्तिप्रक्रियान्ता).
19 F 16 ग्र 144 (आदितः तत्पुरुषपर्यन्ता).
19 F 17 आ 208 (आदितः तत्पुरुषपर्यन्ता).
19 F 18 आ 208 (आदितः अलुक्समासान्ता).
19 F 19 ग्र 284 (आदितः तद्धितान्ता).
19 F 20 ग्र 136 (तद्धितप्रभृति द्विरुक्त्यन्ता).
19 F 21 ग्र 104 (कारकादि समासाश्रयविध्यन्ता).
19 F 22 ग्र 138 (तद्धितादि द्विरुक्त्यन्ता).
19 F 23 आ 130 (आदितः कारकान्ता).
19 F 24 आ-ग्र 104 (चुरादिप्रभृति समग्रा).
19 F 25 ग्र 164 (शब्दाधिकारप्रभृति स्त्रीप्रत्ययान्ता).
19 F 26 ग्र 142 (कृदारभ्य वैदिकप्रक्रियान्ता).
19 F 30 ग्र 22 (परिभाषामारभ्य सन्ध्यन्ता).
19 F 31 ग्र 92 (हल्सन्धिमारभ्य पूर्वार्धं समग्रम्).
19 F 32 ग्र 54 (आदितः शब्दाधिकारान्ता).
19 F 33 ग्र 72 (आदितः तद्धितान्ता).
19 F 34 ग्र 84 (आदितः युष्मच्छब्दान्ता).
19 F 35 ग्र 24 (णिजन्तमात्रम्).
19 F 36 ग्र 30 (तद्धितमारभ्य शैषिकान्ता).
19 F 37 ग्र 78 (कृदारभ्य उणादौ २ पादान्ता).
19 F 38 ग्र 100 (आदितः हलन्तपर्यन्ता).
19 F 41 ग्र 112 (सन्धिमारभ्य कारकान्ता).
22 C 56 ग्र 172 (आदितः अव्ययान्ता).
22 M 67 आ 72 (आदितः तत्पुरुषान्ता).

23 B 31 आ 24 (आदितः स्वादिसन्ध्यन्ता).
23 E 1 प्र 292 (उत्तरार्धम्).
23 E 8 प्र 440 (युष्मच्छब्दप्रभृति स्वरप्रक्रियान्ता).
23 E 24 प्र 112 (शब्दप्रभृति कारकान्ता, अतिशिथिला).
23 E 31 प्र 196 (उत्तरार्धे आदितः णिजन्तान्ता).
23 E 35 प्र 10 (स्त्रीप्रत्ययकारके).
23 G 5 प्र 426 (कारकप्रभृति पूर्तिपर्यन्ता).
23 G 27 प्र 142 (आदितः शैषिकान्ता).
24 A 7 प्र 176 (उत्तरार्धे आदितः कृदन्तपर्यन्ता).
24 A 24 के 330 (पूर्वार्धम्).
24 B 17 प्र 318 (आदितः भ्वादिपर्यन्ता).
24 C 13 के 240 (उत्तरार्धे आदितः उत्तरकृत्पर्यन्ता).
24 F 8 आ 116 (कृदन्तमात्रम्).
25 A 2 प्र 36 (आदितः स्वादिसन्ध्यन्ता).
25 D 16 प्र 172 (शब्दप्रभृति तद्धितान्ता).
25 E 18 के 12 (स्वरप्रक्रिया).
25 G 14 प्र 301 (उत्तरार्धे आदितः लकारार्थप्रक्रियान्ता).
26 H 29 आ 132 (स्वरवैदिके).
29 B 2 आ 50 (बहुव्रीहिप्रभृति तद्धितान्ता).
29 F 13 प्र 24 (आदितः स्वादिसन्ध्यन्ता).
29 J 28 प्र 28 (उत्तरार्धे आदितः श्यन्विकरणपर्यन्ता).
29 K 6 आ 104 (आदितः हलन्तपर्यन्ता).
29 L 25 आ 86 (आदितः बहुव्रीह्यन्ता).
29 M 7 आ 72 (स्वरप्रक्रिया).
30 H 34 प्र 174 (कृत्प्रत्ययप्रभृति वैदिकप्रक्रियान्ता).
30 J 15 आ 170 (तत्पुरुषप्रभृति पूर्वार्धान्ता).
30 J 20 आ 129 (कृदन्तादि वैदिकान्ता).
30 L 23 आ 76 (अजन्तपुल्लिङ्गप्रभृति हलन्तपुल्लिङ्गान्ता).
34 K 29 दे 112 (उत्तरार्धम्).

वैय्याकरणसिद्धान्तकौमुदीविषयाः

8 F 24 प्र 3.

वैय्याकरणसिद्धान्तकौमुदीव्याख्या (तत्त्वबोधिनी) ज्ञानेन्द्रसरस्वतीकृता

9 E 59 आ 93 (आदितः तद्धितान्ता).
9 E 63 आ 324 (आदितः समासान्ता).
9 E 93 दे 90 (कृदन्तमात्रम्).
9 G 23 आ 61 (आदितः तद्धितान्ता).
10 D 7 दे 560.
10 D 15 दे 780 (सर्वादिप्रभृति तद्धितान्ता).
10 E 17 दे 224 (आदितः उत्तरार्धे णिजन्तान्ता).
19 F 13 प्र 317 (आदितः तद्धितान्ता).
19 F 40 प्र 36 (स्त्रीप्रत्ययमात्रम्).
19 I 54 प्र 400 (कारकप्रभृति पूर्वार्धपर्यन्ता).
20 K 42 आ 240 (तद्धितप्रकरणम्).
21 G 13 प्र 143 (अव्ययादि बहुव्रीह्यन्ता).
21 G 14 प्र 109 (उत्तरार्धे किंचित्).
21 G 15 आ 330 (अव्ययादि पूर्वार्धपर्यन्ता).
21 G 16 प्र 238 (आदितः अव्ययान्ता).
21 G 17 आ 269 (तिङन्तस्समग्रः).
21 G 20 प्र 178 (अच्सन्धिप्रभृति कारकान्ता).
21 G 21 आ 362 (कृदन्तमात्रम्).
21 G 22 प्र 119 (तिङन्तस्समग्रः).

21 G 24 आ 170 (तुदादिप्रभृति तिङन्तान्ता).

21 G 25 प्र 80 (आदितः अच्सन्धिपर्यन्ता).

22 L 31 प्र 109 (आदितः सन्धित्रयपर्यन्ता).

22 M 49 प्र 129 (कारकमात्रम्).

23 D 6 प्र 162 (उत्तरार्धे ण्यन्तपर्यन्ता).

23 D 18 प्र 250 (उत्तरार्धे आदितः उत्तरकृदन्ता).

23 D 31 प्र 264 (कृदन्तप्रभृति पूर्वार्धपर्यन्ता).

24 A 28 के 292 (आदितः अव्ययान्ता).

25 C 16 प्र 178 (तद्धितादि पूर्वार्धपूर्तिपर्यन्ता).

25 D 36 प्र 70 (आदितः अच्सन्ध्यन्ता).

25 I 35 आ 38 (स्त्रीप्रत्ययः).

29 B 9 आ 136 (अव्ययीभावप्रभृति समासाश्रयविधिपूर्तिपर्यन्ता).

29 G 16 प्र 26 (कारके षष्ठीमारभ्य द्विगुसमासपर्यन्ता).

29 M 28 आ 348 (तिङन्तस्समग्रः, उणादौ पादद्वयं च).

30 E 21 प्र 76 (अव्ययप्रभृति स्त्रीप्रत्ययपर्यन्ता).

33 H 14 प्र 204 (शब्दाधिकारप्रभृति कारके तृतीयान्ता).

33 H 15 प्र 150 (कारके चतुर्थीप्रभृति पूर्वार्धपूर्तिपर्यन्ता).

**वैय्याकरणसिद्धान्तकौमुदीव्याख्या (पङ्क्तिप्रकाशः)**

10 D 21 दे 36 (परिभाषाप्रकरणप्रभृति समःसुटीति सूत्रान्ता).

**वैय्याकरणसिद्धान्तकौमुदीव्याख्या (प्रौढमनोरमा) भट्टोजिदीक्षितकृता**

9 D 8 आ 37 (तद्धितादि पूर्वार्धपूर्तिपर्यन्ता).

9 D 8 आ 86 (तद्धितादि पूर्वार्धपूर्तिपर्यन्ता).

9 D 9 आ 55 (तद्धितकृदन्तप्रकरणे).

9 G 25 आ 79 (तिङन्तमात्रम्).

9 G 28 आ 109 (आदितः समासाश्रयविध्यन्ता, तत्पुरुषप्रभृति पूर्वार्धपूर्तिपर्यन्ता, यङ्लुङन्तमारभ्य आत्मनेपदप्रक्रियान्ता, शब्दरत्नसहिता).

10 B 27 दे 298.

10 C 35 दे 186 (तिङन्तस्समग्रः).

10 D 13 दे 300 (सव्याख्या).

10 E 22 दे 54 (तद्धितस्समग्रः).

10 E 42 दे 210 (आदितः कारकान्ता).

10 E 68 दे 60 (वैदिकप्रकरणम्).

11 E 34 दे 218 (आदितः हलन्तपर्यन्ता, शब्दरत्नयुता).

19 D 82 प्र 76 (आदितः तद्धितान्ता).

21 G 21 आ 98 (स्वरवैदिके).

24 B 4 प्र 50 (आदितः हल्ङ्याब्लियन्ता).

24 B 20 प्र 194 (वैदिकप्रक्रिया).

28 J 36 आ 146 (आदितः अव्ययपर्यन्ता).

28 J 37 प्र 162 (आदितः समासान्तपर्यन्ता).

28 J 41 आ 200 (तिङन्तस्समग्रः).

28 J 44 प्र 38 (आदितः हल्सन्धिपर्यन्ता).

28 J 45 आ 146 (आदितः स्त्रीप्रत्ययान्ता).

29 A 34 आ 20 (संज्ञाप्रकरणम्).

33 J 7 प्र 500 (पूर्वार्धम्).

**प्रौढमनोरमाव्याख्या (शब्दरत्नम्) हरिदीक्षितकृता**

9 D 31 दे 319 (तद्धितादि वैदिकान्ता).

9 E 62 दे 90 (आदितः सुबन्तान्ता).
9 E 64 आ 174 (आदितः स्त्रीप्रत्ययान्ता).
10 C 23 दे 190 (आदितः अव्ययीभावान्ता).
11 C 6 दे 222 (आदितः समासान्ता).
20 K 11 ग्र 216 (सुबन्तमात्रम्).
20 K 51 आ-ग्र 10 (स्थानिवत्सूत्रप्रभृति इसुसोः सामर्थ्ये इति सूत्रान्ता).
23 B 5 आ 192 (आदितः अदश्शब्दपर्यन्ता).
24 B 7 के 160 (आदितः हलन्तपुल्लिङ्गपर्यन्ता).
30 F 18 ग्र 354 (आदितः सर्वसमासशेषान्ता).
33 L 26 ग्र 50 (आदितः पञ्चसन्धिप्रकरणान्ता).

**वैय्याकरणसिद्धान्तकौमुदीव्याख्या (बालमनोरमा) वासुदेवदीक्षितकृता**

19 L 5 आ 84 (आदितः अच्सन्धिपर्यन्ता).
25 I 3 ग्र 248 (सर्वनामादि अव्ययान्ता).
30 E 8 ग्र 134 (तद्धितप्रभृति पूर्वार्धपूर्तिपर्यन्ता).
30 G 29 ग्र 140 (आदितः स्त्रीप्रत्ययान्ता).

**वैय्याकरणसिद्धान्तकौमुदीव्याख्या (मितवादिनी)**

40 C 15 के 300 (आदितः पूर्वार्धे शब्दाधिकारे अर्थवत्सूत्रपर्यन्ता).

**वैय्याकरणसिद्धान्तकौमुदीव्याख्या (विलासः) भास्कररायकृता**

24 B 4 ग्र 344 (आदितः पृषोदरादिसूत्रान्ता).

A 11

**वैय्याकरणसिद्धान्तकौमुदीव्याख्या (वैद्यनाथदीक्षितीयम्) वैद्यनाथदीक्षितकृता**

20 I 1 ग्र 166 (आदितः स्त्रीप्रत्ययान्ता).

**वैय्याकरणसिद्धान्तकौमुदीव्याख्या (लघुशब्देन्दुशेखरः, शब्देन्दुशेखरः, शेखरः, नागोजिभट्टीयम्) नागेशभट्टकृता**

8 H 17 आ 972 (सं १–३).
9 G 14 आ 318 (पूर्वार्धम्).
9 G 16 आ 240 (उत्तरार्धम्).
9 G 21 दे 62 (स्वरप्रक्रिया).
10 B 26 दे 600 (पूर्वार्धे समासाश्रयविधिपर्यन्ता, उत्तरार्धे समासस्वरादारभ्य समग्रा).
10 C 22 दे 330 (हकारान्तशब्दादारभ्य तद्धितान्ता).
10 C 25 दे 204 (तद्धितप्रभृति पूर्वार्धपूर्तिपर्यन्ता, कृदन्तः, स्वरप्रक्रियादि समग्रा).
10 E 25 दे 220 (चतुर्थपत्रप्रभृति विभक्त्यर्थपर्यन्ता, स्त्रीप्रत्ययप्रभृति समासाश्रयविध्यन्ता, शब्दाधिकारप्रभृति अव्ययान्ता).
20 K 12 ग्र 44 (स्त्रीप्रत्ययमात्रम्).
20 K 13 ग्र-के 216 (उत्तरार्धम्).
20 K 14 आ 258 (आदितः समासान्ता).
20 K 22 आ 154 (स्वरवैदिकमात्रम्).
20 K 25 आ 157.
20 K 26 ग्र 91 (कारकमात्रम्).
29 L 36 आ 80 (स्वरवैदिके).
34 G 3 ग्र 620 (हलन्तप्रभृति पूर्वार्धपूर्तिपर्यन्ता).

शब्देन्दुशेखरव्याख्या (ज्योत्स्ना) उदयङ्करकृता

9 H 90 आ 40 (आदितः शब्दाधिकारपर्यन्ता).

21 F 3 ग्र 16 (आदितः किंचित्, अतिशिथिला).

23 D 1 ग्र 82 (आदितः स्वादिसन्धिपर्यन्ता).

29 A 34 आ 24 (आदितः प्रत्याहारसूत्रान्ता).

शब्देन्दुशेखरव्याख्या (भावबोधिनी)

10 I 34 दे 1142 (सं १, २; आदितः स्त्रीप्रत्ययान्ता).

शब्देन्दुशेखरव्याख्या (मञ्जरी) मन्नुदेवकृता

11 B 10 दे 128 (आदितः अच्सन्धिपर्यन्ता).

शब्देन्दुशेखरव्याख्या (विषमपदटीका)

11 B 35 दे 22 (भ्वादौ किंचित्).

शब्देन्दुशेखरव्याख्या (शब्देन्दुशेखर-टिप्पणी)

9 D 6 आ 28 (आदितः अच्सन्धौ अ अ इति सूत्रान्ता).

9 H 90 आ 53 (आदितः परिभाषाप्रकरणान्ता).

वैय्याकरणसिद्धान्तकौमुदीव्याख्या (सिद्धान्तरत्नाकरः) रामकृष्णभट्टकृता

9 G 38 दे 214 (आदितः अजन्तस्त्रीलिङ्गान्ता).

9 G 39 दे 188 (उत्तरार्धे आदितः चुरादिपर्यन्ता).

9 G 41 दे 188 (कृदन्तमात्रम्).

10 E 71 दे 1660 (परिभाषाप्रकरणप्रभृति लकारार्थप्रक्रियान्ता).

20 I 16 आ 66 (गौरीशब्दप्रभृति स्त्रीप्रत्ययान्ता).

22 I 16 आ 182 (कारकप्रकरणम्).

वैय्याकरणसिद्धान्तकौमुदीव्याख्या (सुखबोधिनी) नीलकण्ठवाजपेयिकृता

9 K 13 दे 3870 (सं १–८ आदितः कृदन्तपर्यन्ता).

19 G 28 ग्र 202 (उणादिप्रभृति स्वरप्रक्रियान्ता).

वैय्याकरणसिद्धान्तकौमुदीव्याख्या (सुधाकरः) कृष्णशास्त्रिकृता

19 G 26 आ 116 (आदितः स्वादिसन्ध्यन्ता).

19 G 31 आ 346 (शब्दाधिकारप्रभृति समासाश्रयविध्यन्ता).

19 G 32 आ 270 (वैदिकप्रक्रियाप्रभृति समग्रा).

वैय्याकरणसिद्धान्तकौमुदीव्याख्या (सुबोधिनी) जयकृष्णकृता

9 G 18 आ 32 (स्वरप्रक्रिया).

19 G 41 आ 120 (स्वरवैदिकप्रक्रिये).

35 C 149 दे 204 (स्वरवैदिकप्रक्रिये).

वैय्याकरणसिद्धान्तकौमुदीव्याख्या (सुमनोरमा)

9 E 60 आ 238 (उत्तरार्धे स्वादिप्रभृति चुरादिपर्यन्ता).

35 C 25 ग्र 162 (स्त्रीप्रत्ययप्रभृति समासनिरूपणान्ता).

स्वरसिद्धान्तचन्द्रिका—श्रीनिवासकृता
19 I 47 आ 440.
19 I 50 ग्र 174 (आदितः तद्धितवृत्तिसमासान्ता).
19 I 51 ग्र 130 (आदितः द्वन्द्वसमासान्ता).
30 B 21 आ 140 (आदितः प्रत्ययस्वरान्ता).

## (iv) सङ्कीर्णग्रन्थाः

असिद्धवत्सूत्रव्याख्या
26 G 24 ग्र 4.
26 H 1 आ 26.

आख्यातचन्द्रिका—भट्टमल्लकृता
28 J 4 आ 13 (प्रथमकाण्डः).

कविकण्ठाभरणम्—श्रीकण्ठकृतम्
40 C 2 के 242 (आदितः २ आश्वासौ).

कारकटिप्पणी
11 F 82 ब 63.

कारकटीका—गोपीचन्द्रकृता
11 F 47 ब 89.

कारकप्रकरणम्
33 C 15 ओ 65 (आदितः षष्ठीपर्यन्तम्).

कारकविवरणम्
8 F 74 दे 12.

कारकव्याख्या—जयरामन्यायपञ्चाननकृता
10 E 54 दे 17.
25 B 8 ग्र 26.
29 G 1 ग्र 35.

कारकोल्लासः—भरतसेनकृतः
11 G 18 ब 22.

तद्धितप्रत्ययपरम्परा
28 A 15 आ 5.

तद्धितप्रत्ययमाला
26 C 24 ग्र 9.

तद्धिताधिकारक्रमः (श्लोकरूपः)
21 H 17 आ 7.

तारावली—कृष्णमाचार्यकृता
8 J 44 दे 30.

दुर्घटवृत्तिः—शरणदेवकृता
35 C 117 दे 31 (आदितः अपादान इति सूत्रपर्यन्ता).

पञ्चसन्धिः
35 C 60 दे 12.

पदवाक्यरत्नाकरः
39 E 10 दे 114 (आदितः प्रथमाविचारपर्यन्तः).

पार्षदव्याख्या—विष्णुमित्रकृता
8 H 52 दे 60 (आदितः २ पटलपर्यन्ता).

प्रक्रियाकल्पवल्लरी (रूपावतारव्याख्या) नृसिंहकृता
9 I 20 दे 314 (तद्धितप्रभृति यङन्तपर्यन्ता).

प्रक्रियाविचारः
21 A 15 ग्र 34 अस.

प्रयोगमुखम्
34 J 1 दे 44.

प्रयोगसङ्ग्रहः—वररुचिकृतः
29 F 16 ग्र 11.

प्रसिद्धशब्दसंस्कारः—अप्पयदीक्षितशिष्यकृतः
25 I 8 ग्र 48 (आदितः कारकपर्यन्तः).

बालबोधिनी—बालरामशास्त्रिकृता
28 K 5 ग्र 120.
28 K 15 ग्र 12 (विभक्त्यर्थनिरूपणप्रभृति समग्रा).

यङ्लुक्प्रक्रिया
27 I 11 ग्र 13.

रत्नमहोदधिः—ब्रह्मानन्दयतिकृतः
33 L 30 ग्र 96.

लिङ्गनिर्णयः—हेमसूरिकृतः
27 F 64 ग्र 14.

लिङ्गनिर्णयः—रामसूरिकृतः
29 F 13 ग्र 13.

लिङ्गनिर्णयभूषणम्—रामसूरिकृतम्
22 M 64 ग्र 14 (स्त्रीलिंगमात्रम्).

लिङ्गानुशासनम् (लिङ्गप्रबोधः)
20 D 38 ग्र 24.
20 D 42 ग्र 8 (नपुंसकाधिकारप्रभृति नपुंसकसंग्रहपर्यन्तम्).
22 G 23 आ 37 (आदितः पुंनपुंसकाधिकारपर्यन्तम्).

लिङ्गानुशासनसूत्रवृत्तिः—भट्टोजिदीक्षितकृता
22 L 24 ग्र 24.

वर्णविभागः
20 E 1 ग्र 3.

वृत्तिदीपिका—कृष्णभट्टकृता
19 L 49 ग्र 53.

वृत्तिवार्तिकम्
11 D 27 दे 6 (२ परिच्छेदः).

व्याकरणदीपप्रभा—गङ्गाधरदीक्षितकृता
10 I 32 दे 594 (आदितः कृदन्तपर्यन्ता).

शब्दरत्नम् (न प्रौढमनोरमाव्याख्या)
34 K 11 दे 183 (आदितः ख्याधातुपर्यन्तम्).

शब्दशब्दार्थमञ्जूषा—वीरमिश्रराजकृता
30 L 43 आ 58.

शब्दशब्दार्थमञ्जूषाविवरणम्—मुरारिमिश्रकृतम्
30 K 32 आ 94 (३ तवर्गनिरूपणान्तम्).
30 L 43 आ 70.

श्रीजानिरितिश्लोकव्याख्या—श्रीफुल्लयाचार्यकृता
29 H 13 आ 30.

श्रीमण्डनभाष्यम्
35 C 123 दे 4 (आदितः समासान्तम्).

सङ्क्षिप्तशब्दसिद्धान्तः
24 C 23 के 42 (आदितः स्वादिसन्धिपर्यन्तः).

समासटिप्पणी—न्यायपञ्चाननकृता
11 F 4 ब 148.

समासपटलः—वररुचिकृतः
11 D 29 दे 6 (लुक्समासप्रभृति समग्रः).

सरूपाणामितिसूत्रटिप्पणी
20 M 38 ग्र 3.

सिद्धान्तचन्द्रिका—रामचन्द्राश्रमकृता
34 K 33 दे 260.

स्वरमञ्जरी—नृसिंहसूरिकृता
19 L 54 ग्र 210.

### (v) क्रोडपत्रसङ्ग्रहः

अणुदित्सवर्णसूत्रवाक्यार्थानुगमः—गणपतिशास्त्रिकृतः
8 F 24 ग्र 3.

अदसोमादितिसूत्रार्थविचारः
21 A 17 ग्र 3.

अनित्यतावादः
8 J 44 दे 14.

अनेकमन्यपदार्थ इतिसूत्रार्थविचारः
9 D 6 आ 16.
9 D 93 दे 21.

अर्थवत्सूत्रविचारः
9 D 6 आ 6.
40 G 13 ग्र 4.

अर्थवत्सूत्रसमर्थनवादार्थः
21 A 19 ग्र 6.

अवैहीत्यसाधुत्वविचारः
21 A 17 ग्र 13.

असिद्धपरिभाषार्थविचारः
9 D 6 आ 8.

असिद्धवत्सूत्रविचारः
9 D 6 आ 9.

काकतालीयन्यायविचारः
9 D 6 आ 3.

कारकनिरूपणम्
22 I 14 आ 41.

कारकवादः—कृष्णसूरिकृतः
10 E 28 दे 54 (आदितः ४ विचारपर्यन्तः).

कारकवादः—जयरामकृतः
9 E 54 आ 15.
11 B 6 दे 34.
26 C 17 ग्र 33.

गजसूत्रवादः—वेङ्कटाचार्यकृतः
21 A 27 ग्र 39.
33 J 10 ग्र 83.

णत्ववादः
33 J 10 ग्र 254.

तरप्तमपौ घ इतिसूत्रक्रोडः
21 A 19 ग्र 4.

तर्कचन्द्रिका—कृष्णभट्टकृता (शब्देन्दुशेखरखण्डनम्)
21 H 15 ग्र 169 (आदितः कर्तुरीप्सिततमं कर्म इतिसूत्रपर्यन्ता).

नक्षत्रवादावलिः
22 L 49 ग्र 72.

नामीतिसूत्रविचारः
40 G 13 ग्र 10.

प्रातिपदिकार्थसूत्रविचारः
28 J 12 ग्र 10.

यथोद्देशकार्यकालपरिभाषाविचारः
9 D 6 आ 10.

रप्रत्याहारखण्डनम्—पाठकरामचन्द्रकृतम्
9 D 91 आ 7.

रप्रत्याहारमण्डनम्—केसरिमिश्रकृतम्
9 D 6 आ 11.
40 G 13 ग्र 12.

रप्रत्याहारवादः—जे० रामचन्द्रकृतः
9 F 49 आ 9.

वादनक्षत्रमाला—अप्पयदीक्षितकृता
34 F 13 ग्र 41 (असिद्धत्वसमर्थनवादः).

विकरणेभ्यो नियमो बलीयानितिपरिभाषाविचारः
40 G 13 ग्र 4.

विभक्तिविचारः
33 F 7 ग्र 88.

विभक्त्यर्थविचारः (शक्तिस्फुटम्) कलाधरकृतः
11 C 3 दे 35.

व्याकरणविषयवादार्थः
40 G 18 ग्र 2.

शब्दताण्डवः
20 K 20 ग्र 5.

शाङ्करी (परिभाषाविधिसूत्रविचारः)
10 B 28 दे 42.

साधुत्वविचारः
33 J 10 ग्र 5.

सुलोपचर्चा—कृष्णमाचार्यकृता
8 J 44 दे 27.

स्थानिवत्सूत्रविचारः
9 D 6 आ 8.

स्फोटचन्द्रिका—कृष्णम्भट्टकृता
9 B 5 आ 8.

स्फोटवादः—नागेशकृतः
10 D 39 आ 18.

स्फोटसिद्धिः
40 B 24 के 6.

हयवरट्सूत्रविचारः
19 J 21 ग्र 10.

हलङ्याबितिसूत्रपूर्वपक्षः
21 A 22 ग्र 145.

हलन्त्यसूत्रसिद्धान्तः
9 D 6 आ 16.

ह्रस्वनद्यापोनुट्सूत्रविचारः
19 J 56 ग्र 14.

---

## (vi) सारस्वतव्याकरणग्रन्थाः

कृदन्तवृत्तिः
11 G 20 ब 28 अस.

जुमरकौमुदी—यदुनन्दनकृता
33 C 15 ओ 5 (शब्दाधिकारः).

सारस्वतधातुपाठः—श्रीहर्षकीर्तिसूरिकृतः
38 F 60 दे 54.

सारस्वतप्रक्रिया—अनुभूतिस्वरूपाचार्यकृता
8 D 51 दे 40.
8 D 62 दे 20 (आदितः विसर्गसन्ध्यन्ता).
8 F 64 दे 180 (आदितः एकशेषपर्यन्ता).
8 G 51 दे 210.
11 B 42 दे 58 (श्लुविकरणप्रभृति आख्यातप्रक्रियान्ता).
11 B 45 दे 80 (आख्यातप्रक्रिया).
11 C 15 दे 78 (कृदन्तप्रक्रिया).
11 C 16 दे 112 (आदितः लिहधातुपर्यन्ता).
11 C 18 दे 72 (आदितः शब्दाधिकारपर्यन्ता).

11 C 26 दे 160 (आदितः आख्यात-प्रक्रियान्ता).
11 C 36 दे 192 (१२ पत्रप्रभृति समग्रा).
11 D 11 दे 106 (आख्यातप्रक्रियाप्रभृति कृत्यप्रत्ययान्ता).
11 E 35 दे 174 (आदितः तद्धित-प्रक्रियान्ता).
33 B 3 ओ 95 अस.
35 B 5 दे 124.
35 B 135 दे 28 (२ पत्रप्रभृति समग्रा).

सारस्वतप्रक्रियावृत्तिः
11 C 35 दे 24 (उत्तरार्धे आदितः ऋधातु-पर्यन्ता).

सारस्वतसूत्रपाठः
11 D 12 दे 18 (सूत्रोपसर्गाव्ययपाठाः).

सारार्थदीपिका
11 G 74 ब 117.
11 G 78 ब 96.

सिद्धान्तचन्द्रिका (सारस्वतव्याकरणसूत्रवृत्तिः) रामचन्द्रतीर्थकृता
33 A 3 ओ 16 (आदितः द्विरुक्तिप्रत्ययान्ता).

सुबन्तटीका—गोपी (गौरी) चन्द्रकृता
11 F 2 ब 158.

सूत्रसारप्रक्रिया (वर्धमानव्याकरणम्)
33 B 8 ओ 104 (उत्तरार्धम्).

---

## (vii) प्राकृतव्याकरणग्रन्थाः

प्राकृतरूपावतारः (सिंहराजीयम्) सिंहराजकृतः
9 J 20 दे 175.

प्राकृतसूत्रम्—कात्यायन (वररुचि) कृतम्
9 F 30 प्र 45 (मञ्जरीव्याख्यायुतम्).
11 D 104 दे 46.

प्राकृतसूत्रम् (त्रिविक्रमसूत्रम्) त्रिविक्रमकृतम्
8 J 45 दे 80.
8 J 46 दे 66.

प्राकृतसूत्रम्—हेमचन्द्रकृतम्
8 J 45 आङ्ग्लं 61.

प्राकृतसूत्रव्याख्या (प्राकृतप्रकाशः) कात्यायन (वररुचि) कृता
25 E 13 प्र 25 (१, २ परिच्छेदौ).

प्राकृतसूत्रव्याख्या (प्राकृतमनोरमा) कात्यायन (वररुचि) कृता (भाषापरिच्छेदरूपा)
35 C 18 दे 38 (आदितः १० परिच्छेदाः).

प्राकृतसूत्रव्याख्या (प्राकृतव्याकरणवृत्तिः) त्रिविक्रमकृता
8 H 25 आ 168.
8 J 46 दे 152 (आदितः ३ अध्याये १ पादपर्यन्ता).

प्राकृतसूत्रसूची (त्रैविक्रमसूत्रसूची)
8 J 45 आङ्ग्लं 10.
8 J 56 दे 56.

प्राकृतसूत्रसूची (वररुचिप्राकृतप्रकाशसूत्रानुक्रमणिका)
8 J 45 आङ्ग्लं 18.

प्राकृतसूत्रानुक्रमणिका (हैमचन्द्रसूत्रसूची)
8 J 45 आङ्ग्लं 3.

प्राकृताकारादिशब्दमञ्जरी (संस्कृतप्रतिपदयुता)
8 J 45 आङ्ग्लं 59.

वर्धमानसङ्ग्रहः—कृष्णमिश्रकृतः
33 A 25 आ 162.

विशिष्टपाठः (त्रिविक्रमवृत्तिसिद्धः)
8 J 20 दे 112.

वृत्तिटीका—गोपीचन्द्रकृतः
11 F 89 ब 197 (समासपादः).

षड्भाषाचन्द्रिका—लक्ष्मीधरकृता
8 H 37 दे 64 (आदितः अच्सन्ध्यन्ता, उत्तरार्धे वेष्टधात्वन्ता).
9 E 75 आ 233.

षड्भाषाविवरणम्—बालसरस्वत्यार्यकृतम्
39 C 2 दे 148.

सङ्क्षिप्तसारः (जुमरव्याकरणम्) क्रमदीश्वरकृतः
10 C 19 ब 521.
11 F 13 ब 10 (आदितः उणादिपर्यन्तः).
11 F 99 ब 81 (कृदन्तपादः).
11 F 106 ब 49 (सुबन्तपादः).
11 G 92 ब 557 अस.
33 C 15 ओ 614 (कारकपादः).

---

## (viii) प्रथमशिक्षोपयोगिव्याकरणग्रन्थाः

अकर्मकादिप्रयोगः
27 F 62 प्र 2.

अथर्वणकारिका
22 A 36 आ 12.

अनिट्कारिका
35 B 134 दे 7 (६ श्लोकप्रभृति पूर्तिपर्यन्ता).

अव्ययानि
30 J 36 आ 5.

कविकल्पद्रुमः—बोपदेवकृतः
35 C 63 दे 36.

क्रियानिघण्डुः—वीरपाण्ड्यकृतः
29 H 11 प्र 18.

क्रियामाला
20 I 6 प्र 7 (भूधातुः, पदधातुश्च).
21 A 16 आ 7.
21 A 18 प्र 34 (आदितः स्मिङ्धातुपर्यन्ता).
27 F 65 प्र 3 (भूधातुमात्रम्).
28 A 15 आ 4 (भूधातुमात्रम्).
29 F 13 प्र 6.

क्रियामाला—रामाचार्यकृता
26 E 9 प्र 27.

गणपाठः—पाणिनिकृतः
21 A 67 आ 42.

धातुपाठः—भीमसेनाचार्यकृतः
22 G 23 आ 25 (आदितः कण्ड्वादिपर्यन्तः).
23 I 2 आ 30.
28 A 5 आ 46.
28 A 7 आ 31.
29 G 25 प्र 38.
30 G 16 प्र 22 (आदितः अदादिपर्यन्तः).

धातुपाठश्लोकाः
40 G 11 प्र 4.

धातुप्रत्ययपञ्चिका
28 A 16 आ 142 (आदितः ग्रहधात्वन्ता).

धातुप्रत्ययपद्धतिः (तिङन्तशिरोमणिः)
40 H 19 ग्र 493.

धातुमाला
29 C 20 आ 43 (आदितः क्रमुधातुपर्यन्ता).
29 F 16 ग्र 18 (आदितः क्रन्धधातुपर्यन्ता).
40 G 11 ग्र 7 (तिङन्तशिरोमणिरीत्या).

धातुरूपावलिः
28 A 3 आ 51 (आदितः वचधातुपर्यन्ता).
28 A 6 ग्र 32.

धातुवृत्तिः (माधवीया धातुवृत्तिः) माधवकृता
9 D 15 दे 360.
24 B 4 ग्र 14 (आदितः भूधातुपर्यन्ता, शिथिला).

धात्वर्थमालिका (धातुपाठः)
40 G 11 ग्र 29.

प्रबोधचन्द्रिका—वैजलभूपतिकृता
38 F 65 दे 16.

बालशिक्षा
28 K 62 ग्र 44.
30 M 10 ग्र 34.
30 M 11 ग्र 25.
30 M 12 ग्र 30 (द्वितीयपाठः).
30 M 24 ग्र 44.

भ्वादिसारसङ्ग्रहः
27 E 13 आ 61 (रमुधातुप्रभृति पूर्तिपर्यन्तः).

विभक्त्यर्थः (द्राविडभाषा)
27 F 62 ग्र 4.
27 F 68 ग्र 2.

A 12

व्याकरणप्रवेशकः
40 C 13 के 62 (आदितः समासान्तः).

शब्दमञ्जरी
20 K 6 ग्र 16 (आदितः अनडुहशब्दान्ता).
20 K 7 के 40 (आदितः किंशब्दपर्यन्ता).
20 K 8 ग्र 36 (आदितः अहन्शब्दान्ता).
20 K 9 ग्र 28 (आदितः पथिन्शब्दान्ता).
20 K 10 आ 63 (आदितः हलन्तनपुंसकान्ता).
20 K 40 आ 18 (आदितः अस्मच्छब्दपर्यन्ता).
22 H 58 आ 16 (हरिशब्दप्रभृति वर्षाभूशब्दपर्यन्ता, समासकुसुमाञ्जलीयुता).
23 A 17 आ 106.
23 C 17 आ 40 (आदितः स्वभूशब्दपर्यन्ता).
25 I 25 ग्र 52.
27 F 30 ग्र 5 (आदितः सेनानीशब्दपर्यन्ता).
27 F 65 ग्र 6 (आदितः ऋभुक्षिन्शब्दपर्यन्ता).
27 I 75 ग्र 12 (आदितः पयोमुक्शब्दान्ता).
29 C 20 आ 44 (आदितः अदश्शब्दान्ता).
30 M 27 ग्र 40.

शब्दमाला—गणेशभिषक्कृता
9 C 122 दे 116.

समासः
10 E 16 दे 10.
40 A 2 ग्र 4.

समासकुसुमावलिः—मङ्गलेश्वरकृता
19 D 81 ग्र 12 (कोशद्वयं, अतिशिथिला).
25 I 25 ग्र 3 (आदितः द्वन्द्वपर्यन्ता).

29 M 29 आ 14.
30 L 25 आ 28.
33 M 3 प्र 6.

समासचक्रम्
19 D 74 आ 12.
19 D 75 प्र 16.
19 D 76 आ 12.
19 D 77 आ 8.
19 D 78 प्र 6.
19 D 79 प्र 16.
23 A 17 आ 10.
24 D 29 प्र 12 (आदितः सहपूर्वपदबहुव्रीहिपर्यन्तम्).
26 C 35 प्र 8.
26 E 35 प्र 16 (आदितः षष्ठीतत्पुरुषपर्यन्तम्).
27 F 62 प्र 18 (कोशद्वयम्).
27 F 62 प्र 9.
29 H 12 प्र 20 (आदितः बहुव्रीहिपर्यन्तम्).
30 J 36 आ 8.
30 M 15 प्र 7 (आदितः कर्मधारयपर्यन्तम्).
33 D 9 के 8.

समासचूडामणिः
29 B 25 आ 8.

समासविधिः
19 D 80 आ 8 (आदितः सनाद्यन्तपर्यन्तः).

समासशंखः
29 F 16 प्र 7.
29 H 12 प्र 5.

सुबन्तशब्दाः
30 J 36 आ 116.

---

## (ix) आन्ध्रव्याकरणम्

आन्ध्रशब्दचिन्तामणिव्याख्या—अहोबिलाचार्यकृता
29 M 22 आ 280.

---

## (x) अज्ञातनामकव्याकरणग्रन्थाः

व्याकरणम्
11 G 4 ब 31 अस.
11 G 14 ब 37 अस.
11 G 17 ब 76 अस.
11 G 37 ब 44 अस.
11 G 102 ब 208 अस.
11 G 132 ब 41 अस.

---

## (xi) व्याकरणान्तरग्रन्थाः

मुग्धबोधव्याकरणम
11 F 65 ब 144.

# सांख्यग्रन्थाः

राजवार्तिकम्
9 C 9 दे 1 (सार्धश्लोकत्रयम्).
9 C 147 दे 2 (सार्धश्लोकत्रयम्).

सांख्यकारिका (सांख्यसप्ततिः, सांख्यशास्त्रसंगृहीतार्याः) ईश्वरकृष्णकृता
9 C 9 दे 13.
9 C 147 दे 44.
19 E 51 प्र 25.
33 B 11 ओ 10.

सांख्यकारिकाभाष्यम्—सांख्यतरुवसन्तनरसिंहपण्डितकृतम्
8 E 7 दे 118.

सांख्यतत्वकौमुदी—वाचस्पतिमिश्रकृता
33 B 11 ओ 117.

सांख्यतत्वकौमुदीविवृत्युपोद्घातः—तारानाथकृतः
19 E 51 प्र 13.

साङ्ख्यतत्त्वसङ्ग्रहः (तत्त्वसमासः)
9 C 9 दे 1.
9 C 147 दे 4.

सांख्यसूत्रम्—कपिलकृतम्
9 B 24 क 6.
9 H 24 दे 4.
10 I 1 दे 260.
38 E 46 दे 14.

---

# योगग्रन्थाः

## (i) सूत्र-भाष्यग्रन्थाः

गौडपादसूत्रम्—गौडपादाचार्यकृतम्
35 B 70 आ 7.

पातञ्जलयोगसूत्रम्—पतञ्जलिकृतम्
9 C 116 दे 22.
9 F 60 प्र 6 (प्रथमाध्यायः).
30 B 23 प्र 74 (सवृत्तिकम्).
33 K 11 प्र 84 (भोजव्याख्यायुतम्).

पातञ्जलयोगसूत्रभाष्यविवरणम्—शंकराचार्यकृतम्
39 C 13 दे 778. (सं १, २).

पातञ्जलयोगसूत्रव्याख्या (राजमार्ताण्डः) भोजराज (देव) कृता
9 F 39 आ 50 (१, २ पादौ).

राजयोगसूत्रभाष्यम् (विजृंभितयोगसूत्रभाष्यं) शंकराचार्यकृतम्
8 G 38 आ 40.
8 J 55 आ 30 (प्रथमाध्यायः).
9 B 24 क 38 (१–३ अध्यायाः).
27 J 46 आ 22.
27 J 48 प्र-आ 26.
27 J 49 प्र 22 (अन्तर्लक्ष्यनिरूपणादि समग्रम्).
27 J 51 प्र 61.

## (ii) सूत्रेतरग्रन्थाः

अध्यात्मविद्यासन्यासविधिः
24 F 11 आ 9.

अध्यात्मशास्त्रम् (अमनस्कयोगः)
22 B 29 आ 26.

अष्टांगयोगविवरणम्
9 F 44 ग्र 3.

उद्दालकरहस्यम्
9 B 23 आ 1 (६ अध्यायः).
9 B 24 आ, क 2 (६, ८ अध्यायौ).
27 J 47 ग्र 23 (राजयोगः).

कलाक्रमगद्यम्
9 F 44 ग्र 6.

कोशविवरणम् (रुद्रयामलान्तर्गतम्)
24 F 11 आ 4.

गोरक्षशतकम्—गोरक्षस्वामिकृतम्
9 F 48 ग्र 85.

गोरक्षशतकव्याख्या (योगतरङ्गिणी)
9 F 48 ग्र 86.

चतुर्थपादप्रवेशभूमिका
30 G 13 ग्र 12.

छायापुरुषलक्षणम् (शङ्करगीतान्तर्गतम्)
9 B 23 आ 3.
9 B 38 आ 2.
21 F 2 आ 6.
23 G 48 आ 4.
24 F 11 आ 4.
24 F 44 आ 9 (कर्णाटकभाषाव्याख्यायुतम्).

तारकयोगः
8 F 48 ग्र 24

नादप्रकरणम् (रुद्रयामलान्तर्गतम्)
24 F 11 आ 6.

नादलक्षणम्
9 B 24 आ 3.

नादोत्पत्तिप्रकरणम् (आन्ध्रव्याख्यासहितम्)
9 D 76 आ 11.

निरोधलक्षणम्—वल्लभाचार्यकृतम्
8 D 94 दे 4.

पञ्चावस्थालक्षणम्
9 F 44 ग्र 1.

प्रपञ्चहृदयम्
28 I 31 ग्र 130 (ज्ञानप्रकरणम्).

प्रासादचन्द्रिका
8 F 48 ग्र 3.
9 F 44 ग्र 12.

प्रासादषट्श्लोकी (द्वादशकला)
9 F 44 ग्र 2 (कोशद्वयम्).

बिन्दुनिर्णयः (रुद्रयामलान्तर्गतः)
24 F 11 आ 8.

मच्छन्दिनीनाथमतम्
11 F 3 ब 4.

योगतत्वम्
11 G 33 ब 5.

योगतन्त्रम् (केरलटीकायुतं, योगाभ्यासक्रमः)
27 I 56 के 46.

योगतारावलिः—शंकराचार्यकृतः
9 B 24 क 4.
27 J 50 आ 94 (रामस्वामिकृतव्याख्यायुतः).

योगप्रशंसा
27 I 50 ग्र 19.

योगयाज्ञवल्क्यस्मृतिः—याज्ञवल्क्यकृता
27 I 49 आ 44.

योगरत्नप्रदीपिका—प्रबलयोगीश्वरयोगिकृता
9 H 9 आ 28.

योगरत्नप्रदीपिका—सदाशिवयोगिनाथकृता
8 J 11 आ 61 (आदितः कायसिद्धिपर्यन्ता).
27 I 53 आ 28 (आदितः कायसिद्धिपर्यन्ता).

योगरहस्यम्
21 B 50 ग्र 3.

योगशास्त्रम्—दत्तात्रेयकृतम्
27 I 55 ग्र 26.

योगसारः
27 I 58 ग्र 17.
28 I 31 ग्र 40 (आदितः ३ अध्यायपर्यन्तः).

योगसारसङ्ग्रहः
9 F 83 आ 208 (२ अध्यायप्रभृति समग्रः).

योगार्णवः
40 B 12 के 84 अस.

राजयोगक्रमः
24 F 11 आ 17.

राजयोगप्रकरणम्
29 A14 आ 7.

राजयोगप्रशंसा
21 B 50 ग्र 2.

राजयोगसारः—शंकराचार्यकृतः
8 F 48 ग्र 40.
27 J 45 ग्र 9.

राजयोगामृतम् (राजयोगसिद्धान्तानुरहस्यम्)
शिवानन्दानुभवकृतम्
8 J 11 आ 17 (द्वितीयपटलः).
19 A 30 आ 4 (अध्यायद्वयम्).
19 J 13 ग्र 11 (१, २ पटलौ).
27 J 61 आ 34 (१, २ पटलौ).

शारदातिलकम् (शिवस्तुतियोगरहस्यम्) परमेश्वरयोगिकृतम्
21 B 2 ग्र 4.

शिवयोगप्रदीपिका
8 J 11 आ 144.
19 A 28 ग्र 46.
19 A 30 आ 34.
24 F 44 आ 104.

शिवयोगसारः
26 F 40 ग्र 47.

सप्तभूमिकानिर्णयः
35 B 10 आ 2.

सप्तभूमिकाविचारः
19 D 69 ग्र 138 (आदितः ५ भूमिकापर्यन्तः).

सप्तविषुवम्
9 F 44 ग्र 1

समाधिदीपिका
19 D 59 आ 76 अस.

समाधिलक्षणम्—व्यासकृतम्

9 C 114 आ 10.

सिद्धसिद्धान्तपद्धतिः—गोरक्षनाथकृता

8 J 55 आ 41.

9 H 9 आ 2.

सिद्धान्तसारः (पद्मपुराणान्तर्गतः)

9 F 65 आ 100.

स्वरोदयः—जीवनाथकृतः

8 D 59 दे 21.

हठयोगप्रदीपिका (योगार्णवः) स्वात्मारामयोगिकृता

19 J 13 ग्र 26.

24 F 47 आ 306 (आन्ध्रटीकासहिता).

33 E 31 ग्र 126 (आदितः ४ उपदेशपर्यन्ता).

हठयोगप्रदीपिकाव्याख्या (ज्योत्स्ना) ब्रह्मानन्दकृता

34 L 56 दे 180.

---

### (iii) द्राविडयोगग्रन्थः

अगस्त्यतत्त्वम् (द्राविडभाषात्मकम्)

9 F 48 द्रा 87.

---

## वैशेषिकग्रन्थाः

### (i) सूत्र-भाष्यग्रन्थाः

वैशेषिकसूत्रभाष्यम्—प्रशस्तपादकृतम्

34 J 47 दे 65 (आदितः समवायान्तम्).

वैशेषिकसूत्रभाष्यव्याख्या (किरणावली) उदयनाचार्यकृता

35 C 66 दे 192 (आदितः ९६ पत्राणि).

वैशेषिकसूत्रभाष्यव्याख्याटीका (किरणावलीव्याख्या) पद्मनाभकृता

9 C 44 दे 123 (आदितः १७ पत्रपर्यन्ता).

35 B 138 दे 200 (१० पत्रप्रभृति ९७ पत्रपर्यन्ता).

35 C 121 दे 98 (आदितः ४९ पत्राणि).

### (ii) इतरग्रन्थाः

कणादनयभूषणम्—श्रीनिवासाचार्यकृतम्

26 I 29 आ 44 (आदितः कार्यद्रव्योत्पत्तिपर्यन्तम्).

कणादसिद्धान्तचन्द्रिका—गङ्गाधरसूरिकृता

22 I 4 आ 54 (आदितः समवायाप्रत्यक्षपर्यन्ता).

22 I 5 ग्र 52 (आदितः क्रियानिरूपणपर्यन्ता).

40 B 24 के 176.

कणादसिद्धान्तचन्द्रिकाव्याख्या—गङ्गाधरसूरिकृता

24 B 10 ग्र 150 (आदितः गुणखण्डे रूपलक्षणान्ता).

तर्ककौमुदी—लौगाक्षिकृता

21 H 20 ग्र 12 (शब्दखण्डे आदितः सादृश्यलक्षणपर्यन्ता).

35 C 111 दे 35.

तर्कचन्द्रिका

29 G 8 ग्र 83.

तर्कटीका

11 B 23 दे 114 (आदितः कारणलक्षणपर्यन्ता).

तर्कपरिभाषा—पट्टाभिरामकृता

24 G 14 आ 26.

तर्कसङ्ग्रहः—अन्नम्भट्टकृतः

9 B 191 दे 33.
11 B 7 दे 27.
20 I 6 ग्र 11 (तेजोनिरूपणप्रभृति सन्निधिलक्षणपर्यन्तः).
21 H 16 ग्र 13.
21 H 18 ग्र 8.
21 H 22 ग्र 17.
21 H 23 ग्र 17.
21 H 24 ग्र 13.
21 H 25 ग्र 14.
21 H 26 ग्र 12.
21 H 27 आ 10.
21 H 30 ग्र 12.
21 H 31 ग्र 12.
21 H 32 ग्र 18.
21 H 33 ग्र 18.
21 H 34 ग्र 11.
21 H 35 के 15.
21 H 36 आ 12 (आदितः गमननिरूपणपर्यन्तः).
24 C 24 ग्र 14.
25 A 65 ग्र 17.
25 D 18 ग्र 16.
25 I 12 ग्र 84 (न्यायबोधिनी, दीपिकायुतः).
25 I 17 ग्र 13.
28 D 64 ग्र 16.
29 C 8 आ 14.
29 C 28 ग्र 18.
30 J 38 आ 336 (निरुक्तिन्यायबोधिनीदीपिकायुतः).
30 L 29 आ 17.
38 F 59 दे 84 (कृष्णधूर्जटिदीक्षितकृतसिद्धान्तचन्द्रोदयव्याख्यायुतः).

तर्कसङ्ग्रहचन्द्रिका (तर्कसङ्ग्रहव्याख्या) मुकुन्दभट्टकृता

25 H 12 ग्र 96 (आदितः शब्दखण्डान्ता).
34 H 9 ग्र 68 (आदितः विजातीयतेजःसंयोगनिरूपणपर्यन्ता).

तर्कसङ्ग्रहचन्द्रिकाव्याख्या (कुवलयोल्लासः) कृष्णतातयार्यकृता

10 H 8 दे 101.

तर्कसङ्ग्रहटिप्पणी

36 D 4 ग्र 146 (आदितः पदार्थतत्त्वज्ञानस्य मोक्षोपयोगित्वनिरूपणपर्यन्ता).

तर्कसङ्ग्रहतत्वप्रकाशः

34 K 1 दे 88.

तर्कसङ्ग्रहदीपिका (अन्नंभट्टीयम्) अन्नंभट्टकृता

19 M 64 आ 18 (आदितः चित्ररूपवादान्ता).

21 H 16 ग्र 56.
21 H 18 ग्र 35.
21 H 28 आ 35 (आदितः षोडशपदार्थनिरूपणान्ता).
21 H 29 ग्र 59.
21 H 35 के 46.
21 H 37 ग्र 73.
21 L 34 ग्र 42.
21 L 44 ग्र 51.
22 C 23 ग्र 31.
22 I 29 ग्र 42 (आदितः मुक्तिवादारम्भपर्यन्ता).
23 E 19 ग्र 28 (आदितः अनुमानान्ता).
25 A 50 ग्र 8.
25 D 18 ग्र 68.
28 D 59 ग्र 12 (आदितः स्मृतिलक्षणपर्यन्ता).
28 D 62 ग्र 32.
29 B 18 आ 30.
29 C 8 आ 32.
30 J 38 आ 5 (आदितः तेजोनिरूपणपर्यन्ता).
34 J 64 दे 32 (यथार्थानुभवप्रभृति समग्रा).

तर्कसङ्ग्रहदीपिकाव्याख्या (नरसिंहप्रकाशिका) नरसिंहशास्त्रिकृता

8 J 30 दे 137 (अनुमानखण्डः).
8 K 6 दे 889 (सं १, २).
20 I 6 ग्र 7 (इन्द्रियलक्षणम्).
28 A 48 ग्र 26 (आदितः शब्दखण्डपर्यन्ता).
28 A 63 आ 238 (प्रत्यक्षखण्डः).
28 H 26 आ 198 (आदितः शब्दखण्डान्ता).
28 H 36 आ 154 (अनुमानखण्डः).

तर्कसङ्ग्रहदीपिकाव्याख्या (नीलकण्ठप्रकाशिका) नीलकण्ठभट्टाचार्यकृता

9 E 79 ग्र 110.
10 C 26 दे 92 (आद्यन्तपत्रहीना).
19 M 63 आ 116.
22 M 66 ग्र 16 (आदितः वायुनिरूपणपर्यन्ता).
28 C 62 ग्र 60 (आदितः विशेषगुणनिरूपणान्ता).
28 C 73 ग्र 70.
30 C 16 आ 75.

तर्कसङ्ग्रहदीपिकाव्याख्या (प्रकाशिका) पट्टाभिरामकृता

10 H 8 दे 142 (आदितो द्रव्यलक्षणपर्यन्ता).
28 H 30 ग्र 60 (आदितः गुणलक्षणपर्यन्ता).
28 C 63 ग्र 7 (आदितः शिष्टत्वविचारपर्यन्ता).

तर्कसङ्ग्रहदीपिकाव्याख्या (हनुमदीयम्) हनुमत्—पण्डितकृता

23 C 47 आ 80 (आदितः पीलुपाकवादिमतनिरूपणपर्यन्ता).

तर्कसङ्ग्रहनिरुक्तिः (निरुक्तिः, तर्कसङ्ग्रहव्याख्या) पट्टाभिरामकृता

25 I 17 ग्र 66.
28 C 35 ग्र 33.
28 C 42 ग्र 73.
28 C 55 ग्र 30 (आदितः शब्दखण्डान्ता).

तर्कसङ्ग्रहवाक्यार्थनिरुक्तिः
21 H 18 प्र 9 (आदितः अयथार्थानुभव-लक्षणपर्यन्ता).
24 G 14 आ 22.
25 A 47 प्र 20 (आदितः संसर्गाभाव-निरूपणान्ता).
25 A 65 प्र 71.
26 E 27 प्र 123 (आदितः व्याप्तिपर्यन्ता).

तर्कसङ्ग्रहव्याख्या
33 I 17 प्र 60 (प्रत्यक्षखण्डः समग्रः, अनुमाने व्याप्तिवादपर्यन्ता).

तर्कसङ्ग्रहव्याख्या (न्यायबोधिनी) गोवर्धनसुधीकृता
21 H 16 प्र 14.
21 H 27 आ 22.
21 L 37 प्र 21 (अनुमानखण्डप्रभृति भावना-लक्षणपर्यन्ता).
25 I 17 प्र 28.
26 B 9 प्र 109.
28 D 29 प्र 54.
28 D 54 आ 32.
28 D 55 प्र 50.
28 D 58 प्र 28 (आदितः शब्दखण्डपर्यन्ता).
28 D 60 प्र 26.
28 K 53 प्र 14 (आदितः असमवायि-लक्षणपर्यन्ता).
29 C 8 आ 25 (आदितः शब्दखण्डपर्यन्ता).
30 J 38 आ 20 (आदितः शब्दखण्डपर्यन्ता).

तर्कसारः—रुचिदत्तकृतः
25 I 36 प्र 84 (आदितः हेत्वाभासनिरूप-णान्तः).

तर्कसारः—वेङ्कटाद्रिबुधकृतः
1 A 12 दे 276 (प्रमाणपरिच्छेदः).



तर्कामृतम्—जगदीशकृतम्
9 E 80 आ 23.
11 B 6 आ 26.
21 H 21 प्र 17 (आदितः समवायिलक्षण-पर्यन्तम्).
26 C 5 प्र 17.
29 D 3 आ 10.

तर्कामृततरङ्गिणी (तर्कामृतव्याख्या, मुकुन्द-भट्टीयम्) मुकुन्दभट्टकृता
9 F 72 प्र 54 (आदितः शब्दखण्डे आसत्ति-वादान्ता).
10 C 4 आ 42.

तर्कामृतव्याख्या (चषकम्) गङ्गारामभट्टकृता
9 D 16 आ 18 (आदितः उपमानान्ता).

तर्कामृतव्याख्याटीका (चषकतात्पर्यटीका) गङ्गा-रामभट्टकृता
35 C 25 दे 77 (आदितः अधर्मनिरूपण-पर्यन्ता).

त्रिंशच्छ्लोकी
21 K 54 प्र 4.

त्रिंशच्छ्लोकीव्याख्या—पट्टाभिरामकृता
21 K 53 प्र 56.
26 C 17 प्र 9 (आदितः अनुमाननिरूपणा-न्ता).
26 D 18 प्र 136.

द्रव्यसारसङ्ग्रहः—रघुदेवकृतः
11 B 38 दे 86 (आदितः तेजोनिरूपण-पर्यन्तः).

द्रव्यादिपदार्थविवेकः (न्यायसारः)
11 B 27 दे 48 (आदितः तेजोलक्षण-पर्यन्तः).

न्यायकुसुमाञ्जलिः—उदयनाचार्यकृतः
9 D 25 दे 251.

न्यायकुसुमाञ्जलिप्रकाशः—वर्धमानभट्टाचार्यकृतः
9 E 42 दे 316 (१ स्तबकः).
34 J 51 दे 362 (३, ४ स्तबकौ).

न्यायकुसुमाञ्जलिव्याख्या
11 G 107 ब 17 (शब्दखण्डः).

न्यायकौस्तुभः—महादेवपण्डितकृतः
9 D 4 आ 411 (शब्दखण्डः).
10 J 23 दे 2215 (सं १–४, आदितः शब्दखण्डान्तः).

न्यायमञ्जरी—जयन्तभट्टकृता
24 C 16 के 280 (अतिशिथिला).

न्यायशास्त्रार्थसङ्ग्रहटीका—वरदराजाचार्यकृता
24 C 16 के 72 (आदितः हेत्वाभासान्ता, अतिशिथिला).

न्यायसारपदपञ्चिका—वासुदेवसूरिकृता
9 I 23 दे 199.

न्यायसिद्धान्ततत्त्वम्
26 I 29 आ 7.

पदार्थखण्डनव्याख्या—रघुदेवकृता
26 B 9 ग्र 38.

पदार्थखण्डनव्याख्या—रघुनाथकृता
10 E 40 दे 126.

पदार्थखण्डनव्याख्या (पदार्थखण्डनटिप्पणी) रामभद्रकृता
30 C 9 आ 52.

पदार्थचन्द्रिका
26 F 15 ग्र 64.

पदार्थतत्त्वम्
24 B 10 ग्र 4 (आदितः दिग्लक्षणपर्यन्तम्).

पदार्थतत्त्वनिरूपणम्—तार्किकशिरोमणिभट्टाचार्यकृतम्
8 F 77 दे 12.

पदार्थतत्त्वनिर्णयः—आनन्दानुभवकृतः
34 J 39 दे 103.

पदार्थमाला—जयरामकृता
9 G 32 दे 222 (आदितः द्रव्यपरिच्छेदान्ता).
9 H 78 आ 7 (आदितः एवकारविचारान्ता).

पदार्थमालाटीका (प्रकाशः) भास्कराचार्यकृता
9 E 92 दे 192 (प्रथमपत्रं विना समग्रा).

पदार्थसङ्ग्रहनिरूपणम्
40 I 14 ग्र 44 (आदितः पदार्थोद्देशप्रारम्भान्तम्).

पदार्थसङ्ग्रहव्याख्या
11 E 7 दे 494 (अस, तार्किकपदार्थखण्डनरूपा).

भाषापरिच्छेदः (कारिकावली) विश्वनाथपञ्चाननकृता
11 B 7 दे 14.
11 G 93 ब 127 (मुक्तावलीयुता, आदितः पृथिवीनिरूपणान्ता).
11 H 35 के 63.
22 I 20 ग्र 2.
22 I 24 ग्र 14.
22 I 25 ग्र 15 (आदितः अर्थापत्तिपर्यन्ता).
22 I 26 ग्र 21 (कारणनिरूपणप्रभृति समग्रा, अतिशिथिला).
22 I 28 ग्र 22.

25 C 12 ग्र 11 (आदितः संयोगनिरूपणपर्यन्ता).

25 D 18 ग्र 12 (आदितः शब्दखण्डारम्भपर्यन्ता).

26 B 32 ग्र 7 (पृथिवीनिरूपणमात्रम्).

26 F 4 ग्र 20.

27 D 4 ग्र 16.

27 H 24 ग्र 9 (आदितः १४४ श्लोकपर्यन्ता).

29 C 28 ग्र 21.

30 G 28 ग्र 25.

मुक्तावली (कारिकावलीव्याख्या, भाषापरिच्छेदव्याख्या, सिद्धान्तमुक्तावली) विश्वनाथपञ्चाननकृता

8 G 17 दे 136 (आदितः शब्दपरिच्छेदान्ता).

9 G 40 ग्र 128.

10 C 4 आ 77 (आदितः हेत्वाभासनिरूपणान्ता).

10 D 24 दे 48 (आदितः विज्ञानात्मवादपर्यन्ता).

11 F 69 ब 93 (जातिलक्षणमारभ्य शब्दखण्डे किंचित्).

21 A 49 ग्र 36 (गुणपरिच्छेदः, आदितः वेदपौरुषेयत्वविचारपर्यन्ता).

21 L 3 आ 6 (शब्दखण्डे किंचित्, विध्यर्थविचारमारभ्य शब्दनित्यत्वपर्यन्ता).

22 I 20 ग्र 116.

22 I 25 ग्र 130 (आदितः उपाधिनिरूपणपर्यन्ता).

22 I 26 ग्र 55 (आदितः जलनिरूपणपर्यन्ता, अतिशिथिला).

22 M 44 ग्र 56 (आदितः शब्दखण्डपूर्तिपर्यन्ता).

25 B 20 ग्र 112.

25 C 12 ग्र 10 (गुणपरिच्छेदः).

25 E 29 ग्र 132.

26 E 38 ग्र 154 (आदितः प्रामाण्यवादपर्यन्ता).

26 F 4 ग्र 159 (गुणखण्डे संस्कारनिर्णयपर्यन्ता).

26 I 37 ग्र 46.

27 H 7 ग्र 178 (कारिकावलीयुता).

27 H 8 ग्र 40 (आदितः हेत्वाभासनिरूपणान्ता).

27 H 25 ग्र 16 (प्रत्यक्षे असमवायिनिरूपणान्ता, अनुमाने व्याप्तिमारभ्य हेत्वाभासान्ता).

27 H 26 ग्र 62 (आदितः संस्कारनिरूपणान्ता).

27 H 30 ग्र 60 (आदितः शब्दखण्डान्ता).

27 H 32 ग्र 31 (आदितः जलनिरूपणपर्यन्ता).

27 H 33 ग्र 58 (आदितः उपमानान्ता).

27 H 42 ग्र 39 (गुणपरिच्छेदे भ्रमकारणनिरूपणमारभ्य समग्रा).

29 A 21 आ 100 (आदितः प्रामाण्यवादान्ता).

29 C 8 आ 48 (मनोनिरूपणमारभ्य समग्रा).

29 C 28 ग्र 116 (आदितः शब्दखण्डे आसत्तिनिरूपणान्ता).

30 G 28 ग्र 86 (आदितः गुणनिरूपणे द्वेषनिरूपणपर्यन्ता).

34 M 75 दे 100 (कारणत्वनिरूपणप्रभृति समग्रा).

मुक्तावलीप्रकाशः (मुक्तावलीव्याख्या, दिनकरी, दिनकरीयं, दिनकरभट्टीयम्) महादेव (दिनकर) भट्टकृता

8 G 18 दे 130 (प्रत्यक्षखण्डः).
8 J 15 आ 98 (आदितो हेत्वाभासनिरूपणपर्यन्ता).
9 E 9 आ 102 (मङ्गलवादमारभ्य शब्दपरिच्छेदान्ता).
10 C 3 आ 205 (अनुमानखण्डं विना समग्रा).
11 C 1 आ 22 (अनुमानखण्डः).
19 M 62 प्र 96 (गुणपरिच्छेदः).
21 L 29 प्र 309.
21 L 39 प्र 50 (अनुमानखण्डप्रभृति पृथक्त्वलक्षणान्ता).
21 L 40 प्र 161 (आदितः सिद्धान्तव्याप्तिपर्यन्ता).
21 L 42 प्र 148.
21 L 46 प्र 120 (आदितः बाधग्रन्थपर्यन्ता).
21 L 48 प्र 22 (गुणलक्षणप्रभृति संयोगलक्षणपर्यन्ता).
22 B 41 प्र 48 (अनुमानशब्दखण्डौ).
22 D 87 प्र 130 (शब्दखण्डप्रभृति गुणनिरूपणान्ता).
22 L 39 प्र 52 (आदितः आत्मवादपर्यन्ता).
22 M 20 प्र 39 (अनुमानखण्डः).
23 A 9 आ 146 (प्रत्यक्षखण्डः).
23 E 28 प्र 44 (उपमानपरिच्छेदः).
23 E 44 प्र 132 (अनुमानप्रभृति समग्रः).
23 G 22 प्र 98 (शब्दखण्डे आदितः आकांक्षाविचारान्ता).
23 H 35 प्र 86 (आदितः समवायपर्यन्ता).
24 A 5 प्र 88 (साधर्म्यप्रभृति प्रत्यक्षखण्डः समग्रः).
24 A 9 प्र 26 (प्रथमपरिच्छेदः).
26 D 24 प्र 80 (आदितः चक्षुर्निरूपणान्ता).
26 G 50 प्र 100 (प्रथमपरिच्छेदः).
27 H 9 प्र 82 (शक्तिवादमारभ्यालौकिकप्रत्यक्षान्ता).
27 H 15 प्र 204 (आदितः आसत्तिनिरूपणान्ता).
27 H 23 प्र 74 (आदितः इन्द्रियसामान्यलक्षणान्ता).
27 H 34 प्र 20 (अनुमानखण्डमारभ्य शब्दखण्डे किंचित्).
30 G 25 प्र 212 (आदितो द्रव्यपदार्थनिरूपणपर्यन्ता).
33 J 6 प्र 156 (आदितः स्मृतिनिरूपणपर्यन्ता).
34 G 5 प्र 268.
34 M 74 दे 186 (पूर्वपक्षव्याप्तिप्रभृति समग्रा).

मुक्तावलीप्रकाशटिप्पणी (दिनकरभट्टीयटिप्पणी)

9 F 76 आ 87.
21 L 62 प्र 38 (आदितः समवायलक्षणान्ता).
25 B 11 आ 76 (आदितः गुणपरिच्छेदे भ्रमलक्षणपर्यन्ता).

मुक्तावलीप्रकाशव्याख्या (दिनकरीव्याख्या, गंगारामीयम्) गंगारामकृता

38 C 1 प्र 224.

मुक्तावलीप्रकाशव्याख्या (दिनकरीयटीका, तरङ्गिणी, रामरुद्री, रामरुद्रीयं, रामरुद्रभट्टीयम्) रामरुद्रभट्टकृता

23 C 33 ग्र 204 (आत्मवादमारभ्योपमानखण्डपर्यन्ता).

23 G 23 ग्र 52 (मङ्गलवादः).

23 H 37 ग्र 90 (६ पत्रप्रभृति प्रत्यक्षसन्निकर्षनिरूपणपर्यन्ता).

25 B 9 ग्र 58 (शक्तिवादप्रभृति प्रागभावविचारान्ता).

25 B 35 ग्र 27 (शब्दखण्डे किंचित्).

25 H 8 ग्र 144 (पृथिवीनिरूपणादि अनुपलब्धिवादान्ता).

26 B 31 ग्र 72 (अनुमानप्रभृति उपमानखण्डपर्यन्ता).

26 G 50 ग्र 100 (आदितः ईश्वरानुमानपर्यन्ता).

27 J 74 ग्र 233 (आदितः प्रत्यक्षे सामान्यलक्षणासन्निकर्षान्ता).

30 E 6 ग्र 150 (आदितः प्रथमपरिच्छेदान्ता).

33 K 30 आ 168 (प्रत्यक्षे गुणनिरूपणमारभ्य प्रत्यक्षविचारान्ता).

मुक्तावलीव्याख्या (चिन्तामणिः)

30 C 16 आ 54 (अनुमानखण्डमारभ्य शब्दखण्डपर्यन्ता).

मुक्तावलीव्याख्या (प्रभा) नरसिंहशास्त्रिकृता

9 B 4 दे 22 (हेत्वाभाससामान्यलक्षणमारभ्य शब्दखण्डे शक्तिनिरूपणान्ता).

25 A 8 ग्र 70 (गुणविभागादि प्रथमपरिच्छेदान्ता).

25 A 13 आ 45 (संसर्गाभावनिरूपणादि प्रत्यक्षलक्षणान्ता).

25 B 48 ग्र 184 (आदितः जलनिरूपणान्ता)

26 A 7 ग्र 187 (आदितः ईश्वरानुमानपर्यन्ता).

26 D 28 ग्र 90 (आदितः जातिबाधकनिरूपणान्ता).

26 E 5 ग्र 110 (आदितः व्याप्तिवादपर्यन्ता).

28 I 52 ग्र 67 (कारणलक्षणप्रभृति जलनिरूपणान्ता).

36 C 6 ग्र 1758 (सं १–६, प्रत्यक्षअनुमान, गुणपरिच्छेदाः समग्राः, शब्दपरिच्छेदः असमग्रः).

मुक्तावलीव्याख्या (मञ्जूषा) पट्टाभिरामकृता

22 L 37 ग्र 28.

28 D 65 ग्र 225 (सादृश्यवादप्रभृति वायुनिरूपणपर्यन्ता).

38 B 18 दे 498 (अन्यथासिद्धिप्रभृति शब्दनिरूपणान्ता).

सप्तपदार्थी—शिवादित्यकृता

36 F 36 दे 20.

36 F 37 दे 26.

सप्तपदार्थीटीका (मितभाषिणी) माधवसरस्वतीकृता

11 C 39 दे 72 (आदौ ४ पत्रं विना समग्रा).

35 C 120 दे 90 अस.

सिद्धान्तमञ्जरी

9 D 19 आ 36 (१८ पत्राणि).

# न्यायग्रन्थाः

## (i) सूत्र-भाष्यग्रन्थाः

न्यायसूत्रम् (न्यायतन्त्रम्) अक्षपाद (गौतम) मुनिकृतम्
26 A 19 आ 140 (वात्स्यायनभाष्यसहितम्)

न्यायसूत्रटीका (न्यायरहस्यम्) रामभद्रकृता
9 H 81 दे 59 अस.

न्यायसूत्रभाष्यम्—वात्स्यायनकृतम्
34 J 58 दे 143.

न्यायसूत्रविवरणम्
28 E 17 आ 78.

---

## (ii) वार्तिकग्रन्थाः

न्यायवार्तिकतात्पर्यटीका—वाचस्पतिमिश्रकृता
9 D 32 दे 613.

न्यायवार्तिकतात्पर्यटीकाव्याख्या (न्यायतात्पर्य-परिशुद्धिः) उदयनाचार्यकृता
9 D 11 दे 191 (त्रिसूत्रीव्याख्या).

---

## (iii) सामान्यन्यायग्रन्थाः

अनुमितिलक्षणम्
25 A 51 ग्र 4.

अन्यथाख्यातिनिरूपणम्—गदाधरकृतम्
36 A 10 ग्र 228.

अवयवटिप्पणी—कणादतर्कवागीशभट्टाचार्यकृता
11 G 21 ब 34.

आख्यातविवेकः—जयरामकृतः
11 B 6 दे 12.
21 H 14 ग्र 63.

कारकव्याख्या—जयरामकृता
9 D 19 आ 24 (कारकवादार्थः).

गदाधरीयप्रामाण्यवादखण्डनम्—सुरपुरवेंकटाचार्यकृतम्
9 H 76 ग्र 31 (आदितः २ विप्रतिपत्त्यन्तम्)

गूढार्थतत्त्वदीपिका—रघुदेवकृता
34 M 73 दे 100 (अनुमानम्).

तत्त्वचिन्तामणिः (चिन्तामणिः, मणिः) गङ्गेशोपाध्यायकृतः
9 C 76 आ 128 (अनुमानखण्डः).
9 D 100 ग्र 9 (अनुमानखण्डः).
9 E 35 आ 28 (सिद्धान्तव्याप्तिमारभ्य उपाधिवादान्तः).
9 E 82 आ 16 (उपाधिवादः).
9 E 82 आ 6 (केवलान्वयिचिन्तामणिः).
9 G 9 आ 2 (पञ्चलक्षणी).
9 G 36 आ 40 (आदितः शब्दखण्डप्रारंभपर्यन्तः).
9 H 29 दे 64 (आदितः अनुमितिनिरूपणान्तः, भवानन्दीय-दीधितिभ्यां युतः)
9 H 83 आ 8 (सव्यभिचारमारभ्य अनुपसंहारिसिद्धान्तान्तः).
10 B 4 आ 7 (अवयवप्रभृति सव्यभिचारान्तः).

10 C 5 आ-ग्र 22 (चिन्तामणेः प्रकीर्णानि पत्राणि).
10 C 5 ग्र 8 (परामर्शनिरूपणम्).
10 C 5 ग्र 14 (सामान्यलक्षणनिरूपणम्).
10 C 5 ग्र 18 (हेत्वाभासचिन्तामणिः, आदितः सत्प्रतिपक्षपर्यन्तः).
19 E 73 ग्र 12.
19 E 74 ग्र 2 (सामान्यनिरुक्तिः).
19 G 5 ग्र 8 (अवयवचिन्तामणिः).
19 K 5 आ 128 (आदितः अन्यथाख्यातिनिरूपणपर्यन्तः).
23 E 45 ग्र 52 (तर्कचिन्तामणिः, शिरोमणिसहितः).
24 C 14 के 148 (अनुमानप्रभृति उपमानान्तः).
24 E 50 ग्र-आ 7 (सव्यभिचारविरुद्धग्रन्थौ).
24 E 50 ग्र 2 (सव्यभिचारसामान्यनिरुक्तिः)
24 E 50 आ 4 (हेत्वाभासचिन्तामणिः, सव्यभिचारसामान्यलक्षणान्तः).
25 A 72 ग्र 6 (शब्दचिन्तामणिः, आदितः शब्दनित्यतावादपूर्वपक्षान्तः).
25 E 18 ग्र 34 (आदितः शिष्टत्वविचारान्तः)
26 A 10 ग्र 5 (अवयवचिन्तामणिः).
26 A 10 ग्र 9 (अवयवचिन्तामणिः, दीधितियुतः).
26 B 45 ग्र 226 (प्रत्यक्षखण्डः).
26 D 11 ग्र 184 (शब्दचिन्तामणिः).
26 I 25 ग्र 186 (आदितः मुक्तिवादपर्यन्तः).
27 F 69 ग्र 236 (अनुमानखण्डे पञ्चमविषयतापर्यन्तः).
29 J 23 ग्र 45 (आदितः प्रामाण्यविचारपर्यन्तः).
29 J 34 ग्र 8 (व्याप्तिवादः).
30 C 2 ग्र 5 (व्याप्तिपूर्वपक्षः).
30 E 29 ग्र 28 (अनुमानखण्डे सव्यभिचारनिरूपणान्तः).
30 E 29 ग्र 6 (विरोधचिन्तामणिः).
30 G 34 ग्र 236 (व्याप्तिवादमारभ्य शक्तिवादपर्यन्तः, मुद्रितपाठात् पाठभेदो दृश्यते).
30 I 22 ग्र 4 (आदितः व्याप्तिपूर्वपक्षग्रन्थान्तः).
34 K 10 दे 102 (अनुमाने १, २ परिच्छेदौ).

**तत्त्वचिन्तामणिप्रकाशः (रुचिदत्तीयम्) रुचिदत्तकृतः**

9 D 94 दे 272 (अनुमानखण्डे व्याप्तिवादप्रभृति शब्दखण्डपर्यन्तः).
20 C 15 ग्र 188.
24 C 5 के 288 (प्रत्यक्षखण्डमारभ्य अनुमाने उपाधिवादपर्यन्तः).
30 G 18 ग्र 212 (शब्दखण्डे आदितः आकाङ्क्षापर्यन्तः).
40 E 3 ग्र 220 (शब्दखण्डः).

**तत्त्वचिन्तामणिप्रकाशटीका (न्यायशिखामणिः) रामकृष्णाध्वरीन्द्रकृतः**

40 D 22 ग्र 270.

**तत्त्वचिन्तामणिप्रकाशविवृतिः (मणिप्रकाशविवृतिः, तर्कचूडामणिः) धर्मराजाध्वरिकृता**

9 J 30 दे 759 अस.

**तत्त्वचिन्तामणिव्याख्या (मणिप्रकाशः, तत्त्ववार्तिकम्) तिम्मभूपतिकृता**

8 E 12 दे 934 (प्रत्यक्षखण्डः).

**तत्त्वचिन्तामणिव्याख्या**

24 B 11 ग्र 215 (आदितः सामान्यलक्षणासिद्धान्तरहस्यान्ता).

25 I 37 ग्र 106 (आदितः अनुमाने उपाधिवादान्ता).
29 G 26 ग्र 32 (शब्दखण्डे आदितः कारकनिरूपणान्ता).
33 M 21 ग्र 154 (प्रामाण्यान्यथाख्यात्यनुपलब्धिवादाः).

तत्त्वचिन्तामणिव्याख्या (मथुरानाथीयम्) मथुरानाथकृता

9 E 38 आ 32 (अवयवग्रन्थरहस्यम्).
9 F 88 ग्र 20 (सव्यभिचारसामान्यनिरुक्तिः).
9 G 9 आ 66 (व्याप्तिवादे पञ्चलक्षणीप्रभृति सिद्धान्तलक्षणरहस्यपर्यन्ता).
9 G 9 आ 6 (सामान्यनिरुक्तिः).
9 G 36 आ 12 (प्रत्यक्षचिन्तामणिव्याख्या).
10 C 1 आ 302 (शब्दालोकरहस्ये आकाङ्क्षारहस्यप्रभृति अपूर्ववादरहस्यान्ता).
10 C 1 आ 392 (शब्दालोकरहस्यम्).
10 C 4 आ 46.
10 C 4 आ 63 (सिद्धान्तलक्षणम्).
10 C 4 आ 27 (आदितः अनुमानप्रामाण्यरहस्यान्ता).
10 C 4 आ-ग्र 27 (अनुमानप्रामाण्यवादरहस्यम्).
10 C 5 आ 50 (अनुमानखण्डे व्याप्तिरहस्यप्रभृति सामान्यलक्षणान्ता).
10 C 5 आ 125 (पक्षताप्रभृति हेत्वाभासनिरूपणान्ता).
10 D 34 दे 876 (शब्दखण्डे आदितः बहुव्रीहिनिरूपणान्ता).
10 D 36 आ 47 (बाधबुद्धिरहस्यम्).
10 E 20 दे 250 (परामर्शरहस्यम्).
11 B 2 दे 24 (आदितः प्रामाण्यवादरहस्यपर्यन्ता).
11 B 2 ग्र 16 (पक्षता).
11 B 2 ग्र 24 (पञ्चलक्षणी).
11 B 6 आ 60 (परामर्शवादः).
11 B 6 आ 64 (व्याप्तिवादः).
11 B 7 आ 249 (तत्वचिन्तामणिरहस्ये प्रत्यक्षखण्डे मङ्गलवादप्रभृति प्रामाण्यवादरहस्यपर्यन्ता).
11 C 5 दे 63 (अनुमानखण्डे प्रत्यक्षलक्षणप्रभृति सिद्धान्तलक्षणैकदेशपर्यन्ता).
11 F 17 ब 29 (सामान्यलक्षणम्).
11 G 22 ब 20 (अनुमानखण्डे अनुमानविभागमारभ्य केवलान्वयिपर्यन्ता).
11 G 24 ब 46 (केवलव्यतिरेकिणमारभ्य अनुमानान्ता).
11 G 36 ब 68 (परामर्शः).
11 G 38 आ 65 (अवयवरहस्यम्).
11 G 38 ब 40 (विरुद्धग्रन्थरहस्यम्).
19 L 14 ग्र 98 (अनुमानखण्डे आदितः व्याप्तिवादपर्यन्ता).
21 G 11 ग्र 64 (तत्त्वचिन्तामणिदीपिकायां प्रत्यक्षखण्डे मङ्गलवादान्ता).
23 A 28 आ 140 (व्याप्तिग्रहोपायः).
23 H 5 ग्र 18 (अनुमानप्रामाण्यवादरहस्यम्)
23 I 8 आ 102 (शब्दखण्डे योग्यतारहस्यान्ता).
24 C 17 ग्र 34 (संशयपक्षताप्रभृति परामर्शपूर्वपक्षान्ता).
25 A 18 ग्र 45 (चतुर्दशलक्षण्यां प्रथमस्वलक्षणम्).
25 B 29 ग्र 7 (अनुमानलक्षणम्).

25 B 39 ग्र 54 (अनुमानखण्डे व्यधिकरणधर्मावच्छिन्नाभावरहस्यान्ता).
26 A 22 ग्र 196 (शब्दखण्डः).
26 C 18 ग्र 448 (शब्दालोकरहस्यम्).
26 C 18 आ 454 (शब्दखण्डः).
26 C 21 ग्र 53 (अवयवटिप्पणीनिगमनग्रन्थः).
26 I 27 आ 66 (मङ्गलवादः, पूर्वपक्षरहस्यम्).
29 J 33 ग्र 187 अनुमानचिन्तामणिव्याख्यायां आदितः व्याप्तिवादरहस्यपर्यन्ता).
29 J 34 ग्र 24 (अनुमानमारभ्य प्रामाण्यरहस्यान्ता).
30 C 2 आ 62.
30 E 12 ग्र 85 (आदितः पूर्वपक्षग्रन्थान्ता).
30 H 9 ग्र 12 (अनुमानखण्डे किंचित्).
34 M 71 दे 8 (वायुरूष्मादेः प्रत्यक्षाप्रत्यक्षत्वरहस्यम्).
35 D 40 दे 22 (पञ्चलक्षणी).
35 D 41 दे 16 (व्यधिकरणधर्मावच्छिन्नाभावनिरूपणम्).
35 D 42 दे 14 (पक्षतासिद्धान्तरहस्यम्).
35 D 43 दे 12 (सामान्यनिरुक्तिः).
35 D 44 दे 20 (सव्यभिचारसिद्धान्तरहस्यम्).
35 D 45 दे 3 (साधारणसिद्धान्तरहस्यम्).
36 B 3 ग्र 1431 (सं १–३, व्याप्तिवादः).

तत्त्वचिन्तामणिव्याख्या—मिश्रकृता
10 C 5 आ 24 (शब्दखण्डे आदितः प्रामाण्यवादपर्यन्ता).

तत्त्वचिन्तामणिव्याख्या—रघुदेवकृता
10 C 5 आ 20 (अवयवचिन्तामणिव्याख्या).

तत्त्वचिन्तामणिव्याख्या (मणिदर्पणः) रामानुजदीक्षितकृता
9 D 95 दे 897 (आदितः प्रत्यक्षान्तः).

तत्त्वचिन्तामणिव्याख्या—वैद्यनाथकृता
24 B 9 के 41 (अनुमितौ किंचित्).

तत्त्वचिन्तामणिव्याख्या (दीधितिः, शिरोमणिः) श्रीरघुनाथशिरोमणिकृता
1 A 17 दे 337 (परामर्शग्रन्थः).
9 C 96 आ 148 (अनुमानदीधितिः समग्रा, पक्षताप्रभृति बाधान्ता).
9 D 34 आ 96 (प्रत्यक्षदीधितिः).
9 D 90 आ 8 (आख्यातवादः).
9 E 35 आ 12 (चतुर्दशलक्षणी).
9 E 58 आ 80 (अनुमानदीधितिः, आदितः प्रागभावविचारान्ता).
9 H 27 आ 12 (गदाधरीयुता, सिषाधयिषा, पक्षतान्ता).
9 H 29 दे 62 (अनुमानप्रामाण्यनिरूपणम्).
9 H 35 दे 12 (व्यतिरेकिग्रन्थप्रभृति पक्षतान्ता).
10 B 4 आ 44 (व्याप्तिस्वरूपनिरूपणप्रभृति संशयनिरूपणपर्यन्ता).
10 B 4 आ 27 (व्याप्तिवादः प्रथमपत्रं विना समग्रः).
10 B 4 आ 8 (व्याप्तिवादः).
10 B 4 आ 6 (पक्षता).
10 B 4 आ 40 (व्याप्तिवादः).
10 B 4 आ 8 (व्याप्तिवादः).
10 B 4 आ 6 (पक्षता).
10 B 12 आ 128 (पञ्चलक्षणी, आदितः दशाविशेषान्ता).

10 C 4 आ 17 (पञ्चलक्षणी).
10 C 4 आ-प्र 18 (पञ्चलक्षणी).
10 C 5 प्र 29 (हेत्वाभासः, आदितः अनुपसंहारिपर्यन्ता).
10 C 31 दे 228 (अनुमानखण्डः).
10 E 29 दे 204.
11 F 27 ब 130 (सिद्धान्तलक्षणम् ).
11 F 124 ब 28 (अनुमानदीधितिः असमग्रा).
11 G 19 ब 30 (व्याप्तिवादे किंचित् ).
11 G 29 ब 136 (परिचायकत्वनिर्वचनम् ).
11 G 41 ब 37 (अनुमाने व्याप्तिपर्यन्ता).
11 G 61 ब 12 (अनुमानदीधितिः असमग्रा).
11 G 100 ब 19 (व्याप्तिवादे किंचित् ).
19 E 73 प्र 76 (अनुमानदीधितिः, अतिशिथिला).
19 E 74 प्र 4 (अतिशिथिला, अस).
19 G 5 प्र 161 (अवयवदीधितिः).
19 L 42 आ 88 (अनुमानदर्पणविरोधिनी, आदितः सहचारस्य व्यभिचारविरोधित्वोपपादनान्ता).
21 C 52 प्र 10 (अवयवग्रन्थः).
22 B 28 आ 134 (पञ्चलक्षण्यां साकल्यलक्षणप्रभृति समग्रा).
22 L 46 प्र 20 (व्याप्तिपूर्वपक्षः सिद्धान्तरहस्यान्तः).
22 L 52 आ 6 (आदितः किंचिदेव).
22 L 52 आ-प्र 5 (सामान्यनिरुक्तिः).
22 M 4 प्र 6 (अवयवग्रन्थः).
24 B 12 के 34 (आदितः हेतुग्रन्थपर्यन्ता).
24 E 50 प्र 4 (सव्यभिचारसामान्यनिरुक्तिः).
24 E 50 आ 63 (हेत्वाभासदीधितिः).
25 A 60 प्र 18 (पदार्थतत्त्वनिरूपणम् ).
25 B 21 आ 42 (पञ्चलक्षणीप्रभृति उपाधिवादान्ता).
26 D 17 प्र 114 (प्रत्यक्षदीधितिः).
26 F 29 प्र 12 (सिद्धान्तलक्षणम् ).
26 G 16 प्र 8 (व्याप्तिपूर्वपक्षटिप्पणी).
27 E 12 प्र 74 (अनुमानदीधितिः, आदितः बाधान्ता).
28 A 37 प्र 6 (नञ्व्युत्पत्तिः).
28 F 40 प्र 12 (चतुर्दशलक्षणी, आदितः मिश्रलक्षणान्ता).
30 E 29 प्र 11 (सव्यभिचारसामान्यनिरुक्तिः).
30 E 29 प्र 6 (विरोधदीधितिः).
30 E 29 प्र 26 (हेत्वाभाससामान्यनिरुक्तिः).
30 I 22 प्र 18 (व्याप्तिपूर्वपक्षदीधितिः).
33 K 3 प्र 96 (अनुमानदीधितिः).
34 J 56 दे 11 (आख्यातवादः).
34 M 77 दे 10 अस.
35 D 11 दे 14 (पक्षता).
35 D 12 दे 6 (अवच्छेदकत्वनिरुक्तिः).
35 D 13 दे 5 (सिद्धान्तलक्षणम् ).
35 D 14 दे 10 (व्यधिकरणधर्मावच्छिन्नाभावविचारः).
35 D 15 दे 3 (पञ्चलक्षणी).
35 D 35 दे 20 (अवयवदीधितिः).
35 D 36 दे 8.
35 D 37 दे 11.
35 D 38 दे 4 (साधारणग्रन्थः).
35 D 39 दे 10 (सत्प्रतिपक्षः).
40 G 18 प्र 12 (आख्यातशिरोमणिः).

तत्त्वचिन्तामणिव्याख्याटीका (दीधितिव्याख्या, गदाधरी) गदाधरभट्टाचार्यकृता

1 A 4 प्र 243 (बाधबुद्धिप्रतिबध्यतावादरहस्यम् ).

8 G 19 दे 92 (पञ्चलक्षणी).
8 H 3 आ 226 (व्युत्पत्तिवादार्थः).
8 H 13 आ 104.
9 D 40 आ 30 (विधिवादः).
9 D 68 आ 38 (धर्मितावादः).
9 D 90 आ 10 (एवकारवादः).
9 D 90 आ 46 (बाधग्रन्थः).
9 E 10 आ 60 (व्युत्पत्तिवादः, आदितः अभेदान्वयविचारान्तः).
9 E 17 आ 54 (अनुमानखण्डः, आदितः केवलान्वयिविचारान्तः).
9 E 19 आ 26 (प्रामाण्यवादः, आदितः विप्रतिपत्तिनिरूपणान्तः).
9 E 23 आ 36 (उपाधिवादः).
9 E 36 आ 125 (सङ्गत्यनुमितिप्रामाण्यवादाः).
9 E 36 आ 265 (सङ्गत्यनुमितिप्रभृति अवच्छेदकनिरुक्तिपर्यन्ता).
9 E 36 आ 171 (व्याप्तिवादः, पूर्वपक्षप्रभृति सामान्याभाववादान्तः).
9 E 38 आ 58 (अवयवग्रन्थः, आदितः प्रतिज्ञान्तः).
9 E 40 आ 8 (सव्यभिचारग्रन्थः).
9 E 55 आ 136 (पक्षता, शिरोमणिविवृतिः)
9 E 83 आ 220 (हेत्वाभासनिरुक्तिः, आदितः सत्प्रतिपक्षान्ता).
9 E 88 दे 112 (असाधारणादिसत्प्रतिपक्षान्ता).
9 E 91 आ 412 (सामान्यनिरुक्तिः, अवच्छेदकनिरुक्तिप्रभृति उपाधिवादरहस्यान्ता).
9 G 8 आ 28 (अवच्छेदकतानिरुक्तिः).
9 G 9 आ 14 (पञ्चलक्षणी).
9 G 9 आ 3 (सिद्धान्तलक्षणम्).
9 G 19 आ 163 (प्रामाण्यवादः, आदितः ज्ञप्तिप्रामाण्यवादपर्यन्तः).
9 G 33 आ 98 (अवयवग्रन्थः, आदितः उदाहरणान्तः).
9 H 43 आ 26 (गुरुविषयतावादार्थः).
10 C 27 दे 62 (हेत्वाभाससामान्यनिरुक्तिः)
10 D 4 दे 110 (मणिदीधितियुता).
10 D 17 दे 90 (पञ्चलक्षणी, आदितः विशारदलक्षणपर्यन्ता).
10 D 18 दे 294 (व्युत्पत्तिवादार्थः).
10 D 23 दे 86 (पञ्चलक्षणी, सिंहव्याघ्रलक्षणमारभ्य कूटघटितलक्षणपर्यन्ता).
10 E 3 दे 5 (सङ्गतिग्रन्थः).
10 E 7 दे 230 (व्युत्पत्तिवादार्थः).
10 E 44 दे 272 (उपाधिवादः).
10 E 57 दे 86 (बाधग्रन्थः).
10 E 67 दे 100 (प्रत्यक्षपरिच्छेदः).
10 E 75 दे 72 (पक्षताविचारः).
11 B 2 आ 132 (अवयवग्रन्थः).
11 B 6 दे 88 (अवयवग्रन्थः).
11 B 6 आ 52.
11 B 6 दे 54.
11 B 6 दे 50.
11 B 6 आ 30.
11 B 7 आ 76 (सव्यभिचारसिद्धान्तरहस्यम्).
11 B 7 दे 25 (सामान्याभावविचारः).
11 B 7 दे 220 उपाधिविचारः).
11 B 8 दे 112 (सामान्यनिरुक्तिः).
11 B 12 दे 14 (सत्प्रतिपक्षग्रन्थः).

11 B 24 दे 106 (चतुर्दशलक्षणी, मिश्रलक्षणमारभ्य कूटघटितलक्षणान्ता).
11 C 1 आ 66 (शक्तिवादः).
11 C 2 दे 665 (पञ्चलक्षणी, आदितः सार्वभौमपरिष्कारान्ता).
11 F 14 ब 138 अस.
11 G 11 ब 192 अस.
11 G 32 ब 7 (अनुमितिपरामर्शः).
11 G 72 ब 10 अस.
11 G 89 ब 84 अस.
19 D 23 प्र 112 (सङ्ख्यनुमितिः).
19 D 47 प्र 12.
19 E 49 प्र 10.
19 E 49 प्र 139 (चतुर्दशलक्षणी).
19 E 49 प्र 46 (सामान्यनिरुक्तिः).
19 E 63 प्र 125.
19 E 64 प्र 14 (सामान्यनिरुक्तिः).
19 E 73 प्र 23 (सामान्यनिरुक्तिः, प्रमात्वविचारः).
19 E 73 प्र 76 (सामान्यनिरुक्तिः).
19 E 74 प्र 36 (सामान्यनिरुक्तिः).
19 E 75 प्र 16 (सामान्यनिरुक्तिः).
19 G 5 प्र 98 (सिद्धान्तलक्षणम् ).
19 G 5 प्र 10 (अवयवग्रन्थः).
19 G 5 प्र 61.
19 G 11 प्र 106 (सिद्धान्तलक्षणं, अतिशिथिलम् ).
19 G 69 प्र 42 (सङ्गतिग्रन्थः).
19 L 11 प्र 28 (सामान्यवादः).
19 M 9 प्र 24 (पञ्चलक्षणी).
19 M 63 प्र 16 (एवकारार्थवादः).
21 B 25 प्र 232 (प्रामाण्यवादः).
21 B 49 प्र 51 (चतुर्दशलक्षणी).
21 C 45 प्र 68 (पञ्चलक्षणी).
21 C 45 प्र 18 (पञ्चलक्षणी).
21 C 45 प्र 90 (चतुर्दशलक्षणी).
21 C 45 प्र 151 (चतुर्दशलक्षणी).
21 C 49 प्र 22 (चतुर्दशलक्षणी, कूटघटितलक्षणम् ).
21 C 52 प्र 54 (चतुर्दशलक्षणी).
21 C 52 प्र 101 (अवयवटिप्पणी).
21 C 54 आ 103 (चतुर्दशलक्षणी, आदितः मिश्रलक्षणान्ता).
21 H 14 प्र 8 (लौकिकविषयतावादः).
21 H 18 प्र 27 (अनुपसंहारिग्रन्थः).
21 L 57 प्र 80 (परामर्शग्रन्थः).
22 B 43 प्र 44 (अनुमानखण्डः).
22 B 44 प्र 52 (अनुमितिवादः).
22 D 10 प्र 66 (अवयवग्रन्थः, मणिकारीयद्वितीयलक्षणप्रभृति पूर्तिपर्यन्तः).
22 D 10 प्र 24 (असाधारणग्रन्थः).
22 D 10 प्र 7 (अनुपसंहारिग्रन्थः).
22 D 10 प्र 14 (विरुद्धग्रन्थः).
22 D 10 प्र 142 (सत्प्रतिपक्षग्रन्थः).
22 D 10 प्र 36 (बाधग्रन्थः).
22 J 15 प्र 14 (चतुर्दशलक्षणी).
22 J 15 प्र 22 (व्याप्तिवादः).
22 J 15 प्र 10 (प्रत्यक्षसामग्रीप्रतिबन्धकताविचारः).
22 L 46 प्र 61 (सामान्यनिरुक्तिः, आदितः प्रतियोगिवैय्यधिकरण्यविचारान्ता).
22 L 52 आ 125 (सामान्यनिरुक्तिः, कोशद्वयम् ).
22 M 2 प्र 56 (व्युत्पत्तिवादार्थः).

22 M 4 प्र 68 (प्रतिज्ञाग्रन्थः).
22 M 6 प्र 72 (सामान्यनिरुक्तिः).
22 M 30 प्र 18 (सिंहव्याघ्री).
22 M 38 प्र 28 (पञ्चलक्षणी).
22 M 39 प्र 27 (पञ्चलक्षणी).
23 B 29 प्र 174 (व्युत्पत्तिवादार्थः, द्वितीयादिलकारवादार्थः).
23 D 19 आ 225 (तर्कग्रन्थः).
23 D 19 आ 35 (सहचारग्रन्थः).
23 E 29 प्र 34 (न्यायग्रन्थः).
23 E 35 प्र 128 (व्युत्पत्तिवादार्थः, आदितः लकारवादार्थः).
23 E 45 प्र 56 (सिद्धान्तलक्षणम् ).
23 F 2 प्र 58 (व्युत्पत्तिवादार्थः, प्रथमान्तः).
23 F 5 प्र 290 (व्युत्पत्तिवादार्थः).
23 F 8 प्र 24 (नित्यानित्यदोषः).
23 F 8 प्र 12 (सत्प्रतिपक्षरहस्यम् ).
23 F 9 प्र 214 (अनुमितिग्रन्थः).
23 F 26 प्र 52 (पञ्चलक्षणी).
23 G 1 प्र 76 (सत्प्रतिपक्षः, मणिदीधितियुतः).
23 G 2 प्र 100 (व्युत्पत्तिवादार्थः).
23 G 7 प्र 169 (व्युत्पत्तिवादार्थः).
23 G 14 प्र 86 (सामान्यनिरुक्तिः).
23 G 19 प्र 46 (पक्षता).
23 G 21 प्र 30 (पञ्चलक्षणी, प्रथमलक्षणम् ).
23 G 24 प्र 38 (अनुमानप्रामाण्यविचारः).
23 G 29 प्र 32 (शक्तिवादः).
23 G 35 प्र 18 (बाधग्रन्थः).
23 G 35 प्र 6 (सामान्यनिरुक्तिपत्रम ).
23 H 2 आ-प्र 98 (शक्तिवादः).
23 H 4 प्र 10 (सत्प्रतिपक्षविभाजकः).
23 H 12 प्र 6 (सत्प्रतिपक्षः).
23 H 13 प्र 20 (अनुमानप्रामाण्यनिरूपणम् ).
23 H 13 प्र 24 (चतुर्दशलक्षणी).
23 H 25 प्र 106 (चतुर्दशलक्षणी).
23 H 29 प्र 4 (चतुर्दशलक्षणी, कूटघटितलक्षणम् ).
23 H 38 प्र 48 (चतुर्दशलक्षणी, प्रथमस्वलक्षणम् ).
23 H 39 प्र 30 (पञ्चलक्षणी).
23 I 6 प्र 30 (प्रामाण्यनिरूपणम् ).
23 I 29 आ 52 (प्रामाण्यवादः).
23 I 29 आ 32 (उपाधिवादः).
24 A 6 प्र 84 (शक्तिवादः).
24 A 22 प्र 220 (व्युत्पत्तिवादार्थः).
24 B 9 के 63 (व्युत्पत्तिवादार्थः).
24 E 1 प्र 400 (प्रामाण्यवादः, अतिशिथिलः).
24 E 50 प्र 58 (सव्यभिचारसामान्यनिरुक्तिः).
24 F 22 प्र 164 (पक्षता, मणिदीधितियुता).
24 F 27 प्र 194 (व्युत्पत्तिवादार्थः, तृतीयाप्रभृति सप्तमीपर्यन्तः).
24 F 39 आ 10 (अनुपसंहारिग्रन्थः).
24 F 39 आ 26 (साधारणग्रन्थः).
24 F 39 आ 22 (असाधारणानुपसंहारिग्रन्थौ).
24 F 39 आ 12 (दशाविशेषः).
24 F 48 प्र 60 (सामान्यनिरुक्तिः, मणिदीधितियुता).
25 A 6 प्र 12 (चतुर्दशलक्षणी, कूटघटितलक्षणम् ).
25 A 21 प्र 46 (प्रामाण्यवादः, आदितः प्रकारताविवरणान्तः).

25 B 4 प्र 59 (सामान्यनिरुक्तिः दीधितियुता).
25 B 6 प्र 164 (विधिवादः).
25 B 42 प्र 40 (अवयवग्रन्थः, पक्षतान्तः).
25 E 1 प्र 88 (अवयवग्रन्थः, आदितः प्रतिज्ञान्तः, निगमान्तमणिदीधितियुतः).
25 E 40 प्र 9 (न्यायनिरूपणम्).
25 H 23 प्र 148 (चतुर्दशलक्षणी, आदितः कूटघटितलक्षणान्ता).
26 A 10 प्र 90 (अवयवग्रन्थः).
26 C 16 प्र 84 (चतुर्दशलक्षणी, आदितः द्वितीयस्वलक्षणान्ता).
26 D 12 आ 92 (चतुर्दशलक्षणी).
26 D 32 प्र 88 (व्युत्पत्तिवादार्थः).
26 E 2 प्र 96 (सामान्यनिरुक्तिः).
26 E 2 प्र 4 (सिद्धान्तलक्षणम्).
26 G 16 प्र 17 (सहचारग्रन्थः).
26 G 16 प्र 21 (व्याप्तिवादः).
26 G 16 प्र 27 (अवच्छेदकतानिरुक्तिः).
26 G 16 प्र 43 (अवयवग्रन्थः, सामान्याभावटिप्पणी).
26 G 16 प्र 68 (प्रामाण्यवादः).
26 G 16 प्र 18 (केवलान्वयिग्रन्थः).
26 G 31 आ 66 (सव्यभिचारसामान्यनिरुक्तिः).
26 I 2 प्र 104 (प्रामाण्यवादः).
26 I 2 प्र 24 (सार्वभौमपरिष्कारः).
26 I 6 आ 50 (सार्वभौमपरिष्कारः).
26 I 6 आ 180 (चतुर्दशलक्षणी, स्वलक्षणप्रभृति पञ्चलक्षणान्ता).
26 I 9 आ 20 (उपाधिवादः).
26 I 30 प्र 56 (पञ्चलक्षणी).
26 I 33 प्र 332 (प्रामाण्यवादः).
26 I 34 आ 294 (विधिवादः).
26 J 8 प्र 28 (चतुर्दशलक्षणी, आदितः प्रथमस्वलक्षणपर्यन्ता).
28 E 30 प्र 62 (सिषाधयिषापक्षतामात्रम्).
28 F 6 दे 31 (चतुर्दशलक्षणी).
28 F 7 प्र 58 (पञ्चलक्षणी).
28 F 7 प्र 201 (चतुर्दशलक्षणी).
28 F 14 आ 24 (पञ्चलक्षणी, सिंहव्याघ्रलक्षणप्रभृति सार्वभौमपरिष्कारान्ता).
28 F 14 आ 58 (चतुर्दशलक्षणी, आदितः द्वितीयलक्षणपर्यन्ता).
28 F 40 प्र 78 (चतुर्दशलक्षणी, आदितः चक्रवर्तिलक्षणान्ता).
28 F 40 प्र 44 (सिंहव्याघ्रलक्षणम्).
28 F 46 प्र 45 (पञ्चलक्षणी, आदितः सिंहव्याघ्रलक्षणपर्यन्ता).
28 F 47 आ 26 (व्युत्पत्तिवादः, प्रथमाविचारः).
28 F 48 प्र 53 (पञ्चलक्षणी, आदितः सिंहव्याघ्रलक्षणपर्यन्ता).
28 F 58 आ 59 (अवयवग्रन्थः, सिषाधयिषामारभ्य यज्ञपत्युपाध्यायपक्षतापर्यन्तः).
28 H 42 प्र 122 (पञ्चलक्षणी, आदितः सिंहव्याघ्रलक्षणपर्यन्ता).
29 D 9 प्र 46 (पञ्चलक्षणी).
29 G 15 प्र 12 (पञ्चलक्षणी, आदितः किंचिदेव).
29 G 15 प्र 14 (चतुर्दशलक्षणी, आदितः किंचिदेव).
29 J 20 आ-प्र 286 (अन्वयव्यतिरेकिकेवलान्वयिपूर्वपक्षग्रन्थः, मणि-

दीधितिलिङ्गकारणतावादयुतसामान्य-निरुक्तिः).
29 J 26 प्र 230 (लिङ्गकारणतावादः, मणिसहितः).
29 J 30 प्र 60 (शक्तिवादः).
29 K 26 प्र 96 (अवयवग्रन्थः).
30 E 10 प्र 100 (व्याप्तिग्रन्थः).
30 E 12 प्र 80 (व्युत्पत्तिवादार्थः, द्वितीयाप्रभृति समग्रः).
30 F 6 प्र 182 (पक्षता).
30 G 30 प्र 100 (अवयवग्रन्थः).
30 G 31 प्र 82 (पञ्चलक्षणी, मणिदीधितियुता).
30 H 9 प्र 10 (सामान्यनिरुक्तिः, प्रथमलक्षणम् ).
30 I 22 प्र 32 (विधिवादः).
30 I 22 प्र 10 (पञ्चलक्षणी).
33 F 8 प्र 12 (पञ्चलक्षणीटिप्पणी).
33 H 10 प्र 6 (सामान्यनिरुक्तिः).
34 M 83 दे 70 (सामान्यनिरुक्तिः).
35 B 161 दे 8 (सत्प्रतिपक्षविवेचना).
35 D 20 दे 40 (सत्प्रतिपक्षः).
35 D 30 दे 226 (अवयवग्रन्थः).
35 D 31 दे 74 (सामान्यनिरुक्तिः).
35 D 32 दे 72 (सव्यभिचारग्रन्थः).
35 D 33 दे 21 (साधारणग्रन्थः).
35 D 34 दे 60 (सत्प्रतिपक्षग्रन्थः).
38 F 4 दे 10 (चक्रवर्तिलक्षणम् ).
38 F 7 दे 422 (अवच्छेदकतानिरुक्तिः).
40 G 18 प्र 1 (व्याप्तिलक्षणम् ).
40 H 2 प्र 78 (परामर्शवादः).
40 H 2 प्र 32 (व्याप्तिवादः).

गदाधरीयटीका (पञ्चलक्षणीटिप्पणी, भावसङ्ग्रहः) अश्वत्थनारायणशास्त्रिकृता
30 A 20 प्र 76.

गदाधरीयटीका (कृष्णभट्टीयम् ) कृष्णभट्टकृत
9 E 84 आ 22 (सङ्ग्रहानुमितिव्याख्या).
9 G 10 आ 64 (प्रामाण्यवादव्याख्या).
10 C 28 दे 448 (चतुर्दशलक्षणी).
10 E 56 दे 30 (शक्तिवादार्थदीपिका).
11 B 20 दे 248 (व्युत्पत्तिवादटीका, आदितः द्विवचनान्वयपर्यन्ता).
21 C 46 प्र 58 (चतुर्दशलक्षणीटिप्पणी).
21 L 33 प्र 22 (पञ्चलक्षणीटीका).
23 E 35 प्र 12 (शक्तिवादार्थदीपिका).
23 H 16 प्र 36 (अवयवग्रन्थः, आदितः न्यायलक्षणान्तः).
26 F 30 प्र 42 (पञ्चलक्षणीव्याख्या).
26 F 34 प्र 66 (शिथिला).
30 I 22 प्र 10 (व्युत्पत्तिवादटीका).
34 M 78 दे 28 (अनुमानम् ).
34 M 79 दे 110 (पञ्चलक्षणीटीका).
34 M 80 दे 226 (चतुर्दशलक्षणीटीका).
34 M 81 दे 84 (पक्षधर्मताग्रन्थः).
36 B 4 प्र 131 (सत्प्रतिपक्षकृष्णभट्टीयम् ).

गदाधरीयटीका (सार्वभौमपरिष्कारव्याख्या) कृष्णमाचार्यकृता
8 J 84 दे 59.

गदाधरीयटीका (चतुर्दशलक्षणीव्याख्या) पट्टाभिरामकृता
1 A 26 प्र 362 अस.
28 H 42 प्र 16 (पक्षताटिप्पणी, आदितः प्राचीनपक्षतालक्षणग्रहान्ता).
33 F 8 प्र 15 (व्याप्तिवादटिप्पणी).

गदाधरीयटीका (न्यायरत्नम्) रघुनाथकृता
9 G 9 आ 40 (पञ्चलक्षणीव्याख्या, मुक्तामाला).
22 M 27 प्र 21 (पूर्वपक्षव्याप्तिः).
23 H 3 प्र 90 (पञ्चलक्षणीव्याख्या).
23 H 41 प्र 80 (सामान्यनिरुक्तिन्यायरत्नम्).
24 F 5 आ 140 (व्याप्तिवादः).
30 E 46 प्र 6 (प्रामाण्यवादव्याख्या, उपोद्धातः).

गदाधरीयटीका (व्युत्पत्तिवादव्याख्या) रामरुद्रभट्टकृता
19 M 14 प्र 58 (आदितः अभेदान्वयनिरूपणान्ता).
26 A 8 प्र 56.

गदाधरीयटीका (सिद्धान्तलक्षणटिप्पणी)
9 G 9 आ 4 अस.
26 G 16 प्र 68.

तत्त्वचिन्तामणिव्याख्याटीका (दीधितिव्याख्या, जागदीशी) जगदीशभट्टाचार्यकृता
9 E 18 आ 99 (पञ्चलक्षणी, सटिप्पणी).
9 E 18 आ 100 (व्याप्तिवादः).
9 E 19 आ 26 (प्रामाण्यवादः).
9 G 9 आ 7 (पञ्चलक्षणीव्याख्या, रत्नमाला).
9 G 9 आ-प्र 38 (चतुर्दशलक्षणीव्याख्या).
9 H 74 आ 30 (सामान्यनिरुक्तिः, प्रथमलक्षणम्).
10 E 3 दे 141 (शब्दशक्तिप्रकाशिका).
10 E 49 दे 122 (सामान्यलक्षणटिप्पणी).
10 E 53 दे 44 (पञ्चलक्षणीव्याख्या, रत्नमाला).
10 E 55 दे 66 (पञ्चलक्षणीटिप्पणी).
10 E 63 दे 40 (दीधितिटिप्पणी).
10 E 65 दे 32.
11 B 2 प्र 28 (चतुर्दशलक्षणी).
11 B 2 प्र 12 (व्याप्तिपञ्चकम्).
11 B 2 प्र 89 (सिद्धान्तलक्षणम्).
11 B 2 प्र 46 (अवच्छेदकतानिरुक्तिः).
11 B 31 दे 160 (उपाधिवादटिप्पणी).
11 B 32 दे 44 (परामर्शटिप्पणी).
11 B 36 दे 32 (विषमव्याख्याटीका).
11 C 1 आ 212 (उपाधिवादटिप्पणी).
11 C 1 आ 212 (आदितः व्याप्तिवादपर्यन्ता).
11 C 1 आ 73 (पक्षता).
11 C 5 आ 431 (उपाधिवादः).
11 C 5 आ 34 (व्याप्तिवादः).
11 C 5 आ 74 (चतुर्दशलक्षणी, आदितः मिश्रलक्षणपर्यन्ता).
11 C 5 आ 34 (पञ्चलक्षणीव्याख्या).
11 F 19 ब 36 (चतुर्दशलक्षणी).
11 F 20 ब 12 (सिद्धान्तलक्षणम्).
11 F 54 ब 90 (पक्षता).
11 F 109 ब 89 (उपाधिवादः).
19 F 128 ब 20 (पक्षता).

21 F 33 आ 356 (आदितः व्याप्तिवाद-पर्यन्ता).
23 C 37 प्र 86 (उपाधिवादः).
23 D 19 आ 188 (व्याप्तिवादटीका).
23 G 3 प्र 8 (अवच्छेदकतानिरुक्तिः).
24 A 10 प्र 9 (चतुर्दशलक्षणी, आदितः भागत्रयान्ता).
24 A 10 प्र 24 (पक्षता).
24 B 9 के 104 (चतुर्दशलक्षणी, स्वलक्षण-प्रभृति पूर्तिपर्यन्ता).
25 A 30 प्र 9 (शब्दशक्तिप्रकाशिका).
25 A 49 प्र 79 (चतुर्दशलक्षणी, आदितः कूटघटितलक्षणान्ता).
26 C 21 प्र 9 (चतुर्दशलक्षणी, स्वलक्षणम्).
26 G 16 प्र 64 (चतुर्दशलक्षणी).
29 G 15 प्र 10 (सार्वभौमपरिष्कारः).
30 C 2 आ 20 (सार्वभौमपरिष्कारः).
34 M 82 दे 20 (पक्षता).
34 M 84 दे 982 (अनुमानम्).
35 B 156 दे 26 (सार्वभौमपरिष्कारः).
35 B 157 दे 90 (चतुर्दशलक्षणी).
35 B 158 दे 54 (सिद्धान्तलक्षणम्).
35 B 159 दे 28 (अवच्छेदकतानिरुक्तिः).
35 B 160 दे 72 (पक्षता).
35 D 27 दे 50 (चतुर्दशलक्षणी).
35 D 28 दे 22 (सार्वभौमपरिष्कारः).
35 D 29 दे 22 (व्याप्तिपञ्चकविवेचना).
38 F 30 आ 32 (शब्दशक्तिप्रकाशिका).

तत्त्वचिन्तामणिव्याख्याटीका (दीधितिव्याख्या, भवानन्दीयम्) भवानन्दकृता

9 G 36 आ 44 (पञ्चलक्षणी).
9 H 29 दे 62 (अनुमानप्रामाण्यनिरूपणम्).



10 C 4 आ 68 (हेत्वाभासव्याप्तिवादौ).
24 A 16 प्र 282 (आदितः अनुमाने व्याप्ति-पूर्वपक्षान्ता).
25 A 7 प्र 43 (पञ्चलक्षणीप्रकाशः).
34 K 12 दे 92 (आदितः तर्कनिरूपणान्ता).
34 K 13 दे 416 (अवयवदीधितिव्याख्या गूढार्थप्रकाशिनी).
34 M 76 दे 1232.
36 A 15 प्र 1304 (सं १, २ ; अनुमाने आदितः व्याप्तिवादान्ता).

भवानन्दीयव्याख्या (भवानन्दीयप्रकाशः, सर्वोपकरणी) महादेव (दिनकर) भट्टकृता

9 G 22 दे 285 (आदितः अनुमान-प्रामाण्यवादपर्यन्ता).
9 G 34 दे 266 (पञ्चलक्षणीचतुर्दश-लक्षण्यौ).
9 H 33 दे 872 (आदितः अनुमाने सामान्यलक्षणारहस्यान्ता).
25 A 74 प्र 21 (किंचित्).
28 M 5 आ 59 (चतुर्दशलक्षण्यव-तरणिका).

भवानन्दीयव्याख्या (भवानन्दीयखण्डनं, वज्र-टङ्कीयम्) वज्रटङ्ककृता

10 F 6 दे 1496 (सं १, २).
24 A 8 प्र 10 (आदितः पञ्चलक्ष-ण्यन्ता).

तत्त्वचिन्तामणिव्याख्याटीका (दीधितिव्याख्या, भावबोधिनी) महोपाध्यायभट्टकृता

25 B 4 प्र 102 (पञ्चलक्षणीप्रभृति व्याप्ति-वादे पूर्वपक्षरहस्यान्ता).

तर्कदीपिका—लक्ष्मीनृसिंहकृता

10 J 2 दे 128 (द्रव्यपरिच्छेदः).

तर्कभाषा—केशवमिश्रकृता

21 H 7 प्र 72.

21 H 8 आ 50.

21 H 9 प्र 54 (आदितः गुणनिरूपणपर्यन्ता).

21 H 10 प्र 6 (आदितः षड्विधसन्निकर्षपर्यन्ता).

21 H 12 आ 47.

24 C 24 प्र 112 (शिथिला).

38 E 48 दे 54.

तर्कभाषादीपिका (तर्कभाषाभावप्रकाशः) गोपीनाथकृता

21 H 6 प्र 76 (अनुमानप्रभृति शब्दपरिच्छेदान्ता).

21 H 13 आ 76 (आदितः उपाधिविचारान्ता).

22 L 45 प्र 85 (आदितः प्रामाण्यवादपर्यन्ता).

26 C 27 प्र 28.

तर्कभाषाव्याख्या (तर्कभाषाप्रकाशः) अखण्डयतिकृता

21 H 5 प्र 14 (आदितः कारणत्वविचारान्ता).

तर्कभाषाव्याख्या (तत्त्वबोधिनी) गणेश्वरदीक्षितकृता

21 G 23 आ 263 (आदितः प्रमेयपरिच्छेदान्ता).

तत्त्वबोधिनीव्याख्या (तत्त्वबोधिनीप्रकाशः, न्यायविलासः) विश्वनाथभट्टारककृता

31 J 8 आ 102 (१ परिच्छेदः).

40 A 4 प्र 200.

तर्कभाषाव्याख्या (उज्ज्वला, गौरीकान्तीयं, भावार्थदीपिका) गौरीकान्तभट्टाचार्यकृता

9 E 37 प्र 104 (आदितः शब्दनिरूपणान्ता).

11 B 26 दे 110 (प्रत्यक्षखण्डः).

23 I 16 प्र 176.

24 A 21 के 260.

24 B 9 के 70 (आदितः अनुमानपर्यन्ता).

25 B 34 प्र 152 (आदितः आकाशनिरूपणान्ता).

26 B 12 प्र 432.

26 E 6 प्र 103 (आदितः प्रामाण्यवादपर्यन्ता).

29 J 35 प्र 144 (प्रमेयपरिच्छेदः).

35 C 8 दे 220.

38 F 29 आ 222.

तर्कभाषाव्याख्या (तर्कभाषाप्रकाशिका, चेन्नुभट्टीयम्) चेन्नुभट्टकृता

21 E 42 आ 280 (आदितः अभावनिरूपणान्ता).

21 E 44 प्र 260.

21 E 46 प्र 206.

21 E 48 आ 28 (आदितः करणनिरूपणपर्यन्ता).

26 G 37 प्र 218.

29 F 26 प्र 296.

33 L 19 दे 293.

40 I 10 प्र 50 (काठिन्यवाक्यार्थप्रकाशकनिरुक्तिः).

तर्कभाषाव्याख्या (रसमञ्जरी) माधवकृता

8 F 78 दे 164.

तर्कभाषाव्याख्या—रामकृता

30 C 9 आ 62 (आदितः आश्रयासिद्धि-पर्यन्ता).

तर्कभाषाव्याख्या

35 B 46 दे 35 (आदितः अनुमानपर्यन्ता).

तार्किकरक्षा—वरदराजकृता

34 A 16 प्र 120.

36 F 32 दे 10 (आदौ पत्रद्वयं नास्ति).

40 I 14 प्र 7 (प्रथमपरिच्छेदः).

तार्किकरक्षाव्याख्या (सारसङ्ग्रहः) वरदराजकृता

36 F 31 दे 116 (प्रथमपत्रं विना प्रथम-परिच्छेदः).

तार्किकरक्षाव्याख्या—सुन्दरराजकृता

40 I 14 प्र 86 अस.

तार्किकरक्षाव्याख्या—हरिहरकृता

40 I 14 प्र 188 अस.

न्यायमञ्जरी—जानकीनाथशर्मकृता

36 F 34 दे 86.

न्यायलीलावतीटीका (दीधितिव्याख्याटीका)

9 E 90 दे 52.

न्यायसिद्धान्तमञ्जरी—चिन्तामणिभट्टाचार्यकृता

29 J 24 आ-प्र 38 (शब्दखण्डः).

न्यायसिद्धान्तमञ्जरी—चूडामणिभट्टाचार्यकृता

10 C 4 आ-प्र 24 (अनुमानप्रभृति समग्रा).

22 L 51 प्र 48.

28 E 2 प्र 52 (आदितः शब्दखण्डपर्यन्ता).

28 E 14 प्र 45.

न्यायसिद्धान्तमञ्जरी—जानकीनाथशर्मकृता

10 D 33 दे 13 (आदितः संसर्गाभाव-विभाव्यान्ता).

23 B 13 आ 24 (प्रत्यक्षानुमानखण्डौ).

28 E 4 आ 36 (आदितः अनुमाने उपाधि-पर्यन्ता).

28 E 13 प्र 35 (आदितः अनुमानान्ता).

30 F 23 प्र 44 (आदितः उपमानान्ता).

30 G 26 प्र 61.

न्यायसिद्धान्तमञ्जरीदीपिका (तर्कप्रकाशिका, शितिकण्ठीयं, न्यायसिद्धान्तमञ्जरीव्याख्या) श्रीकण्ठकृता

8 F 80 आ 100 (आदितः अनुमानान्ता).

9 C 102 आ 152 (प्रत्यक्षानुमानखण्डौ).

9 D 27 आ 172 (आदितः शब्दखण्डे कर्मत्वविचारान्ता).

10 C 2 आ 234 (अनुमानशब्दखण्डौ).

10 C 4 आ 220 (अनुमानशब्दखण्डौ).

11 B 2 दे 80 (अनुमानखण्डः).

22 L 51 प्र 185 (शब्दखण्डः).

22 M 26 प्र 24 (प्रत्यक्षखण्डः).

23 B 13 आ 82 (अनुमानखण्डः).

23 D 2 प्र 96 (प्रत्यक्षखण्डः).

23 D 21 प्र 112 (अनुमानखण्डः).

23 H 28 प्र 82 (शब्दखण्डः).

25 B 29 प्र 28 (आदितः प्रत्यक्षे निर्विकल्पक निरूपणान्ता).

25 B 51 प्र 24 (अनुमाने आदितः तर्कान्ता).

25 D 23 प्र 126 (प्रत्यक्षानुमानखण्डौ).

26 A 7 प्र 186 (शब्दखण्डः).

26 G 26 प्र 486 (आदितः शब्दशक्तिवाद-पर्यन्ता).

28 E 12 प्र 194 (प्रत्यक्षानुमानखण्डौ).

28 E 14 प्र 376.

28 E 20 आ 139 (आदितः अनुमानखण्ड-पर्यन्ता),

28 E 23 आ 510 (आदौ किंचिन्न्यूना).
29 C 4 आ 22 (विशकलितानि पत्राणि).
29 G 14 प्र 176 (आदितः हेत्वाभासपर्यन्ता).
29 J 24 प्र 368 (शब्दखण्डः).
29 J 24 प्र 9 (उपमानपरिच्छेदः).
29 J 28 प्र 152 (प्रत्यक्षखण्डः).
29 J 29 आ 152 (प्रत्यक्षखण्डः).
30 B 11 आ 61.
30 E 25 प्र 144 (आख्यातशक्तिवादंप्रभृति समग्रा).
30 E 26 प्र 138 (उपमानपरिच्छेदः).
30 F 23 प्र 122 (प्रत्यक्षखण्डः).
30 G 26 प्र 103 (प्रत्यक्षखण्डः).
30 L 45 आ 58 (प्रत्यक्षानन्तरं शब्दप्रस्तावान्ता).
34 F 20 प्र 286 (शब्दखण्डः).
34 J 55 दे 117 (अनुमानोपमानपरिच्छेदौ).
34 J 62 दे 104 (अनुमानखण्डः).
34 J 63 दे 196 (सं १, २ ; प्रत्यक्षखण्डः असमग्रः, अनुमानखण्डः समग्रः).
34 J 76 दे 130 (प्रत्यक्षोपमानखण्डौ).
34 K 3 दे 348.
40 I 10 प्र 288.

न्यायसिद्धान्तमञ्जरीव्याख्या—पक्षधरमिश्रकृता
9 E 34 दे 144 (शब्दखण्डः, आदितः चिकीर्षादीनां प्रवर्तकत्वविचारान्ता).
22 M 40 प्र 82 (शब्दखण्डः, अतिशिथिला).
25 B 47 प्र 8 (शब्दखण्डः, आदितः कार्यान्वितशक्तिवादान्ता).
25 I 6 प्र 16 (शब्दखण्डः, आदितः लक्षणानिरूपणपर्यन्ता).
29 H 16 प्र 32 (शब्दखण्डः, लकारार्थविचारप्रभृति यथार्थानुभवपर्यन्ता).

न्यायसिद्धान्तमञ्जरीव्याख्या—यादवकृता
11 D 30 दे 32.

न्यायसिद्धान्तमञ्जरीव्याख्या—लौगाक्षिभास्करकृता
28 E 22 आ 176.

मणिसारः—गोपीनाथकृतः
9 D 94 दे 83 (आदितः अनुमानतर्कवादान्ता).
9 D 95 दे 577 (अनुमानशब्दखण्डौ).
9 I 21 दे 591 (शब्दमणिसारः).
27 E 14 आ 269 (आदितः निर्विकल्पकान्तः).

मणिसारः—रामानुजदीक्षितकृतः
9 D 95 दे 231 (प्रत्यक्षादिशब्दखण्डपर्यन्तः).

मणिसारखण्डनम्—श्रीनिवासकृतम्
38 C 16 दे 222 अस.

---

## (iv) विशकलितग्रन्थाः

अनुमानदीधितिपरीक्षा—रुद्रन्यायवाचस्पतिकृता
30 C 10 आ 110.

अनुमानप्रामाण्यम्
29 H 16 प्र 39.

अनुमानलक्षणम्
34 D 28 दे 116.

अनुमितिप्रकाशः
28 F 47 ग्र 63 (पञ्चलक्षणीरहस्यम्).

अवच्छेदकतासरः——कृष्णताताचार्यकृतः
22 D 6 ग्र 32.

कारकवादार्थः (कारकविचारः) जयरामकृतः
9 D 19 आ 10.
9 H 47 आ 10 (चतुर्थ्यादि सप्तम्यन्तः).
11 B 6 दे 35.
34 J 60 दे 28.

कारकवादार्थः——न्यायपञ्चाननभट्टाचार्यकृतः
26 B 9 ग्र 91.

कारकषट्कविवेचनम् (शब्दार्थसारमञ्जरी) भवानन्दकृतम्
34 J 2 दे 41.

तत्त्वचिन्तामण्यालोकसिद्धाञ्जनम्——अन्नंभट्टकृतम्
34 D 20 आ 500 (प्रत्यक्षपरिच्छेदः).

तत्त्वप्रदीपिका
35 B 144 दे 186 (आदितः वेदनित्यतावादान्ता).

द्रव्यसारः——रघुवीरकृतः
34 J 37 दे 108.

नियोज्यान्वयविवरणम्——न्यायवाचस्पतिभट्टाचार्यकृतम्
11 C 3 दे 11 (प्रथमपत्रं नास्ति).

निश्चयत्वनिरुक्तिः
9 E 57 आ 5 असः.

न्यायग्रन्थः
34 K 5 दे 156 अस.

न्यायचन्द्रिका——आनन्दपूर्णमुनीन्द्र (विद्यासागर) कृता
34 D 7 के 300.

न्यायनक्षत्रमाला
40 A 1 ग्र 82.

न्यायपारिजातः——यल्लयार्यकृतः
30 E 30 ग्र 128 (आदितः समासविचारपर्यन्तः, अतिशिथिलः).

न्यायसिद्धान्ततत्त्वम्——श्रीनिवासाचार्यकृतम्
21 G 7 आ 62.
26 I 29 आ 62.

न्यायसिद्धान्तदीपव्याख्या (प्रभा) भिषग्राजकृता
30 C 9 आ 194 (आदितः भूयोदर्शनहेतुत्वपर्यन्ता).

पूर्वपक्षव्याप्तिः
30 F 20 ग्र 58.

पौषादिलक्षणम्
26 F 43 ग्र 17.

प्रमाणमञ्जरी——सर्वदेवकृता
36 F 33 दे 28.

प्रमाणमञ्जरीव्याख्या——अद्वयारण्ययोगिकृता
36 F 35 दे 20 (समवायप्रभृति पूर्तिपर्यन्ता.)

भावदीपिका——कृष्णभट्टाचार्यकृता
9 I 12 दे 516.

मञ्जरीकुतूहलम्——यादवकृतम्
34 J 59 दे 157.

मणिकणः——गोपालकृतः
38 F 67 दे 60.

विश्वबीजाङ्कुरम्
34 J 14 दे 257.

विश्वबीजाङ्कुरव्याख्या
34 J 15 दे 276.

सामान्यनिरुक्तिटिप्पणी (चिन्तामणिटिप्पणी)
21 E 39 प्र 45.

सामान्यनिरुक्तिदीधितिव्याख्या
30 E 51 प्र 12 (आदितः सामान्यपद-प्रयोजनपर्यन्ता).

सिद्धाञ्जनम्
30 K 20 आ 220 अस.

सिद्धान्तसङ्ग्रहः—यादवजीव्यासकृतः
10 E 27 दे 130.

सुधाकरज्योत्स्ना
26 F 16 प्र 8 अस.

संशयत्वनिरूपणम्—विश्वेश्वरकृतम्
30 C 10 आ 30 अस.

---

### (v) सकर्तृकवादविचारग्रन्थाः

अनुमितिपरामर्शविचारः—रघुदेवकृतः
10 E 62 दे 22.

आख्यातवादव्याख्या—रघुदेवकृता
9 D 90 आ 25 (आदितः आख्यातस्य कर्तरि शक्तिसमर्थनान्ता).
40 G 18 प्र 62.

उपाधिवादः—गदाधरकृतः
38 F 5 दे 322.

चित्ररूपवादः—तर्कवागीशहरिरामभट्टाचार्यकृतः
10 E 52 दे 44.

धर्मितावच्छेदकप्रत्यासत्तिः—हरिरामकृता
11 B 33 दे 26.
11 C 1 दे 60.

नञ्विवेचनम् (नञ्शिरोमणिः) रघुदेवभट्टाचार्यकृतम्
40 G 18 प्र 4.

नञ्विवेचनदीपिका (नञ्शिरोमणिव्याख्या) रघुदेव-कृता
40 G 18 प्र 42.

नव्यवादार्थः—हरिरामकृतः
25 F 8 प्र 151.

न्यायवादावलिः—रामाशास्त्रिकृतः
8 G 20 दे 214 (१, २, परिच्छेदौ).

बाधबुद्धिप्रतिबन्धकताविचारः—तर्कालङ्कारकृतः
11 B 7 दे 31.

बाधबुद्धिप्रतिबध्यप्रतिबन्धकभावविचारः—तर्क-वागीशहरिरामभट्टाचार्यकृतः
10 E 43 दे 100.

मुक्तिवादः—गदाधरकृतः
38 E 50 दे 30.

लकारशक्तिवादार्थः—शठकोपाचार्यकृतः
26 F 43 प्र 38.

वादकल्पकः—कृष्णताताचार्यकृतः
9 F 5 आ 64.
23 E 20 प्र 44.

विषयतावादः—अनन्ताचार्यकृतः
23 F 36 प्र 28.
26 G 11 आ 12.

विषयतावादार्थः—रघुदेवकृतः
11 B 21 दे 18.

समासवादः—जयरामकृतः
34 K 9 दे 29.
34 J 61 दे 24.

समासविचारः—पट्टाभिरामकृतः
23 B 13 आ 16.

सादृश्यवादः—महादेवपण्डितकृतः
9 H 44 आ 13.

सामग्रीवादः—रघुवीरकृतः
34 J 36 दे 38.

सामग्रीवादार्थः—रघुदेवभट्टाचार्यकृतः
11 C 1 दे 20.
23 I 29 आ 18.
25 F 8 प्र 44.
40 G 18 प्र 66.

सिद्धान्तचन्द्रिकाव्याख्या—गङ्गाधरकृता
24 B 10 प्र 150.

---

## (vi) अज्ञातकर्तृकवादविचारग्रन्थाः

अत्यन्ताभावघटितकेवलान्वयिवादार्थः
22 J 15 प्र 2.

अनुपलब्धिवादः
30 C 10 आ 46.

अनुपलब्धिविचारः
30 C 9 आ 18.

अनुभवनिरूपणम्
23 I 29 आ 8 (आदितः प्रमाणसामान्य-लक्षणान्तम्).

अनुमानादिप्रमाणखण्डनवादार्थः
32 J 15 प्र 2.

अनुमितिमानसवादः
30 C 10 आ 22.

अनुमितिवादार्थः
22 J 15 प्र 5.

अपूर्ववादः (अपूर्वस्य विध्यर्थत्वनिरासः)
25 B 6 प्र 41 (आदितः गवादिपदशक्यता-वच्छेदकविचारान्तः).

आकाङ्क्षावादः
25 F 8 प्र 61.

आकाङ्क्षावादार्थः
22 J 15 प्र 17.

आश्रयत्ववादः
21 H 14 प्र 8.

आसत्तिवादः
25 F 8 प्र 56.

आसत्तिविचारः
21 H 14 प्र 15.

ईश्वरवादार्थः
22 J 15 प्र 7.

उपसर्गाणां द्योतकत्वखण्डनवादः
9 D 19 आ 3.

उपाध्यायपक्षताविचारः
25 B 1 प्र 24.

सत्प्रतिपक्षटीका (सत्प्रतिपक्षोन्नायकः)
36 A 12 प्र 75.

सत्प्रतिपक्षविभाजकलक्षणविचारः
35 D 23 दे 14 (आदौ पत्रद्वयं नास्ति).

सन्निकर्षतावादः
34 M 23 दे 20.

सन्निकर्षविचारः
8 F 76 दे 28.

सम्पन्नो व्रीहिरिति वाक्यार्थविचारः
23 C 25 प्र 10.

साक्षात्त्वलक्षणपरिष्कारः
9 I 23 दे 19.

साध्यवत्ताग्रहविरोधितानियामकसम्बन्धविचारः
28 D 65 प्र 3.

सामग्रीनिरूपणम्
11 C 1 आ 20.

सामान्यनिरुक्तिद्वितीयलक्षणविचारः
35 D 24 दे 22.

सामान्यनिरुक्तिविवेचना
35 D 25 दे 110 (आदितः विशिष्टान्तराघटितत्वपर्यन्ता).

सामान्यलक्षणाविचारः
26 G 16 प्र 23.

सामान्याभाववादार्थः
22 J 15 प्र 6.

संशयपक्षतावादः
23 F 25 प्र 48.

संशयवादार्थः
22 J 15 प्र 3.



स्मृतिलक्षणविचारः
19 K 2 प्र 6.

स्मृतिसंस्कारवादः
21 H 14 प्र 47.

---

## (vii) क्रोडपत्रसङ्ग्रहः

अनुमानक्रोडपत्रम्
19 E 40 प्र 104 (दशाविशेषादिपञ्चलक्षण्यन्तम्).

अनुमानखण्डक्रोडपत्रम्
9 H 36 दे 24 (जागदीश्यां सिद्धान्तलक्षणावच्छेदकत्वनिरुक्तिसामान्यनिरुक्त्यादौ विषयविचारः).

अवच्छेदकनिरुक्तिक्रोडपत्रम्
11 B 16 दे 20.
11 B 18 दे 30.

अवच्छेदकनिरुक्तिजागदीशीपत्रम्
8 H 6 प्र 10 (व्यासज्यवृत्तित्वविचारप्रभृति पूर्तिपर्यन्तम्).

अवयवक्रोडः (गादाधर्याः)
9 G 9 आ 31.
11 B 15 दे 26.
19 E 71 प्र 10 (न्यायप्रभृति अवयवान्तः).
26 C 21 प्र 113 (आदितः अवयवलक्षणपर्यन्तः).
28 F 6 प्र 32 (पञ्चमविषयताविचारः).
28 F 19 प्र 18.
35 D 16 दे 20 (पञ्चमविषयताविचारः).

अवयवचिन्तामणिक्रोडः
26 C 21 प्र 229.

केवलव्यतिरेकिक्रोडः
23 I 29 आ 20.

चक्रवर्तिलक्षणक्रोडः (गादाधर्याः)
9 G 9 आ 6.
28 F 19 प्र 12.
30 E 54 प्र 30.

चतुर्दशलक्षणीक्रोडः
9 H 42 आ 36 (स्वलक्षणमात्रम् ).
11 C 3 आ 14.
19 M 14 प्र 14.
21 A 11 प्र 65.
21 B 29 प्र 8.
21 C 49 प्र 26.
21 C 51 प्र 68 (कृष्णभट्टकृतः).
22 L 34 प्र 15 (पट्टाभिरामकृतः).
24 F 6 प्र 72 (प्रथमस्वलक्षणम् ).
25 A 74 प्र 4 (द्वितीयलक्षणम् ).
25 G 18 प्र 60.
26 B 8 प्र 66 (आदितः प्रथमस्वलक्षणान्तः).
26 B 46 प्र 26.
30 E 41 प्र 50 (शङ्करभट्टाचार्यकृतः).

चन्द्रनारायणीयक्रोडः—चन्द्रनारायणकृतः
9 F 5 आ 15.

जागदीशीटीकाक्रोडः
10 D 32 दे 70.

तर्कविचारक्रोडः
8 H 6 प्र 10.

त्र्यम्बकक्रोडः—त्र्यम्बकभट्टाचार्यकृतः
8 E 32 दे 123.

दिनकरीक्रोडः
23 G 43 प्र 16.

नव्यमतवादः
9 D 46 आ 39.

न्यायक्रोडः
35 B 115 दे 40 (तर्कलक्षणम् ).

पक्षताक्रोडः
9 H 77 आ 30.
10 D 29 दे 12.
11 B 14 दे 42 (त्र्यम्बकशास्त्रिकृतः, आदौ १–८ पत्राणि न सन्ति).
21 B 29 प्र 22.
23 G 19 प्र 10 (त्र्यम्बकशास्त्रिकृतः).
23 G 34 प्र 10.
23 H 22 प्र 50 (कोशत्रयम् ).
23 I 29 आ 30.
28 F 19 प्र 12.
35 D 26 दे 50 (जागदीशीपक्षतायाः).

पक्षधर्मताक्रोडः
9 G 9 आ 4.

पञ्चलक्षणीक्रोडः (गादाधर्याः)
9 G 9 आ 23.
11 B 11 दे 60.
22 L 33 प्र 28 (पट्टाभिरामकृतः).
23 F 21 प्र 40.
24 F 28 प्र 20.
25 C 4 प्र 46.
28 F 19 प्र 6.

प्रामाण्यवादक्रोडः (गदाधरीयस्य)
8 H 11 आ 30 (मिश्रलक्षणस्य).
9 G 9 आ 15.

बाधक्रोडः
19 E 72 प्र 13.
25 G 18 प्र 22.

बाधलक्षणक्रोडः—शङ्करभट्टाचार्यकृतः
28 J 48 प्र 4.

मिश्रलक्षणक्रोडः
30 E 54 प्र 28.

मुक्तावलीक्रोडः (गङ्गारामीयम्) गङ्गारामकृतः
21 L 58 आ 96 (आदितः व्याप्तिलक्षणान्तः.)

मुक्तावलीसिद्धान्तलक्षणक्रोडः
25 A 3 प्र 12.

विरोधग्रन्थक्रोडः (गदाधरीयस्य)
11 B 17 दे 14.

विशिष्टद्वयाघटितत्वक्रोडः—रङ्गनाथकृतः
21 H 18 प्र 20.
23 H 22 आ 6.

व्याप्तिपञ्चकमाधुरीक्रोडः—कालीशङ्करकृतः
8 H 6 प्र 2 (३, ४, लक्षणविचारः).

व्युत्पत्तिवादक्रोडः—पट्टाभिरामकृतः
20 I 52 प्र 31.
28 F 19 प्र 28.

शतकोटिः—रामाशास्त्रिकृता
19 D 45 प्र 22.
19 E 72 प्र 26.
20 J 27 प्र 22 (सत्प्रतिपक्षस्य ४८ कोटिपर्यन्ता).

शतकोटिखण्डनम्—कृष्णताताचार्यकृतम्
9 F 5 आ 36.
35 D 21 दे 24 (सत्प्रतिपक्षस्य).

शितिकण्ठीयक्रोडः
24 D 22 प्र 9 (शब्दखण्डः).

सङ्गत्यनुमितिक्रोडः (गादाधर्याः)
9 G 9 आ 6.

सत्प्रतिपक्षक्रोडः (गदाधरीयस्य)
10 D 30 दे 10.
19 D 46 प्र 22 (शङ्करकृतः).
23 G 31 प्र 66.
23 H 4 प्र 18.
23 H 22 प्र 14.
23 I 29 आ 28.
25 G 18 प्र 40.
30 E 42 प्र 34 (शङ्करभट्टाचार्यकृतः).
35 D 19 दे 4.

सव्यभिचारक्रोडः
22 L 46 प्र 34.
23 H 12 प्र 34.
25 C 5 प्र 39.
35 D 17 दे 6.

साधारणमिश्रलक्षणक्रोडः
35 D 18 दे 6.

सामान्यनिरुक्तिक्रोडः (गादाधर्याः)
8 J 39 प्र 32 (आदितः तुरीयनचपरिष्कारान्तः).
9 E 7 आ 82.
9 F 5 प्र 16.
9 H 60 दे 17 (प्रथमलक्षणम्).

सामान्यनिरुक्तिक्रोडव्याख्या



सिद्धान्तलक्षणक्रोडः



सिंहव्याघ्रीक्रोडः



हेत्वाभासनिरूपणम्

# मीमांसाग्रन्थाः

## (i) सूत्रग्रन्थाः

जैमिनिसूत्राणि—जैमिनिकृतानि
10 E 5 दे 82.
28 H 25 आ 17 अस.

—

## (ii) सूत्रानुसारिव्याख्याग्रन्थाः

अध्वरमीमांसाकुतूहलवृत्तिः (कुतूहलवृत्तिः) वासुदेवदीक्षितकृता
30 A 17 ग्र 198 (४, ९, अध्यायौ).
38 B 7 दे 3490 (सं० १–९; ३ अध्याये ३ पादप्रभृति ११ अध्यायपूर्तिपर्यन्ता).

जैमिनिसूत्रभाष्यम् (शाबरभाष्यम्) शबरस्वामिकृतम्
20 L 20 आ 262 (३ अध्याये ४ पादमारभ्य ९ अध्याये २ पादपर्यन्तम्).
20 L 33 ग्र 183 (१ अध्याये ४ पादः).
22 H 65 आ 532 (१–६ अध्यायाः).

मीमांसाभाष्यपरिशिष्टम्
38 C 17 दे 86 अस.

शाबरभाष्यविवरणम्—गोविन्दामृतमुनिकृतम्
38 B 5 दे 924 (सं १, २; आदितः २ अध्याये २ पादपर्यन्तम्).

शाबरभाष्यव्याख्या (ग्रन्थयोजना)
38 B 4 दे 80 (आदितः किंचित्).

शाबरभाष्यव्याख्या (बृहती) प्रभाकरमिश्रकृता
38 B 6 दे 1210 (सं १–४; आदितः ६ अध्याये २ पादपर्यन्ता).

बृहतीव्याख्या (ऋजुविमला, पञ्चिका) शालिकनाथकृता
38 C 23 दे 2296 (सं १–७; १ अध्याये २ पादप्रभृति २ अध्यायपर्यन्ता, ३ अध्याये ३, ४ पादौ, ४-६ अध्यायाः).
40 B 14 के 260 (१ अध्याये १ पादः).
40 B 15 के 342 (३ अध्यायप्रभृति ६ आध्याये १ पादपर्यन्ता).

—

## (iii) वार्तिकग्रन्थाः

टुप्टीकाभरणम् (वार्तिकाभरणम्) वेङ्कटेश्वरदीक्षितकृतम्
10 I 3 दे 780 (सं १, २; ८, १० अध्यायौ).
38 D 4 ग्र 1321 (सं १–४; ९ अध्याये १ पादे १५ अधिकरणानि, ३ पादे ११ अधिकरणानि, १० अध्यायः, असमग्रः).

तन्त्रवार्तिकटीका (अजिता, तन्त्रटीकानिबन्धनम्) परितोषमिश्रकृता
38 D 7 दे 874 (सं १, २; १, २ अध्यायौ).

अजिताव्याख्या (विजया) अनन्तनारायणकृता
34 D 2 के 340 (आदितः ३ पादाः, पत्राणि विपर्यस्तानि).
38 D 3 दे 988 (सं १, २; आदितः २ अध्याये २ पादपर्यन्ता).

तन्त्ववार्तिकटीका (तन्त्वटीकाप्रकाशः)
20 M 33 ग्र 183 (नामधेयपादः).

तन्त्ववार्तिकटीका (सुबोधिनी)
30 C 14 आ 514 अस.

तन्त्ववार्तिकव्याख्या (तन्त्वरत्नम्) पार्थसारथिमिश्रकृतम्
10 I 4 दे 1037 (सं १–३; ४–६ अध्यायाः)
39 C 12 दे 3072 (सं १–८).

मीमांसावार्तिकम्—कुमारिलभट्टकृतम्
20 M 33 ग्र 31 (नामधेयपादः).

मीमांसावार्तिकव्याख्या (न्यायसुधा, राणकम्) भट्टसोमेश्वरकृता
28 E 19 आ 506 (१ अध्याये २–४ पादाः).
30 A 15 आ 400 (२ अध्यायः).

राणकव्याख्या (राणकोज्जीविनी, सुबोधिनी) अन्नंभट्टकृता
8 K 1 दे 5347 (सं १–१२; आदितः ३ अध्याये ७ पादपर्यन्ता-राणकोज्जीविनी, ८ पादस्य सोमेश्वरीया सर्वानवद्यकरणी).

श्लोकवार्तिकव्याख्या (काशिका) सुचरितमिश्रकृता
38 G 5 दे 3689 (सं १–६; आदितः शब्दाधिकरणपर्यन्ता).

---

## (iv) अधिकरणानुसारिग्रन्थाः

अर्थसङ्क्षेपः (द्वादशलक्षण्या अर्थसंक्षेपः)
25 C 35 ग्र 25.

जैमिनीयन्यायमाला—माधवकृता
26 C 31 ग्र 162 (३–६ अध्यायाः).

जैमिनीयन्यायमालाविस्तरः—माधवकृतः
21 F 52 आ 368 (३ अध्यायप्रभृति १० अध्याये २ पादे १२ अधिकरणपर्यन्तः).
25 G 28 आ 244 (१ अध्याये २ पादप्रभृति ३ अध्याये ३ पादे १४ अधिकरणपर्यन्तः).
26 C 31 ग्र 54 (३ अध्याये १–६ पादाः).
26 H 30 ग्र 107 (४ अध्यायप्रभृति ६ अध्याये ६ पादपर्यन्तः).
30 H 14 ग्र 188 (१ अध्याये २ पादप्रभृति ३ अध्याये ३ पादपर्यन्तः).
30 I 3 आ 386 (१–६ अध्यायाः).
30 I 25 ग्र 176 (आदितः ६ अध्याये ४ पादपर्यन्तः).
38 E 18 दे 56 (४ अध्यायः).

तत्वाविर्भावटीका
40 B 7 के 184 अस.

तन्त्वविलासः—लक्ष्मणार्यकृतः
8 E 26 दे 245.

तन्त्वशिखामणिः—राजचूडामणिदीक्षितकृतः
1 A 30 ग्र 248 (६ अध्याये ५–८ पादपर्यन्तः).
27 H 18 ग्र 61 (८ अध्यायः).
30 A 18 ग्र 344 (७–९ अध्यायाः).

33 G 19 ग्र 56 (७ अध्यायः).
38 B 8 दे 1055 (सं १–३ ; ७, ९, ११, १२ अध्यायाः).
39 D 9 ग्र 1200 (सं १, २; १० अध्यायः).

तन्त्रसिद्धान्तदीपिका—अप्पयदीक्षितकृता
8 E 11 दे 974 (सं १, २; १ अध्याये २ पादः ३ अध्यायप्रभृति ४ अध्याये १ पादपर्यन्ता).
30 A 16 ग्र 144 (१ अध्याये २ पादप्रभृति २ अध्याये ३ पादपर्यन्ता).

दीक्षाङ्ग इति श्लोकव्याख्या
27 B 1 ग्र 3.

नयविवेकः—भवनाथमिश्रकृतः
1 A 27 ग्र 2012 (सं १–४ ; आदितः ८ अध्यायपर्यन्तः).
27 H 5 आ 256 (२ अध्यायप्रभृति ४ अध्यायपर्यन्तः).
27 H 6 आ 206 (६ अध्यायप्रभृति ८ अध्याये ३ पादपर्यन्तः).
29 J 21 ग्र 394 (५ अध्यायप्रभृति ८ अध्याये ३ पादपर्यन्तः).

नयविवेकव्याख्या (नयविवेकदीपिका) आत्रेयवरदाचार्यकृता
10 I 10 दे 1843 (सं १–५ ; १ अध्याये २ पादप्रभृति २ अध्याये २ पादान्ता, ३ अध्यायप्रभृति ४ अध्याये १ पादपर्यन्ता).
27 H 4 आ 304 (२ अध्यायः).

नयविवेकव्याख्या (विवेकतत्वम्) रविदेवकृता
38 G 11 दे 1290 (सं १–३; १ अध्याये ३ पादपर्यन्ता, ३ अध्याये आदितः ६ पादान्ता).

नित्यकाम्यविवेकः—वेङ्कटरामकृतः
29 H 15 ग्र 28 (आद्यन्तरहितः).

नीतितत्त्वाविर्भावः—चिदानन्दपण्डितकृतः
39 A 6 दे 512.

नीतितत्त्वाविर्भावव्याख्या—परमेश्वरकृता
39 A 8 दे 554 (आदितः समवायनिरासान्ता).

नीतितत्त्वाविर्भावव्याख्या—मुकुन्दानन्दयतिकृता
39 A 11 दे 426 (आदितः १० वादपर्यन्ता).

नीतितन्त्रलहरी—रामानुजदासकृता
10 J 20 ग्र 1013 (सं १, २; १ अध्याये २, ३ पादौ).

न्यायपद्मम्—वेङ्कटाचार्ययज्वकृतम्
25 A 20 ग्र 80.

न्यायरत्नमाला—पार्थसारथिमिश्रकृता
28 D 12 ग्र 284.
28 E 1 आ 180 अस.
28 E 24 आ 220 (आदितः मङ्गलनिर्णयान्ता).

न्यायरत्नमालाव्याख्या (नायकरत्नम्) रामानुजाचार्यकृता
39 A 9 दे 893.

न्यायाध्वदीपिका—विजयीन्द्रभिक्षुकृता
38 G 7 दे 167.

भाट्टदिनकरी—दिनकरभट्टकृता
8 E 5 दे 174 (९ अध्यायः).

भाट्टदीपिका—खण्डदेवकृता
10 E 36 दे 278 (आदितः ३ अध्यायपर्यन्ता).

22 L 27 प्र 90 (३ अध्याये १–३ पादाः).
23 F 1 प्र 210 (४ अध्यायप्रभृति ९ अध्यायपर्यन्ता).
23 F 20 प्र 224 (४ अध्यायप्रभृति ९ अध्याये ३ पादपर्यन्ता).
23 G 15 प्र 128 (६ अध्यायः).
26 D 4 आ 419 (४, ९, १० अध्यायाः).
27 A 19 प्र 282 (९, १० अध्यायौ).
27 A 21 प्र 543 (३ अध्याये ५ पादमारभ्य १० अध्यायपर्यन्ता).
27 A 22 आ 494 (१ अध्याये २ पादप्रभृति ९ अध्यायपर्यन्ता).
27 A 23 प्र 180 (आदितः ३ अध्याये २ पादपर्यन्ता).
27 A 24 प्र 230 (१ अध्याये २ पादप्रभृति ५ अध्याये १ पादपर्यन्ता).
27 A 25 आ 264 (९ अध्यायप्रभृति १० अध्याये ३ पादपर्यन्ता).
27 B 3 प्र 312 (१०, ११, १२ अध्यायाः).
27 B 4 प्र 116 (६ अध्यायः).
27 B 7 प्र 318 (६ अध्यायप्रभृति ९ अध्याये ३ पादपर्यन्ता).
29 J 25 प्र 468 (५ अध्यायप्रभृति १० अध्यायपर्यन्ता).
33 G 19 प्र 110 (६ अध्यायप्रभृति ७ अध्याये १ पादपर्यन्ता, संकर्षकाण्डे १ पादः).

भाट्टदीपिकाव्याख्या (प्रभावली, शम्भुभट्टीयम्) शंभुभट्टकृता
8 I 6 प्र 115 (९ अध्याये किंचित्).
8 K 2 दे 3116 (सं १–८; आदितः ४ अध्यायपूर्तिपर्यन्ता).
9 G 55 क 252 (५ अध्यायः).
9 G 56 क 154 (७ अध्यायः).
9 G 57 क 52 (८ अध्यायः).
9 G 58 क 122 (१२ अध्यायः).
10 I 28 दे 182 (११ अध्यायः).
10 I 29 दे 600 (सं १, २; ६ अध्यायः).
39 B 13 दे 312 (९ अध्याये किंचित्).

भाट्टदीपिकाव्याख्या (भाट्टचन्द्रिका, भाट्टचन्द्रोदया) भास्कररायकृता
1 A 31 दे 464 (१ अध्यायः).
38 B 2 दे 428 (२ अध्यायः).

भाट्टदीपिकाव्याख्या (भाट्टचिन्तामणिः) वाञ्छेश्वरयज्वकृता
36 B 13 दे 208 (१ अध्याये १, २ पादौ).

भाट्टरहस्यम्—खण्डदेवकृतम्
25 B 18 प्र 226.
26 C 26 आ 179.
27 B 5 प्र 143 (आदितः तृतीयापर्यन्तम्).
28 J 53 प्र 148.
29 L 29 आ 204.
36 B 14 दे 125 (आदितः आख्यातार्थनिरूपणान्तम्).

भाट्टनयद्योतः—नारायणसुधीकृतः
8 E 19 दे 833 (सं १, २; आदितः ११ अध्याये १ पादपर्यन्तः).

भाट्टसङ्ग्रहः—राघवेन्द्रयतिकृतः
26 F 23 आ 333 (२ अध्यायप्रभृति ६ अध्याये ४ पादपर्यन्तः).
33 L 23 प्र 250 (आदितः ३ अध्याये ३ पादपर्यन्तः).

भावनाविवेकः—आचार्यमण्डनमिश्रकृतः

38 B 4 दे 56.

भावनाविवेकटीका (विषमग्रन्थिभेदिका) नारायणकृता

38 B 4 दे 225.

मीमांसाकारिका

40 F 24 प्र 25.

मीमांसाकौस्तुभः—खण्डदेवकृतः

9 E 47 आ 424 (१ अध्याये ३, ४ पादौ).
10 E 38 दे 240 (२ अध्याये २ पादः).
10 E 60 दे 170 (२ अध्याये १ पादः).
25 B 16 आ 84 (१ अध्याये २ पादः).
26 C 26 आ-प्र 190 (३ अध्याये १–३ पादाः).
27 H 1 प्र 598.
27 H 2 प्र 290 (१ अध्याये ४ पादप्रभृति ३ अध्याये २ पादपर्यन्तः).
27 H 3 आ 274 (२ अध्यायः).
30 I 17 प्र 156 (१ अध्यायः).
33 K 31 आ 176 (१ अध्यायः).
40 F 24 प्र 62 (अर्थवादपादः).
40 F 24 प्र 16 (स्मृतिपादः, अस).
40 F 24 प्र 88 (स्मृतिपादः).

मीमांसाधिकरणार्थसङ्ग्रहः

23 H 26 प्र 28 अस.

मीमांसान्यायप्रकाशः (आपदेवीयम्) आपदेवकृतः

22 E 14 आ 60.
22 E 15 प्र 128 अस.
24 E 47 प्र 50 अस.
25 B 22 प्र 78.
29 F 25 प्र 121.
29 L 23 आ 82.

मीमांसापरिभाषा—कृष्णयज्वकृता

10 E 32 दे 36.
24 F 25 प्र 74 (आदितः ग्रहसंमार्गविचारान्ता)
25 C 38 आ-प्र 54.

मीमांसामकरन्दः—वेङ्कटाचार्ययज्वकृतः

27 H 16 आ 13 (९ अध्याये किंचित्).
27 H 17 प्र 180 (८ अध्यायः ९ अध्याये १, ३, ४ पादाः).

मीमांसासर्वस्वम्—कोल्लूरिनारायणशास्त्रिकृतम्

38 C 12 दे 352 अस.

मीमांसासिद्धान्तार्या—रामचन्द्ररायकृता

10 I 13 दे 72.

वाक्यार्थरत्नम् (सव्याख्यम्) औहलार्यकृतम्

9 J 32 दे 192 (प्राभाकरमतम्).

शास्त्रदीपिका—पार्थसारथिमिश्रकृता

20 J 5 आ 240 (आदितः २ अध्याये ३ पादपर्यन्ता).
20 J 6 आ 404 (६ अध्यायप्रभृति पूर्तिपर्यन्ता)
20 J 15 प्र 418.
20 L 14 प्र 168 (४ अध्यायमारभ्य ८ अध्यायपर्यन्ता).
20 L 16 प्र 258 (१ अध्याये २ पादमारभ्य ३ अध्याये १ पादपर्यन्ता).
20 L 17 आ 219 (१ अध्याये ३ पादः, १० अध्याये आदितः ७ पादपर्यन्ता).
20 L 19 आ 411 (आदितः ३ अध्यायपर्यन्ता).
20 L 21 आ 174 (८ अध्यायमारभ्य १२ अध्याये १ पादपर्यन्ता).

20 L 22 प्र 322 (३, ४ अध्यायौ, ६ अध्याये ३ पादः).
20 L 23 आ 320 (७ अध्याये ३ पादमारभ्य १० अध्याये ३ पादपर्यन्ता).
20 L 24 प्र 418 (९ अध्यायः, ७ अध्यायप्रभृति पूर्तिपर्यन्ता).
20 L 26 प्र 218 (१ अध्याये २ पादमारभ्य ३ अध्याये ३ पादपर्यन्ता).
20 M 1 प्र 73 (४ अध्यायप्रभृति ९ अध्याये १ पादपर्यन्ता).
20 M 2 आ 74 (आदितः ३ पादपर्यन्ता).
23 D 10 प्र 250 (आदितः ८ अध्याये २ पादान्ता).
23 D 11 प्र 126 (१ अध्याये २ पादप्रभृति २ अध्याये १ पादपर्यन्ता).
23 E 30 प्र 279 (१ अध्याये २ पादमारभ्य ४ अध्यायपर्यन्ता).
24 A 1 प्र 402 (९ अध्याये ४ पादप्रभृति पूर्तिपर्यन्ता).
24 B 4 प्र 11 (१ अध्याये २, ३ पादौ).
24 B 18 प्र 178 (३, ४ अध्यायौ).
24 B 19 प्र 314 (१, २ अध्यायौ).
24 F 10 प्र 52 (अरुणाधिकरणमात्रम् ).
27 I 88 प्र 52 (३ अध्याये ४ पादमारभ्य ६ पादपर्यन्ता).
28 F 18 आ 294 (२, ३, ४, ११ अध्यायाः)
29 K 28 प्र 334 (१, २, ३ अध्यायाः).
30 B 16 आ 354 (१ पादं विना १, २, ३ अध्यायाः).
40 I 18 प्र 72 (१० अध्याये आदितः ४ पादाः).

शास्त्रदीपिकाव्याख्या (कर्पूरवर्तिका) राजचूडामणिदीक्षितकृता
25 B 14 प्र 126 (४ अध्यायः).

शास्त्रदीपिकाव्याख्या (न्यायमञ्जरी) नारायणभट्टकृता
28 D 53 आ 148 (आदितः ३ अध्यायपर्यन्ता).

शास्त्रदीपिकाव्याख्या (प्रभा) वैद्यनाथकृता
35 B 137 दे 11 अस.

शास्त्रदीपिकाव्याख्या (प्रभामण्डलम्) यज्ञनारायणदीक्षितकृता
10 I 9 दे 1696 (सं १–३ ; १ अध्याये २ पादप्रभृति ३ अध्याये ६ पादपर्यन्ता).

शास्त्रदीपिकाव्याख्या (प्रभावली) देवराजदीक्षितकृता
34 C 11 प्र 210 (प्रथमाध्यायः).

शास्त्रदीपिकाव्याख्या (मयूखमालिका, सोमनाथीयम् ) सोमनाथकृता
8 E 18 दे 622 (तृतीयाध्यायः).
20 E 52 प्र 452 (७ अध्याये ३ पादमारभ्य ११ अध्यायपर्यन्ता).
20 L 25 आ 499 (१, २ अध्यायौ).
20 M 4 आ 518 (३ अध्यायप्रभृति ६ अध्याये २ पादान्ता).
20 M 5 प्र 264 (१ अध्याये २, ३, ४ पादाः).
20 M 6 प्र 545 (२, ३ अध्यायौ).
20 M 7 प्र 530 (१ अध्याये २ पादप्रभृति २ अध्याये ३ पादपर्यन्ता).

20 M 8 आ 500 (१०–१२ अध्यायाः).
20 M 40 आ 370 (६ अध्यायप्रभृति ९ अध्याये ३ पादान्ता).
20 M 45 ग्र 204 (१ अध्याये २–४ पादाः).
20 M 47 आ 232 (१०, १२ अध्यायौ).
21 A 79 ग्र 368 (३ अध्याये ३ पादप्रभृति ६ अध्यायपूर्तिपर्यन्ता).
23 D 16 ग्र 268 (२ अध्यायः).
24 B 4 ग्र 26 (१ अध्याये २ पादः).
24 D 2 ग्र 130 (१ अध्याये ३ पादः).
24 F 10 ग्र 48 (३ अध्याये १ पादः).
28 D 53 आ 40 अस.
30 G 10 ग्र 150 (३ अध्याये ४ पादः).
30 H 3 ग्र 248 (१० अध्यायः).
30 H 35 ग्र 78 (४ अध्याये २ पादः).
30 I 1 आ 196 (१ पादं विना १ अध्यायः).
30 I 20 ग्र 304 (७ अध्यायप्रभृति ११ अध्यायपर्यन्ता).
30 I 29 ग्र 202 (प्रथमाध्यायः).
34 B 4 ग्र 150 (१०, ११ अध्यायौ).
34 F 10 दे 280 (१ पादं विना १ अध्यायः).

शास्त्रदीपिकाव्याख्या (मयूखावली)
20 D 83 आ 306 (१ अध्याये २–४ पादाः)

शास्त्रमालावृत्तिः—अनन्तभट्टकृता
9 G 17 दे 230 (१ अध्याये २ पादप्रभृति १० अध्याये ७ पादपर्यन्ता).
10 I 11 दे 414.

षोडशाध्यायी
39 B 14 दे 1326 (सं १–३).

षोडशाध्यायीविवरणम् (केरळीयम्)
39 C 16 दे 882 (सं १, २).

सङ्कर्षकाण्डभाट्टदीपिका—भास्कररायकृता
9 D 2 दे 176.

सङ्कर्षकाण्डभाष्यम्—देवस्वामिकृतम्
38 A 19 ग्र 585.

---

## (v) वाक्यार्थग्रन्थाः

अग्न्याधेयादिविचारः
9 C 100 आ 14 अस.

अङ्गत्वनिरुक्तिः—मुरारिमिश्रकृता
9 G 59 क 60 अस.
10 G 28 दे 131 अस.

अतिदेशलक्षणपुनराक्षेपः—अप्पयदीक्षितकृतः
40 F 24 ग्र 50.

अधिकरणनिरूपणम्—रामकृष्णकृतम्
11 G 103 ब 4 अस.

अरुणाधिकरणविचारः—लक्ष्मणपण्डितकृतः
10 I 7 दे 60.

अरुणाधिकरणशिक्षणम्
26 E 3 ग्र 134 अस.

अरुणैकहायनीसामानाधिकरण्यवादः
19 G 14 ग्र 10.

उद्भिदादिविचारः
19 G 13 ग्र 18 अस.

उपक्रमपराक्रमः—अप्पयदीक्षितकृतः
9 H 13 आ 32.
22 M 62 आ 31 अस.

23 A 8 आ 26 अस.
26 E 7 ग्र 62.
29 G 34 ग्र 199.

उपसंहारविजयः—विजयीन्द्रभिक्षुकृतः
36 D 5 दे 153.

दुरूहशिक्षा
21 M 37 आ 298 (आदितः नियमविधि-समर्थनान्ता).

दूषणोद्धारः—शङ्करबुधकृतः
34 K 4 दे 21 अस.

नियोज्यान्वयविवरणम्—न्यायवाचस्पतिभट्टाचार्य-कृतम्
11 C 3 दे 11 (प्रथमपत्रं नास्ति).

पक्षपञ्चकविचारः
23 H 26 ग्र 16.

पक्षषट्कनिरूपणम्
23 H 26 ग्र 4.

प्रणयनाधिकरणविचारः
27 H 20 ग्र 16 अस.

मासाग्निहोत्रवादकक्ष्या
27 H 19 ग्र 36.

रथकाराधिकरणविचारः—शठकोपाचार्यकृतः
26 E 16 ग्र 12.

वषट्काराधिकरणविचारः—लक्ष्मणपण्डितकृतः
10 I 7 दे 60.

वादकुतूहलम्—स्वामिशास्त्रि-भास्कररायाभ्यां कृतम्
10 I 6 दे 58 अस.
20 E 31 ग्र 89 अस.

वादनक्षत्रमाला—अप्पयदीक्षितकृता
40 A 6 ग्र 172 अस.

विधित्रयपरित्राणम्—आत्रेयवेङ्कटाचार्यकृतम्
1 A 25 ग्र 238.

विधिभूषणम्—वेङ्कटनारायणकृतम्
33 F 9 ग्र 256.

विधिरत्नावली—श्रीनिवासकृता
10 J 14 ग्र 303 अस.

विधिरसायनम्—अप्पयदीक्षितकृतम्
20 F 36 आ 134 अस.
20 F 37 आ 50 अस.
20 F 45 ग्र 171 (सव्याख्यम्) अस.
20 F 60 आ 10 अस.
22 D 89 ग्र 144 अस.
23 A 43 ग्र 162 (सव्याख्यम्) अस.
30 K 36 आ 190.

विधिरसायनव्याख्या—अप्पयदीक्षितकृता
20 F 60 आ 409 (कोशद्वयम्).

विधिरसायनदूषणपरिहारः
33 G 19 ग्र 70 अस.

विधिविवेकः—कोल्लूरिनारायणशास्त्रिकृतः
28 E 25 आ 148 अस.

# अद्वैतग्रन्थाः

## (i) ब्रह्मसूत्रग्रन्थाः

ब्रह्मसूत्रम्—बादरायणकृतम्

9 E 53 दे 21.

9 F 60 ग्र 10.

11 F 16 ब 24.

20 L 13 आ 5 (आदितः २ अध्याये २ पादे १९ सूत्रपर्यन्तम्).

23 G 36 ग्र 60.

23 H 20 ग्र 4 (आदितः २ अध्याये ४ पादे २३ सूत्रपर्यन्तम्).

24 F 18 ग्र 38.

24 G 11 आ 32.

25 C 17 ग्र 43.

25 I 1 ग्र 16.

25 I 24 ग्र 35.

28 K 39 ग्र 30.

28 K 40 ग्र 20 (२ अध्यायप्रभृति समग्रम्).

29 B 7 आ 19.

29 C 13 ग्र 13 (३ अध्याये १ पादे २१ सूत्रप्रभृति पूर्तिपर्यन्तम्).

34 G 16 ग्र 12.

38 E 24 दे 48.

---

## (ii) ब्रह्मसूत्रवृत्तिग्रन्थाः

ब्रह्मविचाराधिकरणप्रकरणम्

28 K 50 आ 6.

ब्रह्मसूत्रविवृतिः—शङ्करभगवत्पादकृता

8 I 22 दे 226.

ब्रह्मसूत्रवृत्तिः (अद्वैतसुधा)

33 L 25 ग्र 140 (आदितः ३ पादान्ता).

ब्रह्मसूत्रवृत्तिः (मिताक्षरा) अन्नंभट्टकृता

23 J 12 आ 292 (अतिशिथिला).

33 F 11 आ 224 (आदितः ४ अध्याये २ पादपर्यन्ता).

ब्रह्मसूत्रवृत्तिः (पुरुषार्थसुधानिधिः) ज्ञानेन्द्रसरस्वतीकृता

8 J 47 आ 86 (आदितः २ अध्याये १ पादान्ता).

10 F 19 दे 458.

30 A 28 ग्र 150.

40 G 21 ग्र 132 (आदितः ३ अध्याये ३ पादे ९ सूत्रान्ता).

ब्रह्मसूत्रवृत्तिः (वेदान्तसूत्रमुक्तावली) ब्रह्मानन्दसरस्वतीकृता

9 K 8 दे 600.

38 F 50 आ 181 (१–३ अध्यायाः).

ब्रह्मसूत्रवृत्तिः—रामकिङ्करधर्मकृता

10 E 41 दे 70 (१ अध्याये ३ पादे "अनुकृतेः तस्य च" इति सूत्रपर्यन्ता).

ब्रह्मसूत्रवृत्तिः—रामब्रह्मेन्द्रसरस्वतीकृता

27 D 27 ग्र 238.

ब्रह्मसूत्रवृत्तिः (ब्रह्मामृतवर्षिणी) रामानन्दसरस्वतीकृता

8 G 14 आ 100 (आदितः २ अध्याये ३ पादे १२ सूत्रान्ता).

8 H 20 दे 242 (१ अध्यायः).

28 K 60 आ 203 (आदितः ज्योतिरधिकरण-पर्यन्ता).
30 I 8 आ 82 (आदितः ३ पादे १ अधिकरणान्ता).
34 B 5 ग्र 388.
34 C 4 ग्र 434.

ब्रह्मसूत्रवृत्तिः—शङ्करभगवत्पादशिष्यकृता
10 C 5 ग्र 18 (२ अध्याये २ पादे २ अधिकरणप्रभृति ३ पादपर्यन्ता).

ब्रह्मसूत्रवृत्तिः (ब्रह्मतत्त्वप्रकाशिका) सदाशिवेन्द्र-सरस्वतीकृता
8 H 4 ग्र 293.
21 G 6 ग्र 7 ("आवृत्तिरसकृदुपदेशात्" इति सूत्रप्रभृति "इतरस्याप्यनाश्लेषः" इति सूत्रपर्यन्ता).
24 C 11 ग्र 242 (आदितः ४ अध्याये ३ पादे ३ सूत्रपर्यन्ता).
28 K 35 आ 24 (१–३ पादाः).
28 K 42 ग्र 347.
33 K 10 ग्र 57 (आदितः ३ पादे ३९ सूत्रान्ता).
34 B 6 ग्र 282.
40 G 21 ग्र 11 (४ अध्याये ४ पादः).

ब्रह्मसूत्रवृत्तिः (वैय्यासिकसूत्रोपन्यासः) रामेश्वर-भारतीकृता
28 A 82 ग्र 112 (१, २ अध्यायौ).
33 F 12 आ 226.
33 J 20 ग्र 122.

ब्रह्मसूत्रवृत्तिः (ब्रह्मसूत्रचन्द्रिका)
10 G 10 दे 269.

ब्रह्मसूत्रवृत्तिः
26 G 42 आ 106.

ब्रह्मसूत्रवृत्तिः
29 B 7 आ 162 (आदितः ३ अध्याये ३ पादान्ता).

ब्रह्मसूत्रवृत्तिः
33 F 15 ग्र 254 (आदितः २ अध्याये १ पादे २२ सूत्रान्ता).

ब्रह्मसूत्रवृत्तिः
34 G 12 ग्र 160 (आदितः ३ अध्याये २ पादे ६ अधिकरणान्ता).

ब्रह्मसूत्रवृत्तिः
9 B 193 आ 32 (आदितः ३ पादाः).

---

## (iii) ब्रह्मसूत्रभाष्यादिग्रन्थाः

ब्रह्मसूत्रभाष्यम् (शारीरकमीमांसाभाष्यम्) भास्कराचार्यकृतम्
8 H 23 ग्र 163.

ब्रह्मसूत्रभाष्यम् (शारीरकमीमांसाभाष्यम्) शङ्कराचार्यकृतम्
8 F 59 आ 22 (दहराधिकरणं, भामती-कल्पतरुयुतम्).
8 H 27 ग्र 210.
10 K 18 दे 1080.
19 M 65 ग्र 302.
20 C 75 ग्र 22 (आनन्दमयाधिकरणप्रभृति आकाशाधिकरणपर्यन्तम्).

20 L 9 ग्र 308 (२ अध्यायप्रभृति ३ अध्याये ३ पादपर्यन्तम्).
20 L 10 ग्र 392 (प्रथमाध्यायः).
20 L 11 ग्र 170 (१ अध्याये १ पादे २३ सूत्रप्रभृति २ अध्याये २ पादे ७ सूत्रपर्यन्तम्).
20 L 12 ग्र 51 (आदितः ७ सूत्रपर्यन्तम्).
20 L 13 आ 32 (चतुस्सूत्रीभाष्यम्; २ अध्याये २ पादे पञ्चमाधिकरणं, ४ अध्याये १ पादे द्वितीयाधिकरणं च).
20 L 15 ग्र 250 (१ अध्याये ३ पादे ८ सूत्रप्रभृति ४ अध्याये ४ पादे १० सूत्रपर्यन्तम्).
20 L 18 ग्र 402 (२ अध्याये १ पादे २६ सूत्रप्रभृति ४ अध्याये ३ पादे ११ सूत्रान्तम्).
23 C 29 ग्र 216 (आदितः २ अध्याये ११ सूत्रपर्यन्तम).
23 C 29 ग्र 136.
23 C 29 ग्र 186 (आदितः ३ अध्याये २ पादान्तम्).
24 D 17 ग्र 144 (आदितः ३ अध्याये ३ पादे ११ सूत्रपर्यन्तम्).
29 L 30 आ 147.
40 H 9 ग्र 132 (१ अध्यायः).
40 I 17 आ 98 (१, २ अध्यायौ).

ब्रह्मसूत्रभाष्यव्याख्या (ब्रह्मविद्याभरणम्) अद्वैतानन्दकृता
8 I 13 ग्र 468 (१ अध्याये ३, ४ पादौ).
28 K 43 आ 276 (आदितः ३ अध्याये ३ पादे ४ अधिकरणपर्यन्ता).

ब्रह्मसूत्रभाष्यव्याख्या (न्यायनिर्णयः) आनन्दज्ञान(गिरि)कृता
10 D 3 दे 1306.
24 B 21 ग्र 192 अस.

ब्रह्मसूत्रभाष्यव्याख्या (भाष्यरत्नप्रभा, रत्नप्रभा, रामानन्दीयम्) गोविन्दानन्दकृता
8 H 26 ग्र 314.
20 I 9 आ 91 (चतुस्सूत्री).
23 A 22 आ 30 (२ अध्यायप्रभृति समग्रा).
23 B 30 ग्र 224 (आदितः २ पादे १३ सूत्रान्ता).
27 D 19 ग्र 48 (३ अध्याये १, २ पादौ).
27 I 89 ग्र 606.
29 K 22 आ 238 (आनन्दमयाधिकरणप्रभृति २ पादपूर्तिपर्यन्ता).

भाष्यरत्नप्रभाव्याख्या—स्वयंप्रकाशशिष्यकृता
34 G 12 ग्र 104.

ब्रह्मसूत्रभाष्यव्याख्या (भाष्यभावप्रकाशिका) चित्सुखमुनिकृता
38 D 6 दे 1504 (सं १–३).

ब्रह्मसूत्रभाष्यव्याख्या (पञ्चपादिका) पद्मपादाचार्यकृता
9 J 16 ग्र 263 (आदितः ९ वर्णकप्रस्तावान्ता).
10 E 4 दे 206 (आदितः चतुःसूत्र्यन्ता).
26 G 11 आ 112 (कोशद्वयं, आदितः समन्वयसूत्रान्ता).
28 F 37 ग्र 66 अस.
33 M 9 ग्र 52 (आदितः २ वर्णकपर्यन्ता).

पञ्चपादिकाटीका (पञ्चपादिकाविवरणम् ) प्रकाशात्मयतिकृता

28 E 15 ग्र 246 (आदितः समन्वयसूत्रे ९ वर्णकपर्यन्ता).

28 F 5 आ 268 (आदितः समन्वयसूत्रपर्यन्ता).

28 F 37 ग्र 218 (आदितः समन्वयसूत्रे कार्यान्वितशक्तिभङ्गप्रस्तावान्ता).

34 A 8 ग्र 266.

पञ्चपादिकाविवरणव्याख्या (तत्त्वदीपनम् ) अखण्डानन्दमुनिकृता

8 J 60 दे 1062 (सं १, २; आदितः ३ वर्णकान्ता).

20 F 61 ग्र 388 (आदितः २ वर्णकान्ता).

21 G 9 ग्र 92 अस.

21 G 12 आ 598 (आदितः समन्वयसूत्रान्ता).

28 F 1 ग्र 228 (१ वर्णकः).

34 G 24 के 58 अस.

34 H 14 के 408 अस.

पञ्चपादिकाविवरणव्याख्या (विवरणभावप्रकाशिका) नृसिंहाश्रममुनिकृता

28 F 2 ग्र 207 (आदितः समन्वयसूत्रान्ता).

पञ्चपादिकाविवरणव्याख्या (ऋजुविवरणम् ) विष्णुभट्टोपाध्यायकृता

34 C 22 के 296 (आदितः चतुस्सूत्र्यन्ता).

ब्रह्मसूत्रभाष्यव्याख्या (अद्वैतभूषणम् ) बोधेन्द्रसंयमिकृता

9 I 6 दे 486 (आदितः समन्वयसूत्रे २ वर्णकान्ता).

ब्रह्मसूत्रभाष्यव्याख्या (भामती) वाचस्पतिमिश्रकृता

27 B 9 आ 124.

27 B 10 आ 284 (३ अध्यायप्रभृति समग्रा).

27 E 49 आ 380 (१ अध्यायः).

33 K 34 आ 3 (आनन्दमयाधिकरणम् ).

33 L 22 ग्र 34 (प्रथमसूत्रम् ).

34 F 11 ग्र 498 (कल्पतरुपरिमलाभ्यां युता; परिमले आदितः ३ अध्याये ३ पादे वेधाद्यर्थभेदादिति सूत्रान्ता).

40 B 19 के 80 अस.

भामतीव्याख्या (ऋजुप्रकाशिका) अखण्डानन्दमुनिकृता

1 A 2 दे 653 (आदितः चतुस्सूत्र्यन्ता).

34 H 12 आ 392 (आदितः चतुस्सूत्र्यन्ता).

भामतीव्याख्या (भामतीभावदीपिका) अच्युतकृष्णतीर्थकृता

30 A 12 ग्र 460 (२–४ अध्यायाः).

भामतीव्याख्या (भामतीतिलकम् ) अल्लालसूरिकृता

39 C 14 दे 1915 (सं १–३; आदितः ३ अध्याये १ पादपूर्तिपर्यन्ता).

भामतीव्याख्या (कल्पतरुः) श्री अमलानन्दकृता

8 I 13 ग्र 93 (आदितः प्रथमसूत्रावतरणान्ता).
20 H 12 ग्र 250 (२–४ अध्यायाः).
20 H 14 आ 172.
20 H 17 ग्र 262 (३, ४ अध्यायौ).
20 H 18 आ 450 (२ अध्याये १ पादे ९ अधिकरणप्रभृति समग्रा).
20 H 19 आ 592.
20 H 40 आ 290 (१ अध्याये ३ पादे २६ सूत्रप्रभृति पूर्तिपर्यन्ता, अतिशिथिला).
20 H 42 आ 544 (अस, अतिशिथिला.
33 K 34 आ 3 (आनन्दमयाधिकरणम्).

भामतीव्याख्याटीका (कल्पतरुव्याख्या, परिमलः) अप्पयदीक्षितकृता

28 G 2 आ 398 (१–३ पादाः).
33 K 34 आ 6 (आनन्दमयाधिकरणम्).
38 F 49 आ 526 (१ अध्याये ३ पादे ७ अधिकरणान्ता).

ब्रह्मसूत्रभाष्यव्याख्या (सुबोधिनी) शिवनारायणानन्दकृता

33 G 22 ग्र 156.

ब्रह्मसूत्रभाष्यव्याख्या

33 K 34 आ 18 (आनन्दमयाधिकरणम्).

ब्रह्मसूत्राधिकरणसङ्ख्याश्लोकाः—विद्यारण्यकृताः

20 I 8 ग्र 8.

शारीरकन्यायरक्षामणिः (न्यायरक्षामणिः) अप्पयदीक्षितकृता

20 L 10 ग्र 389 (१ अध्याये २ पादप्रभृति पूर्तिपर्यन्ता).
22 L 40 ग्र 47 (आदितः १९ सूत्रपर्यन्ता.)
23 A 15 ग्र 204 (१ अध्यायः).
23 B 53 ग्र 198 (आदितः अपशूद्राधिकरणपर्यन्ता).

शारीरकमीमांसाशास्त्रसङ्ग्रहः—कृष्णानुभूतियतिकृतः

24 B 8 के 300.

शास्त्रदर्पणम्—अमलानन्दकृतम्

34 D 12 ग्र 144.

शास्त्रारम्भसमर्थनम्—त्र्यम्बकशास्त्रिकृतम्

21 G 6 ग्र 14.

श्रीभाष्यदूषणम्—स्वामिशास्त्रिकृतम्

20 F 44 ग्र 90 अस.

श्रीमत्तत्त्वकौस्तुभः (तत्त्वकौस्तुभः) भट्टोजिदीक्षितकृतः

8 G 4 आ 302.
21 G 6 ग्र 264 (आदितः ३ अध्यायान्तः).
30 A 13 ग्र 161.

सङ्क्षेपशारीरकम्—सर्वज्ञात्ममुनिकृतम्

8 D 58 दे 210.
8 I 7 ग्र 170.
34 B 1 ग्र 760.

सङ्क्षेपशारीरकव्याख्या (तत्त्वबोधिनी) नृसिंहाश्रम-कृता
27 M 28 ग्र 292 (४ अध्यायः).

[उपनिषद्भाष्यादिकं उपनिषत्सूच्यां, गीता-भाष्यादिकं गीतासूच्यां च द्रष्टव्यम्]

---

### (iv) शाङ्कराद्वैतप्रकरणग्रन्थाः

अखण्डैकरसवाक्यार्थः
33 K 3 ग्र 5.

अज्ञानबोधिनी (अध्यात्मविद्योपदेशविधिः)
35 B 17 दे 42 (प्रथमपत्रं विना समग्रा).

अध्यात्मविद्या (संन्यासविधिः)
24 F 11 आ 9.

अनात्मश्रीविगर्हणप्रकरणम् (केरळव्याख्यायुतम्)
8 J 32 के 11.

अनुभवपञ्चकप्रकरणम्
22 D 88 ग्र 1.
27 F 38 आ 1.

अपरोक्षानुभूतिः
40 G 4 ग्र 26.

आत्मतत्वविवेकः (सव्याख्यः)
22 D 38 आ 20.

आत्मबोधः (सटीकः)
8 J 50 ग्र 26.
9 B 12 आ 8.
9 B 24 क 10.
9 C 93 आ 16.
9 E 85 दे 24.
9 F 44 ग्र 3.
9 F 94 क 2.
9 H 79 आ 13.
10 D 27 दे 26.
19 B 8 ग्र 41 (सटीकः).
22 D 47 ग्र 9.
22 D 48 ग्र 7.
22 D 49 ग्र 8.
22 D 50 आ 12.
22 D 51 आ 5.
22 D 52 ग्र 10.
22 D 53 आ 32.
22 D 54 आ 6 (९० श्लोकाः, सटीकः).
22 D 55 आ 18.
22 D 56 आ 13.
22 D 60 ग्र 34 (सटीकः).
22 D 61 आ 27 (दीपिकायुतः).
22 D 62 आ 18.
24 C 18 ग्र 23.
28 M 54 ग्र 16.
29 C 2 आ 34 (सव्याख्यः).
30 G 13 ग्र 31.
30 I 6 आ 34.
30 K 16 आ 24.
33 C 1 ओ 23.
33 C 12 ओ 23.
33 H 5 आ 16 (सटीकः).
33 H 19 ग्र 8.
33 K 3 ग्र 24 (सव्याख्यः).
33 K 3 ग्र 4.

40 F 13 प्र 4.

प्रौढानुभूतिप्रकरणम्

28 J 43 आ 17.

बालबोधिनी

11 F 12 ब 7.
28 K 22 आ 3.

बालबोधिनीसङ्ग्रहः

24 F 11 आ 30.
28 J 54 प्र 17.

बोधार्या

9 F 66 प्र 7.
28 K 34 आ 198.

ब्रह्मानुसन्धानप्रकरणम्

10 B 25 आ 8.

मनीषापञ्चकम्

22 D 88 प्र 3.
40 G 7 प्र 42 (सव्याख्यम्).

महावाक्यविवरणम्

28 J 54 प्र 9.

महावाक्यार्थनिर्णयः

27 E 76 आ 2.

महावाक्यार्थविचारः

9 F 65 आ 4.

मायापञ्चकम्

22 D 88 प्र 3.

वाक्यवृत्तिः

19 B 8 प्र 10.
19 M 55 प्र 8.
20 E 15 प्र 8.
20 E 17 आ 4.
22 D 47 प्र 5.
28 L 22 आ 9.
29 M 21 आ 6.
30 G 13 प्र 46 (दीपिकासमेता).
30 H 18 प्र 4.
30 J 11 आ 6.
30 J 11 आ 43.
33 K 3 प्र 35.
33 K 3 प्र 4.

वाक्यवृत्तिप्रकाशिका (वाक्यवृत्तिलघुटीका) विश्वेश्वरपण्डितकृता

9 F 89 दे 44 (प्रथमपत्रं विना समग्रा).
20 E 22 आ 34.
20 E 23 आ 83.
29 M 21 आ 18.
30 J 11 आ 43.
33 H 5 आ 42.

विद्वत्संन्यासविधिः

9 F 4 क 4.

विवेकचूडामणिः

20 F 53 आ 10.
20 F 55 प्र 78.
20 H 29 आ 136.
29 K 38 प्र 15.

वेदान्तडिण्डिमः

20 H 25 आ 18.
20 H 27 आ 16.
22 D 88 प्र 10.
33 C 24 प्र 24.

वेदान्तशतश्लोकी
24 E 23 आ 122.

वेदान्तसदाचारप्रकरणम्
9 C 80 दे 14.

वेदान्तसप्तश्लोकी
9 C 86 दे 4.

सनत्सुजातीयभाष्यम्
38 E 19 दे 94.

सर्ववेदान्तसिद्धान्तसारसङ्ग्रहः
19 E 29 ग्र 154.
30 G 13 ग्र 15 अस.

स्वात्मनिरूपणम्
19 B 8 ग्र 22.
19 J 23 आ 18.
21 G 6 ग्र 7.
33 K 3 ग्र 8.
35 B 16 दे 46 (सच्चिदानन्दसरस्वतीकृतव्याख्योपेतम्).

स्वात्मप्रकाशिका
22 D 88 ग्र 12.

हस्तामलकद्वादशकभाष्यम्
20 C 78 ग्र 20.
28 J 54 ग्र 30.
33 C 24 ग्र 24.
40 G 4 ग्र 3.

---

## (v) अद्वैतप्रकरणग्रन्थाः

अज्ञानध्वान्तभास्करः—अमरेश्वरशास्त्रिकृतः
9 C 1 आ 282.
22 D 16 आ 62.

अणुवेदान्तः—रामशास्त्रिकृतः
19 B 17 आ 6.

अद्वैतग्रन्थः—अप्पयदीक्षितकृतः
28 G 57 ग्र 320 अस.

अद्वैतचूडामणिः—चिद्घनानन्दगुरुशिष्यकृतः
22 A 47 ग्र 60.

अद्वैतदीपिका—नृसिंहाश्रयतिकृता
26 H 24 आ 44 (आनन्ददीपिकापरिच्छेदः)
26 H 24 ग्र 130 (३, ४ परिच्छेदौ; नारायणाश्रमिकृतटीकायुता).
30 I 2 आ 216 (शिथिला).
33 F 24 ग्र 286.
40 I 11 ग्र 422 (बहूनि पत्राणि लुप्तानि).

अद्वैतदीपिकाविवरणम् (आनन्ददीपिका) नारायणाश्रमिकृतम्
22 A 49 आ 356 (३, ४ परिच्छेदौ).
22 A 50 आ 582 (१, २ परिच्छेदौ).
26 H 24 आ 44 (४ परिच्छेदः).
28 B 53 ग्र 234.
30 A 14 ग्र 416.
30 I 4 आ 150 (५ पत्रप्रभृति १, २ परिच्छेदौ, अतिशिथिलम्).
30 I 7 आ 252 (१ परिच्छेदः, शिथिलम्).
33 F 25 ग्र 464 अस.

अद्वैतमकरन्दः—लक्ष्मीधरकविकृतः
19 B 8 ग्र 5.
20 E 15 ग्र 6.
22 A 44 आ 65 (स्वयंप्रकाशयतिकृतरसाभिव्यञ्जिकासहितः).

22 D 47 प्र 2.
26 F 48 प्र 30 (स्वयंप्रकाशयतिकृतरसाभिव्यञ्जिकासहितः).
27 B 21 आ 39 (स्वयंप्रकाशयतिकृतरसाभिव्यञ्जिकासहितः).
33 K 3 प्र 35.
40 G 5 प्र 61 (स्वयंप्रकाशयतिकृत रसाभिव्यञ्जिकायुतः).
40 G 5 प्र 4 (पत्रद्वितयमेव).

अद्वैतमकरन्दव्याख्या (रसाभिव्यञ्जिका) स्वयंप्रकाशयतिकृता
19 M 55 प्र 6.
22 A 44 आ 65.
24 E 21 आ 58.
27 J 35 आ 37.
33 H 5 आ 24.

अद्वैतरत्नकोशः (तत्त्वविवेकदीपनम्) नृसिंहाश्रमिकृतः
33 C 32 प्र 408 (१, २ परिच्छेदौ).

अद्वैतरत्नकोशव्याख्या (अद्वैतरत्नकोशपालिनी) रामाध्वरिकृता
30 B 15 आ 160 (प्रथमपरिच्छेदः).

अद्वैतरत्नकोशव्याख्या (भावप्रकाशिका) कालहस्तीश्वरयज्वकृता
9 1 13 दे 678.

अद्वैतरत्नरक्षणम्—मधुसूदनसरस्वतीकृतम्
33 F 13 प्र 220.

अद्वैतरसमञ्जरी—नल्लासुधीकृता
9 F 66 प्र 4.
22 A 46 प्र 17.
22 D 88 प्र 9.
40 G 2 प्र 12.

अद्वतविद्यातिलकदर्पणम्—धर्मय्यदीक्षितकृतम्
19 M 60 प्र 142 (आदितः ३ अध्यायान्तम्).

अद्वैतसंग्रहः—रामभद्रविद्वत्कृतः
19 M 50 प्र 26.

अद्वैतसिद्धान्तविद्योतनम्—ब्रह्मानन्दसरस्वतीकृतम्
11 B 9 दे 102 (प्रथमपरिच्छेदः).
38 F 51 आ 80 (अनिर्वचनीयवादः).

अद्वैतसिद्धिः—मधुसूदनसरस्वतीकृता
8 I 11 प्र 807.
9 E 20 आ 78 (आगमबाधोद्धारान्ता).
10 D 10 दे 800.
22 A 13 प्र 154 (२ परिच्छेदे अखण्डार्थवादप्रभृति सामान्यतो भेदखण्डनान्ता).
22 A 48 प्र 459.
22 A 52 आ 90 अस (शिथिला).
22 A 53 प्र 20 (आदितः दृश्यत्वनिरुक्त्यन्ता).
22 B 9 आ 484 (आदितः २ परिच्छेदे बिंबप्रतिबिंबैक्यन्यायप्रस्तावान्ता).
22 L 57 प्र 24 (आदितः जडत्वनिरुक्त्यन्ता).
23 A 25 आ 24 (३, ४ परिच्छेदौ).
23 B 8 प्र 124.
23 C 14 प्र 84 (आदितः अपच्छेदन्यायवैषम्यभागान्ता).

अद्वैतसिद्धिव्याख्या
23 C 4 आ 134 (आदितः दृश्यत्वनिरुक्तिप्रस्तावान्ता).

अद्वैतसिद्धिव्याख्या (गुरुचन्द्रिका) ब्रह्मानन्दसरस्वतीकृता
9 K 14 दे 1232 (सं १, २; आदितः दृग्दृश्यसंबन्धभङ्गपर्यन्ता).

अद्वैतसिद्धिव्याख्या (लघुचन्द्रिका, ब्रह्मानन्दीयम्) ब्रह्मानन्दसरस्वतीकृता
8 I 12 ग्र 1263 (सं १, २).
20 C 61 ग्र 447 (प्रथमपरिच्छेदः).
20 C 67 ग्र 200 (आदितः प्रत्यक्षस्य अनुमानाबाध्यत्वपर्यन्ता).
22 A 51 ग्र 589.
22 L 64 ग्र 12 (तृतीयमिथ्यात्वे किंचित्).
30 H 7 ग्र 136 (आदितः दृश्यत्वनिरुक्तिपर्यन्ता).
30 H 17 ग्र 94 अस.
33 G 25 ग्र 430.

अद्वैतसिद्धिव्याख्याटीका (लघुचन्द्रिकाव्याख्या, विठलमिश्रीयम्) विठलमिश्रकृता
10 H 24 दे 1305 (सं १, २; आदितः जडत्वनिरुक्तिप्रस्तावान्ता).
20 C 75 ग्र 111 अस.

अधिकरणरत्नमाला (सव्याख्या; न्यायरत्नमाला, न्यायवृत्तिः, वैय्यासिकन्यायमाला) भारतीतीर्थविद्यारण्यकृता
10 F 11 दे 447.
20 I 17 ग्र 89 (१, २ अध्यायौ).
20 I 44 ग्र 21 (आदितः २ अध्याये ३ पादे १६ अधिकरणपर्यन्ता).
22 G 10 ग्र 39 (शिथिला).
24 A 4 ग्र 5 (पत्रत्रितयम्).
29 G 15 ग्र 27 (१ अध्याये १-३ पादाः).
30 H 10 ग्र 143.
33 I 4 आ 108.
34 C 7 ग्र 300.

अधिकरणसंख्याश्लोकाः
20 I 8 ग्र 10.

अध्यारोपप्रकरणम्
22 B 26 आ 6.

अनुबन्धचतुष्टयम्
24 B 40 आ 7.

अनुभवपञ्चकम्
26 F 38 आ 2.

अनुभवामृतम्—बालकृष्णब्रह्मानन्दयोगिकृतम्
24 E 37 आ 160.

अनुभवोल्लासः
29 M 21 आ 70.

अनुभूतिप्रकाशः—विद्यारण्यकृतः
9 H 66 आ 5 (आदितः ३६ श्लोकाः).

अपवादप्रकरणम्
22 B 26 आ 2.

अवधूतग्रन्थः
30 A 23 ग्र 186.

आत्मबोधभाष्यम्—रघुनाथसरस्वतीकृतम्
28 J 54 ग्र 36.

आत्मविद्याविलासः—सदाशिवब्रह्मेन्द्रकृतः
22 D 88 ग्र 11.
40 G 2 ग्र 10.

आत्मानात्मविवेकः
20 I 8 ग्र 3 (किंचित्).

20 J 33 प्र 5 (किंचित्).
21 M 42 प्र 4.
22 D 39 आ 20.
22 D 47 प्र 1.
30 I 6 आ 5.
30 J 32 आ 2.

आत्मानांत्मविवेकः
22 D 40 प्र 16.

आत्मानात्मविवेकः
22 D 41 आ 101 (आदितः पञ्चकोशविवरणान्तः)

आत्मानात्मविवेकः
29 M 21 आ 6.
30 J 11 आ 7.
33 F 31 प्र 4.

आत्मानात्मविवेकप्रकरणम्—स्वयंप्रकाशयोगीन्द्रकृतम्
22 D 57 आ 5.

आत्मानात्मविवेकप्रकाशिका—सदाशिवब्रह्मेन्द्रकृता
23 C 15 आ 11 (आदितः २९ श्लोकपर्यन्ता).

आत्मानात्मविवेकसंग्रहः—परमहंसपरिव्राजकाचार्यकृतः
22 D 43 आ 8.

आत्मानात्मविवेचनप्रकरणम्
33 K 3 प्र 16.

आराध्यादिमतदूषणम्—त्यागराजदीक्षितकृतम्
9 F 43 प्र 3.

इष्टसिद्धिः—विमुक्तात्मकृता
39 A 12 दे 716 (सं १, २).

इष्टसिद्धिव्याख्या—आनन्दानुभवकृता
39 A 3 दे 532.

इष्टसिद्धिव्याख्या—ज्ञानोत्तमकृता
39 C 5 दे 1052 (सं १, २).

उपदेशशिखामणिः
9 F 43 प्र 2.
28 M 51 प्र 4.

कर्माकर्मविवेकनौका—रामचन्द्रयोगिकृता
30 G 13 प्र 9.

कार्यकारणभावमीमांसा—श्रीनिवासाचार्यकृता
39 C 17 आ 190.

केसरावली (सिद्धान्तकल्पवल्लीव्याख्या) सदाशिवेन्द्रसरस्वतीकृता
34 D 13 प्र 96.

कैवल्यदीपः (प्रभाख्यव्याख्यायुतः) कृष्णकृतः
10 F 18 दे 538.

खण्डनखण्डनखाद्यम्—श्रीहर्षकृतम्
11 D 145 दे 64 (१ परिच्छेदे भाट्टशंकानिरासान्तम्).

खण्डनखण्डनखाद्यटीका (खण्डनमण्डनम्) वरदपण्डितकृता
21 A 34 प्र 648.

खण्डनखण्डनखाद्यटीका—शंकरकृता
34 C 13 प्र 186 अस.

गुणत्रयविवेकः—स्वयंप्रकाशमुनिकृतः
30 G 13 प्र 5.

चतुर्विधमहावाक्यानुभवः
9 F 65 आ 2.

चित्तवृत्तिः
19 M 55 ग्र 24 अस.

चिदचिद्ग्रन्थिविवेकः
21 E 45 ग्र 126 (७ पत्रप्रभृति ६१ पत्रपर्यन्तः, अतिशिथिलः).

चेतनाचेतनप्रकरणम्
22 B 26 आ 8.

जीवब्रह्मभेदनिराकरणम्
21 F 39 ग्र 30.

जीवेश्वररूपनिरूपणम्
20 I 8 ग्र 3.

ज्ञानप्रदीपिका
9 B 24 आ 4.

ज्ञानबोधः—शुकयोगिकृतः
9 B 23 क 2.

ज्ञानमार्गप्रबोधिनी
19 K 1 आ 6.

ज्ञानांकुशः (सव्याख्यः) नीलकण्ठदीक्षितकृतः
33 K 3 ग्र 9.

तत्त्वचन्द्रिका—उमामहेश्वरकृता
8 G 6 आ 380.

तत्त्वदीपः—वल्लभदीक्षितकृतः
38 E 37 दे 107 (२ प्रकरणे सर्वनिर्णये २१ पत्रप्रभृति समग्रः).

तत्त्वप्रदीपिका—चित्सुखमुनिकृता
21 G 18 ग्र 392 (आदितः २ परिच्छेदे किंचित् अतिशिथिला).
34 B 10 ग्र 80.
34 J 52 दे 229 (१ परिच्छेदः).
36 F 13 दे 18 (४ परिच्छेदः).

तत्त्वबोधः
8 D 78 दे 11.
10 E 35 दे 52.
22 D 61 आ 9.
25 F 19 आ 3.
26 H 21 ग्र 17.
29 C 6 आ 10.
30 G 13 ग्र 9.

तत्त्वविवेकः—नृसिंहाश्रमिकृतः
33 K 7 ग्र 208 (१ परिच्छेदः, आदौ किंचिन्न्यूनः).

तत्त्वसंख्यानखण्डनम्—त्र्यंबकभट्टकृतम्
29 G 4 ग्र 6.

तत्त्वसंग्रहः
21 H 11 ग्र 6 (१, ६, ७ पत्राणि).

तत्त्वानुसन्धानम्—महादेवसरस्वतीकृतम्
38 E 12 दे 94.

तत्त्वंपदार्थविवेकः—पूर्णानन्दसरस्वतीकृतः
38 F 54 आ 172.

तप्तमुद्राविद्रावणम्
20 J 36 ग्र 152 अस.

दक्षिणामूर्तिविलासः
22 D 88 ग्र 28.

दक्षिणामूर्तिविलासः—वासुदेवानन्दसरस्वतीकृतः
22 D 88 ग्र 42.

दशकोटिः—अप्पयदीक्षिताचार्यकृता
21 L 69 ग्र 18 (२ पत्रं विना समग्रा).

दृग्दृश्यविवेकः—विद्यारण्यकृतः
29 M 21 आ 4.

द्वैतखण्डनम्
26 D 9 ग्र 12.

निगमान्तार्थचन्द्रिका
22 D 86 ग्र 10 अस.

निगमार्थदीपिका—रामेश्वरकृता
8 J 66 के 12.

निजतत्त्वामृतरसः—परमेश्वरयोगिकृतः
21 B 2 ग्र 11.
21 B 50 ग्र 6.

निजानन्दानुभूतिप्रकरणम्
28 C 40 ग्र 19.

नैष्कर्म्यसिद्धिविवरणम्—अखिलात्मकृतम्
39 B 17 दे 1322 (सं १–३).

नैष्कर्म्यसिद्धिविवरणम्—ज्ञानामृतकृतम्
39 A 15 दे 917 (सं १, २).

नैष्कर्म्यसिद्धिव्याख्या (भावतत्वप्रकाशिका) चित्सुखमुनिकृता
39 B 16 दे 264.

न्यायचन्द्रिका—आनन्दपूर्ण (विद्यासागर) कृता
34 D 7 के 300.

पञ्चकोशविमर्शिनी—त्यागराजकृता
9 F 43 ग्र 1.

पञ्चदशी (सव्याख्या) विद्यारण्यकृता
9 D 26 दे 40 (पञ्चकोशविवेकप्रभृति महावाक्यविवेकपर्यन्ता).
9 E 29 दे 48 (चित्रदीपे ३४ श्लोकप्रभृति २७९ श्लोकान्ता).
9 H 45 आ 246 (प्रथमचित्रदीपादि नाटकदीपान्ता, ततः तत्वविवेकादि महावाक्यविवेकान्ता, योगानन्दादि आत्मानन्दान्ता).
10 D 14 दे 540 (चित्रदीपप्रकरणम्).
28 J 3 आ 45 (तृप्तिदीपः).
34 F 21 आ 103 (तृप्तिदीपप्रकरणं, चित्रदीपप्रकरणम्).

पञ्चदशीव्याख्या—रामकृष्णकृता
24 F 20 आ 12 (महावाक्यविवेकः).
29 M 18 आ 436 (६ अध्यायादि समग्रः).
30 C 11 आ 6 (महावाक्यविवेकः).

पञ्चप्रकरणी—रामदासकृता
8 D 68 आ 61.

पञ्चरत्नविवरणम् (किरणावली) बालकृष्णानन्दसरस्वतीकृतम्
40 G 7 ग्र 40.

पञ्चीकरणम्
9 B 30 आ 3.
9 C 103 आ 14.
27 D 49 ग्र 2.

पञ्चीकरणम्—अभिनवसदाशिवब्रह्मेन्द्रकृतम्
30 G 13 ग्र 13.

परमात्मनिरूपणम्
34 K 2 दे 174 अस.

प्रत्यक्तत्त्वप्रकाशिका—वासुदेवेन्द्रयतिकृता
33 C 24 ग्र 122.

प्रत्यक्त्वस्वप्रकाशत्ववादः—कृष्णगुरुकृतः
23 F 44 ग्र 22.

प्रमाणादिविभागश्लोकव्याख्या—स्वयंप्रकाशमुनिकृता
22 D 86 ग्र 4.

40 G 4 प्र 6.

महावाक्यरत्नावली—रामचन्द्रेन्द्रकृता
8 J 10 प्र 53.
8 J 12 आ 44.
8 J 22 आ 328 (उपनिषद्ब्रह्मयोगिकृत-किरणावलीयुता).
9 F 4 क 26.
24 E 6 आ 132.
27 E 56 आ 36.
27 E 74 आ 64.
27 E 79 आ 130.

महावाक्यरत्नावलीप्रभा
10 C 20 आ 120.

महावाक्यरत्नावलीप्रभालोचनम्—उपनिषद्ब्रह्मयोगिकृतम्
34 G 14 प्र 226.

महावाक्यरत्नावलीविवरणम्—उपनिषद्ब्रह्मयोगिकृतम्
33 G 21 प्र 94.

महावाक्यविवरणम्
27 F 38 आ 5.

महावाक्यार्थदर्पणः—कृष्णानन्दभारतीकृतः
30 I 5 आ 153.

महावाक्यार्थनिरूपणम्
40 G 1 प्र 8.

महावाक्यार्थमञ्जरी—अच्युतशर्मकृता
11 D 14 दे 8.

महावाक्यार्थविवरणम्
24 F 18 प्र 3.

मानमाला—अच्युतकृष्णानन्दतीर्थकृता
22 D 86 प्र 4.

मानमालाविवरणम्—रामानन्दकृतम्
22 D 86 प्र 13 (१, २ परिच्छेदौ).

मानसोल्लासः (दक्षिणामूर्त्यष्टकव्याख्या) सुरेश्वराचार्यकृतः
34 I 14 प्र 126.
34 M 44 दे 26.

मिथ्यात्वनिरुक्तिरहस्यम्—गोलोकनाथकृतम्
21 G 6 प्र 17.

मिथ्यापवादविध्वंसः—चन्द्रशेखरसूरिकृतः
9 F 7 प्र 14.

मुक्तिवादरहस्यम्
34 J 8 दे 23.

रामानुजशृंगभङ्गः
10 J 25 दे 203 अस.
30 I 16 आ 92 अस.

लक्षणावृत्तिः
10 G 4 दे 68.

लिंगभंगमुक्तिशतकव्याख्या—उपनिषद्ब्रह्मयोगिकृता
34 H 3 प्र 422.
36 D 6 प्र 668.

वादनक्षत्रमालिका—अप्पयदीक्षितकृता
9 K 10 दे 360.
29 K 40 प्र-आ 218.

वासुदेवतत्त्वम्—अप्पयदीक्षितकृतम्
21 B 46 प्र 42 (३ पत्रप्रभृति समग्रम्)

वासुदेवमननम्—वासुदेवदीक्षितकृतम्
9 B 24 क 19.

20 E 42 आ 209.
20 E 49 ग्र 240.
21 D 3 ग्र 17.
24 C 18 ग्र 83.
26 H 4 ग्र 12.
26 H 21 ग्र 50 (आदितः ४ वर्णकपर्यन्तम्).
40 I 7 ग्र-द्रा 144 (द्राविडार्थयुतम्).
40 I 9 ग्र-द्रा 405 (द्राविडार्थयुतम्).

विमतभञ्जनम् (विष्णुतत्वरहस्यखण्डनम्) अप्पुशास्त्रिकृतम्

20 F 39 ग्र 146 (आदितः २ परिच्छेदपर्यन्तम्).

विरक्तिरत्नावली

9 F 43 ग्र 9.

विरोधवरूथिनी—उमामहेश्वरशास्त्रिकृता

8 G 3 आ 54.
20 F 44 ग्र 82.
33 K 26 आ 54.

विवेकमुकुरः—नृसिंहभारतीकृतः

22 D 88 ग्र 12.

विवेकामृतम्—ज्ञानेश्वरकृतम्

10 B 6 दे 186.

विशिष्टाद्वैतदूषणसारसंग्रहः—ब्रह्मदेवपण्डितकृतः

29 L 26 आ 66.

वेदान्तकल्पलतिका—मधुसूदनसरस्वतीकृता

20 H 20 ग्र 35 (प्रथमस्तबकः).

वेदान्तपरिभाषा—धर्मराजाध्वरिकृता

20 H 31 ग्र 71.
20 H 32 ग्र 108.
20 H 33 ग्र 58 (किंचिन्न्यूना).
22 M 10 ग्र 71 (आदितः ८ परिच्छेदपर्यन्ता).
23 A 35 ग्र 70.
26 A 12 ग्र 40.
29 A 9 आ 74.
30 I 18 ग्र 14 (१ परिच्छेदः).
33 B 11 ग्र 119.
33 M 7 ग्र 10.

वेदान्तपरिभाषाव्याख्या—पेत्तादीक्षितकृता

23 C 3 आ 168 (अन्ते किंचिन्न्यूना).
38 C 14 दे 160 (प्रत्यक्षानुमानपरिच्छेदौ).

वेदान्तप्रकरणम्

34 D 16 ग्र 232.
34 J 32 दे 23.

वेदान्तभूषणम्

8 I 20 दे 62 (आदितः साधनचतुष्टयसम्पत्तिपर्यन्तम्).

वेदान्तशिखामणिः (रामकृष्णदीक्षितीयम्) रामकृष्णदीक्षितकृतः

20 H 31 आ 33 (आदितः अनुमानान्तः).
22 L 38 ग्र 52 (प्रत्यक्षानुमानौ, शिथिलः).
25 A 53 ग्र 90 (आदितः उपमानखण्डपर्यन्तः).

वेदान्तसारः—सदानन्दकृतः

8 D 90 दे 26 (आदितः जीवन्मुक्तलक्षणपर्यन्तः).
11 G 109 ब 23.
20 H 34 आ 21.
20 I 8 ग्र 23 (आदौ पत्रद्वयं नास्ति).
29 M 21 आ 16.
33 C 1 ओ 41.

वेदान्तसारव्याख्या—रामचन्द्रानन्दसरस्वतीकृता
29 M 21 आ 90.

वेदान्तसारव्याख्या (सुबोधिनी) नृसिंहसरस्वती-कृता
34 J 42 दे 80.
38 E 40 दे 152.
38 E 43 दे 112.

वेदान्तसारसङ्ग्रहः—अद्वयानन्दसरस्वतीकृतः
35 B 106 दे 32.
40 G 4 ग्र 6.

वेदान्तसारसङ्ग्रहः—शिवरामपण्डितकृतः
20 I 8 ग्र 5.

वेदान्तसिद्धान्तचूडामणिः
30 B 10 आ 88.

वेदान्तसिद्धान्तसूक्तिमञ्जरी—गङ्गाधरेन्द्रसरस्वती-कृता
10 E 10 दे 80 (सव्याख्या).

वेदान्तसिद्धान्तादर्शः—मोहनलालवेदान्ताचार्यकृतः
8 F 54 आ 40 (७१ श्लोकप्रभृति समग्रः).

वेदान्तसंज्ञाप्रकरणम्
9 F 22 आ 44.
21 G 6 ग्र 20.

वैराग्यतरङ्गः—सुनाथकृतः
8 D 66 आ 17.
38 F 55 दे 10.

व्यासतात्पर्यनिर्णयः
19 G 6 आ 30.

शारीरकार्थसंक्षेपः—राघवार्यकृतः
34 D 25 ग्र 14.

शिष्यप्रबोधः
19 B 31 ग्र 12 (आदितः ९०० श्लोकान्तः).

श्रीभाष्यदूषणम्—स्वामियज्वकृतम्
20 F 44 ग्र 6.

श्रुतिसारसमुद्धरणम्
33 E 3 ग्र 92 (आदितः ८७ कारिकान्तम्).

षड्विधतात्पर्यनिर्णयः
28 A 79 ग्र 26.

सन्न्यासस्य ज्ञानाङ्गत्वसमर्थनम्
24 E 7 आ 14.

सर्ववेदान्तसारसङ्ग्रहः—चिदानन्दस्वामिकृतः
29 B 17 आ 20.

सर्ववेदान्तसारसङ्ग्रहः—सदाशिवब्रह्मेन्द्रसरस्वती-कृतः
8 G 39 आ 22.

साधनचतुष्टयश्लोकाः
40 G 1 ग्र 2.

सिद्धसिद्धान्तपद्धतिः—परमेश्वरयोगिकृता
21 B 2 ग्र 17.
21 B 50 ग्र 4.

सिद्धान्तमुक्तावली—प्रकाशानन्दकृता
10 E 2 दे 206.
38 F 52 आ 48.

सिद्धान्तलेशसंग्रहः—अप्पयदीक्षितकृतः
8 F 84 ग्र 88.
9 H 28 दे 258 (१ परिच्छेदः, सव्याख्यः).
19 G 7 ग्र 118.
19 G 10 आ 102.
24 B 10 ग्र 81 (आदितः ३ परिच्छेद-पर्यन्तः).

26 B 33 ग्र 109 (आदितः ३ परिच्छेदान्तः)
33 M 10 ग्र 50 अस.

सिद्धान्तलेशसंग्रहटिप्पणी
8 F 84 ग्र 3 (१ परिच्छेदः).

सिद्धान्तलेशसंग्रहटिप्पणी—अच्युतकृष्णानन्दतीर्थकृता
8 F 84 ग्र 4 (चतुर्थपरिच्छेदः).

सिद्धान्तसिद्धाञ्जनम्—बालकृष्णानन्दसरस्वतीकृतम्
9 J 18 दे 2169 (सं १, २).

सृष्टितत्वामृतरसः—परमेश्वरयोगिकृतः
21 B 2 ग्र 19.
21 B 50 ग्र 9.

सृष्टिप्रक्रिया
19 H 10 आ 7.

स्वात्मानुभवमणिदर्पणः—वेङ्कटेशकृतः
28 J 2 ग्र 132.

हरिहरभेदधिक्कारः—बोधेन्द्रयतिकृतः
40 D 6 ग्र 532.

---

# विशिष्टाद्वैतग्रन्थाः

## (i) वृत्तिग्रन्थाः

वेदान्तदीपः—रामानुजाचार्यकृतः
9 H 48 दे 103.
19 C 60 ग्र 16 (किंचित्).
23 I 9 ग्र 460 (आदितः ४ अध्याये ३ पादान्तः).
25 F 30 ग्र 248.
25 G 24 ग्र 330.
30 F 4 ग्र 274.

वेदान्तसारः—रामानुजाचार्यकृतः
20 H 38 ग्र 273.

शारीरकमीमांसासूत्रवृत्तिः
10 I 22 दे 378.

## (ii) भाष्यादिग्रन्थाः

श्रीभाष्यम्—रामानुजाचार्यकृतम्
9 E 66 आ 380.
10 C 6 दे 1798 (श्रुतप्रकाशिकासहितम्).
19 C 33 आ 438.
19 C 34 ग्र 500.
19 C 35 ग्र 188 (आदितः २ अध्याये ३ पादे ९ सूत्रपर्यन्तम्).
20 M 42 ग्र 12 (२ अध्याये २ पादे ११ सूत्रप्रभृति ३९ सूत्रपर्यन्तम्).
21 G 6 ग्र 2 (दहराधिकरणम्).
23 G 38 ग्र 258 (आदितः २ अध्याये ४ पादे २८ सूत्रपर्यन्तम्).
23 I 1 ग्र 326 (आदितः २ अध्याये ४ पादे २८ सूत्रपर्यन्तम्).

23 I 26 ग्र 204 (२ अध्यायप्रभृति पूर्तिपर्यन्तम्).
25 C 29 ग्र 170 (आदितः आनन्दमयाधिकरणान्तम्).
25 G 26 आ 426.
25 I 27 ग्र 460 (आदितः २ अध्याये १ पादान्तम्).
26 D 1 ग्र 566.
26 G 27 ग्र 190 (३ पत्रप्रभृति समग्रं, अतिशिथिलम्).
26 I 1 आ 264 (२ अध्यायप्रभृति समग्रम्).
26 J 11 आ 30 (२ पत्रप्रभृति किंचित्).
33 J 4 ग्र 350 (२ अध्यायप्रभृति पूर्ति पर्यन्तम).

श्रीभाष्यटिप्पणी (प्रयोगरत्नमाला) देशिकाचार्यकृता
38 C 13 ग्र 174 (जिज्ञासाधिकरणम्).

श्रीभाष्यव्याख्या (भावप्रदीपिका) नारायणमुनिकृता
24 E 46 ग्र 4 (१ सूत्रम्).

श्रीभाष्यव्याख्या (सुबोधिनी) पुरुषोत्तमकृता
38 A 15 ग्र 996 (सं १, २; जिज्ञासाधिकरणम).

श्रीभाष्यव्याख्या (भाष्यभावप्रबोधनं, नयप्रकाशिका) मेघनादसूरिकृता
10 F 8 दे 947 (सं १, २; १ अध्याये १ पादः).
10 G 17 दे 2745 (सं १–९).

श्रीभाष्यव्याख्या (तात्पर्यदीपिका) वीरराघवदासकृता
10 F 7 दे 1306 (सं १–३).

श्रीभाष्यव्याख्या (लघुभावप्रकाशिका) श्रीनिवासताताचार्यकृता
10 J 19 ग्र 1284 (सं १, २; चतुस्सूत्री).

श्रीभाष्यव्याख्या
25 F 17 ग्र 154 (१ अध्याये १ पादः).

श्रीभाष्यव्याख्या (तत्त्वमार्ताण्डः) श्रीनिवासाचार्यकृता
36 D 13 ग्र 1364 (सं १, २; १ अध्याये १ पादः, २ पादे किंचित्).
39 A 7 ग्र 257 (सर्वत्रप्रसिद्ध्याधिकरणप्रभृति अन्तर्याम्यधिकरणान्ता).

श्रीभाष्यव्याख्या (श्रुतप्रकाशिका) सुदर्शनसूरिकृता
23 E 17 ग्र 166 (आदितः लघुसिद्धान्तपर्यन्ता).
23 F 24 ग्र 38 (जन्माद्यधिकरणम्).
26 A 2 ग्र 302 (३ अध्यायप्रभृति समग्रा).
26 C 14 ग्र 118 अस.
26 C 15 ग्र 608 (१ अध्यायः).
26 D 5 आ 276 (२ अध्यायः).
29 J 22 ग्र 288 (१ अध्याये १, २ पादौ).
33 J 2 ग्र 210 अस (अतिशिथिला).
33 J 3 ग्र 250 (जन्माद्यधिकरणप्रभृति अन्तस्तद्धर्माधिकरणपर्यन्ता).

श्रीभाष्यव्याख्याटीका (श्रुतप्रकाशिकाव्याख्या, श्रुतप्रदीपिका)
34 E 9 ग्र 455.

श्रीभाष्यव्याख्याटीका (श्रुतप्रकाशिकाव्याख्या, तात्पर्यदीपिका)
10 H 5 दे 1530 (सं १, २) अस.

श्रीभाष्यव्याख्याटीका (श्रुतप्रकाशिकाव्याख्या, भावप्रकाशिका) रङ्गरामानुजमुनिकृता
26 A 13 ग्र 112 अस. (शिथिला).

श्रीभाष्यव्याख्याटीका (श्रुतप्रकाशिकाव्याख्या, श्रुतप्रकाशिकासङ्ग्रहः) श्रीनिवाससूरिकृता
8 J 61 दे 953 (सं १, २).
34 F 4 आ 220 अस. (शिथिला).

श्रीभाष्यव्याख्याटीका (श्रुतप्रकाशिकाव्याख्या, तूलिका) वाधूलश्रीनिवासाचार्यकृता
25 A 27 ग्र 145.
25 B 30 ग्र 236 (आदितः १ अध्याये ३ पादाः).

श्रीभाष्यसङ्ग्रहः
33 I 17 ग्र 24 अस.

श्रीभाष्यसारार्थसङ्ग्रहः—श्रीवत्साङ्कश्रीनिवासकृतः
25 C 6 ग्र 37.

श्रीभाष्यसिद्धान्तसारः—रङ्गाचार्यकृतः
29 J 7 ग्र 282 (आदितः ४ अध्याये १ पादपर्यन्तः).

श्रीभाष्यादिशान्तिः (रामानुजभाष्यशान्तिः) रामानुजकृता
13 E 12 ग्र 8.
25 I 1 ग्र 4.
26 J 2 ग्र 22.
27 D 20 ग्र 7.

---

## (iii) विचारग्रन्थाः

अथशब्दार्थविचारः (आनन्तर्यविचारः)
19 M 51 ग्र 15 अस.



25 A 35 ग्र 16.
25 A 36 ग्र 36.

चन्द्रिकाखण्डनम् (सिद्धान्तन्यायचन्द्रिका) देवराजकृता
25 G 2 ग्र 72 (द्युम्वाद्यधिकरणप्रभृति भूमाधिकरणपर्यन्तम्).
36 D 9 ग्र 340 अस.

जन्माद्यधिकरणविचारः
26 E 15 ग्र 6.

जिज्ञासादर्पणम्
10 H 12 दे 166.

जिज्ञास्यनिर्णयः
9 I 22 दे 88.

ब्रह्मसूत्रार्थसंग्रहः—शठकोपमुनिकृतः
9 G 35 दे 18.

भावप्रकाशिकादूषणोद्धारः—शठकोपाचार्यकृतः
23 D 7 ग्र 10.

शारीरकन्यायकलापः—भगवत्सेनापतिमिश्रकृतः
10 I 23 दे 60.

---

## (vi) प्रकरणग्रन्थाः

अखण्डार्थत्वभङ्गः
9 I 17 दे 127 अस.

अणुत्वचुलुकम्
25 B 31 ग्र 4.

अणुत्वसमर्थनम्
25 A 56 ग्र 13.

अणोरणीयानितिश्रुत्यर्थः
26 E 6 ग्र 8.

अथर्वशिखाविलासः
10 J 6 ग्र 1625 (सं १-३ ; आदितः २ खण्डे २४ कक्ष्यान्तः).
40 E 2 ग्र 200.

अद्वैतकालानलः
8 E 15 दे 385 अस.

अद्वैतमतखण्डनम्
25 A 22 ग्र 12.

अद्वैतविद्याविजयः (वेदान्तविजयमङ्गळदीपिकायाम्) सुदर्शनाचार्यकृतः
26 C 9 ग्र 44.
34 F 2 आ 126 अस.

अद्वैतविद्याविजयव्याख्यानम्
23 A 42 ग्र 180 अस.

अधिकरणसारावली—वेदान्ताचार्यकृता
9 H 18 आ 56 (सटिप्पणी).
22 B 2 ग्र 63.
23 E 40 ग्र 48 (आदितः २ अध्याये २ पादान्ता).
23 F 22 ग्र 70 (आदितः २ अध्याये १ पादान्ता).
26 I 17 ग्र 40 (आदितः अन्तर्याम्यधिकरणान्ता).
30 E 1 ग्र 84 (आदितः २ अध्याये २ पादान्ता).

अधिकारसङ्ग्रहः—वेदान्ताचार्यकृतः
9 H 42 दे 58.
25 A 54 ग्र 41.
25 I 1 ग्र 42 (आदितः निगमनाधिकारसंग्रहान्तः).

अधिकारसङ्ग्रहव्याख्या—श्रीभाष्यश्रीनिवासाचार्यकृता
25 A 54 ग्र 61.
26 F 28 ग्र 98.
30 G 24 ग्र 70.

अधिकारसङ्ग्रहश्लोकः—वेदान्ताचार्यकृतः
24 D 37 ग्र 28.

अधिकारसङ्ग्रहश्लोकव्याख्या
26 H 26 ग्र 96.
30 E 17 ग्र 100.

अध्यात्मचिन्ता—वादिकेसरिमिश्रकृता
9 G 62 क 15.
26 E 22 ग्र 35 (सटीका).
29 I 38 ग्र 11.

अध्यात्मचिन्ताव्याख्या—वरदाचार्यकृता
9 G 61 क 128.

अब्दमालिका—रङ्गाचार्यकृता
30 E 48 ग्र 11.

अभयप्रदानसारः—वरदाचार्यकृतः
9 F 92 दे 140.
26 B 17 ग्र 53.

अभेदखण्डनम्
25 G 9 ग्र 16 (आदितः अक्षिविद्याविचारान्तम्).

अर्थपञ्चकम्
34 E 10 आ 7.

अष्टपदार्थविवरणम्
38 C 3 ग्र-द्रा 510.

तत्क्रतुन्यायविचारः—नृसिंहसूरिकृतः
34 E 6 प्र 48 (कोशत्रयम्).

तत्त्वटीका—वेदान्तदेशिककृता
19 K 26 आ 26.
33 I 23 प्र 206 (आदितः लघुसिद्धान्तपर्यन्ता).

तत्त्वत्रयम्—लोकाचार्यकृतम्
26 D 33 प्र 7.

तत्त्वत्रयचुलुकम्—वरदाचार्यकृतम्
21 G 8 प्र 42.

तत्त्वत्रयप्रमाणसङ्ग्रहः—सौम्यजामातृमुनिकृतः
34 E 12 प्र-द्रा 123.

तत्त्वत्रयव्याख्यानम्
26 I 32 द्रा-प्र 46 अस (अतिशिथिलम्).
34 E 21 आ 212.

तत्त्वत्रयावलिः
25 A 54 प्र 19.

तत्त्वदीपः—वादिकेसरिमिश्रकृतः
9 G 60 क 220.
29 H 6 प्र 54 (आदौ पत्रत्रयं नास्ति).

तत्त्वदीपः—सौम्यजामातृमुनिकृतः
9 H 52 दे 229.
25 A 14 प्र 198 अस (शिथिलः).

तत्त्वदीपसङ्ग्रहकारिका—वादिकेसरिमिश्रकृता
9 G 62 क 53.

तत्त्वनिर्णयः—वरदाचार्यकृतः
24 F 25 प्र 40.
26 D 16 प्र 20.

तत्त्वनिर्णायकग्रन्थः—देवनाथकृतः
25 A 62 प्र 6.

तत्त्वमुक्ताकलापः—वेदान्ताचार्यकृतः
9 H 14 आ 19.
21 H 1 प्र 100 (आदितः ५ सरान्तः).
23 C 23 प्र 132 (आदितः ११२ श्लोकपर्यन्तः).
23 E 11 प्र 48 (सर्वार्थसिद्धियुतः, द्रव्यसरः असमग्रः).
23 E 15 आ 42 (सर्वार्थसिद्धियुतः द्रव्यसरः असमग्रः).
23 E 18 प्र 152 (द्रव्यसरः).
26 B 4 प्र 89.

तत्त्वमुक्ताकलापव्याख्या—वेङ्कटाचार्यकृता
34 H 7 प्र 270.

तत्त्वमुक्ताकलापव्याख्या (सर्वार्थसिद्धिः) वेदान्ताचार्यकृता
26 C 20 प्र 326 (आदितः जीवसरपर्यन्ता).
30 F 10 प्र 446 (२ सरप्रभृति भावातिरिक्ताभावभङ्गपर्यन्ता, अतिशिथिला).

तत्त्वमुक्ताकलापव्याख्याटीका (सर्वार्थसिद्धिव्याख्या, आनन्ददायिनी) नृसिंहराजकृता
38 G 1 प्र 2023 (सं १–४).

तत्त्वविवेकः (तत्त्वसङ्ग्रहः) लोकाचार्यकृतः
26 E 22 प्र 86.

तत्त्वसन्देशः—वेदान्तदेशिककृतः
26 E 40 द्रा-प्र 14.

तत्त्वसारः (तत्त्वसरणिः) वरदाचार्यकृतः
1 A 21 दे 530 (सव्याख्यः).
9 H 14 आ 8 (१८ श्लोकप्रभृति समग्रः).

22 M 18 ग्र 28.
23 H 40 ग्र 20 (१–९६ श्लोकाः).
25 A 54 ग्र 14.
34 H 7 ग्र 22.

तात्पर्यरत्नावली—वेदान्तदेशिककृता
33 I 22 ग्र 20.

त्यागशब्दार्थटिप्पणी—श्रीशैलयोगीन्द्रकृता
34 E 13 ग्र 75.

त्रिंशच्छ्लोकी—श्रीरामकृता
25 A 62 ग्र 3.

दक्षिणकलार्यमतभङ्गः—परकाळयतीन्द्रकृतः
25 F 10 ग्र 14.

दर्पणमालिका—श्रीनिवासकृता
25 A 31 ग्र 191 (षष्ठ्यर्थदर्पणं, जिज्ञासादर्पणं, प्रतितन्त्रदर्पणं च).

दिव्यप्रबन्धप्रमाणम्
29 H 7 ग्र 4 (आदितः २९ श्लोकपर्यन्तम्).

दिव्यसूरिप्रभावदीपिका—वेदान्तरामानुजकृता
10 C 21 दे 92.

दुरर्थदूरीकरणम्—कृष्णतातकृतम्
36 D 2 ग्र 665 (आदितः ४० अधिकाराः).

दुरुपदेशाधिकारः—श्रीनिवासदासकृतः
21 L 1 ग्र 40.
34 F 26 ग्र 54 (आदितः ६ हेतुभङ्गपर्यन्तः).

दुरूहशिक्षा
10 J 8 ग्र 592.

देवताराध्यता
36 D 7 ग्र-द्रा 100 अस.

देशिकदिनचर्या—नैनाराचार्यकृता
30 E 48 ग्र 3.
33 J 8 ग्र 7.

देशिकध्यानम्
33 J 8 ग्र 5.

देशिकप्रपत्तिः—नैनाराचार्यकृता
30 E 48 ग्र 2.
33 J 8 ग्र 2.

देशिकप्रार्थनाष्टकम्
30 E 48 ग्र 1.

देशिकविजयः—श्रीनिवासकृतः
10 J 16 ग्र 102.

द्रविडोपनिषत्सारः
21 M 24 ग्र 6.
21 M 29 ग्र 14.
25 E 9 ग्र 7.
25 E 14 ग्र 3.
33 I 22 ग्र 94.

द्वयमन्त्रार्थविचारः
25 A 56 ग्र 12 अस.

द्वारत्वविचारः
23 C 25 ग्र 8.

नक्षत्रमालिका—श्रीनिवासकृता
30 E 48 ग्र 6.

नयद्युमणिः—मेघनादारिकृतः
9 I 19 ग्र 522.

नयद्युमणिसङ्ग्रहः
25 F 10 ग्र 48 अस.
28 G 14 ग्र 142 अस.

नयमणिकलिका—श्रीनिवाससूरिकृता
10 H 11 दे 107.
34 E 8 ग्र 64.

नयमयूखमालिका—अप्पयदीक्षितकृता
26 D 15 ग्र 348.
28 A 18 ग्र 119 (आदितः २ परिच्छेदे १ अध्याये ४ पादपर्यन्ता.)

नारायणधर्मसारसङ्ग्रहः
9 G 35 दे 63.

नारायणपदणत्वसमर्थनम्
29 A 4 आ 11.

नारायणपदसाधारण्यम्
10 I 21 दे 26.

नारायणनिरुक्तिः (नारायणपदसाधारण्यखण्डनम्)
10 I 21 दे 117.

नारायणपारम्यम्—वेदान्ताचार्यकृतम्
9 J 35 दे 40.
22 B 3 आ 88 अस (अतिशिथिलम्).
25 A 37 ग्र 12.
26 E 28 ग्र 82.

नारायणशब्दार्थविचारः
28 C 26 आ 23.

निक्षेपरक्षा—वेदान्ताचार्यकृता
25 A 1 ग्र 90.

न्यायकुलिशम्—रामानुजकृतम्
36 A 4 ग्र 368.

न्यायपरिशुद्धिः—वेदान्ताचार्यकृता
25 I 23 ग्र 63 (शब्दखण्डः).
28 D 51 ग्र 9.

न्यायपरिशुद्धिव्याख्या
1 A 3 ग्र 534 (शब्दस्मृतिप्रमेयाध्यायाः).

न्यायपरिशुद्धिव्याख्या—कृष्णताताचार्यकृता
10 H 14 दे 1645 (सं १–३, प्रत्यक्षानुमानाध्यायौ).

न्यायपरिशुद्धिव्याख्या (न्यायसारः) श्रीनिवासकृता
10 J 15 ग्र 802 (सं १, २).

न्यायरत्नावली—आदिवराहवेदान्ताचार्यकृता
9 J 7 दे 237.
9 J 35 दे 292.
25 A 57 ग्र 68.

न्यायसिद्धाञ्जनम्—वेदान्ताचार्यकृतम्
23 E 35 ग्र 3 अस.
23 I 6 ग्र 22 अस (अतिशिथिलम्).
25 B 27 ग्र 80 (४ परिच्छेदप्रभृति ६ परिच्छेदपर्यन्तम्).
25 C 3 ग्र 23 (अद्रव्यपरिच्छेदः).
25 E 35 ग्र 201.

न्यायसिद्धाञ्जनव्याख्या
30 F 11 ग्र 310 (आदितः ईश्वरपरिच्छेदान्ता)

न्यासतिलकम्—वेदान्ताचार्यकृतम्
23 B 4 आ 21 (सव्याख्यम्).
25 A 54 ग्र 12.
25 I 24 ग्र 7.
28 E 39 ग्र 9.
30 E 22 ग्र 53 (सव्याख्यम्).

न्यासतिलकव्याख्या—वरदाचार्यकृता
25 A 4 ग्र 45 (१–२७ श्लोकपर्यन्ता).
25 A 54 ग्र 4 अस.

न्यासदशकव्याख्या—श्रीनिवासाचार्यकृता
25 A 26 ग्र 8.

न्यासविद्याभूषणम्—वरददासकृतम्
36 C 3 ग्र 252.

न्यासविद्यार्थविचारः—नीलमेघताताचार्यकृतः
28 E 37 ग्र 50 अस.

न्यासविद्याविजयः—श्रीनिवासदासकृतः
10 J 5 ग्र 429 (आदितः ८ अधिकारान्तः).

न्यासविवृतिः अहोबिल रङ्गनाथयतिकृतः
26 J 2 ग्र 58 (कोशद्वयम्).

न्यासविंशतिः—वेदान्तदेशिककृता
9 H 53 दे 12 (१२ श्लोकप्रभृति १८ श्लोकपर्यन्ता, सटीका).

न्यासविंशतिव्याख्या
25 A 54 ग्र 21.
30 E 22 ग्र 74.

पञ्चमतभञ्जनम्—ताताचार्यकृतम्
38 C 2 ग्र 596.

पञ्चसंस्कारविधिः
25 A 32 ग्र 12.
25 A 54 ग्र 6.
29 H 5 ग्र 15.
33 J 8 ग्र 43.

पदार्थसङ्ग्रहः
26 E 25 ग्र 77 (कोशद्वयम्).

पदार्थसङ्ग्रहव्याख्या
26 A 15 ग्र 22 (आदितः उपाधिलक्षणान्ता)

परमतभङ्गः—वेदान्ताचार्यकृतः
25 H 24 ग्र-द्रा 255.

परमपदसोपानगाथाव्याख्या—वेदान्ताचार्यकृता
25 H 10 ग्र-द्रा 18.

परमसंस्कारविधिः
25 A 54 ग्र 6.

परमुखचपेटिका—श्रीकृष्णताताचार्यकृता
10 H 9 दे 92.

पाञ्चकालिकपद्धतिः—वात्स्यवेदान्तसूरिकृता
38 A 6 ग्र 744 (सं १, २).

पाञ्चरात्रप्रामाण्यम्
19 E 48 ग्र 70 अस.

पाराशर्यविजयः—महाचार्यरामानुजदासकृतः
23 G 41 ग्र 204 अस.
26 A 27 क 320 अस (शिथिलः).
36 B 8 ग्र 1804 (सं १–३).

पुच्छब्रह्मवादः
29 G 4 ग्र 14.

पुच्छब्रह्मवादरहस्यम्
26 C 9 ग्र 12.

पुरुषार्थरत्नाकरः—रङ्गनाथसूरिकृतः
28 H 17 आ 316.

प्रतिज्ञावादः—अनन्ताचार्यकृतः
28 I 11 ग्र 35.

प्रतितन्त्वदर्पणम्
9 J 22 दे 104.
29 F 15 ग्र 48.

प्रपञ्चमिथ्यात्ववादः
23 F 6 ग्र 14.

प्रपत्तिकारिकाः—वरदाचार्यकृताः
21 K 66 ग्र 8.

प्रपत्तिप्रयोगः
23 E 38 ग्र 32 (अतिशिथिलः).
23 G 36 ग्र 12.
23 I 23 आ 20.
26 F 46 ग्र 14.
26 J 2 ग्र 47 (कोशत्रयम् ).
28 I 22 ग्र 24.
28 I 40 ग्र 16.

प्रपत्त्युपायत्वखण्डनम्
24 I 18 ग्र 25.

प्रपत्त्युपायत्वनिर्णयः
28 I 34 ग्र 92.

प्रपत्त्युपायत्वविचारः
26 F 51 ग्र 146 अस.

प्रपन्नपारिजातः—वरदाचार्यकृतः
9 F 16 आ 39.
9 G 63 क 4 (आदितः २६ श्लोकाः).
25 A 9 ग्र 21.
25 I 13 ग्र 12 अस (अतिशिथिलः).
29 I 38 ग्र 25.

प्रपन्नरक्षा
29 D 1 ग्र 43.

प्रमाणसङ्ग्रहः
23 J 5 ग्र 224.
34 E 5 आ 137.

प्रमाणसङ्ग्रहः—वरवरमुनिकृतः
26 E 23 आ 88.

प्रमाणसारः—गोविन्दाचार्यकृतः
28 I 47 आ 222.

प्रमेयमाला—वरदराज (वरदार्य) सूरिकृता
26 B 40 ग्र 45 (आदितः अखण्डवाक्यभङ्गान्ता).
26 D 16 ग्र 26 (आदौ ७ पत्राणि न सन्ति).
34 H 7 ग्र 88.
36 D 10 ग्र 134.

फलभेदखण्डनम्—वरददेशिकाचार्यकृतम्
23 G 10 आ 29.

बालसरस्वती—रघुनाथाचार्यकृता
38 A 9 ग्र 254 अस.

ब्रह्मज्ञाननिरासः—वेङ्कटकृष्णमाचार्यकृतः
26 C 15 ग्र 2.

ब्रह्मज्ञाननिरासः—श्रीनिवाससुधीकृतः
25 G 8 ग्र 19.

ब्रह्मपदप्रवृत्तिनिमित्तविचारः
25 B 31 ग्र 7 अस.

ब्रह्मपदशक्तिवादः—अनन्ताचार्यकृतः
28 K 32 ग्र 28.

ब्रह्मपदशक्तिवादः—श्रीशैलश्रीनिवासयोगिराजसुधीकृतः
10 J 1 दे 127.
23 H 14 ग्र 20 अस.

ब्रह्मलक्षणवाक्यार्थसङ्ग्रहः—शठकोपमुनिकृतः
26 A 5 ग्र 108.

ब्रह्मविद्याविजयः—रामानुजदासकृतः
8 I 1 दे 190.
25 B 31 ग्र 152 अस (अतिशिथिलः).

ब्रह्मशब्दार्थविचारः—कृष्णताददेशिककृतः
28 K 27 ग्र 56.

ब्रह्मशब्दार्थविचारः—शठकोपाचार्यकृतः
23 D 7 ग्र 12 अस.
26 C 8 ग्र 26 अस.

ब्रह्मशब्दार्थविचारः
24 D 22 ग्र 14 अस.

भगवदाराधनक्रमः
9 G 35 दे 9.
29 H 7 ग्र 5.

भगवद्विषयः
38 C 13 दे 120 अस.

मतपरीक्षा
36 A 11 ग्र 478.

मध्वमतध्वान्तदिवाकरः
1 A 18 ग्र 511 (आदितः आकाशाधिकरणान्तः).

मन्त्ररत्नम्
26 D 33 ग्र-द्रा 3.

महाभारततात्पर्यरक्षा—परवस्तुवेदान्ताचार्यकृता
1 A 15 ग्र 364.

महालक्ष्मीरत्नकोशः
33 J 8 ग्र 16.

मिथ्यात्वखण्डनम्—अण्णयार्यकृतम्
22 D 83 आ 34.

मिथ्यात्वानुमानखण्डनम्—अनन्ताचार्यकृतम्
23 H 42 ग्र 10.

मुक्तकश्लोकाः
30 E 48 ग्र 2.

मुक्तिशब्दविचारः—श्रीनिवासदासकृतः
10 J 9 दे 38.

मुक्तिसोपाननिर्णयः
8 J 32 के 5.

मोक्षकारणतावादः—अनन्ताचार्यकृतः
9 H 18 आ 12.
23 F 33 ग्र 22.

यतिप्रतिवन्दनखण्डनम्—वेङ्कटाध्वरिकृतम्
38 C 15 दे 160 अस.

यतिराजमङ्गलाशासनम्
28 A 57 ग्र 4.
33 J 8 ग्र 2.

यतीन्द्रमतदीपिका
25 C 31 ग्र 10 (आदितः स्मृतिनिरूपणान्ता).
26 C 17 ग्र 8 (अनुमाननिरूपणम्).
27 I 24 ग्र 42 (शिथिला).
27 I 25 ग्र 6 (आदितः अनर्वाचीनप्रत्यक्षनिरूपणान्ता).

रहस्यत्रयकारिका—वादिकेसरिमिश्रकृता
9 G 63 क 29.

रहस्यत्रयचुळुकम्—वरदाचार्यकृतम्
21 G 8 ग्र 74.

रहस्यत्रयचूडामणिः—सौम्यजामातृमुनिकृतः
34 E 10 ग्र 4.

रहस्यत्रयजीवातुः—नारायणमुनिकृतः
34 E 10 ग्र 140.

रहस्यत्रयमीमांसाभाष्यम्—रामानुजदासकृतम्
34 E 23 ग्र 100 (१ अध्याये, १ पादः).

रहस्यत्रयमीमांसाभाष्यम्—कृष्णपादलोकगुरुकृतम्
31 J 20 ग्र 160 (आदितः ८ अधिकरणपर्यन्तम्).

रहस्यत्रयरक्षा—वेदान्ताचार्यकृता
27 J 39 आ 96 (आदितः चतुश्लोक्यधिकारान्ता).

रहस्यत्रयविवरणम्—सौम्यजामातृमुनिकृतम्
34 E 10 ग्र 3.

रहस्यत्रयसङ्ग्रहार्थः—सौम्यजामातृमुनिकृतः
9 H 50 ग्र 19.

रहस्यत्रयसारः—वेदान्ताचार्यकृतः
27 J 33 ग्र 14.

रहस्यत्रयसारः—वेङ्कटेशविपश्चित्कृतः (अधिकारसंग्रहश्लोकाः)
25 E 38 ग्र 12.

रहस्यत्रयसारव्याख्यानम् (सारचन्द्रिका) अपर्याप्तामृतदासकृतम्
10 J 7 ग्र 1180 (सं १, २).
21 M 40 ग्र 338 (परिपूर्णब्रह्मानुभवाधिकारः).

रहस्यत्रयसारव्याख्या (सारदीपिका) श्रीनिवासाचार्यकृता
9 H 4 ग्र-द्रा 370 (आदितः द्वयाधिकारपर्यन्ता).
30 E 5 ग्र 190 (आदितः साङ्गप्रपदनाधिकारादूर्ध्वं अधिकारद्वयं वर्तते).
30 F 1 ग्र 296.
30 F 2 ग्र 155.
30 G 24 ग्र 84 (आदितः ४८ अधिकारान्ता).

रहस्यत्रयसारव्याख्या (कारिकादर्पणम्) आत्रेयवरदाचार्यकृता
22 I 27 ग्र 23.
27 J 42 आ 30.

रहस्यत्रयसारश्लोकाः—वेदान्ताचार्यकृताः
20 I 32 ग्र 8 (अपराधपरिहाराधिकरणप्रभृति श्रुतिसर्वारभ्यतापत्तियोग्याधिकार - पर्यन्ताः)
23 F 38 ग्र 22 (अर्थानुशासनभागः)
25 I 24 ग्र 17.
26 I 23 ग्र 20.
27 J 31 ग्र 8 (आदितः ४२ श्लोकाः).

रहस्यत्रयसारसङ्ग्रहः—राघवाचार्यकृतः
25 A 38 ग्र 14 अस.

रहस्यत्रयसारसङ्ग्रहव्याख्या (मूलसहिता)
34 F 7 ग्र 241.

रहस्यत्रयसारार्थसङ्ग्रहः—वरदनाथकृतः
27 J 34 ग्र 31 अस.

रहस्यत्रयसारार्थसङ्ग्रहः—कुमारवरदाचार्यकृतः
22 M 52 ग्र 62.
24 F 26 ग्र 22.

रहस्यमञ्जरी
23 D 32 ग्र 20.
26 F 11 ग्र 30 (अतिशिथिला).

रहस्यरक्षा—वेदान्ताचार्यकृता
21 B 31 ग्र 212.
25 A 54 ग्र 79 (आदितः गद्याधिकारान्ता).
27 J 40 ग्र 36 (चतुश्लोक्यधिकारः).

रामानुजनवरत्नमालिका—धर्मपुरीशकृता
9 I 17 दे 1409 (सं १–३).

रामानुजप्रपत्तिः—अप्पय्यङ्गारकृता
29 D 20 आ 1.
33 J 8 ग्र 3.

रामानुजमङ्गळाशासनम्
29 D 20 आ 32.

रामानुजसिद्धान्तसङ्ग्रहः—श्रीनिवासराघवकृतः
10 H 6 दे 356 (आदितः ३ परिच्छेदान्तः).

रामानुजसिद्धान्तसंग्रहप्रकाशिका
26 C 8 ग्र 164 अस (शिथिला).

रामानुजसिद्धान्तसंग्रहव्याख्या
26 F 26 ग्र 16 अस.

रामानुजसिद्धान्तसङ्ग्रहार्थः
23 G 12 ग्र 10.

रामानुजसिद्धान्तसारः—रङ्गरामानुजस्वामिकृतः
10 J 22 ग्र 571.

लक्ष्मणार्यसिद्धान्तसङ्ग्रहः—श्रीनिवाससुधीकृतः
30 E 38 ग्र 13.

लक्ष्मीप्रपत्त्युपायत्वविचारः
23 D 17 ग्र 9.

लक्ष्मीविभुत्वखण्डनम्
26 A 9 ग्र 4.

लक्ष्मीविभुत्वश्लोकाः
24 D 16 ग्र 14 (१–४७ श्लोकाः).

लक्ष्मीविभुत्वादिनिरासः
23 D 17 ग्र 18.

लयविचारः
26 C 15 ग्र 2.

वाक्यार्थसङ्ग्रहः—शठकोपमुनिकृतः (ब्रह्मलक्षणात्मकः)
10 I 5 दे 135.

विग्रहध्यानम्—नैनाराचार्यकृतम्
30 E 48 ग्र 3.

विजयीन्द्रपराजयः
40 E 2 ग्र 140.

विरोधपरिहारः—वेदान्तदेशिककृतः
20 F 43 ग्र 86.

विलक्षणवैष्णवोत्कर्षनिरूपणम्
25 A 10 ग्र 12 (१–९ पक्षाः).

विवादार्थसङ्ग्रहणम्—श्रीरङ्गनाथकृतम्
30 E 38 ग्र 20.

विशिष्टाद्वैतशब्दार्थः
23 D 24 ग्र 4 (१–१८ श्लोकाः).

विषयतावादः—अनन्ताचार्यकृतः
20 G 14 ग्र 25.

विषयवाक्यदीपिका—रङ्गरामानुजमुनिकृता
25 G 22 ग्र 104 अस.
26 A 28 ग्र 78 अस.
26 D 6 ग्र 458.
29 J 32 ग्र 272.
34 I 2 ग्र 440.
40 E 4 ग्र 266 अस.

विष्णुतत्त्वरहस्यम् (शैववैष्णवविवादः) रामसुब्रह्मण्यशास्त्रिकृतम्
20 J 70 ग्र 116.

विष्णुपरतत्त्वम् (पुराणवचनसङ्ग्रहः)
20 G 59 आ 22.

विष्णुपारम्यम्
23 F 19 ग्र 206 अस.

विष्णुपारम्यविचारः
25 I 38 ग्र 40 अस.

वेदान्तकारिकावली—वेङ्कटाचार्यकृतः
9 G 35 आ 20.

वेदान्तकौस्तुभः—वेदान्ताचार्यकृतः
19 A 5 ग्र 294 अस.
20 H 30 ग्र 550 (आदितः उपब्रह्मणाधिकारान्तः).
20 H 41 ग्र 410 (आदितः उपब्रह्मणाधिकारान्तः).
26 D 29 आ 98 अस.
26 J 8 ग्र 128 अस.

वेदान्तन्यायमाला
10 H 14 आ 3.

वेदान्तरत्नावलिः
38 C 10 ग्र 96 (आदितः ४ परिच्छेदाः).

वेदान्तरहस्यम्
22 D 83 ग्र 22 अस.

वेदान्तवाक्यानां विशिष्टाद्वैतपरत्वम्
26 B 46 ग्र 53.

वेदान्तविजयः—रामानुजदासमहाचार्यकृतः
1 A 14 ग्र 492.
9 E 74 आ 159 (सद्विद्याविजयः ७ पत्रप्रभृति समग्रः).

वेदान्तविजयव्याख्या (वेदान्तविजयमङ्गळदीपिका) सुदर्शनाचार्यकृता
8 E 1 दे 530 (आदितः ४ परिच्छेदे जीवेश्वरैक्यभंगपर्यन्ता).
21 A 80 ग्र 304.
25 B 40 ग्र 40 (१६ पत्रप्रभृति अद्वैतविद्याविजयोपन्यासपूर्तिपर्यन्ता).
26 B 3 ग्र 188 (सद्विद्याविनयोपन्यासः).

वेदार्थसङ्ग्रहः—रामानुजयतिकृतः
24 D 32 ग्र 35.
25 F 30 ग्र 83.
28 H 5 ग्र 55.

वेदार्थसंग्रहतात्पर्यदीपिका—सुदर्शनसूरिकृता
23 C 9 ग्र 96 अस.
24 D 32 ग्र 78.
28 H 5 ग्र 131 (२ खण्डमारभ्य समग्रा).
33 I 13 आ 160 (अतिशिथिला).

वेदाहमितिमन्त्रव्याख्या
34 E 11 ग्र 38.

वैकुण्ठगद्यम्—रामानुजाचार्यकृतम्
20 K 17 ग्र 22.

वैकुण्ठस्तवः—यामुनाचार्यकृतः
25 B 45 ग्र 50 (वेंकटनिवासदासव्याख्यायुतः).

वैकुण्ठस्तवः—श्रीवत्साङ्कमिश्रकृतः
25 B 45 ग्र 7 (१० श्लोकप्रभृति पूर्णः).
26 B 41 ग्र 16.

वैष्णवसिद्धान्तकारिकाः
25 A 46 ग्र 2.

वैष्णवेष्टिः
25 A 54 ग्र 1.

व्यावहारिकत्वखण्डनसारः—अण्णयाचार्यकृतः
22 D 83 ग्र-आ 32 (शितिलः).
23 C 25 ग्र 20.
29 G 4 ग्र 30.
34 E 8 ग्र 30 (अतिशिथिलः).

व्यावहारिकसत्यत्वखण्डनम्
10 G 7 दे 141.

शतकोटिदूषणपरिहारः—गोपालताताकृतः
33 F 7 ग्र 16 अस.

शतदूषणी (द्राविडार्थसहिता) नदीतीरमुनिकृता
25 A 12 ग्र 34 (आदितः जन्माद्यधिकरणवादान्ता).

शतदूषणी—रामानुजाचार्यकृता
26 A 9 ग्र 14 (गायत्र्या विष्णुपरत्वसमर्थनम्).

शतदूषणी—वेदान्ताचार्यकृता
9 E 74 आ 135 (८ भङ्गप्रभृति २९ भङ्गपर्यन्ता).
23 G 7 ग्र 12 (आदितः वादद्वयम्).

शतदूषणीव्याख्या (नृसिंहराजीयम्) नृसिंहराजकृता
23 H 33 ग्र 26 अस.
38 A 7 ग्र 948 (सं १, २ ; आदितः ३१ मुक्तिभङ्गान्ता).

शरणागतिगद्यम्—रामानुजाचार्यकृतम्
20 K 17 ग्र 9.
25 A 11 आ 11.

शरणागतितत्त्वम्
23 D 32 आ 8.

शरीरभावाधिकरणविचारः—नृसिंहसूरिकृतः
34 E 6 ग्र 24.

शरीरवादः—अनन्ताचार्यकृतः
20 K 39 ग्र 22.

शास्त्रैक्यवादार्थः—अनन्तार्यकृतः
20 M 37 ग्र 22.

शौरिराजचरणारविन्दशरणागतिसारः—रामानुजदासभिक्षुकृतः
38 C 21 दे 104.

श्रीतत्त्वदर्पणम्—केसरभूषणकृतम्
9 G 63 क 14.

श्रीब्रह्मत्वव्युदासः
25 B 31 ग्र 17.

श्रीशैलपूर्णप्रपत्तिः
33 J 8 ग्र 6.

श्रीशैलपूर्णमङ्गलाशासनम्
33 J 8 ग्र 1.

श्रुतितात्पर्यनिर्णयः—महाचार्यकृतः
34 H 8 ग्र 25 अस.

षष्ठीदर्पणम्—श्रीनिवासकृतम्
9 E 14 आ 6 (१ पत्रं नास्ति).
9 F 5 आ 18 अस.

षष्ठीविचारः
26 C 15 ग्र 3 अस.

षष्ठ्यर्थदर्पणम्—अण्णयाचार्यकृतम्
23 C 25 ग्र 12.

षष्ठ्यर्थदर्पणम्—श्रीशैलश्रीनिवासाचार्यकृतम्
19 D 15 ग्र 20.

सगुणवादः
23 F 6 ग्र 14.

सङ्गतिसारः—रघुनाथाचार्यकृतः
1 A 32 ग्र 492.
38 C 9 ग्र 160 (२ अध्यायः).

सच्चरित्ररक्षा—वेदान्ताचार्यकृता
9 G 1 दे 104.

सदाचारबोधः—रामनाथयोगिकृतः
8 F 21 ग्र 74.

सद्दर्शनसुदर्शनम्
9 I 11 दे 100.
34 F 8 ग्र 51.

सद्विद्याविजयः—महाचार्यकृतः
19 D 55 ग्र 40 अस.
26 C 15 ग्र 14.

सप्ततिरत्नमालिका—अण्णयाचार्यकृता
30 E 48 ग्र 12.

समासवादः—अनन्ताचार्यकृतः
19 D 87 ग्र 24.

सम्पत्कुमारसुप्रभातम्
33 J 8 ग्र 10.

संस्कृतविरोधिपरिहारः
21 L 52 ग्र 98 (आदितः १०६ कोष्यन्तः).

सर्वार्थसुन्दरी (पुरुषसूक्तव्याख्या) देवराजकृता
34 E 11 ग्र 11.

सहस्रकिरणी—श्रीनिवासाचार्यकृता
10 H 13 दे 964 (१, २ उच्छ्वासौ).

सात्विकब्रह्मविद्याविलासः
29 G 12 आ 208.
33 I 19 ग्र 128.

सामानाधिकरण्यवादः—अनन्ताचार्यकृतः
9 H 18 आ 29.

सारनिष्कर्षटिप्पणी—श्रीनिवासदासकृता
10 J 12 दे 92.

सारसंग्रहः
10 H 59 दे 77.

सिद्धान्तचन्द्रिका—वेदान्ताचार्यकृता
36 A 7 आ 232 (३ अधिकारः).

सिद्धान्तचिन्तामणिः—श्रीनिवासाचार्यकृतः
19 F 29 ग्र 106.
26 A 11 ग्र 108.

सिद्धान्तरत्नावली—वेङ्कटसुधीकृता
10 J 18 ग्र 1189 (१, २ परिच्छेदौ, सं १, २).
26 B 20 ग्र 20 अस.

सिद्धान्तरहस्यम्
8 D 80 दे 4.

सिद्धान्तसंग्रहः—श्रीशैलाचार्यदासकृतः
34 H 11 ग्र 34.

सिद्धोपायसुदर्शनम्—श्रीनिवासदासकृतम्
10 I 16 दे 134 अस.

सुदर्शनमीमांसा
9 F 85 ग्र 44.

स्वरूपज्ञानाद्यष्टकस्वरूपनिरूपणम्
10 H 58 ग्र 1.

स्वरूपनिर्णयः
26 A 6 ग्र 8.

हरिगुणमणिमाला—नरसिंहसूरिकृता
34 F 3 आ 80.

हरिगुणमणिमाला—श्रीनिवाससूरिकृता
34 F 5 आ 87.

हिसिधात्वर्थवादः
19 G 14 ग्र 16.

### (v) वल्लभमतग्रन्थाः

वल्लभसिद्धान्तवाङ्माला—विठलकृता
11 D 147 दे 34 (प्रथमपत्रं विना समग्रा).

# द्वैतग्रन्थाः

## (i) भाष्यादिग्रन्थाः

ब्रह्मसूत्रटीका (तन्त्वदीपिका) राघवेन्द्रकृता

8 C 16 दे 82 (३ अध्यायप्रभृति समग्रा).

ब्रह्मसूत्रभाष्यम्—आनन्दतीर्थकृतम्

9 C 117 आ 64 (प्रथमपादः).
9 D 47 दे 114 (२ अध्यायप्रभृति समग्रम्).
11 D 130 दे 192.
19 K 86 ना 49 अस.
36 G 22 आ 334.

ब्रह्मसूत्रभाष्यव्याख्या (भाष्यदीपिका) जगन्नाथकृता

8 C 1 प्र 76 अस.
8 C 20 दे 42 (आदितः ३ अध्यायान्ता).
29 B 38 ना 322 (२ अध्यायः).

ब्रह्मसूत्रभाष्यव्याख्या (तत्त्वप्रकाशिका) जयतीर्थकृता

8 D 31 दे 220 (१–३ पादाः).
21 G 19 आ 396.
29 B 39 ना 360 (१, २ अध्यायौ).

तत्त्वप्रकाशिकाव्याख्या (तत्त्वप्रकाशिकाविवरणम्) जयतीर्थकृता

9 E 25 आ 2 (किंचिदेव).
38 F 12 दे 30.

तत्त्वप्रकाशिकाव्याख्या (तत्त्वप्रकाशिकाभावबोधः) रघूत्तमयतिकृता

8 B 10 दे 591.
8 C 31 दे 128 (१ अध्याये ३, ४ पादौ).
8 C 32 दे 77 (फलाध्यायः).
8 C 58 दे 123 (दहराधिकरणप्रभृति २ अध्यायपर्यन्ता).

तत्त्वप्रकाशिकाव्याख्या (तत्त्वप्रकाशिकाटिप्पणी) राघवेन्द्रयतिकृता

8 C 11 दे 136 (१ अध्याये २ पादप्रभृति पूर्तिपर्यन्ता).

तत्त्वप्रकाशिकाव्याख्या (तात्पर्यचन्द्रिका) व्यासयतिकृता

10 J 4 दे 237 (२ अध्यायः).
29 J 17 ना 60 अस.

तत्त्वप्रकाशिकाव्याख्या (तत्त्वप्रकाशिकावाक्यार्थमञ्जरी) श्रीनिवासकृता

8 C 48 दे 36.
8 C 59 दे 130 (२ अध्याये ३ पादमारभ्य ३ अध्याये २ पादपर्यन्ता).

तत्त्वप्रकाशिकाव्याख्या (वाक्यार्थमुक्तावली) श्रीनिवासकृता

8 C 35 दे 116 (३ अध्याये १ पादमारभ्य २ पादे ८ अधिकरणपर्यन्ता).

ब्रह्मसूत्रभाष्यव्याख्या (ब्रह्मसूत्रभाष्यार्थमञ्जरी) नारायण (वेदगर्भनारायण, पुट्टाचार्य) कृता

8 B 42 दे 184 (आदितः २ अध्याये १४ सूत्रान्ता).
8 B 43 दे 270.
8 C 41 दे 348 (१ अध्यायः प्रथमपादहीनः).

ब्रह्मसूत्रभाष्यव्याख्या (तत्त्वमञ्जरी) राघवेन्द्रयतिकृता
8 C 51 दे 84 (१ अध्यायः).
40 D 20 ना 376.

ब्रह्मसूत्रभाष्यव्याख्या (भावदीपः) राघवेन्द्रयतिकृता
8 B 11 दे 239 (२ अध्यायमध्यादान्ता).
40 D 18 ना 190 अस.

---

## (ii) भाष्यानुसारिग्रन्थाः

अणुव्याख्यानम्—नारायणपण्डिताचार्यकृतम्
8 C 9 दे 48 (आदितः २ अध्याये ३ पादपर्यन्तम्).

अनुव्याख्यानम्—आनन्दतीर्थकृतम्
19 K 86 ना 58 अस.
29 B 36 आ 72 (१, २ अध्यायौ).

अनुव्याख्यानन्यायविवरणम्—आनन्दतीर्थकृतम्
8 C 4 दे 34.
9 D 42 आ 35.

अनुव्याख्यानन्यायविवरणम्—रघूत्तमयतिकृतम्
8 C 42 दे 270 (३ अध्यायप्रभृति समग्रम्).

न्यायमाला (सूत्रभाष्यप्रतिपादितन्यायसंग्रहरूपा) रघूत्तमयतिकृता
8 D 2 दे 6.

न्यायविवरणपञ्चिका—जयतीर्थकृता
8 C 56 दे 40.

न्यायसुधा—(अनुव्याख्यानटीका, टिप्पणीयुता) जयतीर्थकृता
8 B 47 दे 500 (आदितः २ अध्यायान्ता).
9 G 30 दे 233 अस.
11 E 1 दे 1166.
11 E 30 दे 580 (१ अध्याये २ पादप्रभृति अध्यायपूर्तिपर्यन्ता).
28 E 18 आ 320 (१ अध्यायः).
28 E 21 आ 398 (१ अध्यायः).
29 B 37 आ 286 (१ अध्याये १ पादः).
29 B 40 ना 616 अस.

न्यायसुधाटिप्पणी—यदुपत्याचार्यकृता
8 C 21 दे 140 अस.
8 C 22 दे 170 (समन्वयसूत्रप्रभृति ३ पादपर्यन्ता).
8 C 23 दे 340.

न्यायसुधापरिमलटिप्पणी
40 D 19 ना 180 अस.

न्यायसुधावाक्यार्थचन्द्रिका
8 C 45 दे 406 अस.

ब्रह्मसूत्रानुवादः—आनन्दतीर्थकृतः
19 K 86 ना 14.

सूत्रार्थमञ्जरी
8 B 8 दे 152 (आदितः ४ अध्याये २ पादान्ता).

सूत्रार्थमणिकलिका
8 F 62 दे 203.

---

### (iii) उपनिषद्भाष्यव्याख्याग्रन्थाः

ऐतरेयभाष्यार्थरत्नमाला—श्रीनिवासकृता
19 M 66 ना 390.

ऐतरेयोपनिषत्खण्डार्थसंग्रहः—कृष्णाचार्यकृतः
19 M 67 ना 260.

षट्प्रश्नोपनिषद्भाष्यटीका—जयतीर्थकृता
8 C 49 दे 54.
8 C 55 दे 50.

---

### (iv) गीताव्याख्यादिग्रन्थाः

गीतार्थसङ्ग्रहः—राघवेन्द्रकृतः
40 D 12 ना 298.

गीताविवृतिः—राघवेन्द्रयतिकृता
36 F 20 दे 298.

गीताविवृतिः—विद्याधिराजभट्टोपाध्यायकृता
38 D 1 दे 396.

प्रमेयदीपिका (गीताभाष्यटीका, भावप्रकाशसहिता) जयतीर्थकृता
36 F 19 दे 378.

---

### (v) प्रकरणग्रन्थाः

अणुमध्वविजयः—नारायणपण्डिताचार्यकृतः
11 D 126 दे 16.

अणुमध्वविजयटीका (पदार्थदीपिका) वेदाङ्गतीर्थकृता
19 M 68 ना 430.

उपाधिखण्डनम्—आनन्दतीर्थकृतम्
19 K 86 ना 2.

उपाधिखण्डनटिप्पणी—श्रीनिवासकृता
8 B 54 दे 64.
11 D 124 दे 72.
38 F 11 दे 72.

ऋग्भाष्यम्—आनन्दतीर्थकृतम्
19 K 86 ना 20.

कथालक्षणविवरणम्—जयतीर्थकृतम्
9 J 26 दे 49.

कर्मनिर्णयः—आनन्दतीर्थकृतः
8 C 29 दे 25.
19 K 86 ना 7.

कर्मनिर्णयटीकाव्याख्या—राघवेन्द्रयतिकृता
8 B 13 दे 76.

चन्द्रिकामण्डनम्—नारायणशर्मकृतम्
8 F 61 प्र 32 (शास्त्रयोनित्वाधिकरणम्).

तत्त्वखण्डः—आनन्दतीर्थकृतः
19 K 86 ना 7.

तत्त्वविवेकः—आनन्दतीर्थकृतः
9 E 25 आ 2.

तत्त्वविवेकविवरणम्—जयतीर्थकृतम्
8 B 56 दे 5.
8 D 9 दे 8.

तत्त्वविवेकव्याख्यानटिप्पणी—श्रीनिवासकृता
8 B 51 दे 46.

तत्त्वसंख्यानम्—आनन्दतीर्थकृतम्
9 E 25 आ 2.

तत्त्वसंख्यानटिप्पणम्
8 C 27 दे 28.

तत्त्वसङ्ख्यानटीका (अर्थदीपिका) विट्ठलाचार्यकृता
8 B 37 दे 75.
38 F 16 दे 154.

तत्त्वसंख्यानटीकाविवरणम्—यदुपत्याचार्यकृतम्
8 C 38 दे 30.

तत्त्वसंख्यानविवरणम्—जयतीर्थकृतम्
8 B 58 दे 8.
9 J 26 दे 22.

तत्त्वसारसंग्रहः—श्रीनिवासाचार्यकृतः
38 F 14 दे 76.

तत्त्वोद्योतः—आनन्दतीर्थकृतः
9 E 25 आ 8.

तत्त्वोद्योतटिप्पणी—वेदेशभिक्षुकृता
8 C 50 दे 134.
11 E 26 दे 144.

तत्त्वोद्योतविवरणम्—जयतीर्थकृतम्
8 C 60 दे 40 अस.
8 D 5 दे 180.
11 D 129 दे 118.

तन्त्वसारसङ्ग्रहः—आनन्दतीर्थकृतः
19 K 86 ना 13.

तात्पर्यनिर्णयटीका
40 D 15 ना 200.

तीर्थप्रबन्धः—वादिराजतीर्थकृतः
8 D 29 दे 76.

दशप्रकरणम्—आनन्दतीर्थकृतम्
8 B 55 दे 38 (कर्मनिर्णय-प्रमाणलक्षण-कथालक्षण-प्रकरणानि विना-समग्रम् ).

दुर्मतखण्डनम्
8 D 8 दे 8.
8 D 15 दे 12 (आदितः षट् पत्राणि).

नयद्युमणिदीपिका—श्रीनिवासकृता
38 F 53 आ 252 अस.

नारायणशब्दार्थनिर्वचनम्—श्रीनिवासकृतम्
8 B 36 दे 25.

न्यायरत्नाकरः—आनन्दतीर्थकृतः
10 F 14 दे 725.

न्यायामृतविवृतिः—पाणिनिसूरिकृता
29 J 17 ना 150 अस.

न्यायामृतव्याख्या (आमोदः) विजयीन्द्रभिक्षुकृता
22 E 37 आ 332 अस.

न्यायामृतसौगन्ध्यम्—वनमालिकृतम्
26 D 26 ग्र 86 अस (शिथिलम् ).

पदार्थसङ्ग्रहः—पद्मनाभसूरिकृतः
8 C 3 दे 30.

पदार्थसङ्ग्रहव्याख्या
11 E 7 दे 494 अस (अतिशिथिला).

परतत्त्वप्रकाशिका—विजयीन्द्रभिक्षुकृता
8 C 54 दे 50.
26 D 14 ग्र 8.

प्रपञ्चमिथ्यात्वानुमानखण्डनम्—आनन्दतीर्थकृतम्
9 E 25 आ 2.
19 K 86 ना 306.

प्रपञ्चमिथ्यात्वानुमानखण्डनटिप्पणी-श्रीनिवासकृता
8 B 52 दे 90.
11 E 16 दे 76.

यमकभारतम् (सटीकम्) आनन्दतीर्थकृतम्
11 D 128 दे 80.

रामचरित्रमञ्जरी—राघवेन्द्रयतिकृता
8 D 18 दे 9.

विरोधोद्धारः
10 H 21 दे 256.

विष्णुतत्त्वनिर्णयः—आनन्दतीर्थकृतः
8 B 55 दे 36.
8 C 72 दे 45.
9 E 21 दे 44.
19 K 86 ना 11.

विष्णुतत्त्वनिर्णयटीका—रघूत्तमयतिकृता
8 B 34 दे 59 अस.
8 B 41 दे 410.
9 E 81 दे 181.

वेदव्यासयतीन्द्रपद्धत्यभिप्रायवर्णनम्—वेदेशकृतम्
38 F 17 दे 128.

वेदान्तप्रकरणम्
34 D 16 ग्र 232.

सङ्ग्रहरामायणम् (सव्याख्यम्) नारायणपण्डिताचार्यकृतम्
38 F 19 दे 104.
40 D 14 ना 312.
40 D 14 ना 224 अस.

सत्तत्त्वरत्नमाला—आनन्दतीर्थवरकृता
8 B 23 आ 66.

---

# शिवाद्वैतग्रन्थाः

## (i) काश्मीरशैवग्रन्थाः

ईश्वरप्रत्यभिज्ञासूत्रम्—क्षेमराजकृतम्
19 I 25 आ 36 (क्षेमेन्द्रकृतसौभाग्यसुधोदयवृत्तियुतम्).
22 F 38 आ 72.

ईश्वरप्रत्यभिज्ञासूत्रवार्तिकम्
19 I 34 आ 132.

ईश्वरप्रत्यभिज्ञासूत्रवृत्तिः—अभिनवगुप्तकृता
9 G 65 दे 20.

ईश्वरप्रत्यभिज्ञासूत्रव्याख्या (नागानन्दीयम्) नागानन्दकृता
28 B 24 आ 16 अस.

परमार्थसारः (आधारकारिकाः) अभिनवगुप्ताचार्यकृतः
22 E 9 ग्र 9 (आदितः ६९ श्लोकाः).

शिवसूत्रम्—वासुगुप्तकृतम्
35 B 104 ग्र 3.

शिवसूत्रवार्तिकम्—श्रीकण्ठाचार्यकृतम्
35 B 104 ग्र 9.

शिवसूत्रविमर्शिनी—क्षेमराजराजानककृता
9 B 43 शा 178.
9 B 47 दे 116.

शिवसूत्रवृत्तिः (स्पन्दकारिका)
20 J 29 आ 52.

### (ii) भाष्यग्रन्थाः

ब्रह्ममीमांसाभाष्यम्—श्रीकण्ठशिवाचार्यकृतम्
8 G 1 आ 314.
19 C 18 ग्र 72 (प्रथमाध्यायः).
19 C 19 ग्र 30 (१ अध्याये आदितः ३ पादपर्यन्तम्).

---

### (iii) प्रकरणग्रन्थाः

आनन्दलहरी (आनन्दचन्द्रिकायुता)—अप्पयदीक्षितकृता
20 M 43 ग्र 180.

ईशविलासः—अप्पयदीक्षितेन्द्रकृतः
9 I 8 दे 416.
27 C 13 ग्र 141.

क्रियासारः
38 D 12 दे 576 अस.

गायत्रीशिवपरत्वसमर्थनम्—अप्पयदीक्षितेन्द्रकृतम्
19 A 38 ग्र 5.

गीतावृत्तिः—परमशिवेन्द्रसरस्वतीशिष्यकृता
21 C 59 ग्र 37.

चतुर्वेदतात्पर्यसङ्ग्रहः (प्रतिश्लोकमवतारिकायुतः)
8 J 64 ग्र 12.

तत्त्वचन्द्रिका—मृत्युञ्जयसूरिकृता
39 E 19 दे 23.

तत्त्वत्रयनिर्णयः—अघोरशिवाचार्यकृतः
33 E 27 ग्र 2.

तत्त्वत्रयनिर्णयवृत्तिः—अघोरशिवाचार्यकृता
26 F 40 ग्र 8.
33 E 27 ग्र 21.

तत्त्वप्रकाशः—भोजदेवकृतः
26 B 13 ग्र 54 (सवृत्तिकः).
33 E 27 ग्र 6.
33 J 17 ग्र 8.

तत्त्वप्रकाशवृत्तिः—अघोरशिवाचार्यकृता
24 D 29 ग्र 20 अस.
26 F 40 ग्र 21 अस (अतिशिथिला).
33 E 27 ग्र 44.

तत्त्वमूर्तिप्रभावदीपिका—मृत्युञ्जयसूरिकृता
39 E 19 दे 25.

तत्त्वसङ्ग्रहलघुटीका—अघोरशिवाचार्यकृता
26 F 40 ग्र 15.

दशकार्यम्
21 L 19 आ 55.
39 E 18 दे 91.

दुरूहशिक्षा—विश्वनाथवाजपेयिकृता
21 K 88 ग्र 248 (अथर्वशिरोविचारप्रभृति पूर्तिपर्यन्ता).
33 J 23 ग्र 422.

नादकारिका (अघोरशिवाचार्यकृतव्याख्यायुता) श्रीरामकण्ठकृता
26 F 40 ग्र 4.

नारायणपदभूषणम्
10 I 17 दे 99 अस.

पत्यादिपदार्थत्रयविचारप्रकरणम् (सविवरणम्)
19 K 63 ग्र 16 अस.

परमोक्षनिरासकारिकावृत्तिः
26 F 40 ग्र 50 अस.

पुराणसारः (सर्वपुराणवचनसङ्ग्रहः)
9 J 3 दे 56.

पूजासिद्धान्तस्थितिः (शिवतत्त्वविवेकान्तर्गता)
9 E 4 ग्र 8.
9 J 3 दे 17.

ब्रह्मगायत्रीतात्पर्यसङ्ग्रहः (शिवतत्त्वविवेकान्तर्गतः) अप्पयदीक्षितेन्द्रकृतः
9 E 32 ग्र 11.

भारतसारविवरणम्—अप्पयदीक्षितेन्द्रकृतम्
9 I 8 दे 74.

भोगकारिकाव्याख्या—अघोरशिवाचार्यकृता
26 F 40 ग्र 31.

महार्थमञ्जरी—महेश्वरानन्दकृता
22 H 48 ग्र 14.
27 E 57 आ 14.
28 G 1 ग्र 229 (सव्याख्या).

महार्थमञ्जरीपरिमलः—महेश्वरानन्दनाथकृतः
27 E 66 ग्र 186.

मोक्षकारिकावृत्तिः—भट्टरामकण्ठकृता
26 F 40 ग्र 22.

योगोपवर्णनम् (शिवयोगसारः) ज्ञानप्रकाशनाचार्यकृतम्
26 F 40 ग्र 76.

रत्नत्रयपरीक्षा—अप्पयदीक्षितकृता
33 G 3 ग्र 2 (७, ८ श्लोकौ).

रत्नत्रयपरीक्षा—श्रीकण्ठसूरिकृता
9 J 10 दे 96.

रत्नत्रयपरीक्षाव्याख्या
26 F 40 ग्र 5 (श्रीकण्ठसूर्यनुसारिणी).
33 G 3 ग्र 30 (अप्पयदीक्षितानुसारिणी).

रामायणतात्पर्यसङ्ग्रहः—अप्पयदीक्षितेन्द्रकृतः
9 I 8 दे 85.

विरूपाक्षपञ्चाशिकाव्याख्या—श्रीविद्याचक्रवर्तिकृता
35 B 102 ग्र 41.

वेदान्तसारः
9 B 181 शा 7.

शिवकर्णामृतम्—अप्पयदीक्षितेन्द्रकृतम्
19 L 39 आ-ग्र 110 (सव्याख्यं, अतिशिथिलम्).
19 M 12 आ 84 (अस, अतिशिथिलम्).
22 M 16 ग्र 50 (अस, अतिशिथिलं, सटीकम्).

शिवगीता (तात्पर्यप्रकाशिकासहिता)
19 L 44 आ 298.

शिवगीतातात्पर्यप्रकाशिका—परमशिवेन्द्रसरस्वतीकृता
33 G 24 ग्र 400.

शिवज्ञानबोधः
19 M 1 ग्र-द्रा 8.
22 D 47 ग्र 1.
40 A 9 ग्र 22 (सव्याख्यः, अस).
40 A 9 ग्र 14 अस.

शिवज्ञानबोधव्याख्या
40 A 8 ग्र 4 अस.

शिवज्ञानबोधसूत्रम्
40 A 11 ग्र 20.

शिवतत्त्वरत्नकलिका (आमोदरञ्जनीयुता) कृष्णानन्दकृता
19 A 4 ग्र 303.

शिवतत्त्वविवेकः—अप्पयदीक्षितकृतः
9 G 5 ग्र 240 (प्रथमपरिच्छेदः).
10 B 1 दे 335.
19 A 4 ग्र 395.
19 A 34 ग्र 140.
19 A 38 ग्र 100.

शिवतत्त्वसुधानिधिः—व्यासकृतः
19 A 10 ग्र 48.
19 A 13 आ 8.
19 A 14 आ 154.
19 A 17 ग्र 276.
19 A 18 ग्र 42.
19 A 19 ग्र 94 (आदितः ९ अध्यायपर्यन्तः).

शिवतत्त्वसुधानिधिव्याख्या—अप्पयार्यकृता
19 A 21 ग्र 68 (६ अध्यायमध्यादारभ्य ७ अध्याये किंचित्पर्यन्ता).

शिवदर्पणम्
8 I 21 दे 1226 (आदितः जन्माद्यधिकरणान्तं, सं, १–३).

शिवलीलामञ्जरी—ब्रह्मानन्दयतिकृता
28 G 56 ग्र 402.

शिवसिद्धान्ततत्त्वम्
19 B 16 आ 116.

शिवाद्वैतनिर्णयः—अप्पयदीक्षितेन्द्रकृतः
8 E 24 दे 220.
34 C 1 के 92.

शिवोत्कर्षप्रकाशः—बालकृष्णकृतः
38 F 73 दे 70.

शिवोत्कर्षरत्नाकरः
33 E 5 ग्र 100 (आदितः ३ पद्धतिपर्यन्तः).

शैवविशिष्टाद्वैतक्रोडः
19 M 26 ग्र 24 (आद्यन्तहीनः).

सर्वपुराणस्थविशेषवचनानि
9 G 7 ग्र 30.

साम्बशिवस्य मोक्षसाधनत्वनिर्णयः
19 E 67 ग्र 14.

सिद्धान्तसारावलिः—त्रिलोचनशिवाचार्यकृता
8 J 33 ग्र 24 (सद्राविडव्याख्या, ज्ञानपादे ६ श्लोकाः).
33 F 1 ग्र 42 (सव्याख्या).
39 A 5 दे 74 (सव्याख्या).

सिद्धान्तसारावलिव्याख्या—सदाशिवाचार्यकृता
26 F 40 ग्र 53.
26 F 40 ग्र 92 (ज्ञानपादः).
30 A 26 ग्र 230 (क्रियापादः).
33 F 1 ग्र 240.

---

## (iv) लिङ्गायतमतग्रन्थाः

बसवराजीयम् (सोमनाथभाष्यम्)
19 H 17 आ 180 (१—२३ प्रकरणानि, अतिशिथिलम्).

बसवसहस्रनामावलिः
24 E 38 आ 50.

बसवेशाक्षरगद्यम्
24 F 34 आ 20.

लिङ्गधारणचन्द्रिका
20 D 33 आ 90.

सदानन्दोपनिषत्
20 D 33 आ 2.

---

## अनुभवाद्वैतग्रन्थाः

अनुभवाद्वैतप्रकरणम्—अप्पयदीक्षिताचार्यकृतम्
8 J 33 ग्र-द्रा 4 (१–१४ श्लोकाः, अति शिथिलम्).
8 J 36 ग्र 28 (आदितः परमेश्वरसाम्यविचारान्तम्).

अनुभवाद्वैतसिद्धान्तसारः—अप्पयदीक्षिताचार्यकृतः
9 F 29 ग्र 3.

अनुभवाद्वैतैकश्लोकी (सटीका) अप्पयदीक्षिताचार्यकृता
9 F 55 ग्र 2.

अनुभूतिमीमांसासूत्रम्—अप्पयदीक्षिताचार्यकृतम्
9 C 113 दे 20.
9 C 144 दे 44.

अनुभूतिमीमांसासूत्रभाष्यम्—अप्पयदीक्षिताचार्यकृतम्
9 I 3 दे 1764 (सं १–४).
21 L 77 ग्र 151 (आदितः ३ अध्याये १ पादे ८ सूत्रपर्यन्तम्).
28 K 52 ग्र 222.

अनुभूतिमीमांसासूत्रविवरणम् (अनुभूतिमीमांसाचतुस्सूत्रीविवरणम्)
9 I 3 दे 262.

अनुभूतिमीमांसासूत्रवृत्तिः (ससूत्रा) वसिष्ठकृता
8 J 19 के 69.
9 I 2 दे 134.

कर्मस्वरूपनिर्णयः—अप्पयदीक्षिताचार्यकृतः
9 F 29 ग्र 1 (१–९ श्लोकाः).

दक्षिणामूर्तिवृत्तिः (अप्पयशिवाचार्यव्याख्यायुता) वसिष्ठकृता
9 I 1 दे 479.

पक्षसङ्ग्रहः—अप्पयदीक्षिताचार्यकृतः
8 J 18 ग्र 73.
9 I 10 दे 164.

पञ्चरहस्यम्—अप्पयदीक्षिताचार्यकृतम्
8 J 18 ग्र 172.
8 J 62 दे 418.

प्रमाणप्रकरणम्—अप्पयशिवाचार्यविरचितम्
8 J 33 द्रा 13 (अतिशिथिलम्).

बालबोधिनी—अप्पयदीक्षिताचार्यकृता
8 J 33 द्रा 27 अस (अतिशिथिला).

ब्रह्मतत्त्वबोधः—अप्पयदीक्षिताचार्यकृतः
8 J 18 ग्र 136.
9 I 7 दे 304.

भाष्यशोधनी—अप्पयदीक्षिताचार्यकृता
27 D 21 ग्र 68 अस.

महावाक्यशिखामणिः—अप्पयदीक्षिताचार्यकृतः
8 J 33 द्रा 14 (आदितः १० प्रश्नपर्यन्तः अतिशिथिलः).

मुक्तिकामधेनुः (द्राविडटीकायुता) अप्पयदीक्षिताचार्यकृता
8 J 33 ग्र-द्रा 14 अस (अतिशिथिला).

मुक्तिचन्द्रिका—अप्पयशिवाचार्यकृता
10 F 2 दे 229 (१–३ अध्यायाः).

मुक्तिद्वयादर्शः—अप्पयदीक्षिताचार्यकृतः
27 H 31 ग्र 8.

मोक्षनवनीतब्रह्मगोळम्—अप्पयदीक्षिताचार्यकृतम्
9 H 86 द्रा 10.

मोक्षसारः—अप्पयदीक्षिताचार्यकृतः
8 J 18 ग्र 3 (१–१० श्लोकाः).
9 I 10 दे 7.

मोक्षसारविवरणम्—अप्पयदीक्षिताचार्यकृतम्
9 I 10 दे 5 अस.

योगसारः—अप्पयदीक्षिताचार्यकृतः
8 J 63 ग्र 500 (अतिशिथिलः).
9 I 4 दे 1666 (कोशद्वयं सं १–३).
9 K 16 द्रा 784.

श्रुतिसिद्धान्तमालिका—अप्पयदीक्षिताचार्यकृता
10 G 1 दे 235.

सञ्चितादिकर्मविचारः—अप्पयदीक्षिताचार्यकृतः
8 J 33 द्रा 12 (अतिशिथिलः).

सप्तश्लोकी (सव्याख्या) अप्पयदीक्षिताचार्यकृता
23 H 55 ग्र 26.

सर्ववेदान्तस्वरसार्थप्रदीपिका—अप्पयदीक्षितकृता
8 J 35 ग्र 20 अस (शिथिला).

साक्ष्यष्टकम् (सटीकम्) अप्पयदीक्षिताचार्यकृतम्
9 F 96 दे 34.
19 E 50 ग्र 18.

हरिहरब्रह्मसामरस्यम् (सव्याख्यम्) अप्पयदीक्षिताचार्यकृतम्
8 J 65 ग्र 34 (२७–४४ श्लोकाः).

---

# वैखानसग्रन्थाः

आत्रेयसंहिता
10 K 1 दे 512 (आदितः ४९ अध्यायपूर्तिपर्यन्ता).
36 B 10 ग्र 320.

काश्यपसंहिता
8 E 4 दे 454.

भार्गवतन्त्रम्
34 D 19 के 500.

भृगुसंहिता
33 J 21 ग्र 224 (यज्ञाधिकारः).
33 J 22 ग्र 588 (क्रियाधिकारः).
35 B 108 ग्र 152 (खिले उत्तरतन्त्रे आदितः ४४ अध्यायपूर्तिपर्यन्ता).

मरीचिपटलम् (अर्चानवनीतम्)
33 D 2 ग्र 200.

मरीचिसंहिता
9 I 16 ग्र 402.

वैखानसतत्त्वार्थबोधनम्—सुन्दरराजसूरिशिष्यकृतम्
9 H 21 ग्र 8.

वैखानसद्वादशमासोत्सवविधिः
8 E 10 ग्र 98 (आदितः पुष्यमासपूजापर्यन्तः).
10 K 10 दे 87.

संप्रोक्षणविधिः (तन्त्रसारोक्तः)
8 C 46 दे 13.

---

# पाञ्चरात्रग्रन्थाः

## (i) संहिताग्रन्थाः

अगस्त्यसंहिता
10 K 6 दे 274.
22 A 8 आ 144 (उत्तरभागे आदितः ९ अध्यायाः, अतिशिथिला).

अनिरुद्धसंहिता
10 G 2 दे 264.

अहिर्बुध्न्यसंहिता
9 G 66 ग्र 197 अस.
29 L 16 ग्र 292.

ईश्वरसंहिताव्याख्या—अळशिङ्गभट्टकृता
36 D 14 ग्र 420.

कपिञ्जलसंहिता
29 I 5 ग्र 28 (६ अध्यायः).
29 L 13 ग्र 128.
33 E 11 ग्र 60 (पाञ्चरात्रप्रयोगः).

काश्यपसंहिता
10 G 16 ग्र 196.

जयाख्यसंहिता
10 K 5 दे 786 (आदितः ३३ पटलपर्यन्ता)
29 L 4 ग्र 352.

नारदपाञ्चरात्रम् (ज्ञानामृतसंहिता)
40 E 13 ग्र 264.

नारदीयसंहिता
10 K 4 दे 611 (आदितः ३० आध्यायपूर्तिपर्यन्ता).

परमसंहिता
10 G 27 दे 338.

पराशरसंहिता
8 H 35 ग्र 84 (आदितः १० अध्यायाः).
8 I 20 दे 94 (आदितः १० अध्यायाः).

पाद्मसंहिता
34 C 17 ग्र 300 (चर्यापादः).

पारमेश्वरटीकाचार्यदूषणनिरासः—श्रीनिवासभट्टाचार्यकृतः
34 I 1 ग्र 6.

पारमेश्वरसंहिता
10 K 8 दे 550 (आदितः १९ अध्यायपर्यन्ता).
29 L 3 ग्र 438 (क्रियाकाण्डः).
29 L 6 ग्र 550 (क्रियाकाण्डः).

पारमेश्वरसंहिताव्याख्या—नृसिंहयज्वकृता
10 H 2 ग्र 624 (आदितः २६ अध्यायान्ता).

पौष्करसंहिता
1 A 29 ग्र 300 (आदितः २२ अध्यायाः).
38 A 18 ग्र 539 (२३–४३ अध्यायाः).

प्रकाशसंहिता
36 F 28 दे 134 (प्रथमपरिच्छेदः).
36 F 29 दे 90 (द्वितीयपरिच्छेदः).

भरद्वाजसंहिता
10 I 18 दे 37 (अदितः १० अध्यायपर्यन्ता).
28 M 24 ग्र 48 (१–४ अध्यायाः, सव्याख्या).
34 E 24 दे 200.

भरद्वाजसंहितापरिशिष्टम् (सटीकम्)
28 M 21 ग्र 152 (आदितः ४ अध्यायाः, अतिशिथिलम्)

भरद्वाजसंहिताव्याख्या
29 L 7 ग्र 81.

महासनत्कुमारसंहिता (महासंहिता)
29 L 5 ग्र 262.

मार्कण्डेयसंहिता
10 J 24 दे 341.

वसिष्ठसंहिता
10 H 22 दे 226.
10 I 18 दे 15 (आदितः किंचित्).

विश्वामित्रसंहिता
10 K 3 दे 399 (अदितः २६ अध्यायाः).

विष्णुतत्त्वसंहिता
29 L 7 ग्र 128.

विष्णुसंहिता
10 K 2 दे 449 (आदितः ३० पटलपर्यन्ता).
29 L 14 ग्र 310.

विहगेन्द्रसंहिता
8 E 28 दे 198.

शेषसंहिता
10 F 16 दे 398.

सनत्कुमारसंहिता
10 G 15 ग्र 139.

सात्वतविवरणम्
34 D 6 के 25 (४ परिच्छेदमारभ्य २४ परिच्छेदान्तम्).

सात्वतसंहिता
10 K 7 दे 538.

सात्वतसंहिताव्याख्या—अळशिङ्गभट्टकृता
1 A 1 ग्र 190.
40 A 20 ग्र 398.

सुदर्शनसंहिता
36 A 6 ग्र 233 (आदितः ६ पटलपर्यन्ता).

हयशीर्षसंहिता
8 K 7 दे 924.

---

### (ii) प्रयोगग्रन्थाः

अक्षमालाप्रतिष्ठाविधिः
23 F 10 ग्र 4.

अर्चाविधिः
29 L 12 ग्र 193.

अर्चाविधिसङ्ग्रहः
29 L 12 ग्र 43.

आराधनविधिः
33 D 18 ग्र 98 (आदितः अङ्कुरार्पण-पर्यन्तः).

उत्सवविधिः
9 H 20 आ 14 (आदितः अङ्कुरार्पण-पर्यन्तः).

उत्सवसङ्ग्रहः
10 G 22 दे I507 (सं १–३).

उत्सवाध्यायविवरणम्
29 L 7 ग्र 140.

कलशपूजा
22 H 68 ग्र 2.

कवचप्रतिष्ठा
8 I 18 दे 9.

गृहार्चाप्रतिष्ठाविधिः
20 J 21 ग्र 3 (३ खण्डः).
29 H 2 ग्र 18.

घण्टाप्रतिष्ठाविधिः
21 C 62 ग्र 3.

जपमालासंस्कारः
9 C 67 दे 2.

ज्ञानार्णवः
10 F 13 दे 490 (आदितः १३१ पटल-पर्यन्तः).

ज्यौतिषसङ्ग्रहः
29 L 15 आ 382.

दीक्षाविधिः
29 L 11 ग्र 143.

दोलायात्रा
11 G 57 ब 4.

नित्याराधनविधिः
29 L 9 ग्र 448.

निर्वचनग्रन्थः
30 B 25 ग्र 44.

पञ्चसंस्कारप्रयोगः
26 F 37 आ 5.

पञ्चसंस्कारविधिः
9 E 86 दे 5 (वैष्णवानाम्).
19 G 22 ग्र 32.
21 C 41 ग्र 14 (शूद्राणाम्).
21 C 42 ग्र 18 (ब्राह्मणानाम्, अतिशिथिलः).
25 F 28 ग्र 8.
26 F 52 ग्र 24.

पाञ्चरात्ररक्षासङ्ग्रहः
25 F 28 ग्र 96.

पाञ्चरात्रसङ्ग्रहः
9 J 31 दे 266.

पाद्मतन्त्रम्
8 I 15 दे 430.

पाद्मसंहिताप्रयोगः
29 L 18 ग्र 222 (आदितः कार्तिकोत्सव-पर्यन्तः).

पुष्याभिषेकादियात्रासङ्ग्रहः
33 B 7 ओ 255 अस.

प्रतिष्ठातिलकम्
10 F 3 दे 440.

40 A 19 आ 320 (आदितः १८ परिच्छेदाः).

प्रतिष्ठापद्धतिः
28 I 56 आ 9.

प्रतिष्ठाप्रयोगः
8 I 15 ग्र 88.

प्रतिष्ठाविधिः—नृसिंहसूरिकृतः
31 J 19 ग्र 298.

प्रतिष्ठाविधिः
10 I 18 दे 46 (आदितः विष्णुप्रतिष्ठापर्यन्तः).

प्रतिष्ठासङ्ग्रहः
36 D 1 दे 1552 (सं १, २).

प्रायश्चित्तसङ्ग्रहः
8 E 8 दे 219 (आदितः ३० अध्यायपर्यन्तः).
29 L 8 ग्र 490.

भस्मोद्धूळनखण्डनम्
10 I 20 दे 67 (किंचित्).

रमाशिरोरत्नागमः
27 J 26 आ 88 (आदितः २१ पटलपर्यन्तः).

लक्ष्मीतन्त्रम्
20 C 39 आ 4.
29 L 2 ग्र 274.

वरदराजीयम्—वरदराजकृतम्
31 J 34 ग्र 242.

विष्णुतन्त्रम्
8 I 18 दे 280.

विष्णुरहस्यम्
8 B 40 दे 200 (आदितः ५५ अध्यायाः, अतिशिथिलम्).
8 E 3 दे 506.
8 I 20 दे 32 (आदितः ४ अध्यायाः).

शिल्पशास्त्रम् (कर्णाटकटीकायुतम्)
29 L 1 ग्र 294.

शैववैष्णवविचारः
25 A 70 ग्र 11.

श्रीचूर्णप्रतिष्ठाविधिः
19 C 25 ग्र 2.
22 M 24 ग्र 2.

सात्वतामृतप्रयोगः
38 C 8 ग्र 534 (सं १, २; आदितः भगवत्प्रतिष्ठान्तः).

सात्वतामृतसारः—योगानन्दभट्टाचार्यतनयकृतः
10 G 23 दे 921 (सं १, २).

सुदर्शनपाञ्चजन्यप्रतिष्ठाविधिः
33 J 8 ग्र 10.

हयग्रीवतन्त्रम् (वृद्धपाञ्चरात्रे)
26 E 11 ग्र 7 (प्रथमपटलः).

हयग्रीवमन्त्रमाहात्म्यम्
26 E 11 ग्र 3 (प्रथमाध्यायः).

हयशीर्षपाञ्चरात्रम्
33 A 1 ओ 184 अस.
33 A 2 ओ 196.

# शाक्तग्रन्थाः

अनुष्ठानसुधार्णवः—लक्ष्मीधरकृतः
22 D 84 ग्र 80.

आम्नायपद्धतिः—भास्कररायकृता
1 A 9 दे 96.

आम्नायसर्वस्वम्
19 C 20 आ 15.

ऊर्ध्वाम्नायन्यासः
9 C 118 दे 14.

कल्पसूत्रम्—परशुरामभार्गवकौलाचार्यकृतम्
1 A 7 दे 28.
1 A 24 दे 368 (रामेश्वरकृतवृत्तियुतम्).
9 F 19 ग्र 46.
21 M 47 ग्र 69.
27 C 23 ग्र 24.
28 F 43 ग्र 153.

कादिमततन्त्रम् (तन्त्रराजः)
22 I 3 ग्र 332.
22 I 6 ग्र 90 (आदितः ८ पटलाः).
38 A 17 दे 575.

कादिमततन्त्रटीका (मनोरमा, तन्त्रराजटीका) शिवरामप्रकाशकृता
9 G 24 दे 240 (आदितः २० पटलाः).

कामकलाविलासः—पुण्यानन्दकृतः
22 H 48 ग्र 5.
22 I 9 ग्र 7.

कामकलाविलासभाष्यम्
23 H 60 आ 65.

कामकलाविलासव्याख्या (चिद्वल्ली) नटनानन्दकृता
22 I 10 ग्र 76.
22 I 17 आ 115.
22 I 55 ग्र 56.

कालिकारहस्यम् (महाभैरवतन्त्रे)
22 J 47 आ 6 (३–५ पटलाः).

कुलार्णवः
22 K 19 आ 120 (५ खण्डे ९–१८ उल्लासाः).
22 K 20 ग्र 170 (अस, अतिशिथिलः).
22 K 21 के 110 (१–९ उल्लासाः).
22 K 22 आ 40 (१, २ उल्लासौ).

कौलगीता
21 A 14 ग्र 81.

कौलदीक्षाविधिः
9 C 115 ग्र 68 अस.

कौलसूत्रपद्धतिः—परशुरामकृता
33 C 28 ग्र 200.

चामुण्डामण्डपपूजास्थापनम् (कामिके)
21 E 27 ग्र 18 (२–६ पत्राणि न सन्ति).

चामुण्डास्थापनम्
21 E 29 ग्र 12 (अदितः भूतशुद्ध्यन्तम्).

तत्त्वार्चना
19 D 6 आ 10.

तान्त्रिकसन्ध्यावन्दनम्—विष्णुकृतम
9 F 38 ग्र 2 (देव्याः).

तुर्यविद्यासन्ध्या
9 F 13 ग्र 3 (आदितः बालासमेतह्रादिकादिविद्यापर्यन्ता).

त्रिकूटारहस्यम्
35 B 45 आ 36.

त्रिपुरामहोपनिषद्भाष्यम्—भास्कररायकृतम्
21 K 72 ग्र 47.

दिव्यमंगळध्यानम् (राजराजेश्वरीतन्त्रे)
27 J 62 आ 23.

दीक्षाविधिः (परमानन्दतन्त्रे)
21 L 73 ग्र 10 (कौलदीक्षा).

दीक्षाव्याख्या (विरूपाक्षपञ्चाशिकाव्याख्या) विद्याचक्रवर्तिकृता
35 B 102 ग्र 30 अस.

देवीकालोत्तरतन्त्रम्
20 M 35 ग्र 16 (६९ पटलः).

देवीकालोत्तरतन्त्रव्याख्या—निरञ्जनसिद्धकृता
21 M 23 आ 54.

नित्यातन्त्रम् (ज्ञानार्णवे)
8 J 27 दे 12 (२पटलः).
19 K 4 आ 206 (आदितः २२ पटलपर्यन्तम्).

नित्योत्सवः—उमानन्दनाथकृतः
8 F 18 ग्र 248.
8 F 22 ग्र 44 (यौवनोल्लासः).
27 C 23 ग्र 24 (यौवनोल्लासः).
27 C 24 ग्र 170 (तरुणोल्लासप्रभृति उन्मनोल्लासपर्यन्तः, शिथिलः).
35 B 103 ग्र 164.

पञ्चमीस्तवराजभाष्यम्—शंकराचार्यकृतम्
1 A 16 दे 295.

परापद्धतिः
29 L 37 आ 22.

महापादुकान्तदीक्षा
9 C 57 दे 29.

मुक्तिचिन्तामणिः
8 D 108 दे 58.

लघुश्यामलाकल्पः (सुरेन्द्रसंहितायाम्)
20 C 63 आ 12.

ललितापूजापद्धतिः
9 D 63 ग्र 19 (आदितः प्राणप्रतिष्ठापर्यन्ता).

वरिवस्यारहस्यम्—भास्कररायकृतम्
8 J 34 के 22.
9 F 60 ग्र 10.
20 D 62 ग्र 20.
20 D 64 ग्र 20.

वरिवस्यारहस्यव्याख्या (वरिवस्याप्रकाशः)—भास्करानन्दनाथकृता
36 A 14 दे 115.

शक्तिसूत्रम् (सव्याख्यम्)
8 H 24 आ–के ४० (१ अध्यायः).
9 B 23 आ 15.

शाक्तस्नानसन्ध्याक्रमः
21 K 19 ग्र 22.

शारदातिलकम्
8 F 14 ग्र 364.
10 J 2 आ 49 अस.
20 L 3 आ 360 (१–२४ पटलाः).

20 L 6 आ 50 (१–९ पटलाः).
20 L 8 आ 134 (१–११ पटलाः).
33 A 30 ओ 269 अस.

शारदातिलकव्याख्या (गूढार्थदीपिका)—त्रिविक्रमभट्टारककृता
20 L 7 आ 90.
35 B 143 दे 113 (१–२४ पटलाः).

शारदातिलकव्याख्या (हर्षकौमुदी)—हर्षदीक्षितकृता
8 F 15 ग्र 526 (१–२० पटलाः).

शुद्धिसंस्कारः (वामशाक्तानाम्)
9 C 136 ग्र 16 (आदितः भूतशुध्यन्तः).

श्यामारहस्यम्—पूर्णानन्दगिरिकृतम्
9 G 12 दे 242 (आदितः २० परिच्छेदाः).
9 G 13 ग्र 262 (आदितः २१ परिच्छेदाः).
11 F 40 ब 16 अस.

श्यामार्चनातरङ्गिणी—विश्वेश्वर (विश्वनाथ) कृता
33 A 19 ओ 18.

श्रीगर्भकौलागमः
29 A 33 आ 68 (आदितः नवमरत्नपर्यन्तः, अतिशिथिलः).

श्रीचक्रराजपूजाविधानम्
9 E 77 ग्र 53.

श्रीचक्राम्नायपूजा
9 C 111 दे 20.

श्रीविद्यादीक्षाविधिः
19 C 46 ग्र 26.

षडाधारादिपूजा
19 D 6 आ 8.

सङ्क्षिप्तदीक्षाविधिः
19 D 24 आ 8.

सप्तशतीपूजाविधानम्
11 G 83 ब 16.

सप्तशतीव्याख्या (कौमुदी)
33 D 17 ग्र 94.

सप्तशतीव्याख्या (गुप्तवती)—भास्कररायकृता
8 H 33 ग्र 172.
35 B 43 आ 100.

सुभगार्चारत्नम्—रामचन्द्रकृतम्
35 B 47 दे 108 अस.

सुमुखीपद्धतिः
19 G 56 आ 3.

सूत्रतत्त्वविमर्शिनी—लक्ष्मणकृता
38 C 20 दे 802 (सं १, २).

सेतुबन्धः (वामकेश्वरतन्त्रटीका)—भास्कररायकृतः
8 H 1 दे 728.
9 C 109 दे 696 (सं १, २; आदौ पत्रपञ्चकं नास्ति).
9 F 36 दे 37 आङ्गलाभिप्राययुतः, ७ अध्यायश्लोकाः).
19 H 13 ग्र 234 (पूर्वचतुश्शती).
19 H 14 ग्र 220 (उत्तरचतुश्शती).

सौत्रयजनक्रमः—उमानन्दनाथकृतः
8 F 20 ग्र 11 अस.

सौभाग्यकल्पद्रुमः (श्रीविद्याविषयः)
8 D 105 दे 87.
9 C 53 दे 14 (१–४ स्कन्धाः).

सौभाग्यचिन्तामणिः
36 B 1 दे 443 (पूर्वखण्डः).
36 B 12 दे 507 (पूर्वखण्डः समग्रः, उत्तरखण्डे आदितः १७ पटलपर्यन्तः).

सौभाग्यरत्नाकरः—विद्यानन्दनाथकृतः
8 E 13 दे 142.
19 I 11 ग्र 98 अस.
34 I 4 ग्र 174 (१४–२९ तरङ्गाः).
35 B 97 आ 42.

सौभाग्यसुभोदयः—अमृतानन्दसूरिकृतः
19 I 25 आ 12 अस.
19 I 26 आ 22 अस.

## शैवागमग्रन्थाः

अघोरभस्मप्रकरणम्—नन्दिकेश्वरकृतम्
22 A 45 आ 2.

अजितागमः
38 C 11 दे 507.

अन्त्येष्टिः (विस्तृतरूपा)
22 C 7 ग्र 35.
22 C 11 ग्र 88 (आदितः प्रयोगपूर्तिपर्यन्ता).

अमावास्यादिविधिपटलः (कारणागमे)
22 I 22 ग्र 8.

अष्टबन्धनम्
22 D 11 आ 27.
30 I 11 ग्र 14.

अष्टबन्धनविधिः (सूक्ष्मतरङ्गे)
39 E 20 दे 27 अस.

अष्टाविंशत्यागमादिनामानि
19 K 10 ग्र 3 (किञ्चित्).

आगमग्रन्थः
33 L 6 आ 96 (आदितः अग्निकार्यपर्यन्तः).

आत्मार्थचललिङ्गप्रतिष्ठाविधिः—चन्द्रशेखरभट्टारककृतः
39 E 20 दे 29.

आत्मार्थजलाधिवासविधिः
39 E 20 दे 3.

आत्मार्थशिवलिङ्गमण्डपपूजाविधिः
39 E 20 दे 33.

आत्मार्थाष्टबन्धनविधिः
30 E 20 दे 4.

उत्तरकामिकातन्त्रम्
22 F 53 आ 86 (आदितः नृत्तमूर्तिप्रतिष्ठापटलपर्यन्तम्).
22 F 55 ग्र 168 (आदितः ३६ पटलपर्यन्तम्).
22 F 56 आ 18 (१९३ पत्रप्रभृति २०४ पत्रपर्यन्तम्).
22 F 57 आ 84 (अङ्गलिङ्गप्रतिष्ठाप्रभृति करणाधिकारपटलपर्यन्तम्).
22 F 60 ग्र 20 (आदितः २ पटलपर्यन्तम्).

उत्सवपद्धतिः
22 G 37 प्र 129.

उत्सवविधिः
22 G 61 आ 18 (आदितः ध्वजारोहणपर्यन्तः).
22 H 66 आ-प्र 19 (आदितः मण्डपपूजापर्यन्तः, अतिशिथिलः).

उमासंहिता
30 B 27 प्र 125.

ऊर्ध्वाम्नायः (सिद्धागमः)
22 M 50 प्र 64 (आदितः नयनोन्मीलनपर्यन्तः).

कर्षणविधिः (प्रतिष्ठागमः)
28 I 6 प्र 9 (आदितः परिवारप्रतिष्ठानिरूपणपर्यन्तः).

कल्याणविधिः
40 A 11 प्र 7.

कामिकागमः (क्रियापादः)
21 A 54 प्र 178 (४९ पटलप्रभृति ७८ पटलपर्यन्तः).
21 A 64 प्र 8 (नित्यपूजादिजीर्णोद्धारपर्यन्तः).

कालिकाचतुश्श्लोकीस्तवः
22 J 22 आ 2.

कुमारतन्त्रम् (मण्डपपूजाविधिपटलः)
19 I 30 प्र 58 (स्कन्दोत्सवविधिप्रभृति २२, २३, २७, २९ पटलाः).
22 K 27 आ 11.

क्रियाकाण्डक्रमावली—सोमशम्भुकृता
19 K 48 प्र 60 (आदितः निर्वाणदीक्षापर्यन्ता).

क्रियाक्रमदर्पणम् (मण्डपपूजापद्धतिः) ज्ञानप्रसूनकृतम्
21 A 6 आ 12.

क्रियाक्रमद्योतिका—अघोरशिवाचार्यकृता
21 A 9 आ 48 (नित्यपूजाविधिः).
21 A 10 आ 93 (दीक्षाविधिः).
21 L 83 प्र 14 (अजिताख्यतन्त्रे दुर्गिबालघटावाहनम् ).
27 E 2 प्र 12 अस.
30 A 25 प्र 187.
30 B 18 प्र 220.

क्रियाक्रमद्योतिकाव्याख्या—सदाशिवशिवाचार्यकृता
39 A 20 दे 396 (आदितः दमनकोत्सवविधिपर्यन्ता).

गणपतिपूजा
27 J 29 आ 4.

चतुष्षष्ट्युपचारनिरूपणम्
21 D 11 प्र 1.

चिदम्बरकल्पः
21 E 43 आ 88.

चिन्मयदीक्षाविधानम्
21 E 34 आ 52.

चूर्णोत्सवविधिः
21 E 35 प्र 50.

जीर्णोद्धारः
21 F 42 प्र 10.
31 J 14 के 42 (आदितः आचार्यपूजान्तः).

जीर्णोद्धारदशकम् (सव्याख्यम्)
21 F 38 आ 6 (किंचिदेव).
21 F 41 आ 102.
30 A 26 प्र 10.

ज्ञानदीक्षा
40 A 9 प्र 6 अस (शिथिला).

तत्त्वन्यासः
9 E 45 प्र 4.

दीक्षादर्शः—वेदज्ञानकृतः
39 E 17 दे 641.

दीपाराधनलक्षणम्
21 L 74 आ 10.

देवताप्रतिष्ठा
11 G 69 ब 25 अस.

देवताऽऽवाहनचूर्णिकाः
21 A 35 आ 16.

देवालयाशीर्वादः
21 L 65 प्र 24 (अतिशिथिलः).

ध्वजपटलक्षणम्
30 A 26 प्र 4.

ध्वजारोहणविधिः
28 A 33 प्र 20 अस.

नवरात्रोत्सवविधिः (कारणागमे)
19 K 69 प्र 68.

पञ्चप्रासादलक्षणम
34 B 2 प्र 5 अस.

पञ्चवक्त्रपूजा
35 C 79 दे 24.

पञ्चविंशतिशिवमूर्तिभेदध्यानश्लोकाः
22 G 51 आ 10.

पाशुपतव्रतविधिः
10 G 29 दे 19.

पौष्करागमः (सटीकः)
26 F 40 प्र 37 अस.

प्रतिष्ठातन्त्रम् (कारणागमे)
11 F 108 ब 16 (रथप्रतिष्ठाविधिः).
19 B 29 आ 140.
19 B 75 आ 104 (शिवोत्सवविधिः).
22 I 12 प्र 82 (आदितः स्थण्डिलनिर्माणपर्यन्तम्).
22 I 13 आ 36 (ऋत्विग्वरणमारभ्य दक्षिणादानान्तम्).
22 I 21 प्र 72 (तन्त्रनामकथनमारभ्य स्तोत्रपर्यन्तं, अतिशिथिलम्).
22 I 23 आ 4 (कुण्डोद्धारपटलः).
22 K 27 आ 8 (विमानस्थापनविधिपटलः)
26 G 32 प्र 188 (अतिशिथिलम्).
27 J 29 आ 7 (रथारोहणविधिपटलः).

प्रतिष्ठानुक्रमणिका
28 I 6 प्र 3.

प्रतिष्ठापद्धतिः
28 I 56 आ 9 (अतिशिथिला).

प्रदोषकालनिर्णयः
22 M 47 प्र 6.

प्रायश्चित्तसङ्ग्रहः
38 A 4 प्र 1286 (सं १–३; आदितः सालगेहप्रतिष्ठापर्यन्तः).

प्रासाददीपिका—मृत्युञ्जयसूरिकृता
39 E 19 दे 18 अस.

प्रासादषट्छ्लोकी (सव्याख्या)
19 L 2 ग्र 24.

प्रासादषट्छ्लोकीव्याख्या
40 A 9 ग्र 16 अस.

बाणलिङ्गप्रतिष्ठा
21 E 27 ग्र 3.

भूतशुद्धिक्रमः
27 D 35 ग्र 20 (शिथिलः).

मकुटागमः
39 E 21 दे 310 अस.

मण्डपपूजा (मण्डपपूजाविधिः) (वरुणपद्धतिः)
20 D 72 आ 17.
26 E 12 आ 24.
26 F 40 ग्र 2 अस.
27 E 2 ग्र 24 अस.
27 E 5 ग्र 88.

मण्डपसंप्रोक्षणम्
27 E 8 ग्र 6.

मन्त्रकलान्यासविवरणम्
40 A 11 ग्र 12.

महालिंगार्चनाविधिः
27 E 48 आ 10.
27 E 52 आ 7.
27 E 71 आ 10.
27 F 50 आ 10.

महोक्षसन्धिः
27 F 5 ग्र 5 (अतिशिथिलः).

मातृकाबीजगणनम् (वातूलतन्त्रविद्यागमे)
9 D 28 आ 6.

मातृकावर्णभेदविधिः (वातूलतन्त्रविद्यागमे)
9 D 28 आ 6.

मूर्तिमूर्तीश्वरपूजा
39 E 20 दे 3.

मृगेन्द्रागमः—मृगेन्द्रकृतः
26 F 40 ग्र 25 अस.

योगजतन्त्रम्
39 E 1 दे 236 (आदितः महोत्सवविधिपर्यन्तम् ).

रथप्रतिष्ठाविधिः
27 J 27 ग्र 8.
28 I 56 आ 9 (लीलावतीक्रियापादे).

रथसंप्रोक्षणम्
30 A 26 ग्र 20 (कोशद्वयम्)

लिङ्गधारणचन्द्रिका
20 D 33 आ 14.

लिङ्गनिर्णयः
19 G 50 आ 2 (किंचित् ).

लिङ्गोत्पत्तिस्तवः
20 D 29 आ 9.

वातुलशुद्धम्
20 E 27 ग्र 70 (१–१० पटलाः).
20 E 28 आ 50 (१–१० पटलाः).
40 A 9 ग्र 66 अस.
40 A 11 ग्र 58 (१–१० पटलपर्यन्तम् ).

वातुलसिद्धागमव्याख्या
19 L 37 ग्र 158 (तत्त्वपटले १–९ पटलपर्यन्ता).

वातुलागमः
40 A 8 ग्र 28 अस.
40 A 8 ग्र 24 अस.
40 A 12 ग्र 46 अस.

वामदेवसंहिता
20 E 50 आ 474.

विग्रहप्रतिष्ठाविधिः
30 E 15 ग्र 8.

विरूपाक्षपञ्चाशिका—श्रीविद्याचक्रवर्तिकृता
22 H 48 ग्र 6 (आदितः ४ स्कन्धपर्यन्ता).

वैदिकविनायकप्रतिष्ठाविधिः
20 I 2 ग्र 12.

वैदिकशैवमिश्राग्निकार्यम्
40 A 12 ग्र 2 अस.

शक्तिकल्याणम्
27 E 8 ग्र 8 अस.

शङ्कुस्थापनविधिः
20 J 25 आ 12.

शतरुद्रसंहिता (भस्मरुद्राक्षधारणविधिः)
27 J 29 आ 4 (आदौ ४७ पत्राणि न सन्ति).

शिवधर्मः
33 K 9 ग्र 10.

शिवधर्मशास्त्रम्—नन्दिकेश्वरकृतम्
19 A 16 आ 144.

शिवधर्मोत्तरम्—सुब्रह्मण्यकृतम्
19 A 15 आ 156 (आदितः १३ अध्याय-पर्यन्तम्).

शिवधर्मोत्तरम्—नन्दिकेश्वरकृतम्
33 K 5 ग्र 78.

शिवपूजास्तोत्रविवृतिः
33 E 23 ग्र 144.

शिवभक्तप्रतिष्ठा (उत्तरकामिकातन्त्रे)
21 C 63 आ 4 अस.

शिवभोगः
40 A 9 ग्र 34 अस.

शिवविद्याप्रकाशः
33 J 17 ग्र 24 अस.

शिवश्राद्धविधिः (क्रियाक्रमद्योतिकायाम्) अघोर-शिवाचार्यकृतः
39 E 20 दे 9.

शिवालयध्वजारोहणचूर्णिका
19 B 30 आ 24 अस.

शेषसमुच्चयः
33 J 17 ग्र 84.

शैवपद्धतिः
20 M 41 ग्र 104.

शैवपरिभाषामञ्जरी—निगमज्ञानदेवकृता
34 C 2 ग्र 68.

शैवागमवचनसंग्रहः
20 D 85 ग्र 66.

शैवाग्निविधिः
33 A 4 ओ 12.

श्रीपरकैलासमहालिङ्गार्चनापद्धतिः—जगन्नाथ-पण्डितकृता
8 D 67 आ 50.

सकलागमसङ्ग्रहः
19 E 30 ग्र 260.

सकलागमसारसङ्ग्रहः—शङ्कराचार्यकृतः
30 B 19 प्र 554.
30 B 20 प्र 112 अस.

सङ्क्षिप्तदीक्षाविधिः
34 H 2 प्र 74.
39 D 5 दे 672.

सदाचारविधिः
9 B 25 क 5.

सन्तानदीपिका
30 B 26 प्र 86.

सन्तानसंहिता
39 C 10 दे 478.

सिद्धान्तप्रकाशिका
39 E 16 दे 46.

सिद्धान्तशिरोमणिः
19 G 3 आ 120.

सिद्धान्तशेखरः—विश्वनाथकृतः
39 A 21 दे 342 (नैमित्तिककाण्डः).

सिद्धान्तसारावलिः—त्रिलोचनशिवाचार्यकृता
39 A 5 दे 74.

सोमशम्भुपद्धतिः—सोमशम्भुकृता
19 I 7 प्र 190.
19 I 9 आ 10 (१–२९ श्लोकाः).
19 I 10 प्र 128 (१–३० श्लोकाः, अतिशिथिला).

स्नपनविधिः (सुप्रभेदक्रियापादे)
39 E 20 दे 1.

---

## तन्त्रग्रन्थाः

अघोरपञ्चाङ्गम्
8 D 45 दे 88.

उड्डीशतन्त्रम्
38 D 11 दे 155.

किरणागमतन्त्रम्
39 C 8 दे 314.

कुमारतन्त्रम्
38 C 22 दे 552.

कुमारसंहिता (वाञ्छाकल्पलता)
34 D 5 प्र 12 (आदितः ९ अध्यायान्ता).

कुलचूडामणिः (लघुस्तुतिव्याख्या) सिंहराजकृतः
9 E 6 प्र 31.
9 J 8 दे 86.
20 C 64 प्र 33.
24 F 16 आ 10 (सान्ध्रटीकः, अस).

क्रमदीपिका
40 B 18 के 216 अस (अतिशिथिला).

क्रियार्णवः
39 A 10 दे 261.

क्रियासारः
38 D 12 दे 576 (आदितः ६९ पटलपर्यन्तः).

गौरीयामलम्
40 F 10 प्र 67 अस.

ज्ञानार्णवः
34 J 46 दे 180 (आदितः २२ पटलाः).
35 B 12 दे 35 (बालापूजापद्धतिः).

तन्त्रसमुच्चयः—रविजन्मकृतः
9 J 2 दे 454.
34 D 18 ग्र 300.

तन्त्रसारः—कृष्णानन्दभट्टाचार्यकृतः
23 H 19 आ 72 अस (अतिशिथिलः).
33 A 6 ओ 251.
33 A 12 ओ 252.
33 A 17 ओ 93 अस.
35 B 44 आ 40 (१, २ परिच्छेदौ).
35 D 9 दे 520.

तन्त्रसारार्थसंग्रहः—शेषाचार्यकृतः
8 B 9 दे 134.

तान्त्रिकमीमांसा
25 B 9 ग्र 36.

द्विशिवसाधनविधिः (महालिङ्गेश्वरतन्त्रे)
33 A 4 ओ 1.

नरचक्रम् (रुद्रयामळे)
28 A 21 ग्र 6.

नित्यातन्त्रम् (ज्ञानार्णवे)
26 G 38 आ 34.

परमानन्दतन्त्रम्
35 B 105 ग्र 24 अस.

पाशुपततन्त्रम्
40 B 6 के 146 अस (अतिशिथिलम्).

ब्रह्मलिङ्गप्रतिष्ठाविधिः—अंशुमत्कृतः
28 K 47 आ 5.

A 25

महालक्ष्मीरत्नकोशः—शङ्करकृतः
9 F 41 ग्र 3.
27 E 64 आ 90 (आदितः ९९ अध्यायान्तः).

मृडानीतन्त्रम (रसपाशः, रसाङ्कुशः)
38 D 10 दे 111.

यामलतन्त्रम् (देवीरहस्यान्तर्गतम्)
8 F 20 ग्र 9 अस.

रसार्णवः
9 J 14 दे 243.

रहस्यडामरतन्त्रम्—सदाशिवकृतम्
33 D 17 ग्र 10 प्रथमपटलः

रुद्रयामळतन्त्रम्
1 A 22 दे 484 (आदितः रश्मिमालासूत्र-पर्यन्तम्).
9 D 75 दे 146.
9 F 77 ना 11 (१ पटलः).

विजयोत्तरसंहिता
39 C 9 दे 104.

विनायकतन्त्रम्
38 A 16 ग्र 964 (सं १, २).

विनायकरहस्यम्—व्यासकृतम्
1 A 28 ग्र 1244 (सं १–४, ज्ञान-बीजावाप-लीलायोगानन्दकाण्डाः).

विश्वामित्रसंहिता
20 G 67 आ 183 (आदितः ७ अध्याय-पर्यन्ता).

वैकृतिरहस्यम् (सव्याख्यम्)
11 D 3 दे 40.

शक्तिसङ्गमतन्त्रम्
36 A 13 दे 37.

शल्यतन्त्रम्
35 B 56 दे 32.

श्रीविद्यार्णवतन्त्रम्
10 H 25 दे 249.
36 G 1 दे 554 (१–१० आश्वासाः).

षोडशीनित्यातन्त्रम्
29 B 20 आ 108.

समयाचारतन्त्रम्
35 B 40 दे 45.
36 A 13 दे 43.

सम्मेळनतन्त्रम्
34 K 38 दे 8.

सर्वज्ञानोत्तरागमः (विद्यापादयोगपादौ)
19 K 23 ग्र 8.
19 M 47 ग्र 4.

सांख्यायनतन्त्रम् (उपसंहारप्रयोगः)
8 F 40 दे 68.
9 F 39 दे 74.

साम्बतन्त्रम्
33 C 3 ओ 14 अस.

सौभाग्यतन्त्रम्
35 B 39 दे 46.

हलधरसंहिता — हलधरमिश्रकृता
38 D 13 दे 342.

---

## इन्द्रजालग्रन्थाः

अग्निस्तम्भनम् (भुवनेश्वरीकक्षपुटे)
22 A 24 ग्र 7.

आसननियमः
20 K 19 आ 2.

आसुरीविधानम् (अथर्वणान्तर्गतम्)
8 D 48 दे 8.

इन्द्रजालमहेन्द्रजालम् (सिद्धनागार्जुनकक्षपुटे)
22 A 24 ग्र 4 (आदितः पादुकागतिपर्यन्तम्).

उच्चाटनयक्षिणीमन्त्रः
21 K 29 आ 1.

कर्णयक्षिणीमन्त्रः
22 H 16 ग्र 2.

जलस्तम्भनम् — सिद्धनागार्जुनकृतम्
22 A 24 ग्र 2.

पीताम्बरीबगळामुखीकल्पः (सिद्धसारस्वततन्त्रे)
28 J 46 ग्र 36 (कोशद्वयम्).

भुवनेश्वरीकक्षपुटः — सिद्धनागार्जुनकृतः
21 A 55 ग्र 105 (आदितः गुटिकाधिकारान्तः).
22 D 87 ग्र 176 (इन्द्रजालम्).

मोहनम् — सिद्धनागार्जुनकृतम्
22 A 24 ग्र 2.

यक्षिणीकल्पः (यक्षिकल्पः)
9 F 53 ग्र 8.

27 I 8 आ 7 अस.
35 C 128 दे 18.

यक्षिणीपूजाविधिः
27 I 7 ग्र 4.

यक्षिणीमन्त्रः—सिद्धनागार्जुनकृतः
22 A 24 ग्र 15.

यक्षिणीमन्त्रसाधनम्
20 M 27 ग्र 5.

सेनास्तम्भनम्—सिद्धनागार्जुनकृतम्
22 A 24 ग्र 10.

स्वर्णाकर्षणयक्षिणीमन्त्रः
9 F 47 ग्र 1.

---

## भक्तिग्रन्थाः

उपेयनामविवेकव्याख्या—उपनिषद्ब्रह्मेन्द्रकृता
34 D 15 ग्र 21.

उपेयभक्तिविवेकविवृतिः—उपनिषद्ब्रह्मेन्द्रकृता
34 D 15 ग्र 26.

प्रपत्तिप्रयोगः (उक्तिनिष्ठा)
26 J 2 ग्र 47 (कोशत्रयम्).

प्रपन्नपारिजातः
25 A 9 ग्र 21.

भगवद्भक्तिकल्पलता
10 B 5 दे 7.
28 M 56 ग्र 6.

भगवद्भक्तिरत्नावली—विष्णुपुरीकृता
27 H 56 ग्र 94.
28 K 8 ग्र 45.
34 M 49 दे 130.

भगवद्भक्तिरसायनम्—मधुसूदनसरस्वतीकृतम्
34 J 33 दे 27 (सव्याख्यम्).
34 K 32 दे 52.

भगवद्भक्तिविवेकः—अनन्तदेवकृतः
39 E 9 दे 76.

भगवद्भक्तिसारोदयः—वाधूलवीरराघवाचार्यकृतः
26 F 42 ग्र 7.

भगवन्नामवैभवः
27 A 3 ग्र 70 अस.

रामललितकैशोरलीलामृतसिन्धुबिन्दुः
8 B 19 दे 25.

हरिभक्तिनिरूपणम्—अनन्तदेवकृतम्
40 E 23 ग्र 48.

हरिहरकथापद्धतिः
8 F 25 ग्र 272 (३९ चरित्राणि).

---

# मन्त्रशास्त्रग्रन्थाः

## (i) सामान्यग्रन्थाः

प्रपञ्चसारः—शङ्कराचार्यकृतः
8 F 8 प्र 292.
9 J 9 दे 409.
33 F 31 प्र 177.

प्रपञ्चसारविवरणम् (विवरणम्) — विवरणाचार्यकृतम्
8 F 11 प्र 477.
8 F 12 प्र 112 (आदितः ८ पटलान्तम्).
9 J 4 दे 279 (आदितः ३१ पटलान्तम्.)

प्रपञ्चसारव्याख्या (विज्ञानचन्द्रिका)—अद्वयगिरिकृता
8 F 10 प्र 647.

प्रपञ्चसारव्याख्या (गूढार्थदीपिका, तात्पर्यरत्नावली) राघवानन्दमुनिकृता
34 D 3 के 400 (१ पटलः).

प्रपञ्चसारव्याख्या (सत्संप्रदायसर्वस्वम्) सिद्धराजकृता
8 F 13 प्र 168 (आदितः ८ पटलान्ता).

प्रपञ्चसारसङ्ग्रहः—गीर्वाणेन्द्रसरस्वतीकृतः
8 F 20 प्र 38 (आदितः २२ पटलान्तः).

प्रपञ्चसारसम्बन्धदीपिका
8 F 9 प्र 522

प्रपञ्चसारसारसङ्ग्रहः—शङ्कराचार्यकृतः
24 C 20 के 52 (आदितो भूतशुद्ध्यन्तः)
28 I 32 आ 50 अस.
28 I 33 प्र 240 (आदितः योगिनीन्यासान्तः).
28 I 54 प्र 266 (आदितः योगिनीन्यासान्तः).

मन्त्रभागवतव्याख्या—नीलकण्ठकृता
35 B 128 दे 80.

मन्त्रमहोदधिटीका—काशीनाथकृता
35 B 31 दे 385.

मन्त्रव्याख्याप्रकाशिका—नीलकण्ठभट्टकृता
33 F 4 प्र 50.

मन्त्रसङ्ग्रहः
9 F 45 प्र 5.
30 A 1 दे 222.

मन्त्रसारः (यन्त्रसारः)
8 F 19 प्र 86 (आदितः १० पटलान्तः).
33 I 11 प्र 200.

यन्त्रलक्षणम्
28 A 39 प्र 3.

यन्त्रसारः
24 C 19 के 124 अस.

---

## (ii) कार्तवीर्यार्जुनमन्त्राः

कार्तवीर्यार्जुनकल्पः (मन्त्रः)
8 D 107 दे 48.
9 F 45 प्र 1.
9 F 62 प्र 1.
22 I 19 आ 20.
22 I 30 आ 44 (उड्डामरेश्वरतन्त्रे).

22 I 31 प्र 30 अस.
26 F 31 आ 9.
27 D 50 प्र 26 (पूजाविधिः).
29 G 22 आ 18.
34 I 19 प्र 4.
34 M 38 दे 19.

कार्तवीर्यार्जुनकवचम्
9 F 45 प्र 3.
22 I 32 प्र 16.
22 I 34 प्र 38 अस.
27 D 50 प्र 30.
28 D 7 आ 5 अस (शिवप्रोक्तम् ).
29 H 4 आ 30.

कार्तवीर्यार्जुनदिग्बन्धनम्
22 I 33 प्र 4.

कार्तवीर्यार्जुनप्रार्थनाश्लोकाः
9 D 41 प्र 1.

कार्तवीर्यार्जुनमालामन्त्रः
9 F 45 प्र 1.
22 I 35 आ 3.
30 D 31 आ 2.
34 I 19 प्र 3.

कार्तवीर्यार्जुनमूलमन्त्रः
22 I 35 आ 2.

कार्तवीर्यार्जुनयन्त्रम्
19 I 31 आ 3.
21 A 78 प्र 2.
22 I 19 आ 16 अस.
28 H 24 के 4.

कार्तवीर्यार्जुनयन्त्रलेखनक्रमः
9 F 45 प्र 3.

कार्तवीर्यार्जुनविंशत्यक्षरी
22 I 35 आ 6.

कार्तवीर्यार्जुनस्तोत्रम्
29 H 4 आ 2.

कार्तवीर्यार्जुनानुष्टुभमन्त्रः
9 F 62 प्र 1.

दशविधकार्तवीर्यार्जुनमन्त्राः
9 F 62 प्र 1.

नष्टद्रव्यपुनरानयनकार्तवीर्यार्जुनमन्त्रः
30 D 31 आ 3.

---

### (iii) कृष्णमन्त्राः

अष्टादशाक्षरगोपालयन्त्रम्
28 H 24 के 1.

कृष्णकवचम्
30 D 31 आ 5.

कृष्णगायत्रीमन्त्रः
9 F 62 प्र 1.

कृष्णचतुर्दशाक्षरीमन्त्रः
9 F 62 प्र 1.

कृष्णतापिनीविधानम्
11 D 16 दे 32.

कृष्णदशाक्षरीमन्त्रः
9 F 62 प्र 1.

कृष्णद्वादशाक्षरीमन्त्रः
9 F 62 प्र 1.

कृष्णनवाक्षरीमन्त्रः
9 F 62 प्र 1.

सन्तानगोपालमन्त्रभेदः
19 D 44 के 1.

सन्तानगोपालयन्त्रम्
28 H 24 के 1.

सन्तानगोपालानुष्टुभमन्त्रः
30 D 31 आ 3.

---

## (iv) गरुडमन्त्राः

गरुडकवचम्
21 B 28 ग्र 10.

गरुडगायत्री
9 F 62 ग्र 1.

गरुडनवाक्षरीमन्त्रः
9 F 62 ग्र 1.

गरुडपंचाक्षरीमन्त्रः
9 F 8 आ 1.
9 F 62 ग्र 1.
19 J 11 ग्र 3.
21 B 14 ग्र 2.
21 B 15 ग्र 3.
21 B 16 आ 1.
21 B 17 ग्र 1.
29 H 3 आ 1.
33 J 8 ग्र 4.

गरुडमन्त्रः
19 A 39 के 7.
19 B 58 ग्र 12.
19 G 24 आ 2.
21 B 43 ग्र 35 अस.
21 B 48 ग्र 2.
21 K 46 ग्र 7.
25 A 58 ग्र 1.
28 C 76 ग्र 4.

गरुडमालामन्त्रः
9 F 62 ग्र 1.
21 B 19 ग्र 1.

गरुडयन्त्रम्
33 J 8 ग्र 1.

गरुडयन्त्रस्थापनम्
21 B 50 ग्र 5.

---

## (v) नृसिंहमन्त्राः

अष्टमुखगण्डभेरुण्डनृसिंहमन्त्रः
9 F 70 आ 1.
24 E 51 क 19 अस.

अष्टमुखगण्डभेरुण्डनृसिंहमालामन्त्रः
9 F 70 आ 3.

उग्रनरसिंहमन्त्रप्रयोगः
19 I 20 के 4.

केशवादिनृसिंहद्वादशाक्षरीमन्त्रः
26 E 11 ग्र 4 अस.

नरसिंहकवचम्
20 D 51 आ 2.

नवनारसिंहमालामन्त्रः
26 C 32 आ 8.

नारसिंहयन्त्रम्
28 H 24 के 1 (कोशद्वयम्).

नारसिंहानुष्टुभमन्त्रः
9 F 62 प्र 1.

नारसिंहीमन्त्रः
21 B 19 प्र 1.

नृसिंहगायत्रीमन्त्रः
9 F 62 प्र 1.

नृसिंहपञ्जरम्
29 H 11 प्र 6.

नृसिंहभस्मस्नानम्
28 B 29 के 6.

नृसिंहमानसपूजा
29 I 11 प्र 6 (आदितः ८ अध्यायान्ता).

नृसिंहमालामन्त्रः
9 F 62 प्र 1.
26 C 32 प्र 7.

नृसिंहषडक्षरीमन्त्रः
9 F 62 प्र 1.

नृसिंहषोडशाक्षरीमन्त्रः
9 F 62 प्र 1.

नृसिंहसहस्राक्षरीमन्त्रः
9 F 8 आ 3.

नृसिंहाष्टाक्षरीमन्त्रः
9 F 62 प्र 1.

नृसिंहैकाक्षरीमन्त्रः
8 D 106 दे 2.
9 F 62 प्र 1.
20 E 43 प्र 3.
28 D 2 आ 4.

लक्ष्मीनृसिंहमन्त्रः
27 D 49 प्र 1.

लक्ष्मीनृसिंहमालामन्त्रः
9 B 31 आ 2.

लक्ष्मीनृसिंहहृदयम्
29 I 11 प्र 8.

---

## (vi) राममन्त्राः

रामगायत्री
9 F 62 प्र 1.

रामदशाक्षरीमन्त्रः
9 F 62 प्र 1.

रामद्वादशाक्षरीमन्त्रः
9 F 62 प्र 1.

रामनवाक्षरीमन्त्रः
9 F 62 प्र 1.

रामपूजायन्त्रम् (रामतापिनीप्रकारेण)
28 H 19 प्र 6.

राममानसपूजाविधानम् (अगस्त्यसंहितायाम्)
27 J 71 आ 12.

राममालामन्त्रः
9 C 94 आ-प्र 3 (कोशद्वयम्).
9 F 62 प्र 1.
9 F 79 क 2.
27 J 72 आ 2.
27 K 12 आ 4.

रामयन्त्रम्
27 J 1 आ 4.
28 H 24 के 1.

रामरक्षा
28 B 29 के 1.

रामषडक्षरीमन्त्रः
9 F 45 ग्र 1.
9 F 62 ग्र 2 (कोशद्वयम्).
21 L 4 ग्र 3.
22 B 12 ग्र 1.
27 K 13 आ 2.
40 G 1 ग्र 1.

रामानुजजपः
28 F 41 ग्र 1.

रामानुष्टुभमहामन्त्रः
9 F 62 ग्र 1.

रामायणमन्त्रः
19 M 55 ग्र 2.
20 B 20 ग्र I.
26 H 11 आ 3.
28 K 23 ग्र 1.
40 I 12 ग्र 2 अस.

रामार्चना
28 A 54 ग्र 2 अस.

रामाष्टाक्षरीमन्त्रः
9 F 62 ग्र 1.

लक्ष्मणमन्त्रः
9 F 62 ग्र 1.
40 I 12 ग्र 1.

श घ्नमन्त्रः
9 F 62 ग्र 1.
40 I 12 ग्र 1.

श्रीभरतमन्त्रः
9 F 62 ग्र 1.
40 I 12 ग्र 1.

सीताराममन्त्रप्रयोगः
34 L 12 दे 86.

---

(vii) लक्ष्मीमन्त्राः

महालक्ष्मीगायत्रीमन्त्रः
9 F 62 ग्र 22.

महालक्ष्मीचतुर्विंशत्यक्षरीमन्त्रः
9 F 62 ग्र 22.

महालक्ष्मीत्रिंशदक्षरीमन्त्रः
9 F 62 ग्र 22.

महालक्ष्मीद्वादशाक्षरीमन्त्रः
9 F 45 ग्र 1.
9 F 62 ग्र 22.

महालक्ष्मीमन्त्रः
27 D 49 ग्र 1.

महालक्ष्मीरत्नकल्पः—शङ्करकृतः
22 B 46 आ 76 अस.

महालक्ष्मीरत्नकोशः
9 F 41 ग्र 4.
33 C 22 ग्र 336.

महालक्ष्मीसप्तविंशत्यक्षरीमन्त्रः
9 F 62 ग्र 22.

महालक्ष्म्येकाक्षरीमन्त्रः
9 F 62 ग्र 22.

राज्यलक्ष्मीकवचम्—शङ्कराचार्यकृतम्
9 F 70 आ 2.

राज्यलक्ष्मीमन्त्रः
28 B 29 के 1.

रुक्मिणीपञ्चदशाक्षरीमन्त्रः
27 J 1 आ 2.

लक्ष्मीमन्त्रः
20 C 62 ग्र 9.

लक्ष्मीमालामन्त्रः
9 F 8 आ 1.

लक्ष्मीयन्त्रम्
20 C 62 ग्र 1.

सत्यभामामन्त्रः
27 J 1 आ 2.

सीतामन्त्रः
9 F 62 ग्र 1.

सौभाग्यलक्ष्मीनियमकल्पः
9 F 62 ग्र 18 अस.

---

### (viii) विष्णुमन्त्राः

अष्टाक्षरमन्त्राः
9 F 62 ग्र 1.
19 J 11 ग्र 7.
20 I 32 ग्र 1.
22 D 29 ग्र 14.
22 D 30 ग्र 3.
22 G 4 ग्र 2.
23 H 31 आ 1.
26 E 11 ग्र 4.
26 G 14 ग्र 11
26 H 11 आ 2.
29 H 7 ग्र 3.
31 J 17 ओ 8.

केशवादिमातृकान्यासः
26 E 11 ग्र 4.

नामत्रयमन्त्रः
19 J 27 ग्र 3.
33 C 11 ओ 10 (सनत्कुमारसंहितायाम).

नारायणमन्त्रः
20 H 7 आ 3.

नारायणमालामन्त्रः
26 E 11 ग्र 2.

मुकुन्दयजनक्रमदीपिका (मञ्याख्या)
21 K 65 आ 6.

वामनत्रयोदशाक्षरीमन्त्रः
9 F 62 ग्र 1.

वामनाष्टाक्षरीमन्त्रः
9 F 62 ग्र 1.

विष्णुगायत्रीमन्त्रः
9 F 62 ग्र 1.

विष्णुचतुर्दशाक्षरीमन्त्रः
9 F 62 ग्र 1.

विष्णुद्वादशाक्षरीमन्त्रः
9 F 62 ग्र 1.

विष्णुप्रपत्तिमन्त्रः
9 F 62 ग्र 1.

विष्णुविद्या
9 F 62 ग्र 1.

विष्णुषडक्षरीमन्त्रः
9 F 62 ग्र 1.
19 I 11 ग्र 2.

विष्णुसहस्रनामकल्पः
33 C 11 ओ 13.

विष्णवष्टादशाक्षरीमन्त्रः
9 F 62 ग्र 1.

---

### (ix) सुदर्शनमन्त्राः

महासुदर्शनयन्त्रविधानम्
21 K 58 आ 2.

सुदर्शनकल्पः
26 F 31 आ-ग्र 76.

सुदर्शनकवचम्
19 G 25 ग्र 5 अम.
33 J 8 ग्र 7.

सुदर्शनगायत्रीमन्त्रः
9 F 62 ग्र 1.

सुदर्शनगायत्रीयन्त्रम्
28 H 24 के 1.

सुदर्शनचक्रोद्धारः
19 G 21 आ 2.

सुदर्शनचतुर्विंशत्यक्षरीमन्त्रः
9 F 62 ग्र 1.

सुदर्शनदिग्बन्धः
29 I 11 ग्र 6.

सुदर्शनमन्त्रः
9 D 41 ग्र 2.
24 E 51 क 16.
27 D 49 ग्र 2.
34 I 19 ग्र 3.

सुदर्शनमालामन्त्रः
9 F 62 ग्र 1.
19 G 21 आ 2.
21 B 19 ग्र 1 अस.
29 H 3 आ 26.
29 I 4 ग्र 11.
34 I 19 ग्र 7.

सुदर्शनयन्त्रम्
19 D 44 के 5.
27 D 49 ग्र 1.
28 H 24 के 1.
29 I 4 ग्र 13.
33 I 8 ग्र 4.

सुदर्शनषडक्षरीमन्त्रः
9 F 62 ग्र 1.
33 J 8 ग्र 6.

सुदर्शनषडक्षरीमालामन्त्रः
29 H 3 आ 8.

सुदर्शनषोडशाक्षरीमन्त्रः
9 F 62 ग्र 1.

### (x) हनुमन्मन्त्राः

### (xi) हयग्रीवमन्त्राः

हयग्रीवकल्पः
9 F 8 आ 14.

हयग्रीवगायत्रीमन्त्रः
9 F 62 ग्र 20.

हयग्रीवचतुर्दशाक्षरीमन्त्रः
9 F 62 ग्र 1.

हयग्रीवनवाक्षरीमन्त्रः
9 F 62 ग्र 1.

हयग्रीवमन्त्रः
19 J 25 ग्र 2.
19 J 27 ग्र 3.
20 C 66 ग्र 2 अस.
26 E 11 ग्र 4.

हयग्रीवमन्त्रभेदाः
19 C 36 ग्र 20.

हयग्रीवषट्त्रिंशदक्षरीमन्त्रः
9 F 62 ग्र 1.

हयग्रीवाष्टाक्षरीमन्त्रः
9 F 62 ग्र 20.
19 J 11 ग्र 5 (कोशद्वयम्).

हयग्रीवैकाक्षरीमन्त्रः
9 F 62 ग्र 1.

---

## शैवमन्त्राः

### (xii) गणपतिमन्त्राः

उकारगणपत्यन्तर्गतारोहणक्रमः
27 E 82 आ 3.

उच्छिष्टगणपतिकल्पः
22 F 46 आ 10 अस.

उच्छिष्टगणपतिकवचम्
22 G 29 ग्र 12.
34 K 41 दे 3.

उच्छिष्टगणपतिमन्त्रः
9 F 62 ग्र 1.
22 G 34 आ 2.
27 D 49 ग्र 1.

उच्छिष्टगणपतिमन्त्रोद्धारः
27 E 82 आ 20.

उच्छिष्टगणपतिविधानम्
35 B 53 दे 22.

एकाक्षरीगणपतिमन्त्रजपः
9 C 6 दे 2.

गणपतिकल्पः
34 I 19 ग्र 140.

गणपतिकवचम्
27 E 82 आ 11 (विघ्नेश्वरकवचम्).
27 E 82 आ 5 (गणपतित्रैलोक्यमोहनकवचम्).
27 G 35 ग्र 2 (वरसिद्धिविनायककवचम्).

स्वर्णाकर्षणगणपतिमन्त्रः
19 J 16 ग्र 2.

हरिद्रागणपतिमन्त्रकल्पः
19 J 5 आ 8 अस.
19 J 8 आ 2.
19 J 17 आ 12 (विनायकसंहितायाम्).
19 J 33 आ 14.

---

## (xiii) चिदम्बरमन्त्राः

चित्सभापतिमन्त्रक्रमः
8 F 2 ग्र 1.

चिदम्बरकल्पः
34 D 5 ग्र 48 (१–१२ अध्यायाः).

चिदम्बरचक्रम् (द्राविडटीकायुतम्)
21 E 40 ग्र-द्रा 20 अस.

चिदम्बरनिग्रहमन्त्रः
27 D 49 ग्र 1.

चिदम्बरमन्त्रः
30 A 24 ग्र 10.

चिदम्बरमालामन्त्रः
21 E 41 ग्र 7.

चिदम्बररहस्यम्
22 F 26 आ 2.

नटेशविधिः
40 A 12 ग्र 28.

पञ्चाक्षररहस्यचिदम्बरमन्त्रः
34 D 5 ग्र 15 (आदितः ३ अध्यायान्तः).

---

## (xiv) दक्षिणामूर्तिमन्त्राः

दक्षिणामूर्तिकल्पः (पद्धतिः, मन्त्रः).
9 D 20 आ 42.
9 E 48 दे 12.
9 E 48 दे 40 (काशीनाथभट्टकृतः).
21 K 52 आ 1.
28 K 25 ग्र 1.
33 A 4 ओ 2.

दक्षिणामूर्तिचतुर्विंशत्यक्षरीमन्त्रः
9 F 62 ग्र 22.

दक्षिणामूर्तिद्वात्रिंशदक्षरीमन्त्रः
9 F 62 ग्र 22.

दक्षिणामूर्तिनवाक्षरीमन्त्रः
9 F 62 ग्र 21.

दक्षिणामूर्तिपञ्जरम्
19 M 2 ग्र 4.
26 H 11 आ 10.

दक्षिणामूर्तिमालामन्त्रः
26 H 11 आ 4.

दक्षिणामूर्तियन्त्रादिलक्षणम्
19 M 2 ग्र 15.

दक्षिणामूर्तिसंहिता
34 D 5 ग्र 68 अस.
34 J 40 दे 140.

दक्षिणामूर्त्यष्टादशाक्षरीमन्त्रः
9 F 62 ग्र 21.

नीलकण्ठदक्षिणामूर्तिमन्त्रः
28 B 29 के 1.

---

## (xv) नन्दिकेश्वरमन्त्राः



---

## (xvi) नीलकण्ठमन्त्राः



---

## (xvii) भैरवमन्त्राः

वर्णभैरवम्
11 G 63 ब 22.

स्वर्णवटुकायन्त्रम्
28 M 22 के 11.

स्वर्णाकर्षणभैरवमन्त्रः
19 I 53 आ 2.

---

## (xviii) मृत्युञ्जयमन्त्राः

अमृतमृत्युञ्जयमन्त्रः
21 F 13 प्र 2.
22 D 22 आ 1.

महामृत्युञ्जयमन्त्रः
20 G 21 के 3.

मृत्युञ्जयत्र्यम्बकमन्त्रः
9 F 3 आ 2.

मृत्युञ्जयपूजापद्धतिः
11 G 90 ब 6.

मृत्युञ्जयमन्त्रः
9 C 45 दे 2.
20 G 21 के 6 (कोशद्वयम्).
24 G 22 क 5.

मृत्युञ्जयषडक्षरीमन्त्रः
9 F 62 प्र 21.

---

## (xix) रुद्रमन्त्राः

रुद्रजपविधिः
20 C 9 प्र 12.

रुद्रमन्त्रः
9 B 169 ज्ञा 26.

रुद्रमालामन्त्रः
21 B 19 प्र 1.

रुद्रस्नानार्चनाभिषेकविधिः
20 M 26 प्र 4.

रुद्राक्षमालामन्त्रः
33 A 4 ओ 1.

वीररुद्रमन्त्रः
28 K 25 प्र 1.

---

## (xx) वीरभद्रमन्त्राः

अघोरमन्त्रः
22 A 39 प्र 2.
27 D 49 प्र 3.
28 B 29 के 1 अस.

अघोरयन्त्रम्
28 H 24 के 1.

अघोरवीरभद्रमालामन्त्रः
22 A 42 प्र 2.

वीरभद्रबलिः
20 G 21 के 1.

वीरभद्रमन्त्रः
9 F 62 प्र 21.
19 A 7 प्र 2.
20 G 47 आ 2.
27 D 49 प्र 2 (कोशद्वयम्).
35 B 90 आ 33.

वीरभद्रयन्त्रम्
19 A 7 प्र 2.
28 H 24 के 1.

## (xxi) शरभमन्त्राः

चित्ताकर्षणशरभमन्त्रराजः
35 B 88 आ 2.

वीरशरभचित्ताकर्षणप्रयोगः
35 B 88 आ 4.

शरभकवचम्
20 K 15 आ 6 अस.
27 D 50 प्र 8.

शरभपूजाविधिः
21 M 34 प्र 19.
27 D 50 प्र 4.

शरभमन्त्रः (शरभसाळुवमन्त्रः, शरभसाळुवपक्षिराजमन्त्रः)
9 F 45 प्र 1.
9 F 62 प्र 21.
20 K 16 आ 4 अस.
20 K 18 प्र 8.
20 K 19 आ 12.
20 K 37 प्र 2.
20 K 43 आ 11.
22 A 39 प्र 4.
27 D 49 प्र 1.
29 H 4 आ 1.

शरभमन्त्रोद्धारः
20 K 19 आ 2.

शरभमालामन्त्रः
20 K 19 आ 2.
34 I 19 प्र 18.

शरभयन्त्रम्
20 K 19 आ 2.
28 H 24 के 1.

शरभसाळुवस्तोत्रम्
35 B 76 आ 6.

शरभहृदयम्
20 K 19 आ 3.

शरभाष्टकम्
19 A 7 प्र 2.

## (xxii) शिवमन्त्राः

ईश्वरपञ्चाक्षरीविद्या—उपमन्युकृता
33 C 6 ओ 44.

त्रिष्टुप्प्रयोगः
20 G 21 के 7.

त्रिष्टुब्विधानम्
20 G 21 के 3.

त्र्यम्बकमन्त्रः
21 K 46 प्र 6.
22 F 33 आ 6.

त्र्यम्बकाक्षरन्यासः
33 C 3 ओ 1.

नमो भवाय चेत्यनुवाकजपक्रमः
21 B 44 आ 4.

पञ्चाक्षरप्रभेदाः
27 J 57 आ ग्र 2.

पञ्चाक्षरयन्त्रम्
19 K 11 आ 1.

पञ्चाक्षरविधिः
19 K 45 ग्र 6.

पञ्चाक्षरीनामावलिः
9 F 69 ग्र 2.

पञ्चाक्षरीमन्त्रः
9 B 39 क 1.
23 H 47 क 6.
26 H 11 आ 4.
28 D 8 आ 2.

मृत्तिकाशङ्करपूजाविधिः
33 C 11 ओ 23.

शाम्भवमन्त्राः
9 F 62 ग्र 1.
21 B 59 ग्र 2.

शिवचिद्रश्मिमालासूक्तम्
21 K 58 आ 4.

शिवज्ञानविद्या
33 C 6 ओ 49.

शिवतत्त्वविमर्शनमन्त्रः
9 F 62 ग्र 1.

शिवपञ्चाक्षरीमन्त्रः
24 F 29 आ 4.
24 G 2 आ 8.
28 F 9 ग्र 6.
28 F 11 आ 2.

शिवपञ्चाक्षरीमुक्तावली—सिद्धेश्वरकृता
38 F 56 दे 78.

शिवविद्या
9 F 62 ग्र 1.

शिवसहस्रनाममहामन्त्रः
9 F 70 क 1.

शुद्धपञ्चाक्षरीमन्त्रः
9 F 62 ग्र 22.

शैवकल्पद्रुमः—लक्ष्मीधरमिश्रकृतः
33 A 37 ओ 273.
33 A 38 ओ 229.

शैवचिन्तामणिः
33 C 2 ओ 83.
33 C 14 ओ 34.

शैवाष्टाक्षरभेदः
28 B 29 के 1.

शैवाष्टाक्षरयन्त्रम्
28 H 24 के 1.

---

## (xxiii) सुब्रह्मण्यमन्त्राः

प्रमत्तस्कन्दमन्त्रः
27 D 49 ग्र 3.

सुब्रह्मण्यपूजाविधिः
27 D 59 ग्र 7.

सुब्रह्मण्यमन्त्रः
9 F 62 ग्र 1.
19 G 59 ग्र 1.
19 G 62 आ 1.
27 D 49 ग्र 1 (पञ्चदशाक्षरी).

27 D 49 प्र 2 (षोडशाक्षरी).

सुब्रह्मण्यमन्त्रदिग्बन्धः

9 F 3 आ 3.

सुब्रह्मण्यमालामन्त्रः

19 G 51 प्र 4.

19 I 21 प्र 2.

22 E 48 आ 2.

34 I 19 प्र 3.

स्कन्दविद्या

9 F 62 प्र 1.

---

# देवीमन्त्राः

## (xxiv) कालीमन्त्राः

अथर्वणभद्रकालीमन्त्रः

9 F 45 प्र 1.

कालिकामन्त्रकल्पः

9 H 67 आ 3 अम.

11 G 56 ब 5 (आदितः ३ पटलान्तः).

22 J 29 आ 2 अस.

27 K 13 आ 2 (विषज्वरहरः).

कालीसहस्राक्षरी

35 B 89 आ 6.

दक्षिणकालीबलिविधानक्रमः

21 K 56 आ 2 अस.

दक्षिणकालीमन्त्रः

21 K 43 आ 4.

भद्रकालीपूजा

28 M 22 के 13.

भद्रकालीमन्त्रः

27 D 49 प्र 14 (कोशत्रयम ).

28 M 23 प्र 2.

29 H 4 आ 2.

महाकालीमालामन्त्रः

34 I 19 प्र 11.

रुद्रकालीमन्त्रः

21 B 19 प्र 1.

वीरमहाकालीमन्त्रः

27 D 49 प्र 1.

---

## (xxv) गायत्रीमन्त्राः

अजपागायत्री

22 A 40 आ 11.

23 H 48 क 8.

27 D 38 प्र 29.

27 G 11 आ 7.

40 H 8 प्र 8.

अजपाजपक्रमः

9 C 28 प्र 13.

22 A 37 प्र 17.

28 M 54 प्र 27.

अजपामन्त्रः

9 C 52 आ 28.

---

## (xxvi) चण्डिकामन्त्राः

---

## (xxvii) चामुण्डामन्त्राः



---

## (xxviii) त्रिपुरसुन्दरी, बाला, राजराजेश्वरी, ललिता, श्रीविद्यादिमन्त्राः

29 L 37 आ 3.

कुलतर्पणम्

9 F 69 प्र 2 अस.

कुलदीपविधिः

22 K 54 आ 2.

त्रिपुरसुन्दरीकल्पः

24 D 3 प्र 104.

त्रिपुरसुन्दरीनामपारायणमन्त्रः

9 E 76 प्र 5.

त्रिपुरसुन्दरीपादुकापूजा

21 K 25 प्र 14.

त्रिपुरसुन्दरीपूजाविधानम्

8 J 38 प्र 52.

त्रिपुरसुन्दरीमन्त्रविग्रहकवचम्

85 B 81 आ 14.

त्रिपुरसुन्दरीमहामन्त्रः

24 F 20 आ 3.

त्रिपुरसुन्दरीमालामन्त्रः

9 C 80 दे 18.
21 K 19 प्र 10.
27 J 62 आ 8.

त्रिपुराद्वादशभेदाः

9 F 45 प्र 4.

त्रिपुरामन्त्रः

9 H 25 प्र 1.

त्रिपुराषोडशाक्षरीमन्त्रः

20 E 14 आ 2.
21 K 20 प्र 3.
21 K 21 प्र 1.

त्रिपुरेश्वरीपद्धतिः—हरिहरानन्दनाथकृता

35 B 42 दे 40.

दक्षिणाम्नायसमयपादुकामन्त्रः

9 F 62 प्र 1.

दशसंस्कारविधिः

29 I 4 प्र 2.

दीक्षाक्रमः

29 L 37 आ 8.

दीक्षापद्धतिः

9 F 62 प्र 7.

दुर्वाससो विद्या

9 F 62 प्र 1.

देवतार्चनाकारिका—बोधायनकृता

8 F 20 प्र 3.

देवीमन्त्रः

8 F 2 प्र 1.

देवीसन्ध्या

34 M 68 दे 12.

देवीसूक्तम्

21 M 20 प्र 18.

देव्याविर्भावकालनिरूपणम्

21 J 46 प्र 3 अस.

द्वादशविधश्रीविद्यामन्त्रोद्धारः

21 M 30 प्र 9.

द्वादशार्धाम्बिकामन्त्रः

9 F 62 प्र 1.

28 K 6 आ 20.

पूर्वाम्नायसमयपादुकामन्त्रः
9 F 62 ग्र 1.

प्रासादपञ्चाक्षरीमन्त्रः
8 H 39 आ 3.
9 B 26 आ 1.
9 F 62 ग्र 23 (कोशद्वयम्).
28 J 35 आ 2.

प्रासादपरामन्त्रः
9 F 62 ग्र 22.

बन्धविमोचनैकाक्षरीमन्त्रः
21 B 44 आ 1.

बलिदानविधिः
11 G 60 ब 4.

बालाकल्पः
8 F 20 ग्र 19.

बालाकवचस्तोत्रमहामन्त्रः
9 F 62 ग्र 1.

बालाचक्रम्
22 F 26 आ 7.

बालात्रिपुरसुन्दरीपद्धतिः
8 D 86 दे 35.

बालात्रिपुरसुन्दरीमन्त्रः
9 B 38 क 1.
9 C 24 दे 2.
22 F 26 आ 2.
28 K 25 ग्र 1.
29 M 5 आ 1.

बालापद्धतिः
28 K 18 आ 6 (कुलार्णवमहार्णवे).
29 L 37 आ 68.

बालापरमेश्वरीमन्त्रः
9 F 62 ग्र 1.
20 M 27 ग्र 3.
24 F 35 क 2.
27 D 49 ग्र 15.

बालापूजाविधिः
35 B 12 दे 27.

बालामन्त्रः
9 F 62 ग्र 1.
28 B 29 के 24.
28 K 16 ग्र 3.
28 K 24 ग्र 7.

बालायन्त्रम्
19 A 40 के 4.

बालासंपुटितकादिविद्यापञ्चदशाक्षरीमन्त्रः
2 F 62 ग्र 1.

भावनोपनिषत्प्रयोगविधिः—भास्कररायकृतः
9 E 128 दे 24.
27 C 28 ग्र 14.

महात्रिपुरसुन्दरीखड्गमालामन्त्रः
9 F 62 ग्र 3.

महात्रिपुरासिद्धान्तः (श्यामलाविधानम्)
8 F 20 ग्र 40.
38 A 3 दे 275 (आदितः ६१ कल्पपर्यन्तः).

महापादुकामन्त्रः
9 F 62 ग्र 1.

सप्तशतीप्रयोगः
33 D 17 ग्र 76.
34 M 66 दे 16.

सप्तशत्यङ्गविवरणम्—नीलकण्ठभट्टकृतम्
33 E 4 ग्र 32.

सुवासिनीपूजा
22 K 29 आ 2.
29 L 37 आ 4.

सौभाग्यविद्या (पञ्चमहात्रिपुरसुन्दरी) मन्त्रः
28 K 25 ग्र 1.

सौभाग्याम्बिकामहामन्त्रः
9 F 62 ग्र 1.

ह्रादिपूर्तिविद्यामन्त्रः
9 F 62 ग्र 1.

ह्रादिविद्यापञ्चदशाक्षरीमन्त्रः
9 F 62 ग्र 1.

ह्रादिविद्यामन्त्रः (श्रीविद्यान्तर्गतः)
9 F 62 ग्र 1.

ह्रीङ्कारीमन्त्रः
9 H 25 ग्र 1.

---

## (xxix) दुर्गामन्त्राः

अग्निदुर्गापरमेश्वरीमन्त्रः
9 F 62 ग्र 23.

अग्निदुर्गामन्त्रः
9 F 45 ग्र 1.

जातवेदोदुर्गामन्त्रः
21 F 48 ग्र 1.
27 D 49 ग्र 6.

दुर्गापूजा
33 C 28 ग्र 26.
33 D 8 ग्र 20.

दुर्गामन्त्रः
11 G 71 ब 3.

दुर्गामालामन्त्रः
21 L 61 ग्र 10.

दुर्गार्चासारसङ्ग्रहः
33 E 4 ग्र 52.

वनदुर्गाकल्पः
40 B 10 के 96.

वनदुर्गामन्त्रः
20 D 51 आ 2.
20 D 77 ग्र 6.
20 D 79 आ 62.
26 G 19 के 5 (यन्त्रयुतः).
27 D 49 ग्र 36.

वनदुर्गामन्त्रस्तोत्रादि
20 D 52 आ 42.

वनदुर्गामहाविद्या
8 D 64 आ 52.

वनदुर्गामालामन्त्रः
27 E 77 आ 23.

वनदुर्गामालिका
20 D 79 आ 18.

वनदुर्गायन्त्रम्
28 H 24 के 1.

---

## (xxx) नित्यामन्त्राः

कामेश्वरीनित्यामन्त्रः
9 F 62 ग्र 1.

कुलसुन्दरीनित्यामन्त्रः
9 F 62 ग्र 1.

चित्रानित्यामन्त्रः
9 F 62 ग्र 1.

ज्वालामालिनीनित्यामन्त्रः
9 F 62 ग्र 1.

ज्वालासहस्रम्
35 B 77 आ 12.

त्वरितानित्यामन्त्रः
9 F 62 ग्र 1.

त्वरितायन्त्रम्
28 H 24 के 1.

नित्यक्लिन्नामन्त्रः
9 F 62 ग्र 1.

नित्यानित्यामन्त्रः
9 F 62 ग्र 1.

नित्यामन्त्राः
9 D 66 दे 2 (षोडशीनित्यानाम्).
35 B 64 आ 13.

नित्यामन्त्रादिपारायणम् (श्रीविद्यासन्ध्याङ्गम)
9 C 73 ग्र 8.

नीलपताकिनीनित्यामन्त्रः
9 F 62 ग्र 1.

भगमालिनीनित्यामन्त्रः
9 F 62 ग्र 1.

भेरुण्डानित्यामन्त्रः
9 F 62 ग्र 1.

महात्रिपुरसुन्दरीनित्यामन्त्रः
9 F 62 ग्र 1.

महावज्रेश्वरीनित्यामन्त्रः
9 F 62 ग्र 1.

वह्निवासिनीनित्यामन्त्रः
9 F 62 ग्र 1.

विजयानित्यामन्त्रः
9 F 62 ग्र 1.

शिवदूतीनित्यामन्त्रः
9 F 62 ग्र 1.

सर्वमङ्गळानित्यामन्त्रः
9 F 62 ग्र 1.

---

## (xxxi) प्रत्यङ्गिरोमन्त्राः

प्रत्यङ्गिरोमालामन्त्रः
29 H 4 आ 2.

प्रत्यङ्गिरोयन्त्रम्
28 I 17 ग्र 12.

प्रत्यङ्गिरःकल्पः (प्रयोगः, मन्त्रः, मन्त्रजपश्च)
9 F 62 ग्र 23.
20 D 32 आ 2.

21 B 44 आ 5.
24 E 8 आ 10.
28 C 76 प्र 2.
28 I 12 आ 40.
28 I 17 प्र 5.
28 I 18 प्र 10.
28 I 19 प्र 7 (कोशद्वयम्).
28 I 30 प्र 80.
28 K 21 आ 9.

प्रत्यङ्गिरःपूजा
29 H 4 आ 2.

प्रत्यङ्गिरस्सिद्धमन्त्रोद्धारः (चण्डोग्रशूलपाणितन्त्रान्तर्गतः)
33 C 2 ओ 3.

प्रत्यङ्गिरस्सूक्तम्
27 D 49 प्र 1.
28 J 13 प्र 4.
29 H 4 आ 12.

---

## (xxxii) बगळामन्त्राः

बगळागायत्रीमन्त्रः
9 F 62 प्र 23.

बगळापुरश्चरणविधानम्
30 D 31 आ 59.

बगळामुखीनित्यपूजाविधिः (विश्वयामळे)
35 B 79 आ 16.

बगळामुखीन्यासः (भैरवतन्त्रे)
9 D 64 दे 6.

बगळामुखीपूजावरणम् (भैरवयामले)
9 D 64 दे 9.

बगळामुखीमन्त्रः
8 H 44 आ 10.
9 H 68 आ 8.
19 C 20 आ 114.
27 D 49 प्र 19 (कोशत्रयम्).
27 E 77 आ 1.
29 L 37 आ 4.

बगळामुखीस्तोत्रम्
11 G 79 ब 4.

बगळाहृदयम्
28 J 50 आ 3.

बगळैकाक्षरीमन्त्रः
9 F 62 प्र 23.

---

## (xxxiii) भुवनेश्वरीमन्त्राः

भुवनेश्वरीकल्पः
20 K 43 आ 21 (१–१० पटलाः).

भुवनेश्वरीकवचम्
34 M 67 दे 6.
34 M 69 दे 4.

भुवनेश्वरीचतुरक्षरीविधानम्
27 D 49 प्र 8 (सयन्त्रम्).

भुवनेश्वरीपूजा
33 C 11 ओ 40.

भुवनेश्वरीमन्त्रः
9 F 62 प्र 1.

---

### (xxxiv) मातङ्गीमन्त्राः



---

### (xxxv) मातृकामन्त्राः



---

### (xxxvi) वाराहीमन्त्राः

वन्ध्यात्वनिवर्तकयन्त्रम्
21 A 75 प्र 3.

वराहयन्त्रम्
28 H 24 के 1.

वराहैकाक्षरीमन्त्रः
9 F 62 प्र 1.

वशीकरणवाराहीमन्त्रः
19 M 52 प्र 2.

वाराहीमन्त्रः
9 F 62 प्र 2.
29 B 20 आ 9.

वाराहीस्तम्भनम्
28 B 29 के 1.

---

## (xxxvii) वार्ताळीमन्त्राः

लघुवार्ताळीमन्त्रः
9 F 62 प्र 1.

वार्ताळीतिरस्करिणीमन्त्रः
9 F 62 प्र 1.

वार्ताळीपादुकामन्त्रः
9 F 62 प्र 1.

शुद्धवार्ताळीमन्त्रः
9 F 62 प्र 1.

स्वप्नवार्ताळीमन्त्रः
9 F 62 प्र 1.

---

## (xxxviii) विद्यामन्त्राः

नकुलीविद्यामन्त्रः
9 F 62 प्र 1.

वागीश्वरीमन्त्रः
20 E 14 आ 1.

वाग्वादिनीमन्त्रः
9 F 45 प्र 1.
9 F 62 प्र 1.
9 H 25 प्र 1.
28 K 25 प्र 2.

शुद्धविद्यामन्त्रः
9 F 62 प्र 1.

साम्राज्ञीविद्यामन्त्रः
9 F 62 प्र 1.

---

## (xxxix) शक्तिमन्त्राः

महाशक्तिन्यासः
27 E 87 के 24.
34 M 34 दे 20 अस.

शक्तिदीक्षापद्धतिः—आनन्दनाथकृता
9 F 62 प्र 14 अस.

शक्तिपञ्चाक्षरीमन्त्रजपः
9 C 6 दे 1.
9 F 45 प्र 1.
9 F 62 प्र 22.
19 J 1 आ 28.
21 A 41 आ 4.
21 K 26 प्र 5.

22 A 37 प्र 3.
22 L 2 आ 2.

शक्तिप्रासादपञ्चाक्षरीमन्त्रः
9 F 62 प्र 22.

शक्तिमन्त्रः
9 H 25 प्र 1.

शक्तिमन्त्रपारायणम्
8 J 6 प्र 12 अस.
9 F 76 प्र 8.

शुद्धशक्तिमालामन्त्रः
19 B 60 प्र 5.
21 E 38 आ 4.
28 K 25 प्र 2.
29 M 5 आ 4.

---

## (xl) शूलिनीमन्त्राः

शूलिनीदुर्गापरमेश्वरीमन्त्रः
9 F 62 प्र 23.
23 H 31 प्र 2.
28 M 13 प्र 2.

शूलिनीबालामन्त्रः
9 F 45 प्र 1.
19 A 7 प्र 2.

शूलिनीमन्त्रकल्पः
28 I 30 प्र 14.
28 K 25 प्र 1.
34 I 19 प्र 2 (दिग्बन्धनमन्त्रः).

शूलिनीमन्त्रप्रयोगः
9 B 58 प्र 10.
34 I 19 प्र 2.
34 I 19 प्र 5 (मालामन्त्रः).
38 A 10 दे 339.

शूलिनीयन्त्रम्
28 H 24 के 1.

शूलिनीयन्त्रादिप्रयोगः
26 G 18 के 60.

शूलिन्यादिमन्त्राः
19 B 36 आ 14.

---

## (xli) श्यामलामन्त्राः

शुकश्यामलामन्त्रः
9 D 41 आ 1.

श्यामलानित्यकर्मविधिः
19 B 82 आ 4.

श्यामलामन्त्रः
9 F 62 प्र 1.

श्यामलाम्बामालामन्त्रः
19 B 81 प्र 8.

श्यामादिविद्याविधानम्
11 G 39 ब 20.

राजश्यामामन्त्रः
9 F 62 प्र 1.

लघुश्यामामन्त्रः
9 F 62 प्र 1.
21 K 68 आ 1.

27 K 57 आ 3.

श्यामापादुकामन्त्रः
9 F 62 प्र 1.

श्यामापूजापद्धतिः
11 G 84 ब 22.

श्यामाप्रकारः
19 B 83 आ 18.

---

### (xlii) सरस्वतीमन्त्राः

अन्तर्मातृकाबहिर्मातृकासरस्वतीमन्त्रः
9 F 62 प्र 1.
22 C 1 प्र 2.
22 C 2 आ 6.
26 E 11 प्र 1.
27 D 38 प्र 24.
27 D 49 प्र 2.
28 M 19 आ 12 (१ पटल:).
40 H 8 प्र 12.

कुरुकुल्लासरस्वतीमन्त्रः
22 K 28 आ 2 अस.

नकुलीसरस्वतीमन्त्रः
21 K 68 आ 2.
28 B 29 के 4 (कोशद्वयम्).

बहिर्मातृकासरस्वतीमन्त्रः
27 D 49 प्र 2.

श्रुतिधारिणीमन्त्रः
9 F 62 प्र 1.

सरस्वतीचक्रम् (वसिष्ठसंहितायाम्)
27 G 11 आ 3.

सरस्वतीदशश्लोकीयन्त्रम्
21 A 75 आ 2.

सरस्वतीदशाक्षरीमन्त्रः
28 B 29 के 1.

सरस्वतीनवाक्षरीमन्त्रः
9 F 62 प्र 22.

सरस्वतीषोडशाक्षरीमन्त्रः
9 F 62 प्र 22.

सरस्वत्यष्टाक्षरीमन्त्रः
9 F 62 प्र 22.

सरस्वत्येकादशाक्षरीमन्त्रः
9 F 62 प्र 22.

---

### (xliii) स्वयंवरपार्वतीमन्त्राः

स्वयंवरन्यासः
28 M 22 के 30.

स्वयंवरपार्वतीकल्पः
19 I 44 आ 10 अस.

स्वयंवरपार्वतीमन्त्रः
9 F 45 प्र 1.
9 F 62 प्र 23.
19 A 7 प्र 1.
22 A 42 प्र 2 अस.

स्वयंवरयन्त्रम्
28 H 24 के 1.

स्वयंवरविद्याकवचम्
27 D 49 ग्र 2.

## (xliv) देवीसामान्यमन्त्राः

अन्नपूर्णामन्त्रः
9 F 62 ग्र 1.
29 M 5 आ 1.

इन्द्राक्षीकल्पः
22 F 25 आ 18.

इन्द्राक्षीमालामन्त्रः
22 F 28 आ 6.

इन्द्राक्षीयन्त्रम्
19 G 24 आ 1.
20 D 80 आ 1.
33 J 8 ग्र 6.

इन्द्राक्षीरहस्यम्
20 D 52 आ 20 (देवतान्यासान्तम्).

उत्तमकन्याविवाहदायिनीमन्त्रः
9 F 62 ग्र 1.

डाकिनीमन्त्रः
27 G I1 आ 3.

तुरीयाम्बामहामन्त्रः
9 F 62 ग्र 1.

तुरीयाष्टाक्षरमन्त्रः
20 G 21 के 1.

धरणीमन्त्रः
28 A 14 ग्र 4.

धूमावतीमन्त्रः
27 D 49 ग्र 1.
28 A 12 आ 6.

पद्मावतीमन्त्रः
9 F 62 ग्र 22.

परविद्यामन्त्रः
9 F 62 ग्र 1.

परशाम्भवीमन्त्रः
9 F 62 ग्र 1.

पुलिन्दिनीमन्त्रः
9 F 47 ग्र 2.

प्रज्ञामृतस्राविणीमन्त्रः
9 C 121 दे 2.

मीनाक्षीमन्त्रः
27 G 23 आ 2.

मोहिनीमन्त्रः
27 D 49 ग्र 1.

योगिनीहृदयम्
27 I 60 आ 30.

रश्मिमालामन्त्रः
9 D 79 दे 8.

रेणुकामन्त्रविधानम्
27 D 49 ग्र 2.
35 B 86 आ 4.

लोपामुद्रामहामन्त्रः
9 F 62 ग्र 1.

लोपामुद्राविद्या
9 F 62 ग्र 1.

## नवग्रहमन्त्राः

## सामान्यमन्त्राः

दीपपूजा
27 D 49 प्र 15.

देशिकजपः
28 F 41 प्र 1.

देशिकमन्त्रः
19 J 12 प्र 2.

द्रुतप्रसवमन्त्रः
21 A 75 प्र 1.

द्वादशाक्षरमन्त्रः
20 I 32 प्र 1.

धन्वन्तरिकलशम्
20 G 21 के 6 (कोशद्वयम).

निगळमोचनमन्त्रः
29 H 4 आ 1.

निष्कम्पब्रह्मविद्यामन्त्रः
9 F 62 प्र 22.

नीलसूक्तप्रयोगः
33 C 11 ओ 10.

पञ्चतत्त्वन्यासः
34 F 17 के 36.

पञ्चपरमेष्ठिविधानम्
36 A 8 प्र 64.

पञ्चबाणन्यासः
22 A 42 प्र 2.

पाशुपतास्त्रमन्त्रः
28 G 43 प्र 1.

पुरश्चरणचन्द्रिका—देवेन्द्राश्रमधीमद्विरचिता
35 C 91 दे 66.

पुरश्चरणरहस्यम्
11 G 39 ब 9.

पुरश्चरणविधिः
28 H 10 आ 16.
28 K 6 आ 4.

पुरश्चरणसर्वहोमविधानम्
8 F 27 प्र 2.

पुरुषसूक्तयन्त्रम्
28 H 24 के 1.

प्रणवकल्पः—आनन्दतीर्थकृतः
19 K 86 ना 2.

प्रणवजपविधिः
9 B 23 आ 5.

प्रतिबन्धाकर्षणप्रयोगविधिः
28 I 4 प्र 34.

प्राणप्रतिष्ठामन्त्रः (आत्मप्राणप्रतिष्ठामन्त्रः)
19 C 42 प्र 4.
24 D 30 प्र 2.
26 E 11 प्र 2.
27 D 49 प्र 2.
28 G 48 आ 3.

बन्धनमन्त्रः
27 D 49 प्र 1.

बालरक्षा
34 A 10 के 150.

बीजकोष्ठम्
20 K 19 आ 9.

बीजनिघण्टुः
8 B 22 आ 16.

19 G 18 ग्र 2.
19 G 19 ग्र 2.

सिद्धारिकोष्ठोद्धारक्रमः
24 E 51 क 6.

सिद्धारिचक्रम्
33 K 13 ग्र 6 अस.

सिद्धारिनिर्णयः
20 K 19 आ 2.

सुखप्रसवमन्त्रः
19 G 24 आ 1.

सौभाग्यमन्त्रः
20 B 20 ग्र 1 अस.

स्वनक्षत्रपूजाविधिः
33 A 30 ओ 13.

ह्रद्बीजमन्त्रः
9 F 62 ग्र 2.

# जैनग्रन्थाः

## (i) काव्य-चरित्रग्रन्थाः

पद्मचरित्रम्—रविषेणाचार्यकृतम्
39 D 6 ग्र 2041 (सं १—९).

प्रद्युम्नचरितम्
38 C 7 ग्र 375.

मुनिसुव्रतकाव्यम् (काव्यरत्नम्) अर्हद्दासकृतम्
39 E 22 ग्र 131.

मुनिसुव्रतकाव्यव्याख्या (सुखबोधिनी)
39 E 23 ग्र 684.

वर्धमानचरित्रम् (सकलकीर्तिकृतम्)
38 C 6 ग्र 507.

## (ii) पुराणग्रन्थाः

इतिहाससमासः
30 M 23 ग्र 5.

तीर्थनामानि (द्राविडार्थयुतानि)
30 M 32 ग्र-द्रा 21.

पाण्डवपुराणम्—वादिचन्द्रविरचितम्
10 J 21 ग्र 519.

बृहत्पाण्डवपुराणम्
36 C 5 ग्र 1092 (सं १, २).

शान्तितीर्थङ्करपुराणम् (शान्तिनाथपुराणम्)
38 D 5 ग्र 708.

हरिवंशपुराणम् (जिनदासकृतम्)
38 C 5 ग्र 678.

### (iii) सामान्यग्रन्था:

आगमनाम
30 M 2 प्र 54.
30 M 27 प्र 34.

आचार्यभक्तिः
30 M 26 प्र 4.

उत्तरप्रकृतिकर्माणि
30 M 30 प्र-द्रा 17.

कर्मदहनम्
30 M 5 प्र 22 (कोशद्वयम्).

कर्मप्रकृतिः
30 M 9 प्र-द्रा 43.

कुम्भपूजा (कुम्भार्चना)
30 M 8 प्र 22.

गुरुपरम्परा
30 M 26 प्र 4.

चारित्रभक्तिः
30 M 26 प्र 5.

चैत्यभक्तिः (प्राकृतसहिता)
30 M 26 प्र 6.

चैत्यभक्तिकायोत्सर्गः (प्राकृतसहितः)
30 M 26 प्र 2.

जिनगुणसंपत्तिः
30 M 5 प्र 4.

जैनसन्ध्यावन्दनम्
30 M 30 प्र 14.

जैनदेवार्चनाक्रमः
30 M 14 प्र 9.

त्रिलोकचूडामणिः (प्राकृतग्रन्थः)
30 M 23 प्र 18 अस.

दशलाक्षणिकम्
30 M 5 प्र 1.
30 M 21 प्र-द्रा 252.

नन्दीश्वरभक्तिः (प्राकृतसहिता)
30 M 26 प्र 9.

पञ्चकुमारपूजा
30 M 8 प्र 28.

पञ्चगुरुभक्तिः
30 M 26 प्र 2.

पञ्चपरमेष्ठिस्वरूपम्
30 M 9 प्र-द्रा 16.
30 M 28 प्र-द्रा 21.

पदार्थसारः (द्राविडटीकायुतः)—वीतरागसर्वज्ञकृतः
30 M 20 प्र-द्रा 756 (प्राकृतसहितः सं २, ३ अस.)

परिनिर्वाणभक्तिः
30 M 26 प्र 6.

प्रश्नोत्तरोपासकाचारः—आचार्यसकलकीर्तिकृतः
28 J 21 प्र 10.

ब्रह्मदेवमन्त्रः
30 M 28 प्र-द्रा 2.

भावनालक्षणम्
30 M 9 प्र-द्रा 14.

योगभक्तिः
30 M 26 प्र 5 (प्राकृतसहिता).

लघुसिद्धभक्तिकायोत्सर्गः
30 M 26 प्र 1 (प्राकृतसहितः).

शान्तिभक्तिः
30 M 26 प्र 2 (प्राकृतसहिता).

शान्तिमन्त्रः
30 M 22 प्र 1.

श्रुतभक्तिः
30 M 26 प्र 7 (प्राकृतसहिता).

षड्दर्शनसमुच्चयव्याख्या
9 B 44 दे 7 अस.
9 B 90 दे 13.

षोडशक्रिया (अपरप्रयोगः)
30 M 17 प्र 96.

षोडशभावना
30 M 5 प्र 5.

सज्जनचित्तवल्लभः
30 M 35 प्र 8 अस.

सप्तभङ्गीतरङ्गिणी
26 I 38 प्र 70.

समाधिभक्तिः
30 M 26 प्र 1 (प्राकृतसहिता).

सर्वदोषप्रायश्चित्तम्
30 M 5 प्र 10.

सामयिकम्
30 M 26 प्र 3.

सिद्धभक्तिः
30 M 26 प्र 5 (प्राकृतसहिता).

सूक्तिमुक्तावली—सोमप्रभाचार्यकृता
30 M 21 प्र-द्रा 122 (द्राविडटीकायुता).

---

## (iv) स्तोत्रग्रन्थाः

अकलङ्काष्टकम्
30 M 22 प्र 7.
30 M 27 प्र 7.

अष्टपदी
30 M 28 प्र 11.

आर्हतस्तोत्रम्
30 M 7 प्र 6.

ऋषिमण्डलस्तोत्रम्
30 M 23 प्र 4.

कल्याणकल्पद्रुमः (कल्याणस्तवः) — वादिराजसूरिकृतः
30 M 7 प्र 8.
30 M 13 प्र 10.
30 M 16 प्र 15 (कोशद्वयम).

कल्याणमन्दिरस्तोत्रम्—कुमुदचन्द्रसूरिकृतम्
30 M 7 प्र 11.
30 M 13 प्र 14 अस.
30 M 16 प्र 17.

गुरुस्तवः
30 M 26 प्र 2.

चतुर्विंशतितीर्थङ्करसुप्रभातम्
30 M 7 प्र 5.

चन्द्रनाथाष्टकम्
30 M 3 प्र 5.
30 M 15 प्र 5.
30 M 25 प्र 5.

चित्रकसमन्तभद्रम्—माखणन्द्याचार्यकृतम्
30 M 1 प्र 6.

चैत्यालयवन्दनस्तोत्रम्
30 M 7 ग्र 4.

चैत्यालयवर्णनस्तोत्रम्
30 M 7 ग्र 9.

जयमालास्तुतिः
30 M 1 ग्र 13.
30 M I5 ग्र 14.

जिनसुप्रभातम
30 M 14 ग्र 6.
30 M 15 ग्र 4.
30 M 22 ग्र 5.
30 M 26 ग्र 2.
30 M 31 ग्र 5.
30 M 35 ग्र 8 (१—२४ श्लोकाः).

जिनाष्टोत्तरशतनामस्तोत्रम् (शताष्टकम्)
30 M 7 ग्र 3.

जिनाष्टोत्तरसहस्रनामस्तोत्रम् (सहस्राष्टकम्)
30 M 7 ग्र 23.
30 M 35 ग्र 22.

तीर्थङ्करस्तोत्रम्
30 M 35 ग्र 7 अस.

दण्डनायकदण्डकस्तोत्रम्
30 M 1 ग्र 1.
30 M 29 ग्र 10.

दशावतारस्तोत्रम्
30 M 7 ग्र 3.

दृष्टाष्टकम्
30 M 4 ग्र 5.

नेमिनाथाष्टकम्
30 M 15 ग्र 5.
30 M 22 ग्र 4.
30 M 25 ग्र 4.

पञ्चकुमारपूजा
30 M 13 ग्र 9.

पार्श्वनाथाष्टकम्
30 M 22 ग्र 4.
30 M 25 ग्र 3.

पुष्पाञ्जलिः
30 M 15 ग्र 10 (कोशद्वयम्).
30 M 18 ग्र 9.
30 M 25 ग्र 8.
30 M 29 ग्र 9.
30 M 31 ग्र 9.
30 M 35 ग्र 7.

बाहुबलिनाथाष्टकम्
30 M 3 ग्र 6.
30 M 15 ग्र 4.
30 M 25 ग्र 4.

ब्रह्मदेवदण्डकम्
30 M 28 ग्र 3.

भक्तामरस्तोत्रम्—मानतुङ्गाचार्यविरचितम्
30 M 7 ग्र 14.
30 M 13 ग्र 16.
30 M 35 ग्र 14.

भक्तामरस्तोत्रवृत्तिः (द्वात्रिंशज्जैनकथा)—रायमल्ल-कृता
21 M 59 ग्र 40.

# LIST OF MANUSCRIPTS ACQUIRED AFTER THE PREPARATION OF THE CATALOGUE

## वेदाः

ऋग्वेदव्याख्या

40 C 10 के (प्रथमश्लोकः).

ऐतरेयब्राह्मणव्याख्या (सुखप्रदा)—षड्गुरुशिष्यकृता

39 C 15 दे 1507 सं २–४.

पुरुषसूक्तम्

25 C 6 ग्र 7.

पुरुषसूक्तभाष्यम्

40 I 6 ग्र 33.

ब्राह्मणाग्निसूक्तम्

27 D 49 ग्र 8.

रुद्रभाष्यम्—अहोबलकृतम् (श्लोकरूपम्)

40 F 26 ग्र 52.

रुद्रभाष्यम्—भट्टभास्करकृतम्

40 I 6 ग्र 42.

वेदार्थप्रकाशः (यजुर्ब्राह्मणभाष्यम्) सायणाचार्यकृतः

40 G 9 ग्र 224 ३ काण्डे ७ प्रश्नप्रभृति ९ प्रश्ने २३ अनुवाकपर्यन्तं. २ काण्डे, १ प्रश्नश्च

शिवचिद्रश्मिमालासूक्तम्

21 K 58 आ 4.

श्रीसूक्तभाष्यम्

40 I 6 ग्र 71.

अगस्त्याप्रिया

40 G 17 ग्र 1.

अङ्गिराप्रिया

40 G 17 ग्र 1.

आत्रेयाप्रिया

40 G 17 ग्र 1.

कण्वाप्रिया

40 G 17 ग्र 1.

काश्यपाप्रिया

40 G 17 ग्र 2.

भार्गवाप्रिया

40 G 17 ग्र 1.

वसिष्ठाप्रिया

40 G 17 ग्र 2.

वाध्यश्वाप्रिया

40 G 17 ग्र 2.

विश्वामित्राप्रिया

40 G 17 ग्र 2.

शौनकाप्रिया
40 G 17 ग्र 2.

---

## उपनिषदः

अवधूतोपनिषत्
40 F 14 ग्र 6.

कलिसन्तरणोपनिषत्
40 F I4 ग्र 2.

गरुडोपनिषत्
40 F 14 ग्र 8.

दत्तात्रेयोपनिषत्
40 F 14 ग्र 7.

माण्डूक्योपनिषत्
40 G 1 आ 10 अस.

मुक्तिकोपनिषत्
40 F 14 ग्र 12.

वासुदेवोपनिषत्
40 F 14 ग्र 5.

सरस्वतीरहस्योपनिषत्
40 F 14 ग्र 10.

हयग्रीवोपनिषत्
40 F 14 ग्र 4.

---

## उपनिषद्भाष्यम्

ऐतरेयोपनिषद्भाष्यम्
40 G 4 ग्र 10.

---

## वेदाङ्ग—वेदलक्षणानि

आपिशलिशिक्षा
40 C 10 के.

कम्पसूत्रम्
40 G 20 ग्र 4.
40 G 20 ग्र 4.

जटान्यायपञ्चाशद्विवरणम्
40 G 20 ग्र 63.

जटाविचारः
40 G 20 ग्र 58.

तन्नैर्ऋतमित्यत्रलक्षणविचारः
40 G 20 ग्र 10.

पाणिनीयशिक्षा
40 C 10 के.

प्रणवनिर्णयः
40 G 20 ग्र 7.

प्रतिहारसूत्रम्
40 H 17 ग्र 12.

पुल्लसूत्रम् (पुष्पसूत्रम्) पुष्पर्षिकृतम्
40 H 17 ग्र 44 अस.

व्यासशिक्षा—व्यासकृता
40 G 20 ग्र 32.

व्यासशिक्षाव्याख्या (वेदतैजसम्) सूर्यनारायण-दीक्षितकृता
40 G 20 ग्र-आ 274.

शौनकीयशिक्षाव्याख्या
40 C 10 के.

स्वरपञ्चाशत्
40 G 20 ग्र 6.

स्वरलक्षणम्
40 C 10 के.

---

## श्रौतसूत्राणि

अग्निहोत्रप्रश्नः
40 G 19 ग्र 18.

आधानसूत्रम् (प्रश्नः)
40 G 19 ग्र 8.

आपस्तम्बश्रौतसूत्रम्—आपस्तम्बकृतम्
40 G 10 ग्र 32 अस (सव्याख्यम्)
40 G 15 ग्र 280.

आपस्तम्बश्रौतसूत्रभाष्यम्—धूर्तस्वामिकृतम्
40 F 20 ग्र 318 अस.

धूर्तस्वामिभाष्यवृत्तिः—कौशिकरामकृता
40 G 10 ग्र 186 अस.

आपस्तम्बसूत्रदीपिका (सोमदीपिका) रुद्रदत्तकृता
40 H 12 ग्र 192.

आपस्तम्बसूत्रवृत्तिः (सूत्रदीपिका) रुद्रदत्तकृता
40 H 11 ग्र 122.

उत्तरसूत्रम्
40 G 14 ग्र 12.

चातुर्मास्यप्रश्नः
40 G 19 ग्र 18.

दर्शपूर्णमाससूत्रम्
40 G 19 ग्र 54.

द्वादशाहसूत्रम्
40 G 14 ग्र 6.

द्वैधकर्मान्तसूत्राणि
40 H 5 ग्र 295.

पशुप्रश्नः
40 G 19 ग्र 16.
40 H 5 ग्र 40 अस.

प्रवरसूत्रम्
40 G 14 ग्र 7.

भरद्वाजश्रौतसूत्रम्—भरद्वाजकृतम्
40 G 19 ग्र 108.

शुल्बप्रश्नः
40 G 14 ग्र 12.
40 H 5 ग्र 22.

श्रौतसूत्रम्
40 H 17 ग्र 88 अस.

सामान्यसूत्रम्
40 G 14 ग्र 4.

सौत्रामणिसूत्रम्
40 G 14 ग्र 18.

---

## श्रौतप्रयोगाः

अगारेष्टिः
40 G 17 ग्र 7.

अग्निष्टोमप्रयोगः
40 G 8 ग्र 240.

अग्निष्टोममैत्रावरुणप्रयोगः
40 H 16 ग्र 38.

---

## श्रौतप्रायश्चित्तानि



---

## गृह्यसूत्रम्



---

## गृह्यपूर्वप्रयोगाः

रुद्रानुष्ठानपद्धतिः—नारायणभट्टकृता
39 E 8 दे 168.

व्यासपूजाविधिः
40 H 4 ग्र 7.

शताभिषेकप्रयोगः
40 G 4 ग्र 2.

शिवपूजा
19 M 55 ग्र 8 (आदितः भस्मधारणान्ता).

---

## गृह्यापरप्रयोगः

यतिसंस्कारप्रयोगः
40 H 4 ग्र 26.

---

## शान्तिप्रयोगाः

अशनिपातशान्तिः
40 I 12 ग्र 4.

नाळवेष्टनशान्तिः
40 I 12 ग्र 5.

---

## मूलस्मृतयः

मिताक्षरव्याख्या (सुबोधिनी) विश्वेश्वरकृता
39 E 15 दे 204.

हारीतस्मृतिः—हारितकृता
40 E 17 ग्र 197 अस.

---

## निबन्धस्मृतयः

आशौचनिर्णयः
40 H 4 ग्र 12.

कालसिद्धान्तः—चन्द्रचूडभट्टकृतः
39 E 3 दे 130.

कुण्डमण्टपसिद्धिः (कुण्डसिद्धिः)—विठ्ठलदीक्षितकृता
35 C 26 दे 40 (आदितः ४९ श्लोकाः, सव्याख्या).
39 E 36 दे 56.

गृह्यतत्वम्
39 E 7 दे 324.

चत्वारिंशत्कर्माणि
40 I 12 ग्र 7.

धर्मशास्त्रनिष्कर्षः (चोळदेशे वासुदेवशास्त्रिणां सन्निधाने)
40 I 12 ग्र 40 अस.

धर्मशास्त्रवचनानि
40 F 11 ग्र 40 अस.

प्रवरखण्डिका—अहोबलभट्टकृता
39 E 5 दे 14.

प्रवररत्नम्—लक्ष्मणकृतम्
39 E 2 दे 66.

रजस्वलाविषयः
40 I 12 ग्र 2 अस.

श्राद्धनिर्णयः
26 E 15 ग्र 3.

स्मृतिसङ्ग्रहश्लोकाः
40 H 4 ग्र 4.

स्मृत्यर्थसारः
39 E 12 दे 90.

## इतिहासग्रन्थाः

अध्यात्मरामायणम्
40 H 10 ग्र 281.

इतिहाससमुच्चयः
40 E 20 ग्र 148.

रामायणम्—वाल्मीकिकृतम्
40 E 10 ग्र 692 (आदितः ६ काण्डाः).
40 F 19 ग्र 103 (बालकाण्डः).
40 F 19 ग्र 155 (सुन्दरकाण्डः).

रामायणव्याख्या—रामानुजकृता
40 H 15 ग्र 358.

रामायणव्याख्या (दीपिका)—वैद्यनाथकृता
40 E 21 ग्र 208 (आरण्ययुद्धकाण्डौ).

वासिष्ठविवरणम्—मुम्मडिदेवकृतम्
40 H 18 ग्र 256.

वासिष्ठविवरणम्—रामेन्द्रयमिकृतम्
40 F 28 ग्र 510.

शेषधर्मः—व्यासकृतः (हरिवंशान्तर्गतः)
40 I 13 ग्र 190.

## गीताग्रन्थाः

ब्रह्मगीता—व्यासकृता
40 G 3 ग्र 10 (किञ्चित्).

भगवद्गीताव्याख्या (पदयोजना) रामचन्द्रानन्दसरस्वतीकृता
40 H 13 ग्र 258.

भगवद्गीताव्याख्या (सुबोधिनी)—श्रीधरकृता
40 E 16 ग्र 300.

रामगीता
19 M 55 ग्र 6.

गुरुगीता (विश्वसारतन्त्रान्तर्गता)
11 F 113 ब 9.

## उपाख्यानग्रन्थाः

रुक्माङ्गदोपाख्यानम्
40 I 5 ग्र 157.

ललितोपाख्यानम्—व्यासकृतम (ब्रह्माण्डोत्तरखण्डान्तर्गतम्)
40 H 6 ग्र 261.

## माहात्म्यग्रन्थाः

कठोरगिरिमाहात्म्यम्—व्यासकृतम् (ब्रह्माण्डपुराणे)
40 H 3 ग्र 22 अस.
40 H 3 ग्र 132.

कावेरीपत्तनवैश्यमाहात्म्यम् (शिवभक्तमाहात्म्यम्)
39 D 10 दे 498.

चम्पकारण्यमाहात्म्यम्
40 F 7 ग्र 162.

तुलाकावेरीमाहात्म्यम्—व्यासकृतम् (आग्नेये)
40 H 7 ग्र 175.
40 I 3 ग्र 166.

त्रिशिरगिरिमाहात्म्यम्
40 F 5 ग्र 118.

दक्षिणद्वारकामाहात्म्यम्
40 F 7 ग्र 52.

नामत्रयमाहात्म्यम्
33 C 2 ओ 16.

पाण्डुरङ्गमाहात्म्यम्
40 E 22 ग्र 45.

प्राग्रहेश्वरमाहात्म्यम् (आग्नेये)
40 I 2 ग्र 26.

भागवतमाहात्म्यम्—व्यासकृतम्
40 E 22 ग्र 20.

माघमाहात्म्यम्—व्यासकृतम् (पाद्मे)
40 H 7 ग्र 135.

वरदराजक्षेत्रमाहात्म्यम्—व्यासकृतम् (ब्रह्माण्डपुराणे)
40 I 2 ग्र 16.

वैद्यनाथस्थलमाहात्म्यम्—(शिवपुराणान्तर्गतम्)
40 F 9 ग्र 112.

शिवनाममाहात्म्यम्
40 F 15 ग्र 1.

श्रीरङ्गमाहात्म्यम्—व्यासकृतम्
40 F 5 ग्र 58.
40 H 1 ग्र 82 (ब्रह्माण्डपुराणे).

श्रीवाञ्छमाहात्म्यम्—व्यासकृतम्
40 I 2 ग्र 13 (शिवरहस्यखण्डे).
40 I 2 ग्र 14 (दभ्राळिवनमाहात्म्यम्).
40 I 2 ग्र 6 (स्कान्दे-सह्याद्रिखण्डे).
40 I 2 ग्र 2 (शिवरस्योत्तरखण्डे ७ अंशे).
40 I 2 ग्र 124 (साम्बोपपुराणे).
40 I 2 ग्र 30 (ब्रह्माण्डोपपुराणे).
40 I 2 ग्र 6 (ब्रह्माण्डपुराणे).
40 I 2 ग्र 50 (स्कान्दे).

सेतुमाहात्म्यम्—व्यासकृतम्
40 F 23 ग्र 322 (स्कान्दे).

---

## अष्टादशपुराणान्तर्गतपुराणानानि

भागवतम्—व्यासकृतम् (सव्याख्यम्)
40 E 11 ग्र 438 (१–९ स्कन्धपर्यन्तम्, श्रीधरीयव्याख्यायुतम्).
40 E 12 ग्र 614 (१०–१२ स्कन्धपर्यन्तम्, श्रीधरीयव्याख्यायुतम्).
40 E 18 ग्र 406 (१० स्कन्धः सव्याख्यः).
40 I 16 ग्र 488 (१० स्कन्धः सव्याख्यः).

विष्णुपुराणम्—व्यासकृतम्
40 G 16 ग्र 330 (१ अंशे, ११ अध्यायप्रभृति ६ अंशपर्यन्तम्).

हरिभक्तिसुधोदयः—व्यासकृतः (नारदीयपुराणे)
40 E 14 ग्र 376 (श्रीधरीयव्याख्यायुतः).

धर्मसंहिता
40 E 19 ग्र 96.

वैष्णवकण्ठाभरणम् (विष्णुधर्ममीमांसा) सोमसूनुकृतम्
40 F 3 ग्र 296.

सालग्रामलक्षणम्

40 F 2 ग्र 192.

40 G 20 ग्र 12.

हरिहराद्वैतभूषणम्—बोधेन्द्रयतिकृतम्

40 F 4 ग्र 232.

---

## अनार्षस्तोत्राणि

मङ्गलंभगवानितिश्लोकव्याख्या

40 G 13 ग्र 4.

रामस्तोत्रम्

40 F 15 ग्र 20.

---

## वल्लभाचार्यकृतस्तोत्राणि

कृष्णप्रेमामृतरसायनम्

40 F 15 ग्र 7.

मधुराष्टकम्

40 F 15 ग्र 2.

श्रीमद्गोकुलाष्टकम्

40 F 15 ग्र 3.

---

## शङ्कराचार्यकृतस्तोत्राणि

दक्षिणामूर्तिस्तोत्रम् (दक्षिणामूर्त्यष्टकम्)

40 G 4 ग्र 1.

40 G 7 ग्र 2.

40 I 9 ग्र 14.

पाण्डुरङ्गाष्टकम्

40 F 15 ग्र 4.

पूजास्तोत्रम् (सवृत्तिकम्)—ज्ञानशम्भुकृतम्

28 H 47 ग्र 192 (अस, अतिशिथिलम्).

मूकाम्बिकास्तोत्रम्

40 F 6 ग्र 3.

विष्णुपादादिकेशान्तस्तुतिः

40 F 1 ग्र 34.

विष्णुसहस्रनामभाष्यम्

40 E 15 ग्र 178.

हरिस्तुतिव्याख्या—स्वयंप्रकाशयतिकृता

40 E 23 ग्र 60.

सौन्दर्यलहरी (लक्ष्मीधरव्याख्यायुता)

34 K 23 दे 234 अस.

सौन्दर्यलहरीव्याख्या (भाग्यवर्धिनी) कैवल्याश्रमकृता

34 K 24 दे 167.

आनन्दलहरीटीका (तरी) गौरीकान्तसार्वभौमभट्टाचार्यकृता

34 J 12 दे 124.

---

## श्रीधरवेङ्कटेश्वरकृतस्तोत्राणि

आख्याषष्टिः

40 F 16 ग्र 14.

आर्तिहरस्तोत्रम्

40 F 16 ग्र 1.

कुलीरेशाष्टकम् (कुलीराष्टकम्)

40 F 16 ग्र 2.

---

## अष्टोत्तरशतनामादयः



---

## आर्षस्तोत्राणि

---



---

## गद्यकाव्यग्रन्थाः



---

## पद्यकाव्यग्रन्थाः

33 A 21 ओ 181.
35 C 86 दे 110.

श्रीनामविलासः—श्रीमत्साहिबकौलकृतः
9 B 47 दे 344.

---

## नाटकग्रन्थाः

प्रतिज्ञायौगन्धरायणम्—भासकृतम्
40 D 5 के

---

## अलङ्कारग्रन्थाः

कुवलयानन्दव्याख्या (मनोरमा)
27 E 42 ग्र

ध्वन्यालोककारिकाः
40 D 3 के 15.

ध्वन्यालोकव्याख्या (कौमुदी) उत्तुङ्गोदयराजकृता
39 F 4 दे 732 (उद्योतः).

शृङ्गारप्रकाशः—भोजदेवकृतः
39 F 2 दे 3870 (सं १–८.)

---

## कोशग्रन्थाः

टीकासर्वस्वम् (अमरकोशव्याख्या) सर्वानन्दकृतम्
39 F 5 दे 594 (प्रथमकाण्डः).

---

## सङ्गीतग्रन्थाः

सङ्गीतमङ्गहचिन्तामणिः
39 D 7 दे-द्रा 384.

सङ्गीतरत्नाकरः—शार्ङ्गदेवकृतः
39 D 4 द्रा-दे 107 (श्रुतिप्रकरणम्).

---

## व्याकरणग्रन्थाः

वाक्यपदीयटीका हरिवृषभदेवकृता
39 F 3 दे 320 अस.

---

## अद्वैतग्रन्थाः

परमार्थसारः—शेषकृतः
28 F 31 आ 134 (आन्ध्रप्रतिपदार्थयुतः).

---

## विशिष्टाद्वैतग्रन्थाः

कारिकाव्याख्या
34 H 11 ग्र 24 अस.

उत्तरसारास्वादनी
26 J 15 ग्र-द्रा 326 (२४–२८ अधिकाराः).
30 E 27 ग्र-द्रा 80 (३०–३२ अधिकाराः).

मतत्रयैक्यप्रकाशिका—ऐय्यणाचार्यकृता
38 A 21 ग्र 546.

---

## मन्त्रशास्त्रग्रन्थाः

Printed by A. K Sitarama Shastri, at the Vasanta Press, Adyar and published by the Adyar Library, Adyar, Madras.

D.G.A. 80.

CENTRAL ARCHAEOLOGICAL LIBRARY
NEW DELHI

Issue record.

Call No.— 091.4912/A.L.-7910

Author— Adyar library pandits.

Title— Catalogue of the Samskrit MSS. in the Adyar lib. Pt.2.

| Borrower's Name | Date of Issue | Date of Return |
|---|---|---|
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |

P.T.O.

[illegible] — [illegible]

Sanskrit — [illegible]